THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 34 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) वैशाख शु.4 2082 गुरुवार, 1 मई-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✲ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

पाकिस्तान ने इंटरनेशनल बॉर्डर पर चौकियां खाली कीं

पाकिस्तानी झंडे हटाए

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। पहलगाम हमले के 8 दिन बाद बुधवार को पाकिस्तानी सेना ने इंटरनेशनल बॉर्डर पर कई पोस्ट खाली कर दी हैं। पाकिस्तानी सेना ने इन पोस्ट से झंडे भी हटा लिए हैं। कठुआ के पर्गवाल इलाके में ये पोस्ट खाली की गई हैं। पाकिस्तानी सेना एलओसी पर लगातार सीजफायर वॉयलेशन कर रही है। पाकिस्तानी सेना ने बुधवार को पहली बार इंटरनेशनल बॉर्डर पर भी सीजफायर तोड़ा। जिसका भारतीय सेना ने तुरंत जवाब दिया। प्रधानमंत्री आवास पर सुरक्षा मामलों की कैबिनेट कमेटी बैठक खत्म हो गई है। यह दूसरी मीटिंग है, पहली मीटिंग पहलगाम अटैक के अगले दिन 23 अप्रैल को हुई थी।

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड का नए सिरे से गठन

पूर्व रॉ चीफ को चेयरमैन बनाया, 5 सदस्यों में आर्मी-नेवी-एयरफोर्स के पूर्व अफसर, डिप्लोमैट-आईपीएस भी शामिल

पूर्व एयर मार्शल पीएम सिन्हा भारतीय वायुसेना में वेस्टर्न एयर कमांडर थे।

ले. जनरल अजय कुमार सिंह भारतीय सेना में सदर्न आर्मी कमांडर थे।

रियर एडमिरल (रिटायर्ड) मॉन्टी खन्ना नेवी में दूसरे सबसे बड़े पद से रिटायर हुए।

डी. बाला वेंकटेश वर्मा पूर्व डिप्लोमैट थे।

पूर्व IPS अफसर राजीव रंजन वर्मा

पूर्व IPS अफसर मनमोहन सिंह

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड (एनएसएबी) का नए सिरे से गठन किया है। रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) के पूर्व प्रमुख रहे आलोक जोशी को इसका नया चेयरमैन बनाया गया है। इसमें चार सदस्य भी होंगे। इनमें आर्मी और एयरफोर्स के पूर्व अफसर हैं। साथ पूर्व डिप्लोमैट और पूर्व आईपीएस अफसर को भी शामिल किया गया है। सरकार ने ये फैसला पहलगाम आतंकी हमले को देखते हुए लिया है।

आलोक जोशी

राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय को इनपुट देगा। पीएम नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई सुरक्षा पर कैबिनेट कमेटी की बैठक में ये फैसला लिया गया।

ये 5 सदस्य होंगे

वेस्टर्न एयर कमांडर के पूर्व एयर मार्शल पीएम सिन्हा, पूर्व सदर्न आर्मी कमांडर ले. जनरल एके सिंह, रियर एडमिरल (रिटायर्ड) मॉन्टी खन्ना, पूर्व डिप्लोमैट बी वेंकटेश वर्मा, पूर्व आईपीएस अफसर राजीव रंजन वर्मा

इस बार जाति जनगणना

पहली जनगणना 1951 में हुई थी और आखिरी 2011 में

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने जातिगत जनगणना को लेकर बड़ा फैसला लिया है। सरकार ने जातिगत जनगणना कराने का एलान कर दिया है। यह जनगणना मूल जनगणना के साथ ही कराई जाएगी। कैबिनेट की बैठक के बाद मंत्रिमंडल के फैसलों पर केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, 'राजनीतिक मामलों की कैबिनेट समिति ने आज फैसला किया है कि जाति गणना को आगामी जनगणना में शामिल किया जाना चाहिए।'

उन्होंने कहा कि कांग्रेस का पूर्ववर्ती सरकारों ने हमेशा से ही जातिगत जनगणना का विरोध किया है। आजादी के बाद से ही जाति को जनगणना की किसी भी प्रक्रिया में शामिल नहीं किया गया। 2010 में तत्कालीन प्रधानमंत्री दिवंगत मनमोहन सिंह ने लोकसभा में आश्वासन दिया कि जातिगत जनगणना को कैबिनेट के सामने रखा जाएगा। इसके बाद एक मंत्रीमंडल समूह का गठन किया गया। इसमें ज्यादातर राजनीतिक दलों ने जातिगत जनगणना की संस्तुति की। इसके बावजूद भी कांग्रेस ने महज खानापूर्ति का ही काम किया। उसने महज सर्वे कराना ही उचित समझा।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'यह अच्छी तरह से समझा जा सकता है कि कांग्रेस और उसके इंडी गठबंधन के सहयोगियों ने

जाति जनगणना को केवल एक राजनीतिक उपकरण के रूप में इस्तेमाल किया है। जनगणना का विषय संविधान के अनुच्छेद 246 की केंद्रीय सूची की क्रम संख्या 69 पर अंकित है। यह केंद्र का विषय है। हालांकि, कुछ राज्यों ने जातियों की गणना के लिए सर्वेक्षण सुचारू रूप से किया है, जबकि राजनीतिक दृष्टिकोण से गैर-पारदर्शी तरीके से ऐसे सर्वेक्षण किए हैं। ऐसे सर्वेक्षणों ने समाज में भ्रांति फैली है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि हमारा सामाजिक ताना-बाना राजनीति के दबाव में न आए। हमें जाति जनगणना के लिए एक मंच तैयार करना चाहिए। इससे यह सुनिश्चित होगा कि समाज आर्थिक और सामाजिक दृष्टि से मजबूत होगा और देश का विकास भी निर्बाध रूप से चलती रहेगी।

जनगणना 1951 से प्रत्येक 10 साल के अंतराल पर की जाती थी, लेकिन 2021 में कोरोना महामारी के कारण जनगणना टल गई थी। राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर (एनपीआर) को भी अपडेट करने का काम बाकी है। अभी तक जनगणना की नई तारीख का आधिकारिक तौर पर एलान भी नहीं किया गया है। सूत्रों के मुताबिक, जनगणना के आंकड़े 2026 में जारी किए जाएंगे। इससे भविष्य में जनगणना का चक्र बदल जाएगा। जैसे 2025-2035 और फिर 2035 से 2045।

क्यों अहम है जनगणना?

जनगणना के आंकड़े सरकार के लिए नीति बनाने और उन पर अमल करने के साथ-साथ देश के संसाधनों का समान वितरण सुनिश्चित करने के लिए बेहद अहम होते हैं। इससे न सिर्फ जनसंख्या बल्कि जनसांख्यिकी, आर्थिक स्थिति कई अहम पहलुओं का पता चलता है।

पहली जनगणना 1872 और आखिरी 2011 में हुई थी

भारत में हर दस साल में जनगणना होती है। पहली जनगणना 1872 में हुई थी। 1947 में आजादी मिलने के बाद पहली जनगणना 1951 में हुई थी और आखिरी जनगणना 2011 में हुई थी। आंकड़ों के मुताबिक, 2011 में भारत की कुल जनसंख्या 121 करोड़ थी, जबकि लिंगानुपात 940 महिलाएं प्रति 1000 पुरुष और साक्षरता दर 74.04 फीसदी था।

फैसले पर किसने क्या कहा:

चिराग पासवान- देशहित में अहम फैसला लिया गया है। यह फैसला समावेशी विकास के लिए लिया गया है।

लालू यादव- हमें जातिवादी कहने वालों को करारा जवाब मिला है।

केशव मौर्य- कांग्रेस के मुंह पर करारा तमाचा है। कांग्रेस केवल कहती है मोदी सरकार करती है। कांग्रेस पार्टी केवल ढोंग कर रही थी।

तेजस्वी यादव- यह फैसला हमारी जीत है। हमारी बात सरकार को माननी पड़ी।

कांग्रेस नेता उदित राज- यह कांग्रेस की जीत है। आखिरकार मोदी सरकार को जाति जनगणना करानी पड़ रही है।

केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय: जाति जनगणना का फैसला दर्शाता है कि सरकार देश और समाज के विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

विपक्षी कांग्रेस समेत तमाम सियासी पार्टियां जाति जनगणना की मांग कर रहे हैं, ताकि देश में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) की कुल संख्या का पता चल सके।

मोदी कैबिनेट में कई अहम फैसले

असम-मेघालय के बीच नया हाईवे, गन्ने के एफआरपी में किया गया इजाफा

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्र सरकार की कैबिनेट की बैठक में बुधवार को कई अहम फैसले लिए गए हैं। सरकार ने असम और मेघालय के बीच नए हाईवे के निर्माण को मंजूरी दी है। यह हाईवे सिल्चर से शिलॉन्ग तक बनेगा। इसका निर्माण नॉर्थ ईस्ट कॉरिडोर के तहत किया जा रहा है। इसके अलावा गन्ने के एफआरपी को बढ़ाने का एलान किया गया है। गन्ने की नई एफआरपी 355 रुपए प्रति कुंटल की गई है। बुधवार को केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इसकी जानकारी दी।

ग्रीनफील्ड हाई-स्पीड कॉरिडोर के निर्माण को मंजूरी दी गई है, जिसकी कुल लंबाई 166.80 किलोमीटर होगी। यह मार्ग मेघालय में शिलॉन्ग के पास मावलिंगखुंग से शुरू होकर असम में सिलचर के पास पंचग्राम तक जाएगा। इससे गुवाहाटी, शिलॉन्ग, सिलचर, डिएंगपासोह, उम्मुलोंग, फ्रामेर, ख्लिएरियात, रताचेरा, उमकियांग, कलैन जैसे शहरों और कस्बों से निर्बाध संपर्क सुनिश्चित होगा।

गन्ना किसानों को बड़ी सौगात

सरकार ने बुधवार को अक्टूबर से शुरू होने वाले आगामी 2025-26 सत्र के लिए गन्ने का उचित और लाभकारी मूल्य (एफआरपी) 4.41 प्रतिशत बढ़ाकर 355 रुपये प्रति क्विंटल करने का फैसला किया। चालू 2024-25 सत्र के लिए गन्ने का एफआरपी 340 रुपये प्रति क्विंटल तय किया गया है। केंद्र सरकार एफआरपी तय करती है, जो अनिवार्य न्यूनतम मूल्य है। चीनी मिलें गन्ना किसानों को उनकी उपज के लिए यह मूल्य देने को कानूनी रूप से बाध्य हैं।

सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सीसीईए की बैठक के बाद संवाददाताओं को बताया कि मूल वसूली दर यानी प्रसंस्करण के दौरान गन्ने से प्राप्त चीनी 10.25 प्रतिशत रहने पर 355 रुपये प्रति क्विंटल का एफआरपी स्वीकृत किया गया है।

चीनी प्राप्ति दर इससे अधिक होने पर मूल्य अधिक मिलेगा, जबकि कम होने पर मूल्य कम हो जाएगा। इस तरह 9.5 प्रतिशत की दर पर किसानों को 329.05 रुपये प्रति क्विंटल की दर से भुगतान किया जाएगा। इससे कम चीनी प्राप्ति की दर होने पर कोई कटौती नहीं की जाएगी और न्यूनतम 329.05 रुपये प्रति क्विंटल का भुगतान हर हाल में किसानों को किया जाएगा। हर गन्ना सीजन में, केंद्र सरकार कृषि लागत एवं मूल्य आयोग की सिफारिशों के आधार पर गन्ने के एफआरपी तय करती है।

200 करोड़ लोगों पर पानी का खतरा मंडराया

वजह- 23 साल बाद हिमालय पर सबसे कम बर्फबारी; गंगा-यमुना का जलस्तर कम होगा

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। अब हिमालय पर भी ग्लोबल वार्मिंग का असर पड़ने लगा है। हिंदूकुश हिमालय की पर्वत श्रृंखलाओं में लगातार तीसरे साल सामान्य से कम बर्फबारी हुई। इसके अलावा हिमालय पर मौसमी बर्फ के जमे रहने के समय में भी 23.67 की कमी आई है, जो कि पिछले 23 साल में सबसे कम है। इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट संस्था ने अपनी हालिया रिपोर्ट में इसका खुलासा किया है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, बर्फबारी में कमी से भारत के 65% हिस्से पर असर पड़ेगा। यह हिस्सा गंगा, यमुना जैसी नदियों से जुड़ा है।

पर्यावरणविद डॉ. अनिल प्रकाश जोशी बताते हैं कि गंगा, यमुना, सिंधु और ब्रह्मपुत्र जैसी नदियों के पानी का सोर्स ग्लेशियर हैं। बर्फबारी कम होने से इन नदियों में पानी कम हो जाएगा। इन नदियों के पानी का उपयोग खेती, पीने के लिए और इंडस्ट्रीज में होता है। इससे लोगों का जीवन प्रभावित होगा।

कम बर्फबारी से न सिर्फ भारत और पाकिस्तान बल्कि अफगानिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, चीन, म्यांमार और नेपाल भी प्रभावित होंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, हिंदुकुश हिमालय रेंज से निकलने वाली 12 नदियों के आस-पास रहने वाले करीब 200 करोड़ लोगों के लिए जल संकट का खतरा है। रिपोर्ट से जुड़े शेर मोहम्मद का कहना है कि इस साल जनवरी के अंत तक बर्फबारी शुरू नहीं हुई थी। पूरे ठंड के मौसम में औसत से कम बर्फबारी हुई। यहां तक कि हिंदुकुश हिमालय के कई देशों ने पहले ही सूखे की चेतावनी जारी कर दी है। रिपोर्ट में बताया गया कि, साउथ-ईस्ट एशिया की दो सबसे लंबी नदी मेकांग और सालवीन, जिनसे चीन और म्यांमार को पानी मिलता है, उनके ग्लेशियरों की आधी बर्फ पिघल चुकी है।

एक्सपर्ट्स बताते हैं कि, हिंदुकुश हिमालय पर्वतमाला अफगानिस्तान से म्यांमार तक 8 देशों में फैली है। यह एशिया में 3500 किलोमीटर तक फैली हुई है और इसके ग्लेशियर करीब 200 करोड़ लोगों के लिए ताजे पानी का अहम सोर्स है। ऐसे में यहां बर्फबारी का लगातार कम होना खतरनाक है।

कहां तक भागेंगे पहलगाम के गुनहगार

बैठकों के दौर में फुलप्रूफ रणनीति पर मंथन

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। पहलगाम हमले पर भारत निर्णायक कार्रवाई की तैयारियों में जुटा हुआ है। यही वजह है कि मंगलवार से सत्ता के शीर्ष स्तर पर बैठकों का दौर जारी रहा। बुधवार सुबह से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लगातार उच्चस्तरीय बैठकें की हैं।

क्योंकि, यह मामला सिर्फ पहलगाम में हुए आतंकी हमले का बदला लेने तक सीमित नहीं है। इसे कूटनीतिक स्तर पर भी देखना जरूरी है। एक तरफ देश 26 बेगुनाहों के कातिलों और उनके आकाओं को सजा देने की योजना तैयार कर रहा है तो दूसरी तरफ कूटनीतिक स्तर पर इसे दुनिया भर का समर्थन भी मिल रहा है। भारत कोई भी कदम पूरी तरह से एक फुलप्रूफ रणनीति के आधार पर उठाना चाहता है, ताकि दोषियों को ऐसी सजा मिले, जो फिर कभी पहलगाम जैसी गलती करने का दुस्साहस न दिखा सकें।

सीसीएस की बैठक के बाद कैबिनेट कमेटी ऑन पॉलिटिकल अफेयर्स की बैठक आयोजित की गई। यह बैठक इस वजह से महत्वपूर्ण है, क्योंकि कांग्रेस ने पहलगाम हमले के बाद संसद के विशेष सत्र की मांग की है। केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने भी कहा है कि कांग्रेस की इस तरह की मांग आई है और इसपर चर्चा की जाएगी। यह राजनीतिक मामलों की सरकार की सबसे बड़ी समिति है और इसमें देश के मौजूदा सियासी हालात पर मंथन होने की संभावना है।

तीसरी महत्वपूर्ण बैठक कैबिनेट कमेटी ऑन इकोनॉमिक अफेयर्स की हुई। यह आर्थिक मामलों की भारत सरकार की सर्वोच्च समिति है। माना जा रहा है कि इस बैठक में देश की मौजूदा हालात और उसके आर्थिक पहलुओं पर विचार के लिए यह बैठक बुलाई गई थी।

राहुल पहलगाम में मारे गए शुभम के परिवार से मिले

पत्नी रोने लगीं तो गले लगाया; कहा-मैंने भी पिता, दादी को खोने का दर्द झेला

कानपुर, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। राहुल गांधी के यूपी दौरे का बुधवार को दूसरा दिन है। आज उन्होंने पहलगाम हमले में मारे गए कानपुर के शुभम द्विवेदी के परिजनों से मुलाकात की। शुभम की पत्नी ऐशन्या राहुल को देखकर रोने लगीं। इस पर राहुल ने उन्हें गले लगा लिया और सांत्वना दी। शुभम के पिता भी राहुल को देखकर अपने आंसू नहीं रोक पाए।

ऐशन्या ने राहुल को पहलगाम में हुई घटना के बारे में सब कुछ बताया। उन्होंने बताया कि कैसे मेरे पति को आतंकियों ने गोली मार दी। ऐशन्या ने बताया कि हर जगह सुरक्षा की व्यवस्था थी, लेकिन पहलगाम में कोई सिक्योरिटी नहीं थी।

ऐशन्या ने राहुल गांधी को बताया- 22 अप्रैल को दोपहर 2.25 बजे हम लोग लंच कर रहे थे। तभी नॉर्मल कपड़ों में एक आतंकी आया। उसने पूछा- हिंदू हो या मुसलमान? हिंदू कहते ही सिर्फ 5 सेकेंड में मेरे पति को गोली मार दी।

राहुल ने पूछा- यह सब कितनी देर तक चला? इस पर ऐशन्या ने कहा- करीब 45 मिनट तक आतंकियों ने खून-खराबा किया। वे आराम से लोगों से नाम पूछ-पूछकर उन्हें मार रहे थे। उन्हें यह टारगेट दिया गया था कि पत्नी के सामने पति की हत्या करनी है। वे महिलाओं से कहते थे कि जाकर अपनी सरकार को बताओ। मैं तुम्हारे पति को मार रहा हूं, तुम्हें नहीं मारूंगा। राहुल ने फिर पूछा- जो लोग घायल थे, वे नीचे कैसे पहुंचे? ऐशन्या ने जवाब दिया- सर, मुझे मेरी बहन घसीटकर नीचे ले आईं। आतंकियों ने महिलाओं को छुआ तक नहीं। राहुल ने पूछा- आपने यह सब खुद देखा? इस पर ऐशन्या ने कहा- हां, मैं करीब 15-20 मिनट तक वहां थी।

इसके बाद ऐशन्या की बहन ने कहा- मैंने वहां मदद मांगी, लेकिन किसी ने मदद नहीं की। मेरी बहन शॉक्ड थी। कह रही थी कि वह नहीं जाएगी। मैं जबरन उसे खींचकर नीचे लाई। मैं घोड़े वालों से गिड़गिड़ाई, लेकिन किसी ने मदद नहीं की।

कोलकाता के होटल में आग लगी, 15 की मौत

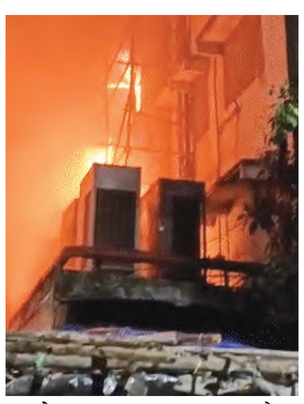

कोलकाता, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। कोलकाता के फालपट्टी मछुआ इलाके में मंगलवार रात एक होटल में आग लगने से 15 लोगों की मौत और 13 लोग घायल हो गए। आग पर काबू पा लिया गया है। 22 लोगों को बचाया गया। पुलिस के मुताबिक, मरने वालों में 2 महिलाएं और 1 बच्चा शामिल है। वहीं, 12 पुरुष मृतकों में से 8 की पहचान कर ली गई है। पुलिस कमिश्नर मनोज वर्मा ने बताया- आग ऋतुराज होटल में रात करीब 8:15 बजे लगी।

सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड और पुलिस की टीमों ने मौके पर पहुंचकर राहत-बचाव का काम शुरू किया। अब तक 14 शव निकाले जा चुके हैं। हादसे की जांच के लिए स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम बनाई गई है।

शुरुआती जांच में पता चला है कि होटल की चौथी मंजिल पर लगे बिजली मीटर में शॉर्ट सर्किट होने से आग लगी। घटनास्थल पर मौजूद एक शख्स ने बताया कि जान बचाने के लिए कई लोग होटल की छत और खिड़कियों से कूदते नजर आए।

गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के कपाट खुले

देहरादून, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के कपाट बुधवार को अक्षय तृतीया के दिन श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए। इसके साथ ही करीब 6 महीने तक चलने वाली चार धामयात्रा की विधिवत शुरुआत हो गई। गंगोत्री में 1 हजार से ज्यादा और यमुनोत्री में 3 हजार से ज्यादा श्रद्धालु पहले दिन दर्शन के लिए पहुंचे हैं। सबसे पहले आज सुबह मां गंगा की डोली मुखबा से गंगोत्री धाम पहुंची। राजपूताना राइफल्स के बैंड की धुनों के बीच गंगा की पूजा-अर्चना की गई। हेलिकॉप्टर से मंदिर पर फूल बरसाए गए।

गंगोत्री के बाद यमुनोत्री धाम के कपाट सुबह 11:55 बजे खोले गए। इससे पहले यमुना की उत्सव डोली यमुनोत्री धाम पहुंची। पूजा-अर्चना के बाद यमुनोत्री के कपाट खोले गए।

उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी ने भी गंगोत्री-यमुनोत्री धाम पहुंचकर पूजा-अर्चना की। गंगोत्री-यमुनोत्री के बाद अब 2 मई को केदारनाथ और 4 मई को बद्रीनाथ धाम के कपाट खोले जाएंगे।

हनुमानगढ़ी में 288 साल पुरानी परंपरा बदली

गद्दीनशीन महंत पहली बार बाहर निकले; इनके लिए कोर्ट खुद उठकर आई थी

अयोध्या, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। अयोध्या के हनुमानगढ़ी मंदिर के गद्दीनशीन ने 288 साल पुरानी परंपरा बदल दी। पहली बार गद्दीनशीन महंत हनुमानगढ़ी से बाहर निकले। महंत प्रेमदास 8 साल से गद्दीनशीन हैं। इस अवधि में वह कभी भी बाहर नहीं आए। प्रेमदास ने रामलला के दर्शन की इच्छा जताई थी। कहा था- मेरे सपने में हनुमान जी आए थे। उन्होंने रामलला के दर्शन करने का आदेश दिया था। इसके बाद उन्होंने अखाड़े के सभी सदस्यों की 21 अप्रैल को बैठक बुलाई। इस बैठक में परंपरा बदलने के फैसले पर मुहर लगी। तय हुआ, प्रेमदास रामलला के दर्शन करने जाएंगे। संत प्रेमदास 2016 में हनुमानगढ़ी के 22वें गद्दीनशीन महंत बने थे। अक्षय तृतीया पर बुधवार को हनुमानगढ़ी से संत प्रेमदास बाहर निकले। हाथी, घोड़े, बैंड-बाजे और शंखनाद के साथ सरयू तट पर पहुंचे।

दीवार गिरने से सात श्रद्धालुओं की मौत पर चंद्रबाबू स्तब्ध

मृतकों के परिवारों को 25-25 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा

विशाखापत्तनम, 30 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने सिंहाचलम में श्री वराह लक्ष्मी नरसिंह स्वामी मंदिर में दीवार गिरने से सात श्रद्धालुओं की दुखद मौत पर स्तब्ध व्यक्त किया। बुधवार को भारी बारिश के कारण कतारबद्ध दीवार का एक हिस्सा ढह जाने से बड़ी संख्या में श्रद्धालु भगवान के मूल स्वरूप के दर्शन के लिए एकत्र हुए थे, जिससे उनकी मौत हो गई। मुख्यमंत्री ने इस घटना को दुखद बताया और अधिकारियों को घायलों को तत्काल चिकित्सा उपचार उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। घटना की जानकारी मिलने पर मुख्यमंत्री चंद्रबाबू ने जिला अधिकारियों और मंत्रियों अनम रामनारायण रेड्डी, डोला बाला वीरंजनया स्वामी, अनीता, अनगनी सत्य प्रसाद, एमपी भरत और सिंहाचलम मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष अशोक गजपति राजू के साथ टेलीकॉन्फ्रेंस की। दुख व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने घटना के विवरण और घायलों को दी जा रही चिकित्सा सहायता के बारे में जानकारी ली। उन्होंने दीवार गिरने की घटना की तीन सदस्यीय समिति से जांच कराने के आदेश दिए। शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना जताते हुए मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिवारों को 25-25 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की।

>14

ऋण धोखाधड़ी मामले में मेहुल चोकसी के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी

मुंबई, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। मुंबई की एक अदालत ने ऋण धोखाधड़ी मामले में हीरा कारोबारी मेहुल चोकसी के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया है। करोड़ों डॉलर के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) धोखाधड़ी के मुख्य आरोपी चोकसी को भारतीय जांच एजेंसियों की ओर से प्रत्यर्पण अनुरोध के बाद 12 अप्रैल को बेल्जियम में गिरफ्तार किया गया था। उनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट हाल ही में अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (एस्प्लेनेड कोर्ट) आर बी ठाकुर द्वारा जारी किया गया था। वारंट पर रिपोर्ट के लिए मामले को 2 जून तक के लिए स्थगित कर दिया गया है। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने आरोप लगाया है कि बेजल ज्वैलरी को कंसोर्टियम समझौते के तहत केनरा बैंक ने 30 करोड़ और बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने 25 करोड़ रुपये मंजूर किए थे। पैसे कार्यशील पूंजी सुविधाओं के तहत मंजूर किए गए थे।

सीबीआई के मुताबिक, यह ऋण सोने और हीरे जड़े आभूषणों के निर्माण और बिक्री के लिए दिया गया था, लेकिन कंपनी ने कथित तौर पर इसका इस्तेमाल कहीं और किया। जांच एजेंसी ने आरोप लगाया है कि कंपनी ने ऋण नहीं चुकाया, जिससे कंसोर्टियम को 55।27 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। चोकसी और उसका भतीजा नीरव मोदी 13,500 करोड़ रुपये के पीएनबी धोखाधड़ी में मुख्य आरोपी हैं। चोकसी जहां बेल्जियम की एक अदालत में जमानत के लिए लड़ रहा है, वहीं नीरव मोदी 2019 से लंदन की जेल में है।

बाघिन के साथ पानी में मस्ती करते दिखे 5 शावक, वीडियो आया सामने

नागपुर, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। जिले के उमरेड के हांडला अभ्यारण्य में एक तालाब में एफ-2 बाघिन अपने पांच शावकों के साथ मस्ती करती हुई दिखी। बाघिन और उसके बच्चों के खेलकूद का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। यह वीडियो नागपुर की वन्यजीव प्रेमी श्वेता अंबादे ने लिया है। उन्होंने यह वीडियो गोथानगांव गेट पर जंगल सफारी के दौरान शूट किया। बता दें कि गर्म का असर ना केवल इंसानों पर बल्कि जानवरों पर भी देखने को मिल रहा है। नागपुर में गर्मी का असर जंगल में रहने वाले जंगली जानवरों पर दिखाई पड़ रहा है। इस दौरान गर्मी से राहत पाने के लिए बाघिन अपने पांच शावकों के साथ तालाब में मस्ती करती दिखी। बता दें कि वीडियो में दिख रही बाघिन का नाम एफ 2 है, जिसके साथ उसके 5 शावक भी तालाब में दिखे हैं, जो कि पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। दरअसल कुछ वक्त पहले श्वेता अंबादे ने बताया कि वह जंगल सफारी के लिए गई थीं। इस दौरान जैसे ही उन्होंने गेट के अंदर एंट्री की तो उन्होंने देखा कि वहां पानी में पांच शावक अच्छे तरीके से खेल रहे थे, जो बड़े शावक थे, वह छोटे शावकों को छेड़ रहे थे। वीडियो में दिख रहा है कि तीन बाघिन के शावक पानी में हैं और एक शावक को बाहर खड़ी बाघिन बच्चे को खींचकर निकालने की कोशिश कर रही है। इसके अलावा दो शावक तीसरे को निकालते हुए दिख रहे हैं। बता दें कि नागपुर सहित विदर्भ में तापमान 44 डिग्री सेल्सियस पहुंच चुका है।

इसका परिणाम जंगलों में दिख रहा है। यही कारण है कि गर्मी से राहत पाने के लिए जानवर भी पानी में मस्ती करते दिख रहे हैं। बता दें कि दुनियाभर नें बाघों की अलग-अलग किस्म की प्रजातियां पाई जाती हैं। कुछ साल पहले बाघ इन्डेंजर्ड प्रजाति में आ गई थी। हालांकि समय के साथ सरकार द्वारा चलाए गए प्रोग्राम्स के कारण आज भारत में बाघों की संख्या काफी अच्छी खासी हो चुकी है।

जीआई टैग पाने वाले गुजरात के अमलसाड़ चीकू में क्या है खास?

अहमदाबाद, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। हाल ही में गुजरात के अमलसाड़ी चीकू को जीआई टैग मिला है। जीआई यानी जियोग्राफिकल इंडिकेशन टैग, किसान इससे आह्लादित हैं। अपने दिखने में कोमल और चिकने परत वाले फल को वैश्विक बाजार तक पहुंचाने में किसानों को मदद मिलेगी। बाकी चीकू की तरह ही इसके फायदे अनगिनत हैं। यह पाचन में सुधार करता है, इम्युनिटी बूस्ट करता है और चेहरे की चमक बढ़ाता है। इसमें फाइबर, विटामिन सी, और एंटीऑक्सीडेंट होते हैं जो हमारी सेहत का ख्याल रखते हैं। अमलसाड़ी चीकू की बात करें तो ये असाधारण मिठास, बढ़िया बनावट और अच्छी शेल्फ लाइफ के लिए जाना जाता है। जीआई टैग तस्दीक करता है कि ये विशिष्ट और गुणों से भरपूर है। अमलसाड़ नवसारी जिले में है। वैसे भी चीकू फल ही कई गुणों की खान है। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंस एंड रिसर्च में प्रकाशित स्टडी के मुताबिक, इसमें मौजूद विटामिन ए, बी, सी, ई, कैल्शियम, फाइबर, मैग्नीशियम, मैंगनीज, पोटैशियम, एंटीऑक्सीडेंट के साथ फाइबर समेत कई पोषक तत्व हड्डियों और फेफड़ों से संबंधित समस्याओं को दूर करने के साथ ही पाचन तंत्र को मजबूत करने में सहायक होते हैं। इतना ही नहीं, ये आंखों की रोशनी बनाए रखने में भी फायदेमंद होते हैं। अब इस टैग से स्थानीय किसानों को आर्थिक लाभ और अंतरराष्ट्रीय पहचान मिलने की उम्मीद है। जीआई टैग किसी भी उत्पाद को वो मुकाम देता है जो उसकी खूबी से जुड़ा होता है। जैसे बनारसी साड़ी या फिर गया के सिलाव का खाजा। यह टैग स्थानीय कारीगरों और उत्पादकों को आर्थिक लाभ पहुंचाता है साथ ही, यह उपभोक्ताओं को यह भरोसा दिलाता है कि वे असली और उच्च गुणवत्ता वाला उत्पाद खरीद रहे हैं।

चंदोला झील: अवैध कब्जे मामले में गुजरात हाईकोर्ट सख्त याचिकाकर्ताओं को नहीं मिली राहत; जारी रहेगी कार्रवाई

अहमदाबाद, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। गुजरात के अहमदाबाद के चंदोला झील इलाके में चल रही अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई को लेकर गुजरात हाईकोर्ट ने साफ किया है कि झील क्षेत्र पर अवैध रूप से कब्जा करने वाले लोगों को राहत नहीं दी जा सकती। मामले में वकील आनंद याग्निक ने बताया कि इस मामले में 18 नागरिकों ने कोर्ट में याचिका दायर की थी, लेकिन हाईकोर्ट ने अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया। मामले में सुनवाई के दौरान गुजरात हाईकोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता पानी की संरचना (जल निकाय) पर बसे हैं और उनके पास वहां निर्माण के लिए कोई अनुमति नहीं है। इसलिए सुप्रीम कोर्ट द्वारा अतिक्रमण हटाने पर दिए गए फैसले को इस मामले में लागू नहीं किया जा सकता। साथ ही अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि याचिकाकर्ताओं को झील के पास रहने की कोई इजाजत नहीं दी जा सकती। इसी बीच मामले में गुजरात के गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि शहर में अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ भी कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि जिन इलाकों से अवैध बांग्लादेशी नागरिक पकड़े गए थे, वहां से अवैध निर्माण हटाया गया है और सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि सरकारी जमीन खाली कराई जाए।गौरतलब है कि अहमदाबाद नगर निगम और पुलिस ने चंदोला झील क्षेत्र के पास बनी झुग्गी-झोपड़ियों को जमींदोज करने के लिए बुलडोजर अभियान जारी है। इस क्षेत्र से कुछ दिन पहले अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने वाले बांग्लादेशियों को गिरफ्तार किया था। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। वहीं मंगलवार को पुलिस आयुक्त जी.एस मलिक ने कहा था कि यह अभियान अहमदाबाद नगर निगम की अगुवाई में चलाया जा रहा है। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध) शरद सिंघल के नेतृत्व में करीब 2,000 पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया है। अभियान का जायजा लेने पहुंचे मलिक ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि शहर के सभी थानों को अलर्ट पर रखा गया है, क्योंकि चंदोला झील में तोड़फोड़ अभियान चल रहा है। यह मुस्लिम बहुल इलाका है।

आंबेडकर की तस्वीर मामले में मेघवाल ने अखिलेश को घेरा, बोले- भ्रम में जी रहे हैं सपा प्रमुख

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने बुधवार को समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव पर डॉ। भीमराव आंबेडकर के साथ अपनी तस्वीर साझा करने को लेकर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के पोस्टर में बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर जी और अखिलेश यादव का मिला चेहरा दिखाना उनका घोर अपमान है। मेघवाल ने आगे कहा कि अखिलेश भूल रहे हैं कि बाबा साहब को 1952 और 1953 में हराने में कांग्रेस की ही भूमिका थी, और आज वे उसी कांग्रेस के साथ होकर ऐसा निंदनीय कृत्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ओबीसी आरक्षण के ये कथित समर्थक भूल जाते हैं कि राजीव गांधी ने लोकसभा में ओबीसी आरक्षण का खुलकर विरोध किया। पत्रकारों से बातचीत के दौरान मेघवाल ने आगे कहा कि अगर अखिलेश यादव को लगता है कि यह तस्वीर उन्हें दलितों का वोट दिलाएगी तो वे भ्रम में हैं। उन्होंने यह भी कहा कि समाजवादी पार्टी अब कांग्रेस के साथ मिलकर काम कर रही है, जो अंबेडकर को दो चुनावों में हराती रही है और जो पिछड़ा वर्ग के आरक्षण का विरोध करती थी। इसके साथ ही मेघवाल ने आगे यह भी आरोप लगाया कि जब अखिलेश यादव उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री थे, तब उन्होंने अनुसूचित जाति के इंजीनियरों की पदोन्नति के खिलाफ कदम उठाए थे, और एक समाजवादी पार्टी के सांसद ने पदोन्नति में आरक्षण देने वाले विधेयक को फाड़ दिया था। इसके अलावा, मेघवाल ने कांग्रेस द्वारा अपने नेताओं को पहलगाम आतंकी हमले पर पार्टी लाइन पर चलने का निर्देश देने को दोहरी बात बताया। इसके साथ ही केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने बुधवार को कहा कि पहलगाम आतंकी हमले को लेकर संसद का विशेष सत्र बुलाने पर फैसला संसदीय मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीपीए) करेगी। पत्रकारों से बातचीत के दौरान संसदीय मामलों के राज्य मंत्री हैं और कानून मंत्रालय में स्वतंत्र प्रभार संभालने वाले मेघवाल ने कहा कि सीसीपीए के फैसले के बाद ही इस पर जानकारी दी जाएगी। जहां केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक बुधवार को हो रही है।

पहलगाम आतंकी हमला, एक नजर

गौरतलब है कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में बीते मंगलवार 22 अप्रैल को आतंकियों ने पर्यटकों पर अंधाधुंध गोलियां बरसा कर 26 लोगों की नृशंस हत्या कर दी थी। सेना की वर्दी में आए दहशतगर्दों ने पहलगाम की बायसरन घाटी में पर्यटकों से पहले उनका धर्म पूछा, परिचय पत्र देखे और फिर हिंदू हो कहकर गोली मार दी। 26 मृतकों में ज्यादातर पर्यटक हैं, जबकि दो विदेशी और दो स्थानीय नागरिक शामिल हैं।

गुरुग्राम के इस सेक्टर में 40 से ज्यादा झुग्गियां जलकर खाक, बेघर हुए 400 लोग

गुरुग्राम, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा के गुरुग्राम सेक्टर 120 की झुग्गी बस्ती से बुधवार तड़के भीषण आग लगने की घटना सामने आई है। आग के चलते 40 से ज्यादा झुग्गियां जलकर खाक हो गई है। हालांकि, गनीमत यह रही कि इस दौरान कोई भी जनहानि की जानकारी सामने नहीं आई है। घटना की जानकारी होते ही पुलिस और दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंच गई थी। इस दौरान कई दमकलकर्मियों ने घंटों की मेहनत के बाद आग पर काबू पाया। गुरुग्राम के सेक्टर 120 की झुग्गी बस्ती में बुधवार सुबह भीषण आग लग गई, जिसमें जलकर 40 से ज्यादा झुग्गियां खाक हो गई है अग्निशमन अधिकारी के बताया कि आग सुबह करीब 3।50 बजे कबाड़ के ढेर से शुरू हुई थी। इसके बाद यह द्वारका एक्सप्रेसवे के पास सेक्टर 102 में कई झुग्गियों में फैल गई। यहां छोटे-छोटे गैस सिलेंडरों विस्फोट के कारण आग ने भयानक रूप ले लिया। आग लगता देख झुग्गियों में हड़कंप मच गया। आनन-फानन में लोगों ने जैसे-तैसे भागकर अपनी जान बचाई और फिर घटना की जानकारी पुलिस और दमकल विभाग की दी गई। मामले की जानकारी होते नजदीकी थाने के कई पुलिसकर्मी तुरंत मौके पर पहुंचे। इसके बाद भीम नगर, सेक्टर 29, सेक्टर 37 और उद्योग विहार से आई 10 से ज्यादा दमकल गाड़ियां आग बुझाने के काम में जुट गई। दमकलकर्मियों की तीन घंटे की मेहनत के बाद आग पर काबू पा लिया गया था, लेकिन तब 40 से ज्यादा गरीब लोगों के आशियाने जलकर हो गए थे। अग्निशमन अधिकारी नरेंद्र सिंह ने बताया कि 40 से अधिक झुग्गियां जलकर खाक हो गईं, लेकिन हमारे दमकलकर्मी आस-पास के इलाके में करीब 100 झुग्गियों को बचाने में सफल रहे। ऐसे बताया जा रहा है कि इन झुग्गियों में 400 से 500 लोग रहे थे, जो कि झुग्गियों में आग लगने के चलते बेघर गए हैं। हालांकि, इस घटना की सबसे बेहतर बात यह है कि इस दौरान किसी के हताहत होने की कोई भी जानकारी नहीं है।

दोस्ती पड़ी महंगी: बहन के प्रेमी को बीच सड़क 14 बार चाकू से गोदा

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। बाहरी-उत्तरी दिल्ली के समयपुर बादली इलाके में नाबालिगों ने बहन के प्रेमी को सरेराह चाकू से गोद डाला। वारदात के बाद तीनों नाबालिग मौके से भाग निकले। राहगीरों ने गंभीर हालत में पीड़ित लविश (24) को बाबा साहेब अंबेडकर अस्पताल में भर्ती कराया गया। उसके पेट, गर्दन, हाथ, सीने समेत शरीर के बाकी हिस्सों में 14 चाकू लगे हैं। अस्पताल में उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। समयपुर बादली थाना पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। जांच के दौरान पुलिस को पता चला है कि लविश की एक युवती से दोस्ती थी। लड़की के भाइयों को यह बात पसंद नहीं थी। उन्होंने पहले लविश को अपनी बहन से दूर रहने के लिए कहा था। लेकिन इसके बाद भी लविश लड़की के लगातार संपर्क में थी। वारदात की एक सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। इसमें आरोपी तीन लड़के उस पर चाकू से हमला करते हुए और बाद में भागते हुए दिख रहे हैं। इस फुटेज के आधार पर पुलिस ने आरोपी लड़कों की तलाश में कई टीम का गठन कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। बाहरी-उत्तरी जिला पुलिस उपायुक्त निधिन वालसन ने बताया कि लविश परिवार के साथ राणा पार्क, लिबासपुर में रहता है। इसके परिवार में पिता अनिल कुमार के अलावा मां, एक छोटा भाई व बहन है।

पूर्व डिप्टी सीएम सिसोदिया और सत्येंद्र जैन के खिलाफ एक और केस

एंटी करप्शन ब्रांच ने दर्ज की एफआईआर

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया और पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। सिसोदिया और सत्येंद्र जैन के खिलाफ 2 हजार करोड़ के बड़े घोटाले का मामला दर्ज हुआ है। एंटी करप्शन ब्रांच ने एफआईआर दर्ज की गई है। जानकारी के अनुसार, भ्रष्टाचार निरोधक शाखा ने आप नेता और दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, दिल्ली के पूर्व पीडब्ल्यूडी मंत्री सत्येंद्र जैन के खिलाफ अत्यधिक लागत पर कक्षाओं के निर्माण में भ्रष्टाचार के संबंध में मामला दर्ज किया है।

क्लासरूम में बड़ा घोटाला

12,748 क्लासरूम और भवनों के निर्माण में कथित 2000 करोड़ रुपये के घोटाले से जुड़ा यह मामला है। एंटी करप्शन ब्रांच की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि दिल्ली में आप सरकार के शासनकाल में 12,748 कक्षाओं

और भवनों के निर्माण में 2,000 करोड़ का भारी घोटाला सामने आया है। परियोजना को आम आदमी पार्टी से जुड़े कुछ ठेकेदारों को कथित तौर पर दिया गया था। निर्माण में भारी विचलन और लागत में वृद्धि देखी गई। इसके अलावा निर्धारित अवधि के अंदर एक भी काम पूरा नहीं हुआ।

एंटी करप्शन ब्यूरो ने दर्ज किया केस

एंटी करप्शन ब्यूरो के द्वारा दर्ज केस में इन नेताओं पर दिल्ली सरकार के स्कूलों की कक्षाओं के निर्माण में भारी वित्तीय अनियमितता करने का आरोप लगाया गया है। आरोप यह भी है कि आम आदमी पार्टी से जुड़े ठेकेदारों को कक्षाओं के निर्माण का काम देकर वित्तीय गड़बड़ी को अंजाम दिया गया। जांच एजेंसी ने दर्ज केस में आरोप लगाया है कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार रहने के दौरान 12,748 कक्षाओं का निर्माण किया गया था। आरोप पत्र के अनुसार, इन कक्षाओं के निर्माण में घटिया गुणवत्ता की सामग्री का उपयोग किया गया, लेकिन इसका पैसा बेहतर आरसीसी निर्माण तकनीकी की दर से वसूल किया गया। एजेंसी का आरोप है कि इस मामले में भारी वित्तीय गड़बड़ी की गई है। एंटी करप्शन ब्यूरो ने यह भी आरोप लगाया है कि इन कक्षाओं के निर्माण में जिन 34 ठेकेदारों को निर्माण का ठेका दिया गया था, उनमें से ज्यादातर आम आदमी पार्टी से जुड़े हुए लोग शामिल थे। आरोप है कि इन्हीं लोगों से मिलीभगत कर घटिया स्तर की कक्षाओं का निर्माण कराकर वित्तीय गड़बड़ी की गई। इसमें बच्चों की सुरक्षा को भी दांव पर लगाया गया। कई जगहों पर किसी कक्षा का निर्माण नहीं किया गया, लेकिन टॉयलेट को एक कक्षा बताकर उसकी कीमत को भी जनता के पैसे से वसूल किया गया था। भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया है कि दिल्ली की तत्कालीन सरकार ने एक ही स्कूल में चार-चार शिफ्ट में स्कूल चलाकर स्कूलों की संख्या बढ़ाकर दिखाई थी। इस मामले को जनता के सामने उठाने का काम भाजपा नेता नीलकांत बख्शी, वर्तमान में दिल्ली सरकार में मंत्री कपिल मिश्रा और भाजपा विधायक हरीश खुराना ने किया था। भाजपा नेता नीलकांत बख्शी ने कहा कि आम आदमी पार्टी ने सत्ता में आने के बाद शिक्षा को अपनी सबसे बड़ी उपलब्धि बताई थी। लेकिन अब इसकी कलई खुल गई है।

गेहूं खरीदी में चल रहा गड़बड़झाला, जांच दल भी नियम तोड़ने वालों के साथ

सीहोर, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी में बड़े पैमाने पर अनियमितताएं सामने आ रही है। अनेक वेयरहाउस संचालकों ने लाइसेंस क्षमता से अधिक गेहूं का भंडारण कर लिया है। इसके साथ ही गेहूं की बोरियां भरने में भी निर्धारित की गई मात्रा से कम गेहूं भरकर शासन को क्षति पहुंचाई जा रही है। हैरानी की बात ये है कि जिन्हें जांच दल में शामिल किया गया है, वह भी नियम तोड़कर मनमानी करने वालों के साथ मिल गए हैं। समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी के लिए उपार्जन नीति बनाई गई, लेकिन उपार्जन नीति का पालन कराने में जिम्मेदार कर्मचारी और अफसर विफल रहे। नियमों को दरकिनार कर वेयरहाउस संचालकों ने मनमाने तरीके से लाइसेंस क्षमता से ज्यादा गेहूं का भंडारण कर वेयर हाउस भर लिये। इतना ही नहीं बोरियों में भी निर्धारित मात्रा से कम गेहूं भरकर रखा गया, जिन जिम्मेदार अफसरों को जांच करने थी वह भी नियम तोड़ने वालों के साथ हो गए।

पन्ना में जादू-टोने के शक में बुजुर्ग की निर्मम हत्या, इलाके में दहशत

पन्ना, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। जिले के रानीगंज पुरवा गांव में सुबह एक सनसनीखेज वारदात सामने आई। यहां 60 वर्षीय बुजुर्ग मिही लाल की धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी गई। परिजनों का कहना है कि गांव के कुछ लोगों को मिही लाल पर जादू-टोना करने का शक था, जिसको लेकर पहले भी विवाद हो चुके थे। बताया जा रहा है कि सुबह जब मिही लाल सब्जी लेकर अपने घर लौट रहे थे, तभी कुछ लोगों ने उन पर अचानक हमला कर दिया।

मान सरकार का बड़ा कदम

पाकिस्तानी ड्रोन के खिलाफ सीमा पर तैनात होगा एंटी-ड्रोन सिस्टम

चंडीगढ़, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। पंजाब सरकार ने पाकिस्तान से सटी अंतरराष्ट्रीय सीमा पर ड्रोन के जरिए हथियारों और नशीले पदार्थों की तस्करी को रोकने के लिए कड़ा कदम उठाया है। राज्य सरकार ने फैसला किया है कि सीमावर्ती इलाकों में अत्याधुनिक एंटी-ड्रोन सिस्टम तैनात किए जाएंगे। यह सिस्टम पाकिस्तानी ड्रोन की घुसपैठ को तुरंत ट्रैक कर उन्हें नष्ट करने में सक्षम होगा, जिससे तस्करी और आतंकी साजिशों पर लगाम लगेगी। पिछले कुछ वर्षों में पंजाब से सटी भारत-पाक सीमा पर ड्रोन के जरिए हथियार, गोला-बारूद और ड्रग्स की तस्करी में तेजी आई है। खुफिया एजेंसियों की रिपोर्ट्स के मुताबिक, पाकिस्तान समर्थित तस्कर और आतंकी संगठन ड्रोन का इस्तेमाल कर पंजाब में अस्थिरता फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। इन ड्रोन्स की कम ऊंचाई पर उड़ान और छोटे आकार के कारण इन्हें पकड़ना सुरक्षा एजेंसियों के लिए चुनौती रहा है। पंजाब सरकार द्वारा तैनात किया जाने वाला एंटी-ड्रोन सिस्टम अत्याधुनिक तकनीक से लैस होगा। यह सिस्टम रडार, रेडियो फ्रीक्वेंसी जैमर और लेजर-आधारित तकनीकों का उपयोग कर ड्रोन को ट्रैक, जाम और नष्ट कर सकेगा। पंजाब पुलिस और केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों के समन्वय से इस सिस्टम को सीमावर्ती जिलों जैसे अमृतसर, तरनतारन, गुरदासपुर, पठानकोट और फिरोजपुर में प्राथमिकता के आधार पर तैनात किया जाएगा।

उद्धव और राज ठाकरे के साथ वाले पोस्टर से सियासी हलचल

लिखा- 'नाम की दहशत '

मुंबई, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में ठाकरे बंधुओं के साथ आने की अटकलों का दोनों ही दलों ने स्वागत किया है। उद्धव ठाकरे की शिवसेना यूबीटी नेता और राज ठाकरे के मनसे नेता इस बात को लेकर उत्साहित हैं कि महाराष्ट्र की राजनीति में दोनों भाई एक बार फिर साथ दिखेंगे। इसको लेकर शिवसेना यूबीटी के कार्यालय 'सेना भवन' के सामने एक पोस्टर लगाया गया है जो राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बन गया है। उद्धव गुट के शिवसैनिकों ने सेना भवन के प्रवेश द्वार के पास पोस्टर लगाकर राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे के एक साथ आने की इच्छा व्यक्त की है। पोस्टर पर उद्धव ठाकरे, राज ठाकरे के साथ बाला साहेब की भी तस्वीर है। वहीं, पोस्टर पर लिखा है, ठाकरे नाम की दहशत अबाधित रहने के लिए दोनों भाइयों का साथ आना समय की मांग जानकारी के लिए बता दें कि विदेश दौरे पर गए राज ठाकरे मुंबई वापस आ गए हैं। उद्धव ठाकरे 4 मई को मुंबई से लौटेंगे। ऐसे में अब महाराष्ट्र का ध्यान इस बात पर रहेगा कि गठबंधन की प्रतिक्रिया में ठाकरे बंधु क्या भूमिका निभाएंगे? महाराष्ट्र की राजनीति में लगातायर यह बात उठ रही है कि राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे किसी न किसी समय एक साथ आ सकते हैं। दोनों दलों के नेता और ठाकरे परिवार के रिश्तेदार इस बात की उम्मीद करते रहे हैं, लेकिन ऐसा पहली बार है जब मनसे प्रमुख और शिवसेना यूबीटी प्रमुख, दोनों ने ही खुद ही यह बात कही है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या ठाकरे बंधु एकसाथ आ सकते हैं? इसी के साथ एक बड़ा सवाल यह भी उठ रहा है कि दोनों भाई गठबंधन करेंगे या फिर पार्टी का विलय? वहीं, आगामी नगर निगम चुनाव को देखते हुए क्या राज और उद्धव ठाकरे एक दूसरे की मदद करेंगे? इन सभी सवालों का जवाब अब और कोई नहीं बल्कि राज और उद्धव ठाकरे ही दे सकते हैं, जिसका बेसबरी से इंतजार हो रहा है।

सांसद बोले- किसी मियां में ताकत हो तो लव जिहाद करके दिखाए, मेरा जन्म दाढ़ी-टोपी से निपटने के लिए हुआ

भोपाल, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। राजधानी भोपाल में इन दिनों लव जिहाद का मामला गरमाया हुआ है। भारतीय जनता पार्टी के नेता लगातार इस मुद्दे पर बोलते नजर आ रहे हैं। भोपाल सांसद आलोक शर्मा ने अक्षय तृतीया के अवसर पर ब्राह्मण समाज के कार्यक्रम में लव जिहाद पर जमकर बरसे। सांसद शर्मा ने कहा कि किसी मियां में ताकत हो तो अब लव जिहाद करके दिखाए। शर्मा ने कहा कि मेरा जन्म दाढ़ी टोपी से निपटने के लिए ही हुआ है। वहीं उन्होंने कहा लव जिहाद करने वालों को कड़ी से कड़ी सजा ब्राह्मण समाज देगा। आलोक शर्मा ने हिंदुओं से एक होने का आह्वान किया। सांसद आलोक शर्मा ने अक्षय तृतीया के मौके पर भगवान परशुराम की प्रतिमा पर विधि विधान से पूजा अर्चना की। आलोक शर्मा ने कहा कि पुराने भोपाल में हिंदुओं की आबादी घटती जा रही है। इसके साथ ही सनातनी महिलाओं का गरबा अलग से करने की मांग आलोक शर्मा ने की।

सुविचार: किताबों के पन्ने पलटने पर ही हमे आगे की चीजो का पता चलता है वैसे समय भी है ।

सरकार धान खरीद के लिए 15,000 करोड़ रुपये से अधिक खर्च करने को तैयार: उत्तम

हैदराबाद, 30 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। नागरिक आपूर्ति मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना सरकार इस रबी सीजन के दौरान धान की सुचारू और समय पर खरीद सुनिश्चित करने के लिए 15,000 करोड़ रुपये से अधिक खर्च करने के लिए तैयार है, जिसे देश के इतिहास में सबसे बड़ी खरीद अभियानों में से एक बताया जा रहा है। मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी ने कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव के साथ बुधवार को यहां सभी जिला कलेक्टरों के साथ एक उच्च स्तरीय वीडियो कॉन्फ्रेंस की। इस अवसर पर उन्होंने धान खरीद कार्यक्रम को अगले 15 से 20 दिनों के लिए सरकार की सबसे महत्वपूर्ण और प्रतिष्ठित पहल बताया। 54.89 लाख एकड़ में फैली रिकॉर्ड रबी खेती और 12% लाख मीट्रिक टन (एलएमटी) के अनुमानित उत्पादन के साथ, राज्य सरकार ने सभी जिलों में स्थापित 8,381 खरीद केंद्रों के व्यापक नेटवर्क के माध्यम से लगभग 70 एलएमटी धान खरीदने की योजना बनाई है।

हैदराबाद के एर्रामंजिल कॉलोनी में नागरिक आपूर्ति विभाग मुख्यालय से आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंस की मेजबानी प्रमुख सचिव और नागरिक आपूर्ति आयुक्त डी.एस. चौहान ने की। बैठक में खरीद की प्रगति की समीक्षा, चुनौतियों का पूर्व-निर्णय और बेमौसम मौसम की स्थिति और क्षेत्र-स्तरीय रसद मुद्दों पर त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया।कलेक्टरों को संबोधित करते हुए, उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि राज्य सरकार बिना किसी व्यवधान या देरी के सुचारू और सम्मानजनक खरीद सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने अधिकारियों को बताया कि एमएसपी और बोनस भुगतान सहित खरीद के लिए 15,000 करोड़ रुपये से अधिक आवंटित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, "हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि पीपीसी से खरीद डेटा अपलोड होने के बाद, भुगतान 48 घंटे के भीतर किसानों तक पहुंच जाए। मैं बोनस राशि को तत्काल जारी करने के लिए वित्त विभाग से बात करूंगा।" मंत्री ने दोहराया कि भुगतान शीघ्र, निर्बाध और त्रुटि रहित होना चाहिए। लॉजिस्टिक्स को संबोधित करते हुए उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि जिन स्थानों पर गोदामों तक पहुंच नहीं है, वहां धान को पर्याप्त क्षमता वाली मिलों में सीधे स्थानांतरित किया जाना चाहिए। हालांकि मध्यवर्ती गोदाम एक विकल्प बने हुए हैं, उन्होंने कहा कि बैकलॉग या खराब प्रचार से बचने के लिए पीपीसी से समय पर उठाव को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उन्होंने नागरिक आपूर्ति आयुक्त को निर्देश दिया कि वे जहां जरूरत हो वहां जिलों में 10 एलएमटी भंडारण स्थान और मध्यवर्ती गोदामों का अग्रिम आवंटन करें। परिवहन और श्रम संबंधी चिंताओं को भी उठाया गया। उत्तम कुमार रेड्डी ने कलेक्टरों से एसपी और आरटीओ के साथ समन्वय स्थापित कर निजी लॉरियों को जुटाने और पीपीसी से मिलों तक धान का समय पर परिवहन सुनिश्चित करने को कहा।

उन्होंने निर्देश दिया कि मजदूरों की कमी को स्थानीय स्तर पर ही प्रबंधित किया जाना चाहिए और गुणवत्ता बनाए रखने के लिए हार्वेस्टर की दूरी और तकनीकी सेटिंग्स की निगरानी की जानी चाहिए। बोरियों के बारे में, मंत्री ने स्पष्ट किया कि तेलंगाना ने पहले ही 13.71 करोड़ बोरियाँ तैनात कर दी हैं और 3.79 करोड़ और बोरियाँ जुटा रहा है। उन्होंने निर्देश दिया कि पीपीसी में नमी के स्तर की पुष्टि करने के बाद ही बोरियाँ जारी की जानी चाहिए और कृत्रिम कमी से बचने के लिए सीधे खेत में किसानों को नहीं सौंपी जानी चाहिए।

के.एस. श्रीनिवास राजू मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव नियुक्त

हैदराबाद, 30 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व आईएएस अधिकारी के.एस. श्रीनिवास राजू को दो साल के कार्यकाल के लिए तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी का प्रधान सचिव नियुक्त किया गया है। मुख्य सचिव शांति कुमारी ने श्रीनिवास राजू को इस पद पर नियुक्त करने के आधिकारिक आदेश जारी किए। मूल रूप से आंध्र प्रदेश के रहने वाले राजू इससे पहले तेलंगाना सड़क एवं भवन विभाग के प्रधान सचिव के पद पर काम कर चुके हैं, जहां उन्होंने करीब चार साल तक काम किया। इसके अलावा, उन्होंने नौ साल तक तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) में संयुक्त कार्यकारी अधिकारी (जेईओ) का पद संभाला। उल्लेखनीय है कि वह अब तेलंगाना वापस लौट रहे हैं।

क्रिप्टो करेंसी निवेश धोखाधड़ी में 1.6 करोड़ रुपये गंवाए

हैदराबाद, 30 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। एक व्यक्ति ने साइबराबाद साइबर अपराध पुलिस से संपर्क कर आरोप लगाया है कि साइबर जालसाजों ने उसे क्रिप्टो मुद्राओं में निवेश के लिए भारी रिटर्न का वादा करके 1.60 करोड़ रुपये की ठगी की है।

मियापुर निवासी 47 वर्षीय निजी कर्मचारी ने पुलिस को बताया कि उसका मोबाइल नंबर हाल ही में अज्ञात व्यक्तियों द्वारा एक टेलीग्राम ग्रुप में जोड़ा गया था, जहां एक महिला ने उससे संपर्क किया, जिसने 'बिटकॉइन' में निवेश करने पर भारी रिटर्न दिखाने का दावा किया और इसके लिए उसे मार्गदर्शन और सुझाव भी दिए। पुलिस ने बताया कि शिकायतकर्ता ने इस प्रस्ताव को सच मानकर शुरुआत में ई-वॉलेट के जरिए 10,000 रुपये से लेकर 20,000 रुपये तक की रकम भेजी।

उसने तुरंत देखा कि उसका निवेश दोगुना हो गया है। इसके अलावा, उन्होंने दावा किया कि उसे 5 लाख रुपये जमा करने होंगे और सदस्यता लेनी होगी, ताकि वह अधिक राशि निवेश कर सके और अधिक लाभ कमा सके। उन्होंने उसे मुनाफे पर 20 प्रतिशत कमीशन देने के लिए भी कहा। इसके अनुसार, उन्होंने उनके बैंक खातों में कुल 1.02 करोड़ रुपये भेजे।

कुछ दिन पहले, जब उन्होंने अनुबंध समाप्त करना चाहा, तो उन्होंने उनसे कमीशन के रूप में 30 लाख रुपये मांगे, जो उन्होंने चुका दिए। इसके अलावा, विभिन्न खर्चों के नाम पर, उन्होंने कुल 1.6 करोड़ रुपये वसूले। हालांकि, जब उन्होंने उनसे अपना निवेश और मुनाफा वापस मांगा, तो उन्होंने उसे टालना शुरू कर दिया और उसका नंबर ब्लॉक कर दिया।

राजभवन में आर्ट डेको शैली की वास्तुकला के 100 वर्ष पूरे होने का जश्न मनाया गया

हैदराबाद, 30 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद स्थित राजभवन ने आर्किटेक्चर एंड डिजाइन फाउंडेशन (इंडिया) के साथ मिलकर मंगलवार शाम को राजभवन के दरबार हॉल में आर्ट डेको शैली की वास्तुकला के 100 वर्ष पूरे होने का जश्न मनाने के लिए एक कार्यक्रम आयोजित किया। राजभवन को एक पसंदीदा स्थल के रूप में चुना गया, क्योंकि राज्यपाल का निवास स्वयं आर्किटेक्ट एरिक मैरेट द्वारा आर्ट डेको शैली में बनाया गया है और इसका निर्माण 1936 में हुआ था। कार्यक्रम की शुरुआत आर्किटेक्चर एंड डिजाइन फाउंडेशन के अध्यक्ष आर्किटेक्ट श्रीनिवास मूर्ति ने राज्यपाल को एक प्रदर्शनी के माध्यम से कराई, जिसमें राजभवन सहित शहर की कई प्रमुख निजी और सार्वजनिक इमारतों की आर्ट डेको वास्तुकला का विस्तृत दस्तावेजीकरण किया गया। राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने साल भर चलने वाले समारोह के लिए एक विशेष लोगो प्रतीक के लॉन्च के साथ कार्यक्रम का उद्घाटन किया। यह प्रतीक मुख्य भवन की भव्य सीढ़ी का ग्राफिक रूप से प्रतिनिधित्व करता है, जो राज्यपाल का आधिकारिक निवास है। इसके बाद आर्किटेक्ट श्रीनिवास मूर्ति ने आमंत्रित अतिथियों के समक्ष राजभवन और शहर की अन्य आर्ट डेको इमारतों की वास्तुकला को प्रदर्शित करते हुए दो प्रस्तुतियाँ दीं। मुख्य भाषण मुंबई की आर्किटेक्ट आभा नारायण लांबा ने दिया, जिसमें उन्होंने मुंबई के आर्ट डेको परिसरों के दस्तावेजीकरण के अपने काम को प्रस्तुत किया, जिससे उन्हें प्रतिष्ठित विश्व धरोहर सूची में शामिल होने में मदद मिली। उन्होंने गोलकुंडा-कुतुब शाही मकबरे और चारमीनार परिसरों को विश्व धरोहर स्थल के रूप में सूचीबद्ध करने के लिए तेलंगाना राज्य के नामांकन को तैयार करने और प्रस्तुत करने की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला। इस अवसर पर बोलते हुए, राज्यपाल ने फाउंडेशन और आभा द्वारा इस तरह की स्थापत्य शैलियों के विवरण और महत्व को दस्तावेज करने में किए गए काम की सराहना की और समृद्धि के लिए ऐसी इमारतों और परिसरों को संरक्षित और संरक्षित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि वास्तुकला एक अनूठा विषय है जो विज्ञान के रूप में कला का एक चरमोत्कर्ष है, जिसका उल्लेख हमारे प्राचीन ग्रंथों में ज्ञान-विज्ञान के संयोजन के रूप में किया गया है। इस अवसर पर विशेष मुख्य सचिव जयेश रंजन वाईएटीसी विभाग और निदेशक, पुरातत्व) और एम. दाना किशोर, आईएएस, राज्यपाल के प्रधान सचिव (एफएसी) ने बात की। इस कार्यक्रम में कला और सांस्कृतिक बिरादरी के सदस्य, आर्ट डेको स्टाइल वाली इमारतों के मालिक, वास्तुकला संस्थानों के छात्र और शहर के कुछ प्रमुख वास्तुकार शामिल हुए।

इस गर्मी में गुर्दे की पथरी के मामलों में 2 से 2.5 गुना वृद्धि

हैदराबाद, 30 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद स्थित एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ नेफ्रोलॉजी एंड यूरोलॉजी (एआईएनयू) के विशेषज्ञों ने बताया है कि इस गर्मी के मौसम में मरीजों में गुर्दे की पथरी के मामलों में 2 से 2.5 गुना वृद्धि हुई है। इस मौसम में औसतन एआईएनयू प्रतिदिन 300 से 400 रोगियों का किडनी स्टोन के लिए इलाज कर रहा है, जो कि निर्जलीकरण, खराब खान-पान की आदतों और अत्यधिक गर्मी के संपर्क से सीधे जुड़ा हुआ है। डॉक्टरों ने बताया कि यह आंकड़ा हाल के वर्षों में सबसे अधिक है।

गर्मियों को अक्सर 'पत्थर का मौसम' कहा जाता है, गर्मियों में स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा होता है, खासकर किडनी के लिए। निर्जलीकरण, अधिक नमक का सेवन और कम पानी पीना, पथरी बनने के इस मौसमी उछाल को बढ़ाने वाले प्रमुख कारक हैं। एआईएनयू के वरिष्ठ यूरोलॉजिस्ट डॉ. ताइफ बेंडेगेरी ने कहा कि हम गुर्दे की पथरी के मामलों में अभूतपूर्व वृद्धि देख रहे हैं, खासकर युवा वयस्कों और बच्चों में। बढ़ती गर्मी और अपर्याप्त जलपान इसके मुख्य कारण हैं।

सबसे ज्यादा चिंता की बात यह है कि स्कूल जाने वाले बच्चों में इसकी प्रवृत्ति बढ़ रही है, जिसका मुख्य कारण जंक फूड का अधिक सेवन है।

बंड़ी ने ग्रुप-1 मुख्य परीक्षा परिणामों में गलतियों का दावा किया

हैदराबाद, 30 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बड़ी संजय कुमार ने ग्रुप-1 मुख्य परीक्षा परिणामों में अनियमितताओं, भ्रष्टाचार और गंभीर गलतियों के आरोपों के बीच मैदान में कदम रखा है। हजारों उम्मीदवारों ने ग्रुप-1 अनियमितताओं के खिलाफ याचिका प्रस्तुत करने के लिए उनसे संपर्क किया है और मांग की है कि राज्य सरकार नियुक्तियां रद्द करे और परीक्षाएं फिर से आयोजित करे। बंड़ी संजय ने ग्रुप 1 परीक्षा परिणामों पर टीजीपीएससी से जानकारी प्राप्त करने के लिए एक पत्र तैयार किया है। इसके लिए उन्होंने टीजीपीएससी के अध्यक्ष बुर्रा वेंकटेशम को एक पत्र लिखा। पत्र में उन्होंने कहा कि ग्रुप-1 के

अभ्यर्थियों ने बार-बार उनके ध्यान में लाया है कि ग्रुप-1 मुख्य परीक्षा के संचालन, मूल्यांकन प्रक्रिया और परिणाम में कई अनियमितताएं और गलतियां हुई हैं और नियमों का उल्लंघन हुआ है। उन्होंने कहा कि अभ्यर्थियों और जनता की शंकाओं को दूर करना टीजीएसपीएससी की जिम्मेदारी है। उन्होंने आयोग अध्यक्ष से एक सप्ताह के भीतर मांगी गई जानकारी उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। उस पत्र में उन्होंने मुख्य रूप से अंकों की घोषणा में त्रुटियां, अधिसूचना का उल्लंघन, परीक्षा पत्रों के मूल्यांकन और उर्दू माध्यम से लिखने वाले उम्मीदवारों के शीर्ष रैंक का उल्लेख किया। उन्होंने अध्यक्ष से एक सप्ताह के भीतर इनके बारे में विस्तृत जानकारी भेजने को कहा। उन्होंने अध्यक्ष से यूपीएससी पैटर्न पर चयनित सभी 563 उम्मीदवारों के नामों सहित अंकों की पूरी सूची उपलब्ध कराने को कहा। उन्होंने पुनर्गणना से पहले सामान्य रैंकिंग सूची (जीआरएल) और अनंतिम अंक सूची (पीएमएल) उपलब्ध कराने का आग्रह किया। उन्होंने अध्यक्ष से उम्मीदवारों द्वारा माध्यमवार प्राप्त अंकों की सूची उपलब्ध कराने का आग्रह किया।

हरीश राव, कविता ने दी गुरु बसवेश्वर को पुष्पांजलि अर्पित की

हैदराबाद, 30 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। वरिष्ठ बीआरएस नेता और पूर्व मंत्री टी हरीश राव ने गुरु बसवेश्वर की जयंती पर तेलंगाना के लोगों को शुभकामनाएं दीं और उन्हें एक मानवतावादी और दूरदर्शी व्यक्ति बताया, जिन्होंने सामाजिक न्याय, महिला सशक्तिकरण और जाति और धार्मिक भेदभाव के उन्मूलन का बीड़ा उठाया।

पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के योगदान को याद करते हुए हरीश राव ने कहा कि बीआरएस सरकार ने आधिकारिक तौर पर बसवेश्वर जयंती मनाई, हैदराबाद के टैंक बंड पर उनकी कांस्य प्रतिमा स्थापित की और उनकी विरासत का सम्मान करने के लिए कोकापेट में बसव भवन के लिए 10 करोड़ रुपये आवंटित किए।

उन्होंने कहा कि बसवेश्वर को सच्ची श्रद्धांजलि समानता और सुधार के उनके मार्ग पर चलने में निहित है।

एमएलसी के कविता ने भी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए बसवेश्वर को एक प्रगतिशील नेता बताया, जिन्होंने जाति, रंग और लिंग भेदभाव के खिलाफ लड़ाई लड़ी और एक न्यायपूर्ण तथा समान समाज की कल्पना की।

9.5 लाख रुपये की गांजा के साथ दो गिरफ्तार

हैदराबाद, 30 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के साथ मिलकर हैदराबाद के रास्ते विशाखापत्तनम और महाराष्ट्र के बीच चल रहे एक अंतरराज्यीय ड्रग तस्करी रैकेट का भंडाफोड़ किया और मंगलवार को सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर 9.4 लाख रुपये मूल्य के 18 किलोग्राम गांजा के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए मुबीन अहमद और नफीस अफसर खान पठान दोनों महाराष्ट्र के हैं तथा फरार संदिग्ध अतीक भी महाराष्ट्र का ही है। पुलिस ने बताया कि मुबीन और अफसर खान विशाखापत्तनम के ड्रग डीलरों से गांजा खरीदते थे और इसे महाराष्ट्र के मनमाड में उपभोक्ताओं को बेचने के लिए ट्रेनों में तस्करी करते थे। सूचना के आधार पर दोनों को मादक पदार्थ के साथ गिरफ्तार कर लिया गया। अतीक को पकड़ने के प्रयास जारी हैं।

पूर्व तट रेलवे

निविदा सूचना सं. WAT-TRS-OT-02-2025-26

स्थान सहित कार्य का नाम : इलेक्ट्रिक लोको शेड / विशाखापट्टनम में WAG9 इंजनों में रीति अनुसार (Conventional) ब्रेक रिगिंग (Brake Rigging) का प्रावधान।

निविदा मूल्य : ₹ 19,95,00,401.56, EMD : ₹11,47,500/-, कार्य पूरा होने की अवधि : तीन वर्ष (36 महीने)।

निविदा बंद होने की तिथि व समय : दिनांक 20.05.2025 को 1500 बजे।

संपूर्ण विस्तृत विवरण वेबसाइट www.ireps.gov.in में उपलब्ध होंगे।

वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता (TRS), विशाखापट्टनम

PR-78/Q/25-26

गांजा की खेती करने के आरोप में 4 लोग गिरफ्तार

आदिलाबाद, 30 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार को इकोडा मंडल के साल्याडा गांव में अपने खेतों में अंतर फसल के रूप में गांजा की खेती करने के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने चारों के पास से 18 लाख रुपये मूल्य के 180 गांजा के पौधे जब्त किए। पुलिस अधीक्षक अखिल महाजन ने मीडिया को गिरफ्तारियों का ब्यौरा

देते हुए बताया कि साल्याडा गांव के चहकती सोनेराव, दुर्वा लवकुश, अर्का जंगबापू और दुर्वा अरुण को एक गुप्त सूचना के आधार पर फसल काटने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

पूछताछ के दौरान, चारों ने फसल उगाकर जल्दी पैसा कमाने के लिए अपराध करने की बात कबूल की। सोनेराव ने 17 पौधे उगाए, लवकुश और जंगूबापू ने क्रमशः 86 और 31 पौधे गांजा उगाए। अरुण ने 46 पौधे उगाए। उन्होंने जिले के विभिन्न हिस्सों से संभावित खरीदारों को बेचने के लिए फसल की खेती करने की बात कबूल की। एसपी ने लोगों से अपील की है कि वे अवैध गतिविधियों की जानकारी 8712659973 पर व्हाट्सएप के माध्यम से साझा करें। उन्होंने बताया कि आपूर्तिकर्ताओं, व्यापारियों और उपभोक्ताओं का पता लगाकर इस खतरे को खत्म करने के लिए विशेष टीमें बनाई गई हैं। उन्होंने छापेमारी करने और फसल जब्त करने के लिए पुलिस अधिकारियों की सराहना की। उत्नूर एएसपी काजल सिंह, एचोडा इंस्पेक्टर भीमेश और सब-इंस्पेक्टर तिरुपति उपस्थित थे।

नाम बदलना

मैं, संन्याम्मा मां ऑफ आर्मी नं: 14669699H, रैंक: एनके (ऑटो टेक "बी" वाहन) नाम आदिनरायण गेडेला, बोरपेटा गांव के निवासी, बेजिपुरम पी ओ, लावेरू पीएस और तहसील।

श्रीकाकुलम जिला, आंध्र प्रदेश पिन -532403.पास होना ने सान्यासमा से गेडेला सान्यासम्मा के लिए मेरा नाम बदल दिया, सभी उद्देश्यों के लिए 16.04.2025.

नाम बदलना

मैं, कन्नाय्या, सेना के पिता संख्या: 14669699H रैंक: एनके (ऑटो टेक "बी" वाहन) नाम आदिनरायण गेडेला, बोरपेटा गांव के निवासी, बेजिपुरम पीओ, लावेरू - पीएस और तहसील।

श्रीकाकुलम जिला, आंध्र प्रदेश पिन - 532403.पास होना ने कन्नाय से मेरा नाम बदलकर गेडेला कन्नाय्या ने शपथ पत्र दिनांकित किया: सभी उद्देश्यों के लिए 16.04.2025.

भूमि मामले में आईपीएस अधिकारियों की याचिकाओं पर हाईकोर्ट ने सुनवाई पूरी की

हैदराबाद, 30 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना हाईकोर्ट ने भूदान भूमि मामले में अपने आदेश वापस लेने का आग्रह करते हुए दायर आईपीएस अधिकारियों की याचिकाओं पर आज सुनवाई पूरी कर ली है। इसने भूदान भूमि को निषिद्ध सूची में रखने के लिए एकल न्यायाधीश पीठ द्वारा दिए गए आदेशों पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। हाईकोर्ट ने कहा है कि एकल पीठ के आदेशों के खिलाफ उसी पीठ में एक खाली याचिका दायर की जा सकती है। रंगारेड्डी जिले के महेश्वरम मंडल के नागरम गांव में सर्वे नंबर 194 में कई आईपीएस अधिकारियों ने जमीन खरीदी है। आईपीएस अधिकारियों द्वारा जमीनों की खरीद में अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए हाल ही में हाईकोर्ट में एक याचिका दायर की गई थी। इस महीने की 24 तारीख को मामले की सुनवाई करते हुए कोर्ट ने आदेश दिया कि 2% अधिकारियों की जमीनों को प्रतिबंधित सूची में रखा जाए। कहा गया कि ये सभी भूदान की जमीनें हैं। जस्टिस भास्कर रेड्डी की सिंगल जज बेंच ने इस आशय का फैसला जारी किया। इस फैसले को चुनौती देते हुए हाल ही में कुछ आईपीएस अधिकारियों ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। इन अधिकारियों में रविगुप्ता, महेश भागवत, शिखा गोयल, तरुण जोशी, राहुल हेगड़े, स्वाति लाकड़ा और सौम्या मिश्रा शामिल हैं। आईपीएस अधिकारियों ने हाईकोर्ट को बताया कि ये जमीनें भूदान की नहीं बल्कि पट्टा की जमीनें हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने सर्वे नंबर 194 में 16, 20 और 18 गुंटा में जमीनें खरीदी हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उनके लेन-देन से संबंधित बिक्री समझौते भी हैं।

किसानों ने किया 'रास्ता रोको' प्रदर्शन

चावल मिल मालिकों के खिलाफ कार्रवाई की मांग

निर्मल, 30 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। दस्तूराबाद मंडल के पेराकापल्ली गांव में मंगलवार को खराब गुणवत्ता और नमी की आड़ में धान की खरीद करते समय 41.300 किलोग्राम अनाज वाले प्रति बैग पर लगभग 2 किलोग्राम धान की कटौती करने वाले चावल मिल मालिकों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर किसानों ने सड़क पर धरना दिया। गांव के सैकड़ों किसान एकत्र हुए और निर्मल-खानपुर मार्ग पर यातायात अवरुद्ध कर दिया, जिससे कुछ समय के लिए वाहनों की आवाजाही बाधित रही। उन्होंने अधिकारियों से मांग की कि वे मिल मालिकों के खिलाफ कार्रवाई करें, क्योंकि वे किसानों से अनाज खरीदते समय प्रति बोरी लगभग 2 किलो धान की कटौती कर रहे हैं। उन्होंने खेद व्यक्त किया कि मिल मालिकों की इस हरकत के कारण उन्हें घाटा हो रहा है। जब पुलिस और राजस्व अधिकारियों ने आरोपों की जांच करके न्याय दिलाने का आश्वासन दिया तो उन्होंने अपना विरोध वापस ले लिया। पुलिस और राजस्व अधिकारियों ने आंदोलनकारियों से कहा कि वे इस मामले को उच्च अधिकारियों के संज्ञान में लाएंगे और अगर मिल मालिक दोषी पाए गए तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें. द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

ई-नीलामी लीजिंग द्वारा प्रदत्त वाणिज्यिक आय तथा गैर शुल्क -राजस्व अनुबंधों के प्रति गुंटूर डिवीजन की संयुक्त मासिक सूची

PUB/0460

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे, गुंटूर डिवीजन द्वारा आईआरईपीएस वेब पोर्टल के ई-नीलामी लीजिंग मोड्यूल में ई-बोलियां आमंत्रित हैं। प्रकाशित सूचियों का विवरण निम्न प्रकार हैं।

एसएलआर्स की पार्सल लीजिंग

क्रम सं.	अनुबंध का प्रकार -	रेल सं.	अनुबंध की अवधि	नीलामी शुरू होने की तिथि व समय
1	एस एलआर की लीजिंग	17251 फ्रन्ट (एफ1)एसएलआर कोच(सिंगल कम्पार्टमेंट)	2 वर्ष	21-05-2025 के 11.30 बजे
2		17239 फ्रन्ट (एफ2)एसएलआर कोच(सिंगल कम्पार्टमेंट)		
3		12747 फ्रन्ट (एफ2)एसएलआर कोच(सिंगल कम्पार्टमेंट)		
4		17201 फ्रन्ट (एफ2)एसएलआर कोच(सिंगल कम्पार्टमेंट)		
5		17261 फ्रन्ट (एफ2)एसएलआर कोच(सिंगल कम्पार्टमेंट)		
6		22702 रियर (आर1)एसएलआर कोच(सिंगल कम्पार्टमेंट)		
7		12705 रियर (आर1)एसएलआर कोच(सिंगल कम्पार्टमेंट)		
8		17253 फ्रन्ट (एफ2)एसएलआर कोच(सिंगल कम्पार्टमेंट)		
9		17243 फ्रन्ट (एफ1)एसएलआर कोच(सिंगल कम्पार्टमेंट)		
10		17243 रियर (आर1)एसएलआर कोच(सिंगल कम्पार्टमेंट)		

ई-निविदाओं में भाग लेने के लिए निविदाकर्ता की यह जिम्मेदारी है कि, वे डिजीटल सिग्नीचर सर्टिफिकेट प्राप्त करें तथा स्वयं को आईआरईपीएस ईनीलामी लीजिंग इन में रजिस्टर करें। पंजीकरण की पूर्व आवश्यकताओं एवं आईआरईपीएस पोर्टल के माध्यम से ईनीलामी लीजिंग में भाग लेने के लिए, पोर्टलः www.ireps.gov.in के मैन्युएल एवं दिशा-निर्देशों के तहत तत्संबंधित विवरण उपलब्ध है। जब भी बुलाए जाने पर, निविदाकर्ता द्वारा अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में तत्संबंधित आवश्यक दस्तावेजों को प्रस्तुत करना होगा। निविदा के संबंध में आवश्यक दस्तावेजों की अपलोडिंग अथवा तत्संबंधित भुगतान के दौरान आईआरईपीएस पोर्टल पर कोई भी तकनीकी रुकावट होने के मामले में, रेल प्रशासन कतई जिम्मेदार नहीं होगा। निविदा प्रपत्र के निर्धारित नियम शर्तों को पूरा न कर, यथावत रूप से न भरे हुए निविदाओं को सरसरी तौर पर अस्वीकार किया जायेगा। उपरोक्त निविदा की संपूर्ण जानकारी, पोर्टल www.ireps.gov.in के ई-नीलामी लीजिंग मोड्यूल में दी गयी है।

A0604

विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक/गुंटूर

गया में सीएम ने किया महाबोधि अतिथि गृह का उद्घाटन

136 करोड़ के लागत से हुआ निर्माण, मंदिर के पास बना 7 मंजिला राजकीय होटल

गया, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार के पर्यटन नक्शे पर बोधगया को एक नई पहचान मिलने जा रही है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार आज यहां 136.15 करोड़ की लागत से बने राज्य अतिथि गृह का विधिवत उद्घाटन किया है। महाबोधि मंदिर से महज एक किलोमीटर की दूरी पर बना यह सात मंजिला भव्य भवन अब वीआईपी मेहमानों और विदेशी पर्यटकों के स्वागत में हर तरह की सुविधा से लैस रहेगा। साल 2020 में निर्माण शुरू हुआ था। अब 'बौद्ध शैली' में आलीशान गेस्ट हाउस बन कर तैयार हुआ है। कोरोना काल में शुरू हुए इस प्रोजेक्ट को लेकर राज्य सरकार ने खास पहल की थी। अब यह होटल एक आधुनिक लेकिन आध्यात्मिक स्वरूप में सामने आया है। इसकी डिजाइन महाबोधि मंदिर और लोमस ऋषि गुफा से प्रेरित है।

स्विमिंग पूल-स्पा की मिलेगी सुविधा

सुविधाएं ऐसी है कि जैसे किसी 5 स्टार होटल की सुविधा हो। यहां 2 प्रेसिडेंशियल सुइट, 8 वीआईपी सुइट, 80 डबल रूम, 10 सिंगल रूम, 30 बेड का डॉरमेट्री, स्विमिंग पूल, स्पा, जिम, बार, बिजनेस सेंटर और दो रेस्टोरेंट है। 150 लोगों का कॉन्फ्रेंस हॉल भी है। तेज वाई-फाई, हाई-टेक सिक्योरिटी है। पर्यटन को बूस्ट मिलेगा। बोधगया इंटरनेशनल डेस्टिनेशन बनेगा। बिहार पर्यटन विभाग को उम्मीद है कि इस होटल के संचालन से बोधगया में ठहरने की उच्च स्तरीय सुविधा उपलब्ध होगी। इससे विदेशी बौद्ध अनुयायियों के साथ ही सरकारी प्रतिनिधियों के लिए प्रीमियम दर पर यह प्राथमिक ठिकाना बन सकेगा।

आम लोगों के लिए मुख्य रास्ता होगा प्रतिबंधित

मुख्यमंत्री के आगमन के लेकर गया और बोधगया में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है। सुबह के दस बजे से लेकर एक बजे तक गया डोभी रोड आम अवाम के लिए प्रबंधित रहेगा। गया डोभी रोड केवल वीवीआईपी के लिए सुबह 10 बजे से लेकर 11 बजे तक खुला रहेगा। आम लोगों को बोधगया रिवर साइड रोड का इस्तेमाल करते हुए अपने गंतव्य को जाना होगा। सीएम ने होटल की छत से राज्य अतिथि गृह का जायजा लिया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि होटल अंतरराष्ट्रीय स्तर का बनाया गया है। पास में ही महाबोधि सांस्कृतिक केंद्र है। उसी बगल में होटल बनाया गया। अब इसमें बाहर से आने वाले अतिथि रुक सकेंगे। यह बोधगया के लिए बहुत अच्छा हो गया। सीएम ने राज्य अथिति गृह के बाद सीएम महाबोधि मंदिर का दर्शन किया और फिर वे वहां से खेलो इंडिया यूथ गेम्स की तैयारियों का निरीक्षण करने बिपार्ड पहुंचे। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राज्य अतिथि निवास से सीधे महाबोधि मंदिर पहुंचे। फिर वहां से बिपार्ड पहुंचे जहां उन्होंने खेलो इंडिया यूथ गेम्स और उसकी तैयारियों का जायजा लिया। अधिकारियों को निर्देश भी दिया कि, 4 मई से खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 का आयोजन होना है, बिहार के 5 जिले इसकी मेजबानी करेंगे, जिसमें गया जिला भी शामिल है। गया में आईआईएम बोधगया और गया के बिपार्ड में आयोजन होना है। बड़े स्तर पर खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 की तैयारी गया में हो रही है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और राज्य के वरिष्ठ अधिकारियों ने इस का निरीक्षण किया।

आईएएस संजीव हंस की बढ़ीं मुश्किलें

ईडी ने रामविलास पासवान के समय घूसखोरी करने का लगाया आरोप

पटना, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। भ्रष्टाचार और मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में जेल में बंद आईएएस अधिकारी संजीव हंस की मुश्किलें और बढ़ सकती हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने संजीव हंस के खिलाफ पूर्व केंद्रीय मंत्री रामविलास पासवान के कार्यकाल में उनके निजी सचिव के रूप में उपभोक्ता निवारण आयोग से अनुकूल फैसला दिलाने के एवज में मुंबई की एक फर्म से एक करोड़ की रिश्वत लेने के आरोप लगाए हैं। आरोप संजीव हंस के दोस्त विपुल बंसल के स्वीकारनामे के आधार पर लगाया गया सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अपने अभियोजन शिकायत में यह आरोप लगाया है। आरोप संजीव हंस के मित्र विपुल बंसल के स्वीकारनामे के आधार पर लगाया गया है। बंसल उस वक्त संबंधित फर्म में कार्यरत थे। रिश्वत की रकम संजीव हंस के एक परिचित शादाद खान के माध्यम से भुगतान की गई थी। बता दें कि एनसीडीआरसी उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग के तहत काम करता है। रामविलास पासवान 2014 से 2019 के बीच इस विभाग को संभाल रहे थे। हंस पासवान के निजी सचिव थे। हालांकि, ईडी इस मामले में आधिकारिक तौर पर कुछ भी बोलने से बच रही है।

बॉयफ्रेंड संग दुल्हन गहना व रुपए लेकर फरार

कानपुर, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के कानपुर में एक महिला शादी के पांच महीने बाद अपने प्रेमी संग फरार हो गई। महिला अपने ससुराल से ही अपने प्रेमी के साथ भागी और अपने साथ घर में रखे जेवर भी ले गई। यही नहीं महिला 9 लाख रुपये भी अपने साथ ले गई। महिला प्रतिक्षा तिवारी की शादी कानपुर के राम तिवारी से पिछले साल नवंबर में शादी हुई थी। राम तिवारी पुणे में रहकर चाय की दुकान चलाता है। राम तिवारी ने शादी के महज 4 दिन बाद ही महिला को उसके प्रेमी मनीष रजावत से बात करते हुए पकड़ लिया था। इसके बाद राम तिवारी ने महिला की शिकायत उनके परिजनों से की। लेकिन प्रतिक्षा ने अपने पास चोरी से एक की-पैड फोन रखा हुआ था, जिससे चोरी-छिपे प्रेमी से बात करती थी।

रामजीलाल की अर्जी पर सुनवाई 28 मई को

सुरक्षा को लेकर हाईकोर्ट पहुंचे हैं सपा के राज्यसभा सांसद

प्रयागराज, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। सपा के राज्यसभा सांसद रामजीलाल सुमन की अर्जी पर 28 मई को सुनवाई होगी। बुधवार को रामजीलाल की अर्जी पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने दोनों पक्षों के वकीलों के तर्कों को सुना। साथ ही राज्य सरकार और केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति राजीव गुप्ता और न्यायमूर्ति हरवीर सिंह की अदालत कर रही है। सुनवाई के दौरान रामजीलाल सुमन के अधिवक्ता इमरान उल्लाह ने अदालत में तर्क दिया कि राज्यसभा में सांसद रामजीलाल सुमन ने जो बयान दिया था उसको रिकॉर्ड से हटा दिया गया है। बावजूद इसके मीडिया उस बयान को कैसे चला रही है। रामजीलाल के अधिवक्ता ने यह भी कहा कि खुलेआम अलग संगठनों द्वारा रामजीलाल सुमन को धमकियां दी जा रही हैं, लेकिन उस पर कोई कार्रवाई न होना यह साबित करता है कि संगठनों को राज्य सरकार का संरक्षण प्राप्त है। दलील दी गई कि रामजीलाल सुमन पर लगातार हमले हो रहे हैं। हमें आशंका है कि सांसद की हत्या भी हो सकती है। आगे कहा कि सोशल मीडिया पर वायरल है कि रामजीलाल की जुबान काटने के लिए एक करोड़ रुपये की सुपारी दी गई है। सांसद के घर पर 100 लोगों से ज्यादा लोगों ने पहुंचकर हमला किया और बुलडोजर लेकर पहुंचे थे। इस मामले में एक सौ से अधिक लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इससे पता चलता है कि यूपी में कानून और व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है। कहा कि हम राज्य सरकार के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन रामजीलाल की सुरक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए। राज्य सरकार के अधिवक्ता ने दलील दी कि रामजीलाल को दोहरी सुरक्षा प्रदान की गई है। बता दें कि करणी सेना से विवाद के बाद सुरक्षा की मांग लेकर सपा के राज्यसभा सांसद रामजीलाल सुमन इलाहाबाद हाईकोर्ट पहुंचे हैं। सांसद रामजी लाल सुमन की याचिका पर सुनवाई टल गई थी। गलत कोर्ट में मामला सूचीबद्ध होने के कारण सुनवाई टल गई थी। समाजवादी पार्टी के राज्यसभा सांसद रामजी लाल सुमन और उनके बेटे पूर्व विधायक रणधीर सुमन ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर सुरक्षा की गुहार लगाई है। साथ ही उन्होंने आवास पर करणी सेना के कथित हमले के आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और निष्पक्ष जांच करने की मांग की है।

'सीमा हैदर पाकिस्तान का कचरा, उसे वापस भेज देना चाहिए'

नोएडा, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। सचिन मीणा और सीमा हैदर की प्रेम कहानी जिन दिनों सुर्खियां बनी थीं, एक और किरदार की जमकर चर्चा हुआ करती थी। इस किरदार का नाम मिथिलेश भाटी है। लप्पू सा सचिन कहने वाली मिथिलेश एक बार फिर सीमा हैदर पर फायर हैं। अब उन्होंने आतंकी हमले को लेकर सीमा हैदर और पाकिस्तान पर निशाना साधा है। मिथिलेश भाटी ने कहा- 'सीमा हैदर पाकिस्तान का कचरा है। उसे वापस पाकिस्तान भेज देना चाहिए। भारत में ऐसे लोगों की कोई जगह नहीं है।' पाकिस्तान को कायर बताते हुए मिथिलेश भाटी ने कहा कि निर्दोष लोगों पर हमला करना उसकी आदत है। उन्होंने सीमा हैदर को पाकिस्तान की बेटी बताते हुए उस पर भरोसा करने को गलत बताया है।

ये क्या बोल गए यूपी के मंत्री अनिल राजभर

पहलगाम को बताया पुलवामा अटैक, खूब हो रही फजीहत

गाजीपुर, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले में 28 पर्यटकों की मौत के बाद से पूरा देश गुस्से में है। इस घटना के बाद से ही भारत और पाकिस्तान के संबंधों में भी कड़वाहट आ गई है। कभी भी दोनों देशों के बीच जंग का ऐलान हो सकता है। वहीं, इस घटना का सभी राजनीतिक पार्टियों भी विरोध कर रही हैं। लेकिन योगी सरकार के एक मंत्री ने इस घटना को पहलगाम की जगह पुलवामा की घटना बता डाला, जिसके बाद उनकी खूब फजीहत हो रही है। योगी सरकार के मंत्री अनिल राजभर गाजीपुर के मेडिकल कॉलेज में आयोजित 'एक राष्ट्र एक चुनाव' पर परिचर्चा कार्यक्रम में शिरकत करने पहुंचे थे। उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर इस कार्यक्रम के चीफ गेस्ट थे। उन्होंने प्रोग्राम के दौरान कुछ ऐसा कह डाला, जिसे सुन सभी दंग रह गए। दरअसल, उन्होंने पहलगाम हमले का जिक्र किया, लेकिन पहलगाम की घटना को उन्होंने पुलवामा की घटना कह दिया। इसका वीडियो भी सामने आया है। अनिल राजभर ने कहा- अभी चुनाव बीता है और विपक्ष के लोग संविधान की बात कर रहे थे। जिन लोगों ने देश में संविधान का जितना अपमान किया वही लोग संविधान के सम्मान की बात कर रहे हैं। अभी पुलवामा (पहलगाम) की घटना घटी, भारत की कितनी बेटियां विधवा हुईं। किसी ने अपना बेटा खोया तो किसी ने अपना परिवार खोया। इसके लिए कौन जिम्मेदार है? यदि बाबा साहब भीमराव अंबेडकर का संविधान देश के आजादी के समय ही जम्मू कश्मीर में भी लागू कर दिया गया होता तो आज यह दिन देश को नहीं देखना पड़ता। जम्मू कश्मीर के अंदर 72 सालों तक देश का तिरंगा नहीं फहराने दिया गया। संविधान नहीं लागू करने दिया गया जिसका खामियाजा पूरा देश के साथ ही जम्मू कश्मीर के लोग भुगत रहे हैं।

शाम को महिलाओं को थाने में न बुलाएं

सभी से आप-जी कहकर करें बात', गाजियाबाद पुलिस को आदेश

गाजियाबाद, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद पुलिस आयुक्त जे. रविंदर गौड़ ने जिले में तैनात पुलिसकर्मियों के लिए 'शिष्टाचार संवाद नीति' नाम से एक परामर्श जारी किया है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस उपायुक्त नगर राजेश कुमार ने बताया कि सभी पुलिसकर्मियों को निर्देश दिया गया है कि वे कानूनी मदद के लिए उनके पास आने वाले शिकायतकर्ता सहित सभी लोगों से विनम्रता और अच्छे व्यवहार से बात करें। उन्होंने बताया कि यह दिशा-निर्देश सोमवार को जारी किये गये। पुलिस आयुक्त के निर्देश के मुताबिक अब पुलिसकर्मी आम लोगों से 'तुम' या 'तू' कहकर बात नहीं करेंगे बल्कि उन्हें केवल 'आप' का प्रयोग करना होगा। इसके अलावा लोगों का नाम पुकारते समय 'जी' का प्रयोग करना होगा। गौड़ ने पुलिसकर्मियों को व्यक्तिगत रूप से फोन पर बात करते वक्त अच्छी भाषा का प्रयोग करने और किसी को भी अनावश्यक रूप से थाने में बैठाए न रखने और समस्या सुनने के बाद तुरंत प्राथमिकी दर्ज करने की सलाह दी। परामर्श के मुताबिक, सूर्यास्त के बाद किसी भी महिला को थाने में नहीं बुलाया जाएगा और थानों में बच्चों के लिए कुर्सियां, पानी व टॉफी-चॉकलेट की व्यवस्था होनी चाहिए। अधिकारी ने बताया कि दिशा निर्देशों का उल्लंघन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पुलिस कमिश्नर ने पुलिस कर्मियों को निर्देश दिए हैं कि कोई कर्मचारी बिना नेम प्लेट या टोपी के नहीं दिखेगा। सभी पुलिसकर्मी अपनी वर्दी पर नेम प्लेट और सर पर टोपी अवश्य लगाएंगे और निर्धारित वृद्धि धारण करेंगे। अगर कोई भी पुलिस कर्मचारियों अभद्रता या बदतमीजी करता है तो उसका वीडियो या ऑडियो पुलिस आयुक्त, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, डीसीपी या एडीसीपी यातायात को भेज कर शिकायत कर सकते हैं।

लखनऊ में बैठा अब्दुल अयोध्या के लिए कर रहा है कुछ बड़ी तैयारी

बाहर से आई 60 करोड़ की मदद

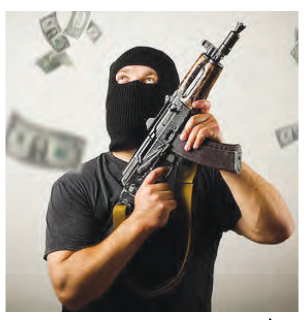

लखनऊ, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। रायबरेली के साइबर अपराधी दुर्गेश व संजय पांडेय का जुड़ाव पाकिस्तानी रहीम के साथ ही लखनऊ के अब्दुल से भी है। दुर्गेश बिहार के संदिग्ध युवाओं के खाते में पैसे जमा करने के साथ ही अब्दुल को नकद भुगतान करता था। एक वर्ष में उसे करीब 60 करोड़ रुपये दिए हैं, जिसे अयोध्या व गोंडा भेजा है। आशंका है कि लखनऊ में बैठा अब्दुल अयोध्या के लिए कुछ बड़ी तैयारी कर रहा है। जांच में जुटीं सुरक्षा एजेंसियों को रायबरेली जेल में बंद दुर्गेश और संजय पांडेय से अहम जानकारी मिली है। सूत्रों के अनुसार दोनों ने बताया कि दुबई और पाकिस्तान से भेजे गए अधिकतर रुपयों को वह रहीम के बताए बैंक खातों में ही जमा करते थे। बाद में रहीम का संदेश आया कि लखनऊ से अब्दुल आएगा, जिसे नकद भुगतान करना है। हर भुगतान से पहले रहीम की पाकिस्तान से वाट्सएप कॉल आती थी। कुछ ही देर बाद अब्दुल रायबरेली पहुंच जाता था। ऐसे में सुरक्षा एजेंसियों का सबसे बड़ा सवाल यह रहा कि आखिर अब्दुल दिखता कैसा है। इसपर दुर्गेश का जवाब था कि हर बार वह अपना चेहरा ढक कर रुपये लेने पहुंचता था। वही अयोध्या व गोंडा भी पैसे पहुंचाता था। जांच अधिकारियों के अनुसार अब्दुल कौन है।।इस बारे में जानकारी जुटाई जा रही है, लेकिन इतना संकेत जरूर मिला है कि आतंकी संगठन अयोध्या के लिए कुछ बड़ी तैयारी कर रहे हैं। इसी इनपुट के आधार पर पहलगाम हमले के बाद से राम मंदिर की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। अयोध्या के आसपास के जिलों गोंडा व अंबेडकरनगर पर नजर है। यहां सवाल यह कि आखिर गोंडा व अंबेडकरनगर ही क्यों? इसपर पूर्व आईबी अधिकारी संतोष सिंह बताते हैं कि नेपाल सीमा व अयोध्या के करीब होने से गोंडा आतंकियों के साथ ही सुरक्षा एजेंसियों के लिए बेहद अहम है। बीते तीन वर्ष में एटीएस ने गोंडा में ताबड़तोड़ कार्रवाई करते हुए देश विरोधी गतिविधियों में शामिल 11 संदिग्धों को पकड़ा है। महाकुंभ के समय फरीदाबाद से मिल्कीपुर निवासी आतंकी अब्दुल रहमान की गिरफ्तारी को भी इससे जोड़कर देखा जा रहा है।

'तुम्हें धर्म परिवर्तन करना होगा'

कानपुर आईआईटी की छात्रा ने एसीपी मोहसिन पर लगाए गंभीर आरोप

कानपुर, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। कानपुर में तैनात रहे एसीपी मोहसिन खान के ऊपर आईआईटी छात्रा ने यौन शोषण का आरोप लगाया था। इस मामले में पिछले 12 घंटों में कई मोड़ सामने आए है। अब छात्रा ने मोहसिन और उनके परिजनों पर धर्मांतरण की कोशिश के साथ जातिसूचक बातें करने का आरोप लगाया है। इस मामले में छात्रा ने तहरीर भी दी है। इससे पहले मोहसिन खान की पत्नी ने छात्रा के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने के लिए कोर्ट में अर्जी लगाई थी, जिस पर कोर्ट ने सुनवाई करते हुए छात्रा के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। कानपुर आईआईटी में शोध कर रही एक छात्रा ने कानपुर में तैनात रहे एसीपी मोहसिन खान पर शादी का झांसा देकर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था। पीड़िता के अनुसार एसीपी आईआईटी से साइबर क्राइम और क्रिमिनोलॉजी की पढ़ाई कर रहे थे। वहीं पर रिसर्च स्कॉलर से नजदीकी बढ़ गई। एसीपी ने उससे प्यार का नाटक किया और शादी का झांसा देकर यौन संबंध बनाए। एसीपी के शादीशुदा होने के साथ अन्य सच्चाई सामने आने पर पीड़िता ने कानपुर पुलिस कमिश्नर से शिकायत की थी। पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार के आदेश पर इस मामले में एसीपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। एसीपी मोहसिन खान ने हाईकोर्ट का रुख किया और हाईकोर्ट ने मोहसिन खान की गिरफ्तारी के साथ चार्जशीट दाखिल करने पर रोक लगा दी। इस मामले में अभी हाईकोर्ट से कोई नया आदेश नहीं आया है। इसी दौरान इस पूरे मामले में एक नया मोड़ आ गया है। मोहसिन खान की पत्नी ने छात्रा के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने के लिए कोर्ट में अर्जी लगाई थी। इस अर्जी पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने छात्रा के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने का आदेश दे दिया था। इस आदेश के कुछ घंटों बाद ही छात्रा ने कल्याणपुर थाने में मुकदमा लिखने के लिए तहरीर दी है। तहरीर ने छात्रा ने आरोप लगाएं हैं कि मोहसिन खान ने अपनी शादी की बात छुपाकर मेरे साथ यौन शोषण किया और जब मैंने मुकदमा करवा दिया तो मोहसिन, उनकी पत्नी और मां ने धर्म परिवर्तन करके मोहसिन के साथ रहने की बात कही। छात्रा का आरोप है कि जब उसने धर्म परिवर्तन करने से मना कर दिया तो उसके साथ जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल किया गया। इस तहरीर के साथ छात्रा ने कई सबूत भी पुलिस को दिए है।

राजा भैया के खिलाफ चुनाव लड़ चुके गुलशन यादव मुश्किल में

7 करोड़ रुपये से ज्यादा की प्रॉपर्टी होगी जब्त

प्रतापगढ़, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। यूपी के प्रतापगढ़ में राजा भैया के खिलाफ विधानसभा चुनाव लड़े सपा नेता गुलशन यादव पर प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। डीएम शिव सहाय अवस्थी ने गैंगस्टर एक्ट के तहत गुलशन यादव की 7 करोड़ रुपये से ज्यादा की संपत्ति जब्त करने का आदेश दिया है। इस संपत्ति में लग्जरी गाड़ियां, आवासीय जमीन और अन्य चल-अचल संपत्ति शामिल है। गुलशन यादव पहले राजा भैया के साथ थे, लेकिन बाद में दोनों के रास्ते अलग हो गए। गुलशन यादव ने सपा के टिकट पर राजा भैया के खिलाफ दो बार विधानसभा चुनाव भी लड़ा, लेकिन दोनों बार उन्हें हार का सामना करना पड़ा। चुनाव के दौरान दोनों नेताओं के बीच तीखी बयानबाजी भी हुई थी। यह मामला नगर कोतवाली, कुंडा और मानिकपुर कोतवाली क्षेत्र से जुड़ा है। प्रशासन ने गुलशन यादव को गैंग लीडर मानते हुए यह कार्रवाई की है। अपर पुलिस अधीक्षक संजय राय ने बताया कि गुलशन यादव की गाड़ी, जमीन और अन्य संपत्ति, जिसकी कुल कीमत 7 करोड़ 15 हजार 502 रुपये है, जब्त की जा रही है।

गुलशन पर 50 से ज्यादा मुकदमे

गुलशन यादव पर 50 से ज्यादा मामले दर्ज हैं, जिनमें से ज्यादातर प्रतापगढ़ जिले में हैं। प्रशासन ने उन्हें गैंगस्टर एक्ट के तहत गैंग लीडर घोषित किया है। इस कार्रवाई से राजनीतिक गलियारों में हलचल है। वहीं, स्थानीय लोग इसे कानून व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मान रहे हैं। गैंगस्टर एक्ट एक कानून है जो संगठित अपराध को रोकने के लिए बनाया गया है। इस कानून के तहत, अगर कोई व्यक्ति किसी गैंग का सदस्य पाया जाता है या गैंग के लिए काम करता है, तो उसकी संपत्ति जब्त की जा सकती है और उसे जेल भी हो सकती है।

समर्थकों ने राजनीति से प्रेरित कार्रवाई करार दिया

गुलशन यादव के समर्थकों का कहना है कि यह कार्रवाई राजनीतिक रूप से प्रेरित है। उनका आरोप है कि गुलशन यादव को जानबूझकर निशाना बनाया जा रहा है क्योंकि उन्होंने राजा भैया के खिलाफ चुनाव लड़ा था। हालांकि, प्रशासन ने इन आरोपों को खारिज कर दिया है। गौरतलब है कि विधानसभा चुनावों के दौरान गुलशन यादव ने कहा था कि उनको राजा भैया से जान का खतरा है। इसको लेकर सियासत काफी सरगर्म रही थी।

घरेलू विवाद को सुलझाने गयी महिला दारोगा का बाल पकड़ कर घसीटा, पुलिस ने तीन को उठाया

पश्चिम चंपारण, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम चंपारण के शिकारपुर थाना की महिला दारोगा को बाल पकड़कर घसीटने का मामला सामने आया है। महिला दारोगा डीके शिकारपुर गांव में घरेलू विवाद को सुलझाने गयी थी। इस घटना में गिरफ्तार तीनों की पहचान डीके शिकारपुर गांव निवासी मोहम्मद मोमताज की पत्नी नूरसलमा खातून, बेटी मेहनाज खातून और बेटा शमशाद आलम के रूप में की गयी है। जानकारी के अनुसार, डीके शिकारपुर की मुर्शिदा खातून के छोटे बेटे मोहम्मद आफताब के घर सोमवार को आंधी-पानी में आंगन में लगा बल्ब फ्यूज हो गया। आफताब ने बल्ब लगाने के लिए अपनी मां मुर्शिदा से सीढ़ी मांगी, तो उसने मना कर दी। इसी बात को लेकर दोनों के बीच बहस होने लगी। बहस बढ़ते-बढ़ते गाली गलौज और मारपीट में तब्दील हो गयी। इसके बाद मुर्शिदा खातून ने 112 नंबर पर डायल कर शिकायत की।

दिन में वेल्डिंग की दुकान और रात में तमंचे बनाने का काम

पुलिस ने छापा मारा तो हुआ बड़ा भंडाफोड़, तीन आरोपित गिरफ्तार

शामली, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। वेल्डिंग की दुकान की आड़ में चलाए जा रहे तमंचे बनाने के ठिकाने का भंडाफोड़ कर पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से बने और अधबने कई तमंचे और सामान भी बरामद किया है। आरोपित दिन में वेल्डिंग का काम करता था, जबकि रात में तमंचे बनाता था। पूछताछ में बताया कि एक साल से वह यह काम कर रहा था। पुलिस लाइन में आयोजित प्रेसवार्ता में एसपी रामसेवक गौतम ने बताया कि झिंझाना थानाक्षेत्र के कस्बा ऊन के मोहल्ला सुभाष नगर में कस्बा निवासी शफीक की वेल्डिंग की दुकान है। उन्होंने पत्रकारों को बताया कि काफी समय से पुलिस को सूचना मिल रही थी कि यह रात में कुछ अवैध कार्य करता है। उसके बाद पुलिस की टीम इसकी गतिविधियों की जांच में लगाई गई थी। बताया कि मामले में काफी जांच करने के बाद टीम ने आरोपित शफीक और उसके दो साथी अजहर और आरिश निवासी मुहल्ला रविदासपुरी थाना गढ़ीपुख्ता को पकड़ा। एसपी ने बताया कि शफीक दिन में वेल्डिंग का कार्य करता था, जबकि रात में वह तमंचे बना रहा था। आरिश और अजहर उससे तमंचे लेकर बेचते थे। मौके से छह तमंचे, चार कारतूस, 14 तमंचे अधबनी और तमंचे बनाने के उपकरण बरामद हुए। एसपी ने बताया कि पूछताछ में आरोपित शफीक का कहना है कि एक साल से वह तमंचे बना रहा है। उसने अपने एक जानकार से तमंचा बनाना सीखा था। उसके साथ पकड़े गए दोनों आरोपित भी कभी-कभी उसके पास आकर वेल्डिंग का कार्य करते थे। कभी कभी वे अन्य जगह मजदूरी भी करते थे। अजहर और आरिश उससे दो हजार रुपये में तमंचे खरीदते थे और उन्हें तीन से लेकर साढ़े चार हजार रुपये में बेच देते थे। पुलिस अब उनसे तमंचे खरीदने वालों की तलाश कर रही है। जल्द ही इस मामले में कुछ और लोगों को भी पकड़ा जाएगा।

मराठा योद्धा रघुजी भोसले की तलवार लंदन से आएगी वापस

नीलामी में सरकार ने 47.15 लाख रुपए में खरीदा

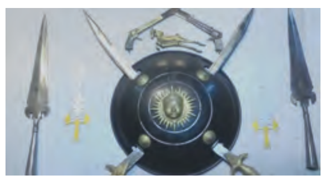

नागपुर, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। महाराष्ट्र सरकार ने लंदन में एक अंतरराष्ट्रीय नीलामी में मराठा योद्धा रघुजी भोसले प्रथम की ऐतिहासिक तलवार को खरीद लिया है। इसके बाद भोंसले घराने के संस्थापक राजे रघु जी भोसले की स्वर्ण जड़ित तलवार अब भारत आएगी। जानकारी के अनुसार, अंग्रेजों द्वारा 1817 में राजा रघु जी भोसले का खजाना लूट गया था। इस लूट में भोंसले घराने के संस्थापक राजे रघु जी भोसले की स्वर्ण जड़ित तलवार भी इंग्लैंड भेज दी गई थी। अचानक सोथबीज संग्रहालय ने उस तलवार की नीलामी का निर्णय लिया। जैसे ही इसकी खबर नागपुर पहुंची तो राजे भोंसले परिवार में हलचल मच गई। राज परिवार सहित अनेक लोगों की भावना थी कि तलवार वापस महाराष्ट्र आनी चाहिए। राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने संदर्भ में तत्काल कदम उठाए और तलवार को नीलामी में सरकार ने 47.15 लाख रुपए की बोली लगाकर खरीद लिया। बता दें कि रघुजी भोसले ने 1740 में बंगाल के नवाबों के खिलाफ सैन्य अभियान का नेतृत्व किया। जिससे मराठा साम्राज्य का विस्तार बंगाल, उड़ीसा तक हो गया था। उन्होंने दक्षिण भारत में अपना सैन्य और राजनीतिक प्रभुत्व भी स्थापित कर लिया था। इस तलवार को एक मध्यस्थ के माध्यम से खरीदा गया।

'कानून से खिलवाड़ नहीं चलेगा'

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को लेकर दिल्ली एचसी ने दिया सख्त आदेश

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। डिजिटल अराजकता पर लगाम कसने के लिए दिल्ली हाईकोर्ट ने ऐतिहासिक आदेश जारी करते हुए सोशल मीडिया और इंटरनेट कंपनियों को दो टूक कहा है। कोर्ट ने कहा कि कानून के दायरे में रहो या कार्रवाई के लिए तैयार रहो। जस्टिस प्रतिभा एम। सिंह और जस्टिस अमित शर्मा की बेंच ने सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार के 'सहयोग' पोर्टल को कानून प्रवर्तन का मजबूत डिजिटल हथियार बताते हुए सभी इंटरमीडियरीज (मध्यस्थ प्लेटफॉर्म) को तुरंत इससे जोड़ने का निर्देश दिया। जब सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स ने पोर्टल से जोड़ने पर आपत्ति जताई और खुद को प्रक्रिया से अलग करने की कोशिश की,

कोर्ट ने सख्ती से कहा सिर्फ याचिका दायर करने से आप कानून के दायरे से बाहर नहीं हो सकते। कर्नाटक हाईकोर्ट से कोई रोक नहीं है, हम 28 मई को आपकी बात सुनेंगे। दिल्ली हाई कोर्ट में मामले की सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार ने मामले में हम जानकारी देते हुए दिल्ली हाई कोर्ट को बताया कि अब तक 64 प्लेटफॉर्म 'सहयोग' पोर्टल से जुड़ चुके हैं। 1100 संस्थाएं, जिनमें फेसबुक, व्हाट्सएप, माइक्रोसॉफ्ट जैसे दिग्गज शामिल हैं, एपीआई इंटीग्रेशन के जरिए डेटा साझा कर रही हैं।। 33 वर्चुअल डिजिटल एसेट कंपनियां भी पोर्टल से जुड़ चुकी हैं। देशभर के राज्यों ने नोडल अधिकारी नियुक्त कर दिए हैं। यह सरकार द्वारा विकसित एक डिजिटल मंच है, जो आईटी अधिनियम, 2000 के तहत अवैध सामग्री, साइबर अपराध और राष्ट्रविरोधी कंटेंट पर बिजली की रफ्तार से कार्रवाई सुनिश्चित करता है। इससे सरकार और कानून एजेंसियों को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से तत्काल सहयोग मिल सकेगा।

दिल्ली हाई कोर्ट ने की अहम टिप्पणी

हालांकि दिल्ली हाई कोर्ट ने मामले की सुनवाई के दौरान हम टिप्पणी करते हुए कहा अब देरी, बहाने या लापरवाही की कोई गुंजाइश नहीं है। कानून के तहत हर डिजिटल प्लेटफॉर्म को जवाबदेह बनना होगा। सहयोग न करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल न्यायपालिका का संदेश साफ है डिजिटल स्पेस में भी अब जवाबदेही तय होगी, और तकनीक के नाम पर कानून से बचने का रास्ता बंद।

अटारी बॉर्डर पर पाकिस्तान अथॉरिटी की शरारत, 2 घंटे तक नहीं खोला इमीग्रेशन गेट

अटारी, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में 26 भारतीयों की मौत हो गई थी। इस हमले के बाद भारत सरकार ने एक्शन लेते हुए पाकिस्तानी नागरिकों के वीजा को रद्द कर दिया था। इस बीच 29 अप्रैल तक सभी पाकिस्तानियों को भारत छोड़कर पाकिस्तान लौट जाने को कहा गया था। लेकिन इस पूरी प्रक्रिया में अटारी बॉर्डर पर पाकिस्तानी अथॉरिटीज द्वारा शरारत करने का मामला सामने आया है। दरअसल भारत की ओर से लौट रहे पाकिस्तानी नागरिकों के लिए पाकिस्तान ने देरी से इमीग्रेशन गेट खोले। करीब 2 घंटे तक पाकिस्तान की तरफ इमीग्रेशन गेट नहीं खोल गए। इस कारण अटारी बॉर्डर पर भारत की तरफ वाहनों की लंबी लाइन लग गईं। जम्मू कश्मीर पुलिस जिन पाकिस्तानियों को लेकर आई थी, उनकी बस बैरीकेट के अंदर तो घुस गई, लेकिन पाकिस्तानी अधिकारियों द्वारा इमीग्रेशन गेट को देरी से खोला गया। इस कारण अटारी बॉर्ड पर लंबी कतारें लग गईं। जानकारी के मुताबिक, आज पाकिस्तान की तरफ से इमीग्रेशन गेट को करीब 12 बजे खोला गया, जिस कारण लोगों को धूप में घंटों तक इंतजार करना पड़ा। बता दें कि भारत सरकार ने पाकिस्तानी नागरिकों के वीजा को रद्द कर दिया था। बता दें कि पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद से पीएम मोदी एक्शन मोड में दिख रहे हैं। वहीं भारतीय सेना को भी फ्री हैंड कर दिया गया है। इस बीच पाकिस्तान के तमाम नेता दावा कर रहे हैं कि भारत कभी भी पाकिस्तान के खिलाफ जंग छेड़ सकता है। खौफ के माहौल के बीच अब पाकिस्तान की सरकार ने अपनी रक्षा करने के लिए बड़ा फैसला किया है।

पंजाब में फिर होना था धमाका

पुलिस थाने में बम फेंकने जा रहे पांच बदमाश गिरफ्तार

अमृतसर, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। पंजाब के पुलिस थाने आतंकियों के निशाने पर हैं। इससे पहले भी कई बम हमले हो चुके हैं, लेकिन अभी भी आतंकी इन वारदातों को अंजाम देने के लिए तैयार बैठे हैं। अमृतसर पुलिस ने ऐसे ही पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जो पुलिस स्टेशन पर बम धमाके की तैयारी में थे। हैरानी की बात यह है कि आरोपियों में एक नाबालिग भी शामिल है। अमृतसर जिला शहरी पुलिस ने नाबालिग सहित पांच तस्करों को गिरफ्तार कर उनसे हैंड ग्रेनेड, पिस्टल और मैगजीन बरामद किए हैं। पुलिस ने जब आरोपियों को गिरफ्तार किया तो उनमें से एक ने पुलिस मुलाजिम की सर्विस रिवॉल्वर छीन ली और पुलिस टीम पर ही गोलियां चला दी। इसके जवाब में पुलिस की ओर से भी फायरिंग की गई। आरोपी की टांग में गोली लगने से वह जख्मी हो गया।

पकड़े गए आरोपियों में नरेश कुमार उर्फ बब्बू, अभिनव कुमार उर्फ अभी, अजय कुमार उर्फ अजु, सनी कुमार और एक नाबालिग है। पुलिस ने इनसे हैंड ग्रेनेड के अलावा पिस्टल, मैगजीन और कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस कमिश्नर गुरप्रीत सिंह ने बताया कि सूचना मिली थी कि विदेशी आतंकी जीवन फौजी के साथी हैंड ग्रेनेड लेकर इलाके में घूम रहे हैं, जो कि किसी पुलिस थाने पर ग्रेनेड फेंकने की फिराक में है। इसी के तहत टीम तैयार कर ट्रैप लगाया गया और नाकाबंदी के दौरान आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

पकड़े गए आरोपियों में से अजय कुमार ने पुलिस की सर्विस रिवाल्वर छीन ली और गोलियां चलानी शुरू कर दी। इसके जवाब में पुलिस की ओर से भी फायरिंग की गई जिस दौरान एक गोली अजय कुमार की टांग पर लगी और वह जख्मी हो गया। फिलहाल आरोपी को हॉस्पिटल में दाखिल करवाया गया है और बाकी सभी से पूछताछ की जा रही है। जल्दी उनके और भी साथियों को गिरफ्तार किया जा सकेगा।

पहलगाम हमले के बाद योगेंद्र यादव ने क्यों की खुद पर एफआईआर करने की मांग?

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद केंद्र की मोदी सरकार लगातार पाकिस्तान पर शिकंजा कसने में लगी है। इस दौरान देश के अंदर भी कई लोगों पर एफआईआर दर्ज की गई है। इसमें लोक गायिका नेहा सिंह राठौर और लखनऊ विश्वविद्यालय की प्रोफेसर डॉ। माद्री काकोटी उर्फ डॉ। मेडुसा के नाम भी शामिल हैं। अब इसपर स्वराज इंडिया के प्रमुख योगेंद्र यादव ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि 'सच कहना अगर बगावत है तो समझो हम भी बागी हैं।' मेडुसा की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर किए गए पोस्ट को शेयर करते हुए योगेंद्र यादव ने लिखा, मैं इस पोस्ट से पूरी तरह सहमत हूं। चाहे हिंदू हो या मुसलमान या कोई और धर्म के आधार पर किसी भारतीय के खिलाफ कोई भी हमला भारत पर हमला है, संविधान पर हमला है। अगर इस पोस्ट पर मेडुसा को नोटिस मिलता है, एफआईआर होती है, तो मुझ पर भी होनी चाहिए। सच कहना अगर बगावत है तो समझो हम भी बागी हैं। दरअसल, 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए हमले के बाद 23 अप्रैल को मेडुसा ने पोस्ट किया था, धर्म पूछकर गोली मारना आतंकवाद है और धर्म पूछकर लिंच करना, धर्म पूछकर नौकरी से निकालना, धर्म पूछकर घर न देना, धर्म पूछकर घर बुलडोज करना, वगैरह-वगैरह भी आतंकवाद है। असली आतंकी को पहचानो। उनके इस पोस्ट पर विवाद होने के बाद मेडुसा ने सफाई देते हुए 'एक्स' पर लिखा, पहलगाम में हुए नृशंस आतंकवादी हमले पर सरकार से सवाल पूछते वीडियो और ट्वीट के संदर्भ में मैं यह स्पष्टीकरण देना चाहती हूं, मेरे द्वारा किए गए ट्वीट और बनाए गए वीडियो में आतंकवादी/आतंकी शब्द सिर्फ और सिर्फ पाकिस्तान द्वारा समर्थित और प्रायोजित आतंकवादियों के लिए है,

पाकिस्तान समर्थक नारे लगाने के आरोप में पीट-पीटकर हत्या, 20 लोग गिरफ्तार

मंगलुरु, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले और बेकसूरों की हत्या के बाद पूरे देश में गुस्से का माहौल है। हालांकि, इस गुस्से के कारण कई लोग कानून को अपने हाथ में ले रहे हैं। इस बीच अब कर्नाटक के मंगलुरु जिले से हत्या की खबर सामने आई है। मंगलुरु में एक दिहाड़ी मजदूर की रविवार को क्रिकेट मैच के दौरान कथित तौर पर पाकिस्तान समर्थक नारे लगाने के आरोप में पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। अब पीड़ित की पहचान कर ली गई है। पाकिस्तान समर्थक नारे लगाने के आरोप में जिस शख्स की हत्या हुई उसकी पहचान हो गई है। जिला पुलिस ने बुधवार को कहा कि पीड़ित का नाम अशरफ है और वो केरला के वायनाड का रहने वाला था।इस मामले में अब तक पुलिस ने 20 लोगों को गिरफ्तार किया है, अन्य 5 की तलाश अभी जारी है। यह घटना बीते रविवार की शाम को करीब 5.30 बजे प्रकाश में आई, जब पुलिस को एक अज्ञात शव के बारे में सूचना मिली। शव पर पर कोई बाहरी चोट का निशान नहीं था। प्रारंभ में अप्राकृतिक मौत का मामला दर्ज किया गया और शव को पोस्टमार्टम के लिए वेनलॉक जिला अस्पताल भेज दिया गया था। कुलशेखर निवासी दीपक कुमार ने इस मामले में शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने सोशल मीडिया पर साझा की गई तस्वीरों और वीडियो के आधार पर घटना के आरोपियों की गिरफ्तारियां की हैं। शुरुआती जांच में आरोपियों ने पुलिस को बताया कि क्रिकेट मैच के दौरान अशरफ ने कथित तौर पर पाकिस्तान जिंदाबाद का नारा लगाया जिससे नाराज होकर 25 युवकों ने अशरफ को पीट पीटकर मार दिया।

सीएम सिद्धारामैया ने दिया बयान

मंगलुरु के कुडुपु में हुई मॉब लिंचिंग की घटना पर कर्नाटक के सीएम सिद्धारामैया ने मामले की जांच के बाद आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की बात कही है। हालांकि, सिद्धारामैया ने ये भी कहा है कि जो कोई भी पाकिस्तान के समर्थन में नारे लगाता है, वह गलत है। यह देशद्रोह का कृत्य है।

राहुल गांधी की मांग से सहमत इकरा हसन

कैराना सांसद ने पीएम मोदी को लिखी चिट्ठी, कहा- उम्मीद है कि आप मेरी इस अपील को संजीदगी से लेंगे और जल्द कोई कदम उठाएंगे

कैराना , 30 अप्रैल (एजेंसियां)। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद समाजवादी पार्टी की सांसद इकरा हसन ने मांग की है कि संसद का विशेष सत्र आहूत किया जाए। इस संदर्भ में उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र भी लिखा है। इससे पहले भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पहलगाम आतंकी हमले के परिप्रेक्ष्य में संसद का सत्र बुलाने की मांग की थी। सपा सांसद इकरा के मुताबिक सोमवार को उन्होंने यह चिट्ठी प्रधानमंत्री कार्यालय में दी है। इकरा ने पत्र में लिखा- मैं ये पत्र एक फिक्रमंद नागरिक और एक ज़िम्मेदार जनप्रतिनिधि की हैसियत से आपको लिख रही हूं। हाल ही में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में जो दर्दनाक हमला हुआ, उसने पूरे मुल्क को सदमे में डाल दिया है। ऐसे वक्त में पार्लियामेंट को सामने आकर आवाम के जज़्बात, दर्द और उम्मीदों को आवाज़ देनी चाहिए। ये बहुत ही नाजुक घड़ी है। हमें उन मासूम लोगों को श्रद्धांजली पेश करनी चाहिए जो इस हमले में शहीद हुए। साथ ही ये भी ज़ाहिर करना चाहिए कि हम सब एक हैं अमन, इंसाफ और एकता के उसूलों पर कायम हैं। कैराना सांसद ने लिखा कि मैं आपसे दरख्वास्त करती हूँ कि पार्लियामेंट का एक खास सेशन बुलाया जाए जो सिर्फ इसी मुद्दे पर हो कि इस हमले के बाद मुल्क की सलामती, अवाम की ताज़ा हालत और उनके जज्बात पर खुलकर बातचीत हो।

देवेन भारती होंगे मुंबई के नए पुलिस कमिश्नर, विवेक फनसालकर के रिटायर होने पर संभालेंगे कार्यभार

मुंबई, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। मुंबई के नए पुलिस कमिश्नर के नाम का खुलासा हो गया है। देवेन भारती यह जिम्मेदारी संभालेंगे। वे विवेक फनसालकर के सेवानिवृत्त होने के बाद कार्यभार संभालेंगे। विवेक आज सेवानिवृत्त हो रहे हैं। अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी देवेन भारती को मुंबई पुलिस का नया आयुक्त नियुक्त किया गया है। भारती शाम को विवेक फनसालकर से शहर के शीर्ष पुलिस आयुक्त का पदभार ग्रहण करेंगे, जो 35 साल तक पुलिस बल में सेवा देने के बाद सेवानिवृत्त हो रहे हैं। एक अधिकारी ने बताया कि राज्य के गृह विभाग ने देवेन भारती की नियुक्ति के बारे में आदेश जारी किया, लेकिन इस पद को घटाकर अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी) कर दिया। मुंबई पुलिस आयुक्त का पद एडीजीपी रैंक का है, लेकिन हाल ही में कुछ पोस्टिंग में इसे डीजी रैंक में अपग्रेड किया गया था। 1994 बैच के आईपीएस अधिकारी भारती वर्तमान में मुंबई पुलिस के विशेष आयुक्त हैं।

वर्तमान में मुंबई पुलिस के विशेष आयुक्त

1994 बैच के आईपीएस (भारतीय पुलिस सेवा) अधिकारी भारती वर्तमान में मुंबई पुलिस के विशेष आयुक्त हैं। इससे पहले उन्होंने संयुक्त पुलिस आयुक्त (कानून और व्यवस्था), अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध) और पुलिस उपायुक्त (अपराध) सहित विभिन्न क्षमताओं में महानगर में 50000-मजबूत पुलिस बल की सेवा की थी।

एटीएस का नेतृत्व भी किया

अपने लंबे करियर में उन्होंने महाराष्ट्र आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) का नेतृत्व भी किया है। इसके अलावा राज्य पुलिस मुख्यालय में पुलिस हानिरीक्षक (कानून और व्यवस्था) के रूप में भी काम किया है। मुंबई पुलिस में नियुक्त होने से पहले देवेन भारती भारती ने केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर भी काम किया था। अपने जांच कौशल के लिए जाने जाने वाले भारती कई हाई-प्रोफाइल मामलों का हिस्सा रहे हैं, जिसमें 26/11 मुंबई आतंकवादी हमला भी शामिल है जिसमें 166 लोग मारे गए थे।

'सैनिकों ने हर बार पाकिस्तान सेना को दिया कड़ा जवाब' सीएम सरमा ने की सेना की सराहना; कांग्रेस को घेरा

गुवाहाटी, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने भारतीय सेना के साहस और जज्बे की सराहना की। उन्होंने कहा कि जब-जब पाकिस्तान ने भारत की एकता और अखंडता को चुनौती देने का दुस्साहस किया, तब-तब भारतीय सैनिकों ने साहस के साथ दुश्मन को हराया और देश का गौरव बरकरार रखा। इसके अलावा उन्होंने बेबुनियाद आरोप लगाने पर कांग्रेस को भी घेरा। लओसी पर पाकिस्तान की ओर से लगातार हो रही गोलीबारी पर भारतीय सेना की जवाबी कार्रवाई की सीएम ने सराहना की। उन्होंने एक्स पर लिखा कि भारत-पाकिस्तान युद्धः भारतीय वीरता और विजय की विरासत। स्वतंत्रता के बाद से भारत की बहादुर सशस्त्र सेनाएं बार-बार पाकिस्तानी आक्रमण के खिलाफ हमारे देश की संप्रभुता की रक्षा करते हुए डटकर खड़ी रही हैं। जब भी पाकिस्तान ने भारत की एकता और अखंडता को चुनौती देने का दुस्साहस किया, हमारे सैनिकों ने साहस के साथ उस अवसर पर खड़े होकर दुश्मन को निर्णायक रूप से पराजित किया और भारत के गौरव को कायम रखा। न्होंने भारत-पाकिस्तान के बीच लड़े गए चार युद्ध 1947-49 का भारत-पाक युद्ध, 1965 का युद्ध, 1971 का युद्ध और 1999 के कारगिल युद्ध की जानकारी दी। सरमा ने कहा कि प्रत्येक भारत-पाक संघर्ष एक स्थायी सत्य को रेखांकित करता है। जब भी भारत को आक्रमण का सामना करना पड़ा, तब हमारे सैनिक निडर, अपराजित और अपने संकल्प में अडिग रहे। साहस और बलिदान की यह विरासत प्रत्येक भारतीय नागरिक को प्रेरित करती रहेगी। सरमा ने कहा कि हमारे सशस्त्र बल सतर्क हैं और सभी परिस्थितियों में भारत की संप्रभुता और सम्मान की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं। जय हिंद। 1947-1949 के भारत-पाक युद्ध (प्रथम कश्मीर युद्ध) को लेकर उन्होंने कहा कि जब पाकिस्तान ने स्वतंत्रता के तुरंत बाद जम्मू और कश्मीर पर विश्वासघातपूर्वक आक्रमण किया, तो भारत ने त्वरित और वीरतापूर्वक जवाब दिया। हमारे सैनिकों ने श्रीनगर में ऐतिहासिक एयरलिफ्ट ऑपरेशन को अंजाम दिया, घाटी की सुरक्षा की और यह सुनिश्चित किया कि कश्मीर भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा बना रहे। संघर्ष का अंत भारत द्वारा रणनीतिक क्षेत्रों की सफलतापूर्वक रक्षा करने और नियंत्रण रेखा (एलओसी) स्थापित करने के साथ हुआ। 965 के भारत-पाक में पाकिस्तान ने धोखे से कश्मीर में घुसपैठ करते हुए ऑपरेशन जिब्राल्टर शुरू किया और बाद में पूर्ण पैमाने पर युद्ध में तब्दील हो गया। भारतीय सेना ने यहां भी बहादुरी से आक्रमण को विफल किया और पाकिस्तानी क्षेत्र में अंदर तक जाकर साहसिक जवाबी हमले किए, तथा रणनीतिक हाजी पीर दर्रे सहित प्रमुख क्षेत्रों पर कब्जा कर लिया। भारत की दृढ़ सैन्य शक्ति के सामने दुश्मन के जीत के सपने चकनाचूर हो गए, तथा संघर्ष सामरिक जीत और भारत के नैतिक उत्थान के साथ समाप्त हुआ।

खिवनी अभयारण्य बना पर्यटकों का पसंदीदा ठिकाना बाघों और गिद्धों के बढ़ते कुनबे इसकी खास वजह बनी

सीहोर, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। गर्मियों की छुट्टियों के चलते इन दिनों खिवनी वन्यजीव अभयारण्य पर्यटकों के बीच खासा लोकप्रिय बना हुआ है। स्कूली बच्चों के साथ बड़ी संख्या में परिवार यहां पहुंच रहे हैं। अभयारण्य में बाघों की बढ़ती संख्या के साथ ही लुप्तप्राय प्रजाति के गिद्धों की भी वापसी ने पर्यावरण प्रेमियों और वन विभाग को उत्साहित किया है। यहां बाघ, तेंदुआ और कई दुर्लभ प्रजातियों के पक्षी देखे जा रहे हैं। खास बात यह है कि यहां लुप्तप्राय इजिप्शियन वल्चर (सफेद गिद्ध) का एक जोड़ा देखा गया है, जिनके घोंसले में अंडे होने की संभावना जताई गई है। इससे प्रजाति के संरक्षण को लेकर नई उम्मीदें जगी हैं। वन विभाग के अनुसार, वर्ष में दो बार गिद्धों की गणना होती है। सर्दियों में प्रवासी और गर्मियों में स्थानीय प्रजातियों की। हाल ही में बाघों की निगरानी के लिए लगाए गए ट्रैप कैमरों में एक 'राज गिद्ध' की तस्वीर कैद हुई है, जिससे इस प्रजाति की उपस्थिति की पुष्टि हुई है। हरसपुर रेंज की दौलतपुर बीट में एक चट्टान पर मादा गिद्ध के घोंसले में अंडे देखे गए हैं। रेंजर भीम सिंह सिसौदिया ने बताया कि 1990 के बाद गिद्धों की संख्या में लगभग 90 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई थी। ऐसे में इस जोड़े की मौजूदगी संरक्षण के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है। वन विभाग अब लॉन्ग टर्म एक्शन प्लान के तहत इन पक्षियों के संरक्षण की दिशा में प्रयास कर रहा है, ताकि हर मौसम में इनके लिए स्थायी और सुरक्षित आवास सुनिश्चित किए जा सकें।

प्राकृतिक सौंदर्य और जैव विविधता का केंद्र

विंध्य और सतपुड़ा पर्वतमालाओं के बीच स्थित खिवनी वन्यजीव अभयारण्य लगभग 118।64 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ है। यहां बाघों के साथ वन्य जीवों की समृद्ध विविधता देखने को मिलती है। फिलहाल अभयारण्य में 5 नर, 3 मादा बाघ और 2 शावक मौजूद हैं। इसके अलावा यहां लगभग 55 दुर्लभ पक्षी प्रजातियां भी दर्ज की गई हैं, जो पर्यटकों को रोमांच से भर देती हैं। मार्च और अप्रैल महीने में करीब 700 पर्यटकों ने यहां भ्रमण किया। जैव विविधता के संरक्षण के साथ-साथ यह अभयारण्य पर्यटन के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

आईसीएआर अच्छे किस्म के बीजों को किसानों तक जल्दी पहुंचाएं-शिवराज सिंह

नई दिल्ली, 29 अप्रैल (एजेंसियां। कृषि अनुसंधान, देश के कृषि क्षेत्र का प्रमुख आधार है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन अनुसार इसे और अधिक सशक्त करने तथा कृषि शोध के क्षेत्र में नवाचार करने के साथ ही वर्तमान योजनाओं और कार्यक्रमों के प्रभावी कार्यान्वयन के उद्देश्य से केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के उप महानिदेशकों के साथ मैराथन बैठक की आज शुरुआत की। नई दिल्ली के एनएएससी कॉम्प्लेक्स स्थित बोर्ड रूम में यह अहम बैठक हुई। बैठक में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने आईसीएआर के विभिन्न प्रभागों द्वारा किए जा रहे शोध प्रयोगों की जानकारी लेने के साथ ही भावी रणनीतियों के बारे में विस्तार से मार्गदर्शन दिया। किसानों की खुशहाली के लक्ष्य को फोकस रखते हुए केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने बैठक की शुरुआत में कहा कि जब अंतिम पंक्ति का किसान समृद्ध बनेगा, तभी सही मायनों में विकसित भारत का संकल्प पूरा होगा। यहीं प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का भी कहना है। श्री शिवराज सिंह ने प्रमुख फसलों की उत्पादकता और उत्पादन बढ़ाने के लिए बेहतर बीज किस्में विकसित करने पर जोर दिया, साथ ही कृषि प्रगति में नवाचारों को बढ़ावा देने और आगामी वर्षों में आशाजनक परिणाम प्राप्त करने को केंद्र में रखते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में सबसे पहले फसल प्रभाग द्वारा केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह के समक्ष प्रस्तुतिकरण दिया गया, जिसमें खाद्यान उत्पादन के लिए अच्छे बीजों के साथ ही समग्र पहलुओं पर विस्तार से भावी कार्ययोजना पर चर्चा हुई। चर्चा के दौरान केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने केंद्र सरकार की बजट घोषणा (2025-26) की प्रमुख चार घोषणाओं, जिसमें दलहन में आत्मनिर्भरता, उच्च उपज वाले बीजों पर राष्ट्रीय मिशन, कपास उत्पादकता के लिए मिशन, फसलों के जर्मप्लाज्म के लिए जीन बैंक में तेजी से प्रगति के साथ कार्य करने को कहा। केंद्रीय मंत्री श्री चौहान ने अच्छी किस्म के बीज विकसित करने की दिशा में पूरी प्राथमिकता और समर्पण से कार्य करने का निर्देश दिया। दलहन में मेढ़ वाली किस्म विकसित करने पर भी जोर दिया। श्री चौहान ने कहा कि दलहन को बढ़ावा देने के लिए क्या साइनटिफिक एपरोच हो सकती है, इस दिशा में काम होना चाहिए। सोयाबीन की खेती को बढ़ावा देने पर विशेष रूप से जोर देते हुए कृषि मंत्री ने इस दिशा में विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों और कृषि मंत्रियों के साथ चर्चा की बात कही। केंद्रीय मंत्री ने सोयाबीन की खेती को खरीफ फसल की बुआई के दौरान बढ़ावा देने के लिए भरपूर प्रयास करने के लिए कहा और किसानों में सोयाबीन के पैदावार के प्रति रूचि बढ़ाने के लिए व्यापक स्तर पर जन जागरुकता अभियान चलाने की भी बात कही। केंद्रीय मंत्री श्री चौहान ने कहा कि बीजों की नई किस्मों का विकास हो और ये किसानों तक जल्दी पहुंचे, इस बात की कोशिश होना चाहिए। देशभर के बीज केंद्र प्रभावी भूमिका निभाते हुए काम करें। विशेषकर यह सुनिश्चित हो कि छोटे और सीमांत किसानों तक प्रौद्योगिकी का फायदा ज्यादा से ज्यादा और जल्दी पहुंचे। श्री चौहान ने कहा कि गेहूं और चावल के साथ, दलहन, तिलहन व मोटे अनाजों की उपज पर भी जोर देने की आवश्यकता है। केंद्रीय मंत्री ने कीटनाशकों के सही उपयोग पर भी बल दिया। उन्होंने कहा कि कीटनाशकों के संबंध में और अधिक अनुसंधान और व्यवस्थित शोध की जरूरत है। श्री चौहान ने कहा कि मृदा परीक्षण किसानों के अपने खेतों में ही करने के प्रयास होने चाहिए, ऐसा करने से किसानों में रूचिपूर्वक खेती करने की पहल में मदद मिलेगी। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने ग्राम स्तर पर खेत से बाजार तक की श्रृंखला को व्यवस्थित करने की कोशिश पर भी बात की और कृषि समितियों की सक्रिय भूमिका को रेखांकित किया। अंत में श्री शिवराज सिंह चौहान ने केवीके की भूमिका पर अलग से बल देते हुए कहा कि किसानों को विज्ञान और प्रौद्योगिकी से जोड़ने के लिए कृषि विज्ञान केंद्रों से ज्यादा महत्वपूर्ण भूमिका और किसी की नहीं हो सकती। जिन केवीके में कार्य प्रदर्शन में समस्याएं आ रही हैं, उसे जल्द से जल्द दूर करते हुए कार्य प्रदर्शन बेहतर करने का प्रयास हो। श्री शिवराज ने कहा कि आम किसानों तक केवीके अपनी पहुंच बनाए। कृषि अनुसंधान निचले स्तर तक पूरे तालमेल के साथ पहुंचे, यह सुनिश्चित हो।

स्वतंत्र वार्ता
गुरुवार,1 मई- 2025

खौफ में पाकिस्तान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जहां सेना प्रमुख, विदेश मंत्री और रक्षा मंत्री के साथ बैठकें कर रहे हैं तो वहीं, सुरक्षा मामलों पर कैबिनेट कमेटी यानी सुपर कैबिनेट के साथ भी दूसरी बैठक कर चुके हैं। इन बैठकों से ही पाकिस्तान के सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार ने कहा है कि भारत कभी भी पाकिस्तान पर हमला कर सकता है। पीएम मोदी ने सेना को फ्री हैंड दे दिया है। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी बताया है कि उन्होंने बीते 9 घंटे में 9 देशों के विदेश मंत्रियों से बात की है। इस तैयारी को देख पाकिस्तान के आर्मी चीफ के देश छोड़कर भागने की अटकलें तेज हो गई हैं। सोशल मीडिया पर लोग पूछ रहे हैं कि जनरल असीम मुनीर कहां हैं? विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अल्जीरिया, ग्रीस, गुयाना, पनामा, स्लोवेनिया, सिएरा लियोन और सोमालिया के अपने समकक्षों से बात कर इन देशों से समर्थन ले लिया है। इनके अलावा, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के दूसरे अस्थायी सदस्य डेनमार्क, पाकिस्तान और कोरिया गणराज्य हैं। भारत यूएनएससी में पाकिस्तान को घेर रहा है, जिसका मोर्चा जयशंकर ने संभाला है। भारत ने पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ के X हैंडल पर रोक लगाई। जिसमें उन्होंने स्वीकार किया था कि पाकिस्तान लंबे अरसे से आतंकी संगठनों को फंडिंग करता आ रहा है। भारतीय त्रिशक्ति कोर ने मिलकर ऑपरेशनल तैयारियों को धार दी है। सेना ने जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले के नौशेरा सेक्टर में गांव सुरक्षा समितियों के सदस्यों को भी खास ट्रेनिंग दी थी। गृह मंत्रालय में एनएसजी, बीएसएफ, सीआरपीएफ और सशस्त्र सीमा बल के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की। पाकिस्तानी रिपोर्टों ने दावा किया है कि असीम मुनीर के परिवार ने भी देश छोड़ दिया है। मोदी ने आतंकियों को ऐसी सजा देने की बात की है, जो आतंकियों की कल्पना से परे होगा। कहा गया है कि जनरल मुनीर रावलपिंडी में एक बंकर में छिप गए हैं। फिर भी लोग असीम मुनीर को खोज रहे हैं और पूछ रहे हैं कि क्या मुनीर लापता हो गए हैं? या भारत के डर से देश छोड़कर भाग गए हैं। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ भी बोलती बंद है। पाकिस्तान में लोगों के बीच भी दहशत है कि भारत का अगला कदम क्या होगा? सीमा पर जंगी विमान उड़ानें भर रहे हैं। इस बीच, पाकिस्तान की सेना के जूनियर अफसरों और रिटायर्ड जनरलों ने असीम मुनीर को इस्तीफा देने के लिए कहा है। खबरों के अनुसार, अफसरों का आरोप है कि जनरल मुनीर ने सेना को राजनीतिक फायदे के लिए इस्तेमाल किया है। वे बदले की भावना से काम कर रहे हैं। पहलगाम आतंकी हमले के बाद अब हर कोई ये कह रहा है कि मुनीर का हाल भी जनरल मुशर्रफ और याह्या खान जैसा ही होगा। याह्या खान ने पाकिस्तान की सत्ता पूर्व तानाशाह अयूब खान का तख्तापलट करके हथियाई थी। हुकूमत में आने के बाद याह्या खान ने पूरे पाकिस्तान में मार्शल ला लगा दिया था। 1971 में भारत से करारी हार और बांग्लादेश बनने के बाद याह्या खान को नजरबंद कर दिया गया था। याह्या खान की तरह ही जनरल परवेज मुशर्रफ ने भी नवाज शरीफ का तख्तापलट कर सत्ता हथियाई थी। जनरल मुशर्रफ का भी पतन ऐसा हुआ कि पाकिस्तान के खलनायकों में एक और बदनाम शख्स का नाम जुड़ गया। भारत से दुश्मनी मोल लेकर अब जनरल मुनीर भी अपना नाम पाकिस्तान के उन्हीं बदनाम जनरलों के काले रजिस्टर में लिखवाने जा रहे हैं।

घुसपैठ के कैंसर को मिटाने के लिए सख्त कदम की जरूरत

अशोक भाटिया

पहलगाम में क्रूर आतंकी हमला, जिसमें 26 निर्दोष लोगों की जान चली गई, देश की आत्मा को चोट पहुंचाने के लिए सीमा पार से बलों द्वारा किया गया है। पीड़ितों के रिश्तेदारों ने स्पष्ट रूप से कहा कि उन्हें धर्म पूछकर मारा गया था। इसका मतलब यह है कि धर्मयुद्ध के लेंस के माध्यम से हमले को देखने के लिए आतंकवादियों का गुप्त इरादा कोई रहस्य नहीं है। भारतीय भूमि पर पाकिस्तानी और बांग्लादेशी राष्ट्रिकों द्वारा अनियंत्रित घुसपैठ की जाती है। इतना ही नहीं, बल्कि उन्हें अवैध रूप से उपनिवेश बनाया गया है। कश्मीर में पहलगाम हमले के बाद केंद्र सरकार की चेतावनी के बाद, जांच एजेंसी अब तक भारत से भागने में कामयाब रही है और पूरे भारत में की गई छापेमारी में पाकिस्तानी नागरिकों को पाया है।खुफिया एजेंसियों का अनुमान है कि लगभग 2 करोड़ अवैध बांग्लादेशी प्रवासी, पाकिस्तानी मूल के हजारों निवासी, देश भर में अवैध रूप से रह रहे हैं। असम से दिल्ली तक, पश्चिम बंगाल से महाराष्ट्र तक, हजारों लोगों के पास फर्जी दस्तावेज, राशन कार्ड हैं, मतदाता पहचान पत्र और यहां तक कि आधार कार्ड का भी उपयोग कर रहे हैं। 2003-04 की एक रिपोर्ट के मुताबिक, बांग्लादेशी घुसपैठिए देश में 25 लोकसभा सीटों और 120 विधानसभा सीटों पर प्रभावी भूमिका में हैं। रिपोर्ट में बताया गया था कि 2003 तक दिल्ली में 6 लाख बांग्लादेशी घुसपैठिए भारतीय पहचान पत्र हासिल कर चुके थे। लगभग यही स्थिति देश के कई अन्य निर्वाचन क्षेत्रों में हो सकती है। अनुमान है कि अभी 3-5 करोड़ अवैध बांग्लादेशी घुसपैठिए भारत में रह रहे हैं। इनमें से कुछ गलत गतिविधियों में सक्रिय हो सकते हैं।साथ ही, यह भी देखा गया है कि कट्टरपंथियों के सत्ता में आने पर बांग्लादेश से अतीत में घुसपैठ बढ़ी है। 2001 में कट्टरपंथी जमात-ए-इस्लामी जैसे दलों के सहयोग से BNP सत्ता में आई, तो भारत में घुसपैठ और आतंकवादी गतिविधियां बढ़ गई थीं। उस वक्त बांग्लादेश में आतंकवादी ट्रेनिंग कैंप तेजी से बढ़ने लगे थे। भारत-बांग्लादेश बॉर्डर पर पकड़े गए उग्रवादियों ने पूछताछ के दौरान, ईस्टर्न बॉर्डर के करीब इन कैंपों में कई बड़े आंतकवादी समूहों की मौजूदगी की पुष्टि भी हुई थी।11 सितंबर 2001 के बाद पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी ISI ने बांग्लादेश में आतंकी गतिविधियां और तेज कर दी थीं। 2002 में कोलकाता में कई ISI एजेंटों की गिरफ्तारी हुई थी, जो बांग्लादेश बॉर्डर पार कर भारत आए थे। तब भारत के तत्कालीन विदेश मंत्री यशवंत सिन्हा ने संसद में कहा था, 'ढाका में पाकिस्तानी हाई कमिशन, ISI का नर्व सेंटर है, जो भारत के खिलाफ आंतकी गतिविधियों में लिप्त है।' उन्होंने यह भी बताया था कि कई उग्रवादी संगठनों ने बांग्लादेश में ट्रेनिंग कैंप बना लिए हैं और बॉर्डर के करीब बड़ी संख्या में मदरसे भी बने हैं। अक्टूबर 2002 में BSF ने बांग्लादेश में चल रहे 99 आतंकी ट्रेनिंग कैंपों की लिस्ट बांग्लादेश बॉर्डर गार्ड्स को सौंपी थी। 2002 में बांग्लादेश में अल कायदा, रोहिंग्या और कट्टरपंथी ताकतों के नेक्सस की रिपोर्ट भी मिली। यह नेक्सस अमेरिका के अफगानिस्तान में एक्शन के बाद और मजबूत हुआ, अल कायदा के 150 आतंकवादियों ने बांग्लादेश में शरण ली। सबसे खतरनाक बात यह थी कि इन्हें बांग्लादेश में प्रशासन और आर्मी का सपोर्ट मिला। बांग्लादेश के कॉक्स बाजार इलाके में अल कायदा आतंकियों के मूवमेंट से भारत के लिए खतरा पैदा होने लगा। म्यांमार, चिटगांव और समुद्र के करीब होने से आंतकियों के लिए कॉक्स बाजार से कहीं भी जाना आसान था। इस इलाके में कई आतंकी संगठनों के कैंप की मौजूदगी भी रिपोर्ट हुई। करीब 25 साल पहले, साल 2000 में भारत के गृह सचिव माधव गोडबोले ने भारत सरकार को एक बेहद महत्वपूर्ण रिपोर्ट सौंपी थी। इसमें कहा गया था कि करीब 1.5 करोड़ बांग्लादेशी घुसपैठिए अवैध रूप से भारत में रह रहे हैं। रिपोर्ट में यह भी बताया गया था कि सालाना 3 लाख से ज्यादा बांग्लादेशी अवैध तरीकों से भारत में घुसते हैं। पिछले 25 सालों में इनकी संख्या तेजी से बढ़ी ही है।असम के गवर्नर रहे एसके सिन्हा ने 1998 में भारत के राष्ट्रपति को सौंपी एक रिपोर्ट में लिखा था कि जिस तेजी से अवैध बांग्लादेशियों की संख्या बढ़ रही है, एक समय ऐसा आ सकता है, जब वे ग्रेटर बांग्लादेश की मांग करने लगें। यानी ये कहें कि भारत के जिन इलाकों में अवैध बांग्लादेशियों की आबादी बढ़ गई है, उन्हें भी बांग्लादेश को सौंप दिया जाए। सिन्हा ने इस समस्या के राजनीतिक, सामाजिक और भौगोलिक खतरों से भी आगाह किया था। बांग्लादेश और भारत की सीमा के करीब फर्जी आधार कार्ड और बाकी भारतीय पहचानपत्र बनाने वाले बिचौलियों की बात भी लगातार सामने आती रही है। इनसे पता चलता है कि कोई बांग्लादेशी बाद में भारत में दाखिल होता है, बिचौलिए पहले ही उसका फर्जी पहचानपत्र बनवा लेते हैं। ये सीमा के दोनों ओर मौजूद हैं। ऐसे में अवैध बांग्लादेशियों के लिए घुसपैठ करना आसान हो जाता है।दूसरी ओर, वीजा लेकर भी बड़ी संख्या में बांग्लादेशी आते हैं, लेकिन उनमें कई वापस नहीं लौटते। साल 2023 में करीब 16 लाख बांग्लादेशी वीजा लेकर भारत आए थे। इनमें से कितने वापस गए? और कितने पासपोर्ट फाड़ कर गायब हो गए? इसे लेकर पूरे देश में आइडेंटिफिकेशन ड्राइव चलाने की जरूरत है। इसके अलावा, सभी राज्य सरकारों, खास तौर पर बॉर्डर से सटे राज्यों की पुलिस और जिला प्रशासन को घुसपैठियों को पकड़ने और इनके फर्जी पहचानपत्र बनाने वालों पर सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। हालांकि 1974 में जब भारत-बांग्लादेश बॉर्डर गाइडलाइंस बनी थी, तब बांग्लादेश में माहौल बिल्कुल अलग था, तब शायद भारत को भी अंदाजा नहीं था कि बांग्लादेश में भारत के खिलाफ ऐसा माहौल होगा जैसा अब है, लिहाजा अब भारत-बांग्लादेश बॉर्डर गाइडलाइंस की समीक्षा की भी जरूरत है। गौरतलब है कि ये घुसपैठिए एक ऐसी व्यवस्था की नाक के नीचे बेरोकटोक जी रहे हैं जो राष्ट्रीय सुरक्षा के ऊपर वोट बैंक को प्राथमिकता देती है। इसलिए, नरम कूटनीति के युग का अंत होना चाहिए। यह सख्त कार्रवाई का समय है क्योंकि देश की आर्थिक और सामाजिक स्थिति के साथ-साथ हिंसक घटनाओं की बढ़ती संख्या के पीछे पाकिस्तान का छिपा हुआ एजेंडा है। भारत के स्थानीय लोगों का ब्रेनवॉश करके। वे आतंकवादी कृत्यों में शामिल हैं। दूसरी ओर, पाकिस्तानी और बांग्लादेशी घुसपैठियों से बड़े खतरे के बावजूद, उन्हें तुरंत निर्वासित करने की प्रक्रिया सिर्फ एक या दो महीने के लिए नहीं होनी चाहिए। भारत में अवैध रूप से रह रहा हर पाकिस्तानी और बांग्लादेशी मानव बम की तरह है। आतंकवादी संगठनों में भर्ती एजेंटों द्वारा देश में सामाजिक-राजनीतिक अस्थिरता लाने की एक साजिश है। यह कोई संयोग नहीं है कि पश्चिम बंगाल, असम, केरल, बिहार या उत्तर प्रदेश के सीमावर्ती क्षेत्रों में अवैध आप्रवासियों की संख्या बढ़ रही है। सांप्रदायिक तनाव, अपराध दर और सांस्कृतिक टूटन बढ़ रही है। यह भारत को भीतर से कमजोर करने के लिए बनाया गया एक कुंभड़ा है। पहलगाम नरसंहार एक गुप्त सीमा पार हमले का हिस्सा है। 2014 से पहले केंद्र में सत्ता में सरकारों का प्रभाव अब सीमा पार अपराध और वोट बैंक की राजनीति की उपेक्षा के कारण दिखाई दे रहा है। कई भारतीय राज्यों में सत्ता में आने वाली कई सरकारों ने सबूत देने की आड़ में शिथिलता के बजाय तुष्टिकरण का विकल्प चुना है। उन्होंने अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों को सामूहिक रूप से बसने में मदद की है। दूसरी ओर, खुफिया एजेंसियों द्वारा भारतीय महानगरों में पाकिस्तानी स्लीपर सेल के सक्रिय होने और बांग्लादेशी प्रवासी आपराधिक गिरोहों को मजबूत करने की चेतावनी के बावजूद, तत्कालीन शासक चुप रहे और बदतर स्थिति में रहे। उन्होंने हमले के खिलाफ बोलने की हिम्मत करने वाले विपक्ष को नस्लवादी, विदेशी विरोधी या धर्मनिरपेक्ष विरोधी घोषित करते हुए अपराधी बना दिया। अब, पहलगाम के शहीदों और अनगिनत अन्य लोगों का खून उन्हीं राजनेताओं की अंधी नकल का हिस्सा बन गया है। इसलिए, भारत में पाकिस्तानी और बांग्लादेशी घुसपैठियों का पता लगाया जाना चाहिए और उन पर कार्रवाई की जानी चाहिए।

हिंदी साहित्य की आँख में किरकिरी स्वतंत्र लेखिकाएं

प्रियंका सौरभ

हिंदी साहित्य जगत को असल स्वतंत्र चेता प्रबुद्ध स्त्रियां अभी भी हजम नहीं होती। उन्हें वैसी ही स्त्री लेखिका चाहिए जैसा वह चाहते हैं। वह सॉफ्ट मुद्दों पर लिखे, परिवार, समाज, कुछ मनोविज्ञान, स्त्री-पुरुष संबंध। आधुनिकता का या आधुनिक स्त्री का पर्याय उनके लिए वह है कि बोल्ड लेखन कर सके, अश्लीलता को बोल्ड लेखन के नाम पर यह समाज स्त्री लेखिकाओं को खूब चढ़ाता है और उन्हें खूब बड़े-बड़े शब्दों से नवाज़ता है। यह सब वे स्त्री स्वतंत्रता के नाम पर करता है। वे भ्रमित स्त्रियां भी घर परिवार का विरोध, संस्कृति का विरोध, विकृत यौनिकता के समर्थन को ही बोल्ड और आधुनिक मान उनके हाथ के कठपुतली बनी हुई इठलाती रहती हैं। अफ़सोस कि उन्हें पता ही नहीं होता कि वे कठपुतली हैं, उनसे जैसा चाहे वैसा लिखवाया जाता है और वह भी उन्हें आधुनिक, साहसी, बोल्ड, स्वतंत्र चेता, प्रबुद्ध शब्दों की चाशनी में लपेटकर। लिजलिजे साहित्य की रचना, विध्वंस, नकारात्मकता लिखना ही उन्हें बोल्ड और प्रबुद्ध कहलवाता है। हिंदी साहित्य जगत के लिए आज भी स्वतंत्र चेतना वाली प्रबुद्ध स्त्रियाँ एक असहज कर देने वाला सच हैं। वे स्त्रियाँ जो अपनी स्वतंत्र बुद्धि की मालिक हैं, जो सोचती हैं, सवाल उठाती हैं, और झुकी हुई लेखिकाओं के पुराने सांचे में नहीं ढलतीं - वे साहित्यिक जमात को अब भी पचती नहीं हैं। आज भी उन्हें वैसी ही लेखिकाएँ चाहिए जो उनके निर्धारित खांचे में फिट बैठें: जो 'सॉफ्ट' मुद्दों पर लिखें - परिवार, समाज, थोड़ी सी मनोविज्ञान की बात, कुछ हल्के-फुल्के स्त्री-पुरुष संबंध। जब हिंदी साहित्य के मंचों पर 'आधुनिकता' का जिक्र होता है, तो उसका भी एक निर्धारित ढांचा होता है। आधुनिक स्त्री लेखिका का मतलब उनके लिए वह है जो 'बोल्ड' हो - यानी अश्लीलता को 'बोल्ड लेखन' का नाम देकर परोसे। जिसे 'यौनिक स्वतंत्रता' के नाम पर उकसाया जाए - परिवार के विरोध, संस्कृति के उपहास और संबंधों की विकृति को ही आधुनिकता का पर्याय बताया जाए। और इस पूरी चालाकी को इतनी मिठास से लपेटा जाता है कि भ्रमित लेखिकाएँ स्वयं भी इस झूठ को सच मान बैठती हैं। वे गर्व से फूली नहीं समातीं कि वे कितनी 'बोल्ड', 'स्वतंत्र' और 'आधुनिक' बन गई हैं - जबकि वे महज़ उन साहित्यिक ठेकेदारों के हाथों की कठपुतली बन चुकी होती हैं, जो उन्हें अपनी सुविधा के अनुसार नचाते हैं। अफसोस, उन्हें कभी यह सवाल उठाने की फुर्सत नहीं होती -कि जिस स्वतंत्रता का पाठ उन्हें पढ़ाया जा रहा है, क्या वही पाठ उन पुरुष लेखकों ने अपनी घर की स्त्रियों को भी पढ़ाया है? साहित्यिक समाज की मानसिकता यह है कि स्त्री लेखन सीमित रहे - कोमल भावनाओं, सौंदर्य, प्रेम, विरह, या सॉफ़्ट पोर्न के एक छुपे हुए दायरे में। यदि कोई स्त्री geopolitics, धर्म, दर्शन, अध्यात्म, अंतरराष्ट्रीय संबंधों, समाजशास्त्र, राजनीति, शिक्षा, अर्थशास्त्र या नीतियों पर गंभीरता से लिखने का साहस करती है, तो वह असहज कर देती है। उनके मन में यह असहनीय बात घर कर जाती है कि यह क्षेत्र तो पुरुषों के हैं। स्त्रियों को बस शब्दों का श्रृंगार करना चाहिए - गहरे सवाल नहीं उठाने चाहिए। विचारों की गहराई, विश्लेषण की धार और बौद्धिक निर्भीकता - ये सब अभी भी हिंदी साहित्यिक परिदृश्य में 'पुरुषों का गढ़' माने जाते हैं। जो स्त्री न किसी पुरस्कार की आकांक्षा में झुकती है, न किसी मंच के लालच में अपने विचारों से समझौता करती है, न किसी प्रसिद्ध आलोचक की कृपा-दृष्टि की भूखी होती है, जो स्त्री अपने विचारों, मूल्यों और चरित्र के प्रति सजग और अडिग है - वह हिंदी साहित्य जगत के लिए अब भी एक खतरनाक उपस्थिति है। ऐसी स्त्री का अपने खुद के विवेक की स्वामिनी होना, उसका स्वतंत्र होना - उन्हें डराता है, चिढ़ाता है, असहज कर देता है। वे उसे 'अहंकारी', 'असंवेदनशील', 'कट्टर' और 'अति-बुद्धिजीवी' जैसे तमगों से नवाज़ने लगते हैं, ताकि उसे हाशिए पर धकेला जा सके। लेकिन उनका सारा उपहास, सारी आलोचना उस स्त्री के लिए एक तुच्छ शोर मात्र है, जो जानती है कि उसका युद्ध बाहर के नहीं, बल्कि भीतर के अंधकार के विरुद्ध है। यह विरोधाभास देखिए - जिन्होंने स्त्रियों को यौनिकता के नाम पर 'आधुनिकता' का पाठ पढ़ाया, वही अपने घर की स्त्रियों के लिए अब भी वही 'पवित्रता', 'मर्यादा', और 'परंपरा' की कसौटी लगाते हैं। उनके लिए 'बोल्डनेस' केवल बाहर की दुनिया की स्त्रियों के लिए है। घर की औरतें अब भी पर्दे में रहनी चाहिए, चुप रहनी चाहिए, विनम्र रहनी चाहिए। जो स्त्रियाँ अपनी स्वतंत्रता को अश्लीलता में, अपनी आधुनिकता को आत्मवंचना में, और अपनी साहसिकता को पितृसत्तात्मक छद्म समर्थन में बेच आती हैं - वह असल में किसी क्रांति का हिस्सा नहीं बनतीं, बल्कि उस पितृसत्तात्मक साहित्यिक व्यवस्था की नई चेरी बन जाती हैं। कठोर सत्य यह है कि -स्त्री की मुक्तिर भी आज एक ब्रांड बन चुकी है। जिसका सौदा होता है, मंचों पर प्रदर्शन होता है, पुरस्कारों में बाँटा जाता है। वास्तव में स्वतंत्र चेतना वाली स्त्री का विद्रोह बहुत सधा हुआ और अदृश्य होता है। वह अश्लील भाषा में नहीं, नकारात्मकता में नहीं, अपमानजनक बोल्डनेस में नहीं - बल्कि विचार की गहराई में, मुद्दों के सटीक विश्लेषण में, और अपनी लेखनी की ईमानदारी में प्रकट होता है। वह प्रेम पर लिखती है, तो उसमें करुणा की जटिलता को समझाती है। वह राजनीति पर लिखती है, तो सत्ता के मंथन में जनता की पीड़ा का चित्र खींचती है। वह धर्म पर लिखती है, तो अंधविश्वास और असहिष्णुता के जाल को तोड़ती है। वह जानती है कि साहित्य का असली उद्देश्य सच्चाई का उद्घाटन है - न कि सत्ता, लालच और यौनिक बाज़ार के हाथों गिरवी बन जाना। हिंदी साहित्य को अब यह स्वीकार करना होगा कि स्त्रियाँ केवल सजावट या संवेदनशीलता का प्रतीक नहीं हैं। वे अब सवाल भी पूछती हैं, विश्लेषण भी करती हैं, तोड़ती भी हैं और गढ़ती भी हैं। और सबसे महत्वपूर्ण - वे अब किसी के एजेंडे का मोहरा नहीं बनना चाहतीं। वे अपनी सोच की, अपने कलम की, अपने भविष्य की स्वयं निर्माता बन चुकी हैं। यह बदलाव साहित्यिक समाज को जितनी जल्दी समझ आ जाए, उतना बेहतर होगा- वरना उनकी दुनिया में केवल कठपुतलियाँ नाचती रहेंगी, और स्वतंत्र चेतना वाली स्त्रियाँ इतिहास में अपने लिए नए रास्ते खुद बनाती रहेंगी।

श्रमिक शक्ति ही है भारत की असली ताकत

योगेश कुमार गोयल

प्रतिवर्ष 1 मई का दिन 'अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस' अथवा 'मजदूर दिवस' के रूप में मनाया जाता है, जिसे 'मई दिवस' भी कहा जाता है। यह दिवस समाज के उस वर्ग के नाम है, जिसके कंधों पर सही मायनों में विश्व की उन्नति का दारोमदार है। इसमें कोई दो राय नहीं कि किसी भी राष्ट्र की आर्थिक प्रगति तथा राष्ट्रीय हितों की पूर्ति का प्रमुख भार इसी वर्ग के कंधों पर होता है। वर्तमान मशीनी युग में भी उनकी महत्ता कम नहीं है। श्रमिक दिवस और श्रम के महत्व को रेखांकित करते हुए फ्रैंकलिन डी रूजवेल्ट का कहना था कि किसी व्यवसाय को ऐसे देश में जारी रहने का अधिकार नहीं है, जो अपने श्रमिकों से जीवन निर्वाह के लिए आवश्यक मजदूरी से भी कम मजदूरी पर काम करवाता है। जीवन निर्वाह के लिए आवश्यक मजदूरी से उनका आशय सम्मानपूर्वक जीवन निर्वाह के लिए आवश्यक मजदूरी से था। अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस के अवसर पर यह जानना आवश्यक है कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर श्रमिक दिवस कब से और क्यों मनाया जाता है? अमेरिका में 8 घंटे से ज्यादा काम न कराने के लिए की गई कुछ मजदूर यूनियनों की हड़ताल के बाद 1 मई 1886 से अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस मनाए जाने की शुरूआत हुई थी। दरअसल वह ऐसा समय था, जब कार्यस्थल पर मजदूरों को चोट लगना या काम करते समय उनकी मृत्यु हो जाना आम बात थी। ऐसी दुर्घटनाओं को रोकने, कार्य करने के घंटे कम करने तथा सप्ताह में एक दिन के अवकाश के लिए मजदूर संगठनों द्वारा पुरजोर आवाज उठाई गई। 1 मई 1886 का ही वह दिन था, जब वह हड़ताल हुई थी और शिकागो शहर के हेय मार्किट चौराहे पर उनकी रोज सभाएं होती थी। 4 मई 1886 को जब शिकागो के हेय मार्किट में उस हड़ताल के दौरान पुलिस भीड़ को तितर-बितर करने का प्रयास कर रही थी, उसी दौरान किसी अज्ञात शख्स ने एकाएक भीड़ पर बम फैंक दिया। उसके बाद पुलिसिया गोलीबारी के कारण कई श्रमिक मारे गए। हालांकि उस समय अमेरिकी प्रशासन पर उन घटनाओं का कोई असर नहीं पड़ा लेकिन बाद में श्रमिकों के लिए 8 घंटे कार्य करने का समय निश्चित कर दिया गया। मजदूरों पर गोलीबारी और मौत के दर्दनाक घटनाक्रम को स्मरण करते हुए ही 1 मई 1886 से अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस मनाया जाने लगा। 1889 में पेरिस में अंतर्राष्ट्रीय महासभा की द्वितीय बैठक में फ्रांसीसी क्रांति को याद करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया गया कि इसे 'अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस' के रूप में मनाया जाए। उसी समय से विश्वभर के 80 देशों में 'मई दिवस' को राष्ट्रीय अवकाश के रूप में मान्यता प्रदान की गई। श्रमिक वर्ग ही है, जो अपनी हाड़-तोड़ मेहनत के बलबूते पर राष्ट्र के प्रगति चक्र को तेजी से घुमाता है लेकिन कर्म को ही पूजा समझने वाला श्रमिक वर्ग श्रम कल्याण सुविधाओं के लिए आज भी तरस रहा है। मई दिवस के अवसर पर देशभर में भले ही मजदूरों के हितों की बड़ी-बड़ी योजनाएं बनती हैं, ढ़ेरों लुभावने वायदे किए जाते हैं, जिन्हें सुनकर एकबारगी तो लगता है कि उनके लिए अब कोई समस्या नहीं बचेगी किन्तु अगले ही दिन मजदूरों को पुनः उसी माहौल से रूबरू होना पड़ता है, फिर वही शोषण, अपमान व जिल्लत भरा तथा गुलामी जैसा जीवन जीने के लिए अभिशप्त होना पड़ता है। समय-समय पर मजदूरों के लिए नए सिरे से मापदंड निर्धारित किए जाते हैं लेकिन इनको क्रियान्वित करने की फुर्सत ही किसे है? जहां तक मजदूरों द्वारा अपने अधिकारों की मांग का सवाल है तो मजदूरों के संगठित क्षेत्र द्वारा ऐसी मांगों पर उन्हें अक्सर कारखानों के मालिकों की मनमानी और तालाबंदी का शिकार होना पड़ता है और प्रायः जिम्मेदार अधिकारी भी कारखानों के मालिकों के मनमाने रवैये पर लगाम लगाने की चेष्टा नहीं करते। जहां तक मजदूर संगठनों के नेताओं द्वारा मजदूरों के हित में आवाज उठाने की बात है तो आज के दौर में अधिकांश ट्रेड यूनियनों के नेता भी भ्रष्ट राजनीतिक तंत्र का हिस्सा बने हैं, जो विभिन्न मंचों पर श्रमिकों के हितों के नाम पर शोर तो बहुत मचाते नजर आते हैं लेकिन अपने निजी स्वार्थों की पूर्ति हेतु कारखानों के मालिकों से सांठगांठ कर अपने ही साथियों के हितों पर कुल्हाड़ी चलाने में संकोच नहीं करते। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि आखिर किसके लिए मनाया जाता है 'श्रमिक दिवस'? बहुत से मजदूरों की तो इस दिन भी काम करने के पीछे यह मजबूरी भी होती है कि अगर वे एक दिन भी काम नहीं करेंगे तो उनके घरों में चूल्हा कैसे जलेगा। विड़म्बना है कि देश की स्वाधीनता के सात दशक से भी अधिक बीत जाने के बाद भी अनेक श्रम कानूनों को अस्तित्व में लाने के बावजूद हम ऐसी कोई कारगर व्यवस्था नहीं कर पाए हैं, जो मजदूरों को उनके श्रम का उचित मूल्य दिला सके। हालांकि इस संबंध में एक सच यह भी है कि अधिकांश श्रमिक या तो अपने अधिकारों के प्रति अनभिज्ञ होते हैं या वे अपने अधिकारों के लिए इस कारण आवाज नहीं उठा पाते कि कहीं इससे नाराज होकर उनका मालिक उन्हें काम से न निकाल दे और उनके परिवार के समक्ष भूखे मरने की नौबत आ जाए।

क्या कनाडा में भारतीय समुदाय ने खालिस्तानियों से मुंह फेर लिया है!

रामस्वरूप रावतसरे

कनाडा के संघीय चुनाव में एक बार फिर से जस्टिन ट्रूडो की लिबरल पार्टी ने जीत हासिल कर ली है। मार्क कार्नी, जिन्होंने जस्टिन ट्रूडो के इस्तीफे के बाद कनाडा के शासन को संभाला था, वो लिबरल्स की जीत के बाद फिर से देश के प्रधानमंत्री बनेंगे। हालांकि जस्टिन ट्रूडो के कार्यकाल में लिबरल पार्टी ने जनता का विश्वास खो दिया था लेकिन ट्रूडो के इस्तीफे और विपक्षी नेता पियरे पोइलिवर के बेहद खराब कैंपेन की वजह से मार्क कार्नी ने एक हारे हुए मैच को जीत में तब्दील कर दिया। लिबरल पार्टी ने डोनाल्ड ट्रंप के कनाडा विरोधी बयानबाजी को देश की संप्रभुता, अखंडता और राष्ट्रवाद से जोड़ दिया था, जिसका उन्हें जबरदस्त फायदा मिला। लिहाजा सवाल उठने लगे हैं कि जबकि कनाडा में एक बार फिर से लिबरल पार्टी की सरकार बनी है, क्या भारत के साथ संबंध सुधर पाएंगे? मार्क कार्नी ने पिछले दिनों भारत के साथ तनावपूर्ण संबंधों पर कहा था कि ''मैं संकट के समय सबसे उपयोगी होता हूं।'' उनके इस बयान को इस तरह से देखा गया है कि उनकी जीत नई दिल्ली और ओटावा के बीच द्विपक्षीय संबंधों में संभावित सुधार ला सकती है जो पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के कार्यकाल में काफी हद तक खराब हो गए थे। अपने चुनावी कैम्पेन के दौरान मार्क कार्नी ने कई मंदिरों का दौरा किया था और भारतीय समुदाय से जुड़ने की इच्छा जताई थी। मार्क कार्नी ने इलेक्शन कैम्पेन के दौरान कहा था कि ''कनाडा जो करने की कोशिश कर रहा है, वह समान विचारधारा वाले देशों के साथ हमारे व्यापारिक संबंधों में विविधता लाना है और भारत के साथ संबंधों को फिर से बनाने के अवसर हैं। उस वाणिज्यिक संबंध के इर्द-गिर्द मूल्यों की साझा भावना होनी चाहिए और अगर मैं प्रधानमंत्री होता तो मैं इसे बनाने के अवसर की तरह देखता।'' मार्क कार्नी ने चुनाव अभियान के दौरान भारत को एक महत्वपूर्ण देश बताया था। इसके अलावा उन्होंने संकेत दिया था कि उनकी मंशा भारत के साथ संबंधों को सुधारने की है, खासकर कारोबारी संबंध को, क्योंकि कनाडा डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ युद्ध का नुकसान उठा रहा है। इसके अलावा मार्क कार्नी ने चुनावी कैम्पेन में अमेरिका के ऊपर से अपनी निर्भरता कम करने की बात कही थी, ऐसे में कनाडा के पास एक बड़े बाजार के तौर पर भारत ही बचता है, क्योंकि चीन के साथ उसके पहले से ही खराब संबंध हैं। मार्क कार्नी के प्रधानमंत्री बनने के बाद भारत और कनाडा के बीच सीईपीए पर फिर से बातचीत शुरू होने की संभावना बढ़ी है। ये एक ट्रेड डील है, जिसे ट्रूडो ने भारत से विवाद के बाद रोक दिया था। जून 2023 में ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में एक गुरुद्वारे के बाहर कनाडा के नागरिक और खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद भारत और कनाडा के संबंध बिगड़ने लगे थे। जस्टिन ट्रूडो ने हत्या का आरोप भारतीय एजेंट्स पर लगाए थे जिसके बाद भारत-कनाडा संबंध 2023 में अपने सबसे निचले स्तर पर पहुंच गए थे। नई दिल्ली ने लंबे समय से ओटावा पर कनाडा के सिख प्रवासियों में चरमपंथ को बढ़ावा देने का आरोप लगाया था। जस्टिन ट्रूडो की सरकार में खालिस्तानी चरमपंथियों का वर्चस्व था। इसके अलावा जगमीत सिंह, जो खालिस्तान समर्थक हैं, उनकी न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी के समर्थन से जस्टिन ट्रूडो सरकार चला रहे थे, लिहाजा जगमीत सिंह को भारत कनाडा संबंधों के खराब होने की सबसे बड़ी वजह माना गया लेकिन इस बार जगमीत सिंह बुरी तरह से चुनाव हार गया है।

तकनीक की जय हो!

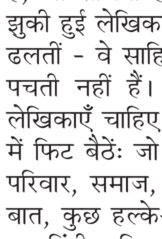

गुप्ता जी को एक क्रांतिकारी विचार आया। दुनिया तेज़ी से बदल रही थी, लेकिन वे महसूस कर रहे थे कि इंसान की नैतिकता उतनी ही तेज़ी से ढलान पर है। उन्होंने सोचा, जब लोग सच बोलकर शर्मिंदा होते हैं और झूठ बोलकर गर्व महसूस करते हैं, तो क्यों न एक ऐसी मशीन बनाई जाए जो केवल झूठ ही पकड़ सके? गुप्ता जी वैज्ञानिक नहीं थे, लेकिन उन्होंने एक नई मशीन बनाने की ठानी। उन्होंने अपने पड़ोसी वर्मा जी की मदद ली, जो इलेक्ट्रॉनिक्स में डिप्लोमा किए हुए थे और कभी-कभी घर की ट्यूब लाइट ठीक करने में भी असफल रहते थे। दोनों ने मिलकर सत्य-परीक्षक यंत्र नामक एक यंत्र तैयार किया, जो बोलने वाले के शब्दों को पकड़कर यह तय करता कि वह झूठ बोल रहा है या सच। पहला परीक्षण गुप्ता जी ने अपनी पत्नी पर किया। उन्होंने पूछा, तुम मुझसे कितना प्यार करती हो? मशीन से तुरंत आवाज़ आई-झूठ! झूठ! झूठ! गुप्ता जी हतप्रभ रह गए। पत्नी ने घूरकर देखा, जैसे कह रही हो, अब सोफे पर सोने की तैयारी कर लो। लेकिन वे विज्ञान की महान उपलब्धि के नशे में थे, इसलिए उन्होंने परवाह नहीं की। अब यह मशीन समाज में सुधार लाने के लिए इस्तेमाल होनी थी। सबसे पहला प्रयोग हुआ शहर के सबसे ईमानदार नेता पर। मंच पर खड़े होकर नेता जी बोले, हम जनता के सेवक हैं, हमने हमेशा देशहित में काम किया है। मशीन चीखने लगी-झूठ! झूठ! घोर झूठ! सभा में सन्नाटा छा गया। भीड़ को पहली बार लगा कि शायद यह मशीन उनकी ज़िंदगी बर्बाद कर सकती है। नेता जी ने तुरंत इसे राष्ट्रविरोधी घोषित कर दिया और गुप्ता जी की गिरफ्तारी की माँग करने लगे। अब अगला परीक्षण सरकारी दफ्तर में होना था। गुप्ता जी और वर्मा जी पहुंचे और एक बाबू से बोले, सर, यह सत्य-परीक्षक मशीन आपके विभाग के लिए बनाई गई है। यह रिश्वतखोरी और भ्रष्टाचार पर नियंत्रण रखेगी। बाबू जी ने पहले हँसी उड़ाई, फिर ग़ुस्से से बोले, हमारे ऑफिस में सब ईमानदारी से काम करते हैं। मशीन तुरंत बोल पड़ी-झूठ! घोटाला! रिश्वत! बाबू जी का चेहरा ऐसा हो गया जैसे उन्होंने एक साथ चार नींबू चूस लिए हों। उन्होंने घूरकर देखा और तुरंत चपरासी को बुलाया, इन दोनों को बाहर निकालो और मशीन को ज़ब्त कर लो। गुप्ता जी को समझ आ गया कि मशीन के लिए यहाँ कोई भविष्य नहीं है। अब यह मशीन कोर्ट में ले जाई गई, जहाँ न्यायाधीश महोदय एक जटिल मामले की सुनवाई कर रहे थे। वकील साहब बोले, मेरा मुवक्किल निर्दोष है, उसने कुछ नहीं किया। मशीन फिर गरजी—झूठ! झूठ! सबूत मिटाए गए हैं! कोर्ट में हंगामा मच गया। जज साहब को पहली बार एहसास हुआ कि इस मशीन का अस्तित्व ही उनकी कुर्सी के लिए ख़तरा है। उन्होंने तुरंत आदेश दिया कि यह मशीन संविधान-विरोधी है और इसका इस्तेमाल अवैध घोषित किया जाए। अब गुप्ता जी को समझ में आ गया कि सत्य को साबित करना इस दुनिया में सबसे मुश्किल काम है।

51 शक्तिपीठों में महत्वपूर्ण है उज्जैन का हरसिद्धि मंदिर

भारत देश में ही नहीं पूरी दुनिया में देवी मंदिर और देवी माता की पूजा का विशेष स्थान है। मां दुर्गा की महिमा का वर्णन दुर्गा सप्तशती के साथ हमारे सभी वेद और पुराणों में मिलता है। देशभर में मां हरसिद्धि के अनेकों मंदिर पाये जाते है। इन मंदिरों में उज्जैन में स्थित हरसिद्धि मंदिर को सबसे प्राचीन एवं शक्तिपीठ माना जाता है।माता की भक्ति प्राप्त करने के लिये स्वयं राजा विक्रमादित्य ने यहां 12 बार बलि दी थी आइये इसके बारे में विस्तार से समझते हैं।

उज्जैन स्थित हरसिद्धि मंदिर का इतिहास : महाकाल और शनिदेव की नगरी उज्जैन में स्थित माता हरसिद्धि का मंदिर 51 शक्तिपीठों में से एक है। इसे राजा विक्रमादित्य की तपोभूमि माना जाता है। मां हरसिद्धि को परमारवंशीय राजाओं की कुलदेवी माना जाता है। इस मंदिर में राजा विक्रमादित्य ने प्रत्येक 12 वर्ष में अपने सर को काटकर बलि दी थी। 11 बार बलि देने पर उनका सर वापस आ गया था। बारहवीं बार जब सर वापस नहीं आया तो राजा विक्रमादित्य के शासन को पूर्ण मान लिया गया।

हरसिद्धि मंदिर है शक्तिपीठ : उज्जैन नगर पर देवियों का विशेष पहरा है। यहां माता सती के शरीर का एक अंश गिरा था। माता सती के हाथ की कोहनी यहां गिरने से यह स्थान शक्तिपीठ माना गया। इसका वर्णन पुराणों में मिलता है।

मनोकामना होती है पूरी : इस मंदिर के प्रांगण में दो दीप जो लगभग 51 फीट ऊंचे हैं, स्थित हैं। इन दीपों की स्थापना राजा विक्रमादित्य ने ही कराई थी। इन दीप स्तंभों का इतिहास लगभग 2000 वर्षों से भी अधिक पुराना है। शक्तिपीठ होने के कारण इस मंदिर का तांत्रिक महत्व भी है। मान्यता है जब इस मंदिर में संध्याकालीन दीप प्रज्जवलित किए जाते हैं उस वक्त माता के समक्ष बोली गई मनोकामना पूर्ण हो जाती है।

हरसिद्धि मंदिर का वास्तु डिजाइन : उज्जैन में स्थित माता हरसिद्धि मंदिर में मराठा कला की जटिल वास्तु नक्काशी की गई है। इसमें प्राचीन डिजाइनों का समावेशन भी किया गया है। मंदिर में स्थित दो दीप स्तंभ में 726 दीप लगे हैं। मंदिर में प्रवेश हेतु चार भाव प्रवेश द्वार अलग-अलग दिशाओं में स्थित हैं। आर्किटेक्ट से संबंधित छात्रों के लिए यहां सीखने के लिए बहुत कुछ है।

गंगा दशहरा कब है ? 2 शुभ योग में होगा स्नान-दान,मुहूर्त

गंगा दशहरा का पर्व मई या जून के महीने में मनाते हैं। हिंदू कैलेंडर के अनुसार, ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को गंगा दशहरा होता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, ज्येष्ठ शुक्ल दशमी तिथि को गंगा का अवतरण धरती पर हुआ था, इसलिए इस दिन को गंगा अवतरण के नाम से भी जानते हैं। इस साल गंगा दशहरा पर 2 शुभ योगों का निर्माण होने वाला है। इसमें स्नान और दान करने से पुण्य की प्राप्ति होगी। गंगा दशहरा के अवसर पर स्नान और दान करने से पाप मिटते हैं और पुण्य मिलता है।

गंगा दशहरा किस दिन है 2025

काशी के ज्योतिषाचार्य चक्रपाणि भट्ट के अनुसार, गंगा दशहरा का पर्व निर्जला एकादशी से एक दिन पहले मनाया जाता है। दृक पंचांग के अनुसार, गंगा दशहरा के लिए आवश्यक ज्येष्ठ शुक्ल दशमी तिथि 4 जून बुधवार को रात 11 बजकर 54 मिनट पर प्रारंभ होगी। इस तिथि का समापन 6 जून शुक्रवार को तड़के 2 बजकर 15 मिनट पर होगा। उदयातिथि के आधार पर गंगा दशहरा 5 जून गुरुवार को मनाया जाएगा।

2 शुभ योग में है गंगा दशहरा 2025

5 जून को गंगा दशहरा के अवसर पर 2 शुभ योग रवि योग और सिद्धि योग बनेंगे। गंगा दशहरा पर पूरे दिन रवि योग बन रहा है, जिसमें सभी प्रकार के दोष मिट जाते हैं। वहीं सिद्धि योग प्रातःकाल से लेकर सुबह 09 बजकर 14 मिनट तक है, उसके बाद से व्यतीपात योग बनेगा। सिद्धि योग को शुभ फलदायी माना जाता है। गंगा दशहरा पर हस्त नक्षत्र है, जो सुबह से पूरी रात तक है।

गंगा दशहरा 2025 मुहूर्त

इस बार गंगा दशहरा पर आपको स्नान और दान करना है तो आपके लिए ब्रह्म मुहूर्त अच्छा रहेगा।

शास्त्रों में स्नान और दान के लिए ब्रह्म मुहूर्त को अच्छा बताया गया है। इस दिन का ब्रह्म मुहूर्त 04 बजकर 02 ए एम से 04 बजकर 42 ए एम तक है। उसके बाद दिन का शुभ समय यानि अभिजीत मुहूर्त 11 बजकर 52 ए एम से दोपहर 12 बजकर 48 पी एम तक है। गंगा दशहरा के दिन शुभ-उत्तम मुहूर्त सुबह 05 बजकर 23 मिनट से सुबह 07 बजकर 07 मिनट तक है।

यदि आप ब्रह्म मुहूर्त में स्नान और दान नहीं कर सकते हैं तो आप सूर्योदय 05:23 ए एम के बाद कर सकते हैं। उस समय रवि योग और सिद्धि योग रहेगा।

गंगा का अवतरण कैसे हुआ ?

पौराणिक कथा के अनुसार, राजा सगर के 60 हजार पुत्रों के उद्धार के लिए राजा भगीरथ ने कठोर तपस्या की थी। ब्रह्मा जी उनकी तपस्या से प्रसन्न हुए तो उन्होंने गंगा को धरती पर जाने को कहा। गंगा ब्रह्म देव के कमंडल से निकलकर भगवान शिव की जटाओं से होते हुए धरती पर अवतरित हुईं, उस दिन ज्येष्ठ शुक्ल दशमी तिथि थी। धरती पर अवतरित होकर मां गंगा ने राजा भगीरथ के 60 हजार पुत्रों को मोक्ष प्रदान किया।

लड्डु गोपाल के वस्त्र जब हो जाएं पुराने, तो उनका क्या करें?

भगवान श्री कृष्ण के बाल स्वरूप को लड्डू गोपाल कहा जाता है और लड्डू गोपाल की सेवा करना कई लोग अपना सौभाग्य मानते हैं। इसलिए कई कृष्ण भक्त उनके इस स्वरूप की विधि-विधान से पूजा करते हैं उनकी सेवा करते हैं व उन्हें समस्त प्रकार की सुविधाएं भी उपलब्ध कराते हैं, मान्यताओं के अनुसार जो व्यक्ति लड्डू गोपाल की पूजा करता है उसके जीवन से समस्त प्रकार की परेशानियां खत्म हो जाती हैं।

घरों में जो लोग लड्डू गोपाल की सेवा करते हैं वे लोग उन्हें नए-नए भी पहनाते हैं। लेकिन इन वस्त्रों को लेकर अकसर लोगों के मन में सवाल उत्पन्न होता है कि जब लड्डू गोपाल के कपड़े पुराने हो जाते हैं या फिर कट या फट जाते हैं तो उन वस्त्रों का क्या करना चाहिए। उनके फटे पुराने वस्त्रों का क्या करना चाहिए।

पवित्र नदियों में प्रवाहित करें

अगर लड्डू गोपाल के वस्त्र पुराने हो जाएं तो उन्हें पवित्र नदियों में प्रवाहित करना श्रेष्ठ माना गया है। शास्त्रों के अनुसार भगवान के पुराने वस्त्रों को नदी के जल में अर्पित करना पुण्यकारी होता है। इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है और भगवान की कृपा बनी रहती है।

भूमि में दबाएं

अगर नदी में प्रवाहित करना संभव न हो तो आप लड्डू गोपाल के वस्त्रों को पूजनीय वृक्षों जैसे केले, तुलसी या आंवले के वृक्ष के नीचे भूमि में थोड़ा गड्ढा बनाकर तुलसी के पत्तों के साथ इन्हें श्रद्धापूर्वक दबा देना शुभ फलदायक होता है। इससे वृक्षों की ऊर्जा भी शुद्ध रहती है और वातावरण भी पवित्र बनता है।

बच्चों के तकिये में रखें

एक सुंदर मान्यता यह भी है कि लड्डू गोपाल के पुराने वस्त्रों को रुई के साथ बच्चों के तकिये में भरकर सिल देना चाहिए। ऐसा करने से बच्चों के मन और मस्तिष्क पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। यह उन्हें शांति, सुरक्षा और ऊर्जा प्रदान करता है।

तिजोरी में रखें

अगर आप चाहें तो इन वस्त्रों को लाल या पीले रंग के एक साफ कपड़े में बांधकर अपने घर की तिजोरी में रख सकते हैं। यह उपाय घर में धन-धान्य की वृद्धि और समृद्धि का स्रोत बनता है। भगवान विष्णु की कृपा से घर सदा संपन्न और सुखी बना रहता है।

अध्यात्म के मार्ग पर चलने से मिलता है हर समस्या का हल

जूनापीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद जी गिरि के जीवन सूत्र में जानिए अध्यात्म के मार्ग पर कैसे चल सकते हैं?

अध्यात्म से हमें समस्याओं के स्थाई समाधान मिलते हैं। हमारे सभी संशय, भ्रम-भय और दुविधाएं अध्यात्म की मदद से दूर हो जाती हैं। जब हम अध्यात्म के मार्ग पर चलते हैं, तब सारे प्रश्नों के उत्तर मिलने लगते हैं, सारी पहेलियों के हल मिल जाते हैं, कोई समस्या नहीं रहती है। समाधान खोजने के लिए हमें अध्यात्म की ओर आना होगा, सत्य को अपनाना होगा।

आज ही बंद कर दीजिए दूसरों की चीजें मांगकर इस्तेमाल करना

हमारे जीवन में सुख, शांति और सफलता पाने के लिए कई छोटी छोटी बातों का ध्यान रखना जरूरी होता है। वास्तु शास्त्र में भी ऐसी कई बातें बताई गई हैं, जिनका पालन करके हम जीवन में आने वाली परेशानियों से बच सकते हैं। लेकिन अक्सर लोग अनजाने में कुछ ऐसी चीजें दूसरों से मांगकर इस्तेमाल कर लेते हैं, जो उनके लिए मुसीबत का कारण बन जाती हैं।

किसी और की घड़ी पहनना

वास्तु शास्त्र के अनुसार घड़ी न केवल समय बताती है, बल्कि यह हमारी ऊर्जा से भी जुड़ी होती है। जब आप किसी दूसरे की घड़ी पहनते हैं, तो आप उसकी ऊर्जा को भी अपने साथ जोड़ लेते हैं। अगर सामने वाले व्यक्ति के जीवन में कोई परेशानी चल रही है, तो उसकी नकारात्मक ऊर्जा आपके जीवन में भी प्रवेश कर सकती है। इससे आपके अच्छे समय पर भी असर पड़ सकता है और अचानक मुश्किलें बढ़ सकती हैं। इसलिए कोशिश करें कि कभी भी किसी की घड़ी मांगकर न पहनें।

रूमाल मांगकर उपयोग करना

रूमाल एक निजी चीज होती है, जिसे हर व्यक्ति अपने साथ रखता है। वास्तु मान्यताओं के मुताबिक, अगर आप किसी दूसरे का रूमाल मांगकर इस्तेमाल करते हैं, तो आपके और उस व्यक्ति के बीच का रिश्ता बिगड़ सकता है। कई बार तो यह रिश्ता टूटने की नौबत भी आ जाती है। इसके अलावा रूमाल से जुड़ी ऊर्जाएं भी आपस में टकरा सकती हैं, जो आपसी विश्वास को कमजोर कर सकती हैं। इसलिए हमेशा अपना रूमाल खुद साथ रखें और दूसरों से मांगने से बचें।

अंगूठी मांगकर पहनना

अंगूठी भी एक बेहद निजी वस्तु मानी जाती है। यह न सिर्फ पहनने वाले के भाग्य और सेहत से जुड़ी होती है, बल्कि इसके जरिए ग्रहों की ऊर्जा का भी असर पड़ता है। जब आप किसी और की अंगूठी मांगकर पहनते हैं, तो आप उसके साथ जुड़ी नकारात्मक शक्तियों को भी अपने जीवन में ले आते हैं। इससे न सिर्फ धन संबंधी दिक्कतें बढ़ सकती हैं, बल्कि सेहत पर भी बुरा असर पड़ सकता है। इसलिए अंगूठी जैसी वस्तु को कभी भी किसी से मांगकर पहनने की गलती न करें।

चश्मा मांगना भी कर सकता है नुकसान

बहुत से लोग बिना सोचे समझे किसी का चश्मा मांगकर पहन लेते हैं, खासकर तब जब अपना चश्मा भूल जाएं या टूटा हो। लेकिन वास्तु शास्त्र में इसे भी अशुभ माना गया है। चश्मा देखने की शक्ति से जुड़ा होता है, और किसी और का चश्मा पहनने से आपकी सोचने और निर्णय लेने की क्षमता पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। इसलिए चाहे जैसी भी जरूरत हो, चश्मा हमेशा अपना ही इस्तेमाल करें।

अगर आप भी रखते हैं घर में ऐसे बर्तन, तो हो जाएं सावधान!

रात में जूठे बर्तन छोड़ने से उनमें बैक्टीरिया पनपने का खतरा बढ़ जाता है। ये बैक्टीरिया गंदे बर्तनों से किचन के बाकी हिस्सों में भी फैल सकते हैं और उन्हें दूषित कर सकते हैं। शास्त्रों के मुताबिक रात में जूठे बर्तन छोड़ने से घर में दरिद्रता आती है और आर्थिक तंगी से पूरा घर परेशान रहता है।

रात में जूठे बर्तन छोड़ने से उनमें बैक्टीरिया पनपने का खतरा बढ़ जाता है। ये बैक्टीरिया गंदे बर्तनों से किचन के बाकी हिस्सों में भी फैल सकते हैं और उन्हें दूषित कर सकते हैं।

शास्त्रों के मुताबिक, रात में जूठे बर्तन छोड़ने से घर में दरिद्रता आती है और आर्थिक तंगी से पूरा घर परेशान रहता है।

रात में जूठे बर्तन छोड़ने से घर में नकारात्मक ऊर्जा फैलती है और परिवार के लोगों के बीच मन-मुटाव होता है।

: जूठे बर्तन छोड़ने से वास्तु दोष भी बनता है। खाना खाने के बाद बिना आलस किए तुरंत बर्तन धो देने चाहिए। अगर आप सिर्फ़ पानी से बर्तन धोकर रख देते हैं, तो ध्यान रखें कि उसमें जूठा न लगा हो।

घर के किचन में रात के झूठे बर्तन नहीं छोड़ने चाहिए। किचन में इस तरह के बर्तन रखने से अन्नपूर्णा देवी नाराज होती हैं। उन्होंने कहा की आर्थिक तंगी भी किचन में झूठे बर्तन रखने से आती है। खाना खाने के बाद बिना आलस किए तुरंत बर्तन धो देने चाहिए।

मई की शुरुआत में इन 3 राशियों की खुलेगी किस्मत की तिजोरी

वृषभ राशि

वृषभ राशि के लोग जो लोग विदेश व्यापार या नौकरी से जुड़े हैं, उन्हें अप्रत्याशित सफलता मिल सकती है। कला, संगीत, फैशन, फिल्म, डिजाइनिंग या लेखन जैसे क्षेत्रों में काम कर रहे लोगों को मान-सम्मान और धन लाभ मिलेगा। निवेश या सट्टा क्षेत्र में लाभ संभव है। पुराने रोगों से राहत मिल सकती है और मानसिक शांति का अनुभव होगा।

सिंह राशि

सिंह राशि के लिए कोई लंबित कार्य इस समय पूर्ण हो सकता है। भाग्य आपके साथ रहेगा, जिससे नए अवसर प्राप्त हो सकते हैं। नौकरीपेशा लोगों को प्रमोशन या सैलरी इंक्रीमेंट के संकेत मिल सकते हैं। उच्च अधिकारियों से सराहना मिल सकती है। यदि आप विदेश में पढ़ाई या नौकरी का सपना देख रहे हैं, तो यह समय अनुकूल है। आप किसी तीर्थ यात्रा पर जा सकते हैं या किसी धार्मिक आयोजन में भाग ले सकते हैं।

धनु राशि

धनु राशि वालों के लिए छात्रों के लिए यह समय अत्यंत अनुकूल है। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं।

लव लाइफ में नई शुरुआत हो सकती है, पुराने मतभेद समाप्त होंगे। संतान पक्ष से कोई खुशखबरी मिल सकती है। जो लोग संतान की इच्छा रखते हैं, उनके लिए समय अनुकूल है। यह समय नया कुछ सीखने और अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए सर्वोत्तम है।

भूलकर भी बाथरूम में न रखें खाली बाल्टी

जब भी घर को बेहतर बनाने की बात आती है, तो लोग अक्सर बेडरूम, किचन या पूजा स्थान की सजावट और दिशा पर ध्यान देते हैं। मगर एक जगह ऐसी भी है, जो घर की ऊर्जा को चुपचाप प्रभावित करती है वह है बाथरूम। बाथरूम की अनदेखी से न सिर्फ घर का माहौल बिगड़ सकता है, बल्कि यह आपकी आर्थिक स्थिति और मानसिक शांति पर भी असर डाल सकता है।

रअसल, वास्तु के मुताबिक बाथरूम घर की सबसे ज्यादा नकारात्मक ऊर्जा वाली जगह होती है। अगर वहां खाली बाल्टी रखी हो, तो यह उस नकारात्मकता को और बढ़ा सकती है। कहते हैं कि खाली बाल्टी दरिद्रता का प्रतीक होती है। लंबे समय तक अगर बाथरूम में बाल्टी खाली पड़ी रहे, तो घर में पैसों की कमी महसूस हो सकती है। खर्चे अचानक बढ़ने लगते हैं और बचत में रुकावट आने लगती है।

पुराने समय के बड़े बुजुर्ग हमेशा यह सलाह देते थे कि बाथरूम से निकलते समय बाल्टी में थोड़ा पानी भर देना चाहिए। ऐसा करने से घर में स्थिरता बनी रहती है और धन का प्रवाह बना रहता है। यह एक बहुत छोटा सा उपाय है, मगर असर काफी गहरा हो सकता है। बाथरूम में पानी से भरी बाल्टी रखने से

वातावरण में सकारात्मक ऊर्जा फैलती है, जो घर के हर सदस्य के मन और मूड को प्रभावित करती है।

जिन लोगों की कुंडली में शनि या राहु की स्थिति ठीक नहीं होती या जिनकी शनि महादशा चल रही होती है, उन्हें तो खासतौर पर इस बात का ध्यान रखना चाहिए। उनके लिए खाली बाल्टी घर में और भी ज्यादा नुकसान कर सकती है। पानी से भरी बाल्टी घर में संतुलन बनाए रखने में मदद करती है, जिससे मुश्किलें कम होने लगती हैं।

अगर आप इस उपाय को और ज्यादा असरदार बनाना चाहते हैं, तो नीले रंग की बाल्टी का इस्तेमाल करें। वास्तु में नीले रंग को शांति, समृद्धि और खुशहाली से जोड़ा गया है। नीली बाल्टी में भरा पानी बाथरूम की नकारात्मक ऊर्जा को खत्म करता है और सकारात्मकता को बढ़ावा देता है। इससे घर का माहौल खुशनुमा बना रहता है और मन भी शांत रहता है।

संजय दत्त ने माना- इंडस्ट्री का हो चुका है बंटवारा भावुक होकर बोले- दुख होता है कि इंडस्ट्री बंट चुकी है

पिछले कुछ सालों में कई बड़ी फिल्में भी ज्यादा हिट नहीं हो रही हैं। बड़े स्टार्स की फिल्में बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिर रही हैं और कई फिल्में चंद दिनों में ही थिएटर से उतर रही हैं। इस मुद्दे पर अब संजय दत्त ने भी माना है कि फिल्म इंडस्ट्री बंट चुकी है। इससे उबरने के लिए संजय दत्त ने इंडस्ट्री से एकजुट रहने की विनती की है।

हाल ही में अपकमिंग फिल्म द भूतनी के प्रमोशनल इवेंट में संजय दत्त ने कहा है, दुख होता है कि अपनी इंडस्ट्री बंट चुकी है, जो कभी देखा नहीं था। हम लोग एक फैमिली थे और हमेशा रहेंगे, आगे भी चल कर। थोड़ा भटक गए हैं। मैं ये कहना चाहता हूं हर पिक्चर इंपॉर्टेंट होती है, इस इंडस्ट्री के लिए। हर पिक्चर को वो मौका देना चाहिए, फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर, प्रमोटर सबको हर किसी के लिए बराबर होना चाहिए।

आगे उन्होंने कहा, भूतनी को इतना जोर नहीं दिया जा रहा है, लेकिन मुझे पता है कि पिक्चर बहुत आगे निकलेगी। मैं विनती करता हूं कि फिल्म इंडस्ट्री एक साथ खड़ी हो और एक दूसरे की मदद करे। जिससे फिल्म इंडस्ट्री तरक्की कर सके। मैं सिर्फ अपनी बात नहीं कर रहा हूं। पूरी अपनी कम्युनिटी की बात कर रहा हूं, पूरी इंडस्ट्री की बात कर रहा हूं, आई लव माय इंडस्ट्री।

बताते चलें कि मंगलवार को मुंबई में फिल्म द भूतनी का प्रमोशनल इवेंट रखा गया था। इस दौरान फिल्म की पूरी स्टारकास्ट मौजूद रही। इवेंट में संजय दत्त ने ओपन जीप से शानदार एंट्री ली। फिल्म द भूतनी एक हॉरर ड्रामा फिल्म है, जिसमें संजय दत्त, मौनी रॉय, पलक तिवारी, सनी सिंह लीड रोल में नजर आने वाले हैं। ये फिल्म 1 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी, जिसका निर्देशन सिद्धांत सचदेव ने किया है।

करीना कपूर ने किया पाकिस्तानी डिजाइनर के साथ डिनर

पहलगाम हमले के बाद हुई इस मुलाकात पर भड़के लोगों ने गद्दार जैसे शब्दों का किया इस्तेमाल

22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 भारतीय मारे गए। हमले की जिम्मेदारी पाकिस्तान के आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा ने ली, जिसके बाद से ही भारतीयों में पाकिस्तान के प्रति आक्रोश है। फिल्म इंडस्ट्री के लोग भी पाकिस्तान का विरोध करते हुए बयान दे रहे हैं। इसी बीच करीना कपूर खान की एक तस्वीर वायरल हो गई, जिसमें वो पाकिस्तानी डिजाइनर के साथ डिनर करते दिख रही हैं। तस्वीर आते ही लोग करीना पर भड़क गए हैं। कुछ उन्हें गद्दार तक कह रहे हैं। ये भी बता दें कि हाल ही में फिल्म फेडरेशन ने ऐलान किया है कि किसी भी पाकिस्तानी कलाकार के साथ काम करने वाले शख्स पर देशद्रोह का केस किया जाएगा।

तस्वीर में करीना कपूर जिनके कंधे में हाथ रखी हुई हैं, ये शख्स पाकिस्तानी डिजाइनर फराज मन्नान हैं। दरअसल, पहलगाम आतंकी हमले के बाद 27 अप्रैल को करीना कपूर दुबई गई थीं। दुबई में वो एक इवेंट का हिस्सा बनी थीं, जिसमें फराज भी शामिल हुए थे। फराज ने इस मुलाकात की तस्वीरें खुद सोशल मीडिया पर पोस्ट की थीं, जो अब वायरल हो रही हैं।

एक्स प्लेटफॉर्म पर एक यूजर ने तस्वीरें पोस्ट कर लिखा है, जहां एक तरफ भारत, पाकिस्तान से जंग कर रहा है, वहीं दूसरी तरफ करीना कपूर पाकिस्तानी डिजाइनर के साथ दुबई में फोटोशूट करने में व्यस्त हैं। वो पहले भी उनके साथ काम कर चुकी हैं। पिछले साल करीना ने फिलिस्तीन को सपोर्ट किया था, लेकिन अब वो अपने देश के लिए खड़ी नहीं हो रही हैं। क्या सिर्फ आर्मी को ही देश के लिए कुर्बानी देना होता है। क्या बॉलीवुड सेलेब्स का कोई कर्तव्य नहीं है अपने देश के लिए। पोस्ट पर एक यूजर ने भड़कते हुए लिखा है, उनके पास देश के लिए करने के लिए कुछ नहीं है। उन्हें सिर्फ खुद से फर्क पड़ता है। वहीं कई यूजर उन्हें गद्दार कह रहे हैं।

फराज मन्नान की दोस्त हैं करीना कपूर

बताते चलें कि करीना कपूर न सिर्फ फराज के साथ काम कर चुकी हैं, बल्कि उनकी अच्छी दोस्त भी हैं। करीना कई मौकों पर फराज के साथ पोस्ट भी शेयर करती रहती हैं।

'टैबू तोड़ना था, इसलिए तीन दिन तक बिकिनी पहनी'

सीन से पहले नुसरत ने की इंटरनेशनल ट्रिप, कहा- इंडिया में खुलेआम घूमना मुमकिन नहीं

एक्ट्रेस नुसरत भरुचा ने हाल ही में एक इंटरव्यू में अपनी फिल्म 'प्यार का पंचनामा' से जुड़ा एक दिलचस्प किस्सा शेयर किया। उन्होंने बताया कि फिल्म के एक सीन में उन्हें बिकिनी पहननी थी, लेकिन वो उसमें कम्फर्टेबल नहीं थीं। इस झिझक से बाहर निकलने के लिए उन्होंने जो किया, वो सुनकर कोई भी चौंक जाएगा।

एक इंटरव्यू में नुसरत ने कहा, 'मैंने कभी एक्टिंग सीखी नहीं है, तो जो भी मेरी रियल लाइफ के एक्सपीरियंस होते हैं, वही स्क्रीन पर कर पाती हूं। लेकिन बिकिनी तो मैंने कभी पहनी ही नहीं थी।'

नुसरत ने डायरेक्टर लव रंजन से भी अपनी चिंता साफ-साफ शेयर की। इस बारे में उन्होंने कहा, 'मैंने लव सर से कहा कि अगर मैं बिकिनी पहन भी लूं, तो उसमें कम्फर्टेबल नहीं रहूंगी। फिर शॉट में वो चीज कैसे नजर आएगी? जब तक मैं अंदर से उसे एक्सेप्ट नहीं करती, तब तक कैमरे के सामने वो चीज नैचुरल नहीं लगेगी।'

इसके बाद नुसरत ने जो तरीका अपनाया, वो वाकई यूनिक था। उन्होंने बताया, 'मैं एक इंटरनेशनल सोलो ट्रिप पर निकल गई। क्योंकि इंडिया में बिकिनी पहनकर खुलेआम घूमना मुमकिन नहीं है। मैंने तीन दिन तक सुबह से लेकर रात तक सिर्फ बिकिनी पहनी – होटल में, पूल में, बीच पर... हर जगह।'

वो आगे कहती हैं, 'मैंने ये जानबूझकर किया ताकि अपनी सोच और अंदर बैठे टैबू को तोड़ सकूं। खुद से कहना चाहती थी कि बिकिनी में घूमना कोई बड़ी बात नहीं है। दूसरे दिन के बीच में ही मुझे एहसास हुआ कि मैं कब से सिर्फ बिकिनी में घूम रही हूं और अब तो ये नॉर्मल लगने लगा है। लगा – हां, मैं यही तो पहन रही हूं, इसमें क्या है?' नुसरत भरुचा आखिरी बार फिल्म 'छोरी 2' में नजर आई थीं।

मौनी ने प्लास्टिक सर्जरी ट्रोलिंग पर दिया करारा जवाब : बोलीं- झूठी बातें फैलाने वालों पर दया आती है

मौनी रॉय जल्द ही फिल्म द भूतनी में नजर आएंगी। हालांकि, इन दिनों वह अपने लुक को लेकर ट्रोलिंग का शिकार हो रही हैं। सोशल मीडिया यूजर्स का दावा है कि एक्ट्रेस ने प्लास्टिक सर्जरी करवाई है और उनका बोटॉक्स ट्रीटमेंट खराब हो गया है। अब इस पूरे मामले में मौनी ने अपना रिएक्शन दिया है। उन्होंने कहा कि उन्हें उन लोगों पर दया आती है जो ऑनलाइन नेगेटिविटी फैलाते हैं।

मौनी से जब पूछा गया कि एक फीमेल एक्टर को खास तौर पर उनके लुक और फैशन को लेकर किस तरह की आलोचना का सामना करना पड़ता है। इसके जवाब में मौनी ने कहा, शुरुआत में जब मैंने वो कमेंट्स पढ़े थे और अब भी कभी-कभी जब मैं वो AI वीडियो देखती हूं, तो मुझे अचानक एक अजीब सी फीलिंग होती है। क्रिंज महसूस होता है। ऐसा लगता है जैसे इसे झेल नहीं पा रही हूं। और फिर यह महसूस होता है कि वह मेरी ही शक्ल है, तो और भी

अजीब लगता है। सोचिए, अगर किसी और को ऐसे देखे तो क्या महसूस होगा। जब मेरा चेहरा किसी और के शरीर पर फिट किया जाता है, तो वो अनुभव बहुत घिनौना लगता है।

मैं सोचने में मजबूर हो जाती हूं कि आखिर लोग ऐसा क्यों करते हैं। इस तरह की चीजें करके वे क्या हासिल करना चाहते हैं? उनका उद्देश्य क्या है? क्योंकि ऐसा करके तो वे बस लोगों की नेगेटिवि प्रतिक्रियाएं और बद्दुआएं ही इकट्ठा कर रहे हैं। ऐसे काम करने वाले के लिए कोई भी अच्छी दुआ नहीं करेगा। मौनी ने कहा, 'शुरुआत में जब मैं इंस्टाग्राम पर आई और मुझे बहुत नफरत झेलनी पड़ी, तो मैं वाकई में उन लोगों की प्रोफाइल पर जाकर उन्हें ब्लॉक करने की कोशिश करती थी। लेकिन अब मुझे ऐसे लोगों पर दया आती है। मुझे लगता है कि उनके लिए प्रार्थना करनी चाहिए। ये लोग झूठे हैं, जो खुद को स्क्रीन के पीछे छिपाकर रखते हैं और इस तरह की बातें लिखते हैं।'

'मैं अपने फैंस से मिलने वाले प्यार को कभी नकार नहीं सकती। लेकिन मुझे सच में लगता है कि इंटरनेट खासकर सोशल मीडिया एक बहुत ही नकारात्मक जगह बनता जा रहा है। लोग सिर्फ लाइक और अटेंशन के लिए दूसरों के बारे में बकवास और भद्दी बातें लिखते हैं। हालांकि मुझे समझ आ गया है कि उनके ऐसा करने से न तो मुझ पर और न ही मेरे काम पर कोई असर पड़ता है। इसलिए मैंने इन्हें नजरअंदाज करना शुरू कर दिया।

अपने लुक्स को लेकर ट्रोल हुई थीं एक्ट्रेस

फिल्म भूतनी के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में मौनी रॉय संजय दत्त के साथ पहुंची थीं। इवेंट की तस्वीरें सामने आने के बाद मौनी को उनके बदले या कहें तो बिगड़े हुए लुक के चलते जमकर ट्रोल किया जा रहा था। ट्रोलर्स लगातार सर्जरी बिगड़ने की बात कहते हुए उन्हें ट्रोल करने लगे।

आंध्र प्रदेश में बना साउथ अभिनेत्री का मंदिर, फैंस बोले- सामंथा माता की जय

साउथ अभिनेत्री उर्वशी रौतेला के बाद अब जानकारी आई है कि सामंथा रुथ प्रभु का भी मंदिर उनके एक फैन ने बनवाया है। दरअसल, यह मंदिर तो तीन साल पहले ही बन गया था, लेकिन अब यह बात सोशल मीडिया पर सामने आई है।

तीन साल पहले ही बन चुका है सामंथा के नाम का मंदिर

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सामंथा के प्रशंसक तेनाली संदीप ने ₹सामंथा के मंदिर₹ का अनावरण किया और उस दिन उन्होंने अनाथ बच्चों के लिए दोपहर के भोजन का भी आयोजन किया। यह सभी कुछ तेनाली ने सामंथा के प्यार में किया है। इसके बाद तेनाली ने गरीब बच्चों के साथ सामंथा के 38वें जन्मदिन का केक भी काटा और उन्हें इस तरह से अपना प्यार दर्शाया।

कौन है सामंथा का फैन तेनाली

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, प्रेस से बात करते हुए, तेनाली ने इस उपलब्धि के बारे में विस्तार से बताया और उन्होंने कहा, मेरा नाम तेनाली संदीप है। मैं आंध्र प्रदेश के बापटला में अलापडु ग्रामम से हूं। मैं सामंथा गारू का बहुत बड़ा प्रशंसक हूं। मैं पिछले तीन सालों से उनका जन्मदिन मना रहा हूं। मैंने तब यह मंदिर भी बनवाया था। आज मंदिर के तीन साल हो गए हैं। हर साल, मैं बच्चों को खाना खिलाता हूं और उस दिन केक काटता हूं। उनका परोपकार मुझे प्रेरित करता है और मैं उनके पदचिन्हों पर चलना चाहता हूं।

सामंथा का वर्कफ्रंट

सामंथा रुथ प्रभु की दो प्रमुख आगामी परियोजनाएं हैं। वह रक्त ब्रह्माण्ड और फिल्म मां इंति बंगाराम में नजर आएंगी। सामंथा फिल्म मां इंति बंगाराम की सह-निर्माता भी हैं। इसके अलावा, वह वेब सीरीज सिटाडेलः हनी बनी के सीजन 2 में भी नजर आएंगी।

मेलबर्न कॉन्सर्ट के आयोजकों ने नेहा कक्कड़ पर लगाया आरोप, विवाद के असली वजह का किया खुलासा

ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न कॉन्सर्ट में देरी से पहुंचने पर फैंस ने गायिका नेहा कक्कड़ की खूब आलोचना की थी, जिसे लेकर सिंगर ने सफाई भी दी थी। अब इस मामले पर आयोजकों ने सभी बातों को निराधार बाताते हुए कहा कि उन्होंने दर्शकों को बढ़ाने की रखी थी शर्त। साथ ही बताया कि वो सब नेहा कक्कड़ का नाटक था। जानिए क्या हुआ खुलासा।

नेहा ने कहा कि मैं परफॉर्म नहीं करूंगी

हाल ही में इवेंट होस्ट पेस डी और विक्रम सिंह रंधावा, सिद्धार्थ कन्नन के पॉडकास्ट में पहुंचे और उन्होंने वहा नेहा कक्कड़ के मेलबर्न शो को लेकर बात की। होस्ट पेस डी ने बताया कि मेलबर्न कॉन्सर्ट के दौरान वो वहां थे और उन्होंने सब कुछ देखा। आगे पेस ने कहा कि उन्हें आयोजकों से पता चला कि नेहा कक्कड़ शो में देरी कर रही हैं, क्योंकि शो में सिर्फ 700 लोग ही थे। गायिका का कहना था कि जब तक ज्यादा दर्शक नहीं आ जाते वह परफॉर्म नहीं करेंगी। इस कारण भीड़ उन पर अपना गुस्सा प्रकट कर रही थी, क्योंकि उन सब ने एक टिकट के लिए लगभग 16000 रुपये खर्च किए थे।

साउंड को लेकर लगाए आरोप को बताया झूठा

आगे बातचीत में पेस डी ने बताया कि नेहा कक्कड़ का मेलबर्न कॉन्सर्ट बहुत बड़ा शो था। उन्होंने बताया, 'यह इतना बड़ा शो था कि पूरा टेक राइडर वहां मौजूद था। इससे पहले भी कई कार्यक्रम वहां हुए और सभी ने प्रदर्शन किया। कॉन्सर्ट का माइक

और पूरा सेटअप बिल्कुल तैयार था, उसमें कोई कमी नहीं थी। इसलिए गायिका जो आरोप लगा रही हैं, वह सच नहीं लगता, क्योंकि हमने अपनी आंखों से देखा कि सब कुछ ठीक से सेट किया गया था।'

क्या है पूरा मामला?

यह सब तब शुरू हुआ, जब नेहा कक्कड़ ऑस्ट्रेलिया के अपने मेलबर्न कॉन्सर्ट में ढाई घंटे देरी से पहुंची थीं, जिस कारण दर्शकों ने गायिका की खूब आलोचना की थी। इसके बाद इवेंट के दौरान नेहा रो पड़ीं और देरी के लिए प्रशंसकों से माफी भी मांगी। हालांकि, उन्होंने कॉन्सर्ट भी एक घंटे में समाप्त कर दिया। यूजर्स ने उनके इस बर्ताव को ड्रामा बताया। भारी आलोचना के बाद नेहा कक्कड़ ने सारी कमी आयोजकों की बताते हुए आरोप लगाए थे।

पत्थर से खिड़कियां तोड़ी, होटल में आग के गोले फेंके जब पहलगाम में ऋषि कपूर पर हुआ था हमला

दिवंगत एक्टर ऋषि कपूर ने सिनेमा जगत अपनी पहचान एक रोमांटिक हीरो के तौर पर बनाई थी। उन्होंने करियर में ज्यादातर रोमांटिक फिल्में ही की। लेकिन, बाद में खलनायिकी में भी वो अपनी एक्टिंग का लोहा मनवाने में सफल रहे। पहली बार उन्हें 'अग्निपथ' के जरिए विलेन की भूमिका में देखा गया था। ऋषि कपूर अपने करियर में हर किरदार में स्क्रीन पर छाप छोड़ने में सफल रहे हैं। 22 अप्रैल, 2025 को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमला हुआ और आज ऋषि कपूर की आज पुण्यतिथि है तो इस मौके पर आपको उनसे और पहलगाम से जुड़े एक किस्से के बारे में बता रहे हैं, जब उनके होटल पर हमला हो गया था।

ऋषि कपूर का निधन 30 अप्रैल, 2020 को हुआ था। वो कैंसर की वजह से अपनी जिंदगी की जंग हार गए थे। ऐसे में उन्हें गए हुए 5 साल हो गए हैं। आज उनकी पांचवी पुण्यतिथि है। इस मौके पर उनके पहगाम वाले किस्से के बारे में बता रहे हैं, जब वो शूटिंग के लिए वहां गए थे तो होटल पर हमला हो गया था। पत्थरबाजी से आगजनी तक हो गई थी। इस किस्से का जिक्र ऋषि कपूर पर लिखी किताब खुल्लम खुल्ला में है। इसमें बताया था कि जब पहलगाम में शूटिंग कर रहे थे तो यश चोपड़ा ने उनके बर्थडे पर उनके लिए एक पार्टी का आयोजन किया था। यहां उनके साथ पत्नी नीतू कपरू और को एक्टर नसीम भी मौजूद थे। पार्टी वाले दिन एक गाने की शूटिंग पूरी हुई थी।

पत्थरबाजी से आग के गोले तक फेंके

ऋषि कपूर ने बताया था कि पार्टी में आए मेहमान होटल के अंदर मौज-मस्ती कर रहे थे और इस बात से बिल्कुल बेखबर थे कि बाहर क्या हो रहा है। एक्टर ने घटना के बारे में बताया था कि घोड़े के मालिकों और टैक्सी ड्राइवरों के बीच बहस ने भयानक रूप ले लिया था। एक ड्राइवर ने नशे में धुत होकर झगड़ा करने लगा था। देखते ही देखते वहां की स्थिति नाजुक हो गई। हजारों की संख्या में भीड़ इकट्ठा हो गई थी। ऋषि कपूर ने बताया था कि स्थिति इतनी ज्यादा खराब हो गई थी कि भीड़ होटल पर पत्थर और आग के गोले फेंकने लगी थी। अफरा-तफरी मच गई थी। खराब स्थिति हो जाने की वजह से बाकी लोगों के उनके कमरे में भेज गिया गया था। उन्हें बिस्तर के नीचे छुपने के लिए कहा गया क्योंकि कोई नहीं जानता था कि क्या हालात होंगे। सभी के कमरे अंदर से बंद थे। लोगों ने होटल पर पत्थर फेंककर खिड़कियां तक तोड़ दी थी। होटल में आग लग गई थी।

सेना की लेनी पड़ी मदद

पहलगाम की इस घटना को लेकर ऋषि कपूर का आगे कहना था कि स्थिति इतनी खराब हो चुकी थी कि तत्कालीन मुख्यमंत्री शेख अब्दुल्ला को सेना की मदद लेनी पड़ी थी। सेना ने ही ऋषि कपूर और बाकी लोगों को वहां से निकाला था। गौरतलब है कि ऋषि से से जुड़ा ये किस्सा साल 1976 में रिलीज हुई फिल्म 'कभी-कभी' की शूटिंग के दौरान का था। इसमें ऋषि कपूर के अलावा अमिताभ बच्चन, राखी गुलजार, शशि कपूर और नीतू कपूर जैसे कलाकार थे। इसका डायरेक्शन यश चोपड़ा ने किया था।

गोपीचंद मालिनेनी का खुलासा, 'जाट' के लिए सनी देओल नहीं बल्कि तेलुगु हीरो बालकृष्ण थे पहली पसंद

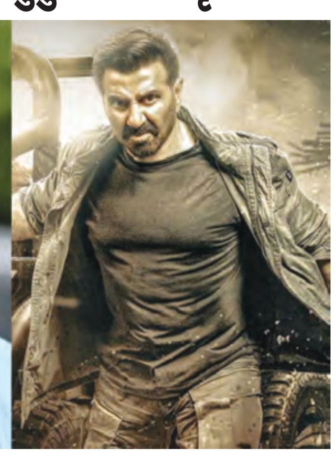

सनी देओल की फिल्म 'जाट' लगातार बॉक्स ऑफिस पर तगड़ी कमाई कर रही है। फिल्म को रिलीज हुए आज पूरे 20 दिन हो गए हैं। प्रशंसक फिल्म में सनी देओल की दमदार अभिनय की जमकर तारीफ कर रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ गोपीचंद का यह बयान सामने आया है कि वह इस फिल्म में पहले किसी साउथ के हीरो को लेना चाहते थे। जानिए कौन हैं 'जाट' फिल्म के लिए गोपीचंद की पहली पसंद।

'जाट' के लिए पहली पसंद नहीं थे सनी

फिल्म 'जाट' को लगातार बॉक्स ऑफिस पर अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। दर्शकों ने सनी देओल को एक फिर से एक्शन मोड में पेश करने के लिए निर्देशक गोपीचंद की भी तारीफ की है। 'गदर 2' की सफलता के बाद सनी ने अपने दमदार अभिनय और एक्शन से एक बार फिर दर्शकों का दिल जीता लिया है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि इस फिल्म के लिए सनी देओल निर्देशक की पहली पसंद नहीं थे?

कौन थे 'जाट' के लिए पहली पसंद

गोपीचंद मालिनेनी की पहली पसंद 'जाट' के लिए और कोई नहीं बल्कि टॉलीवुड अभिनेता बालकृष्ण थे। गोपीचंद 'जाट' को पहले बालकृष्ण के साथ बनाने की योजना बना रहे थे। 123 तेलुगु डॉट कॉम की एक खबर के मुताबिक, एक इंटरव्यू में निर्देशक गोपीचंद ने बताया, क्रैक के बाद मैंने जाट की कहानी बालकृष्ण को सुनाई और उन्हें पसंद भी आई। लेकिन अखंड की सफलता के बाद बालकृष्ण ने कहा कि दर्शकों की उम्मीदें बढ़ गई हैं और गुट की कहानी उनके लिए बेहतर होगी।₹ इस तरह वीरा सिम्हा रेड्डी बनी, जो भी हिट रही। हालांकि, कुछ प्रशंसकों का मानना है कि बालकृष्ण को 'जाट' चुननी चाहिए थी।

पानी वाले फलों के फायदे और नुकसान, सोच-समझकर करें सेवन

भीषण गर्मी और लू से बचने के लिए हाइड्रेटिंग फलों का सेवन बेहद लाभकारी होता है, लेकिन अगर ज्यादा ले रहे हों तो फिर डॉक्टर से पूछें। गर्मियों के दिनों में शरीर में पानी की कमी हो जाती है। तेज धूप की वजह से बार-बार प्यास लगती है, जिससे डिहाइड्रेशन होने के आसार बढ़ जाते हैं। ऐसे में हमारी कोशिश रहती है कि शरीर में पानी की कमी न हो। इसके लिए हम पानी वाले फल-सब्जियों का सेवन करते हैं, जैसे खीरा, तरबूज, संतरा, आम, अंगूर आदि। गर्मियों में पानी वाले ये फल-सब्जियां काफी लाभदायक होती हैं, लेकिन कुछ स्वास्थ्य समस्याओं में ये आपको नुकसान करती हैं। इसलिए इसका सेवन सोच-समझकर और कम मात्रा में करना ही बेहतर है।

किडनी की परेशानी

आपको इस भीषण गर्मी में ठंडक पहुंचाने और तरोताजा रहने में मदद करता है तरबूज। सेहत के खजाने से भरपूर इस तरबूज में फाइबर, पोटैशियम और वाटर कंटेंट उच्च मात्रा में पाया जाता है। एक कप तरबूज का सेवन करने से शरीर को लगभग तीन कप तरल पदार्थ प्राप्त होता है। लेकिन इसकी ज्यादा मात्रा किडनी की समस्या को बढ़ा सकती है। साथ ही गर्मियों के कुछ अन्य फलों के सेवन से भी बचना चाहिए, क्योंकि इन फलों में मौजूद तत्व किडनी की बीमारी को बढ़ा सकते हैं, जैसे संतरा, केला, खरबूजा और अंगूर। इन फलों में पोटेशियम की मात्रा अधिक होती है और किडनी की बीमारी के कारण इसकी कार्यक्षमता कम हो जाती है, जिससे मरीज को परेशानी होती है।

डायबिटीज में

डायबिटीज के मरीजों को समझ नहीं आता कि आखिर वे कौन से फलों का सेवन करें। इसलिए, कई बार वे अनजाने में ऐसे फल खा लेते हैं, जो उनके लिए काफी नुकसानदायक होते हैं, जैसे आम, केला, तरबूज, चीकू आदि। ये फल गर्मियों के मौसम में खूब मिलते हैं, लेकिन डायबिटीज के मरीजों के लिए ये बिल्कुल भी सेहतमंद नहीं होते। इनमें शुगर की मात्रा ज्यादा होती है, खासकर आम और चीकू में। इसलिए इनको खाने से बचना चाहिए। इन फलों में मौजूद नेचुरल शुगर डायबिटीज के मरीजों के लिए अच्छी नहीं होती है, इसलिए इन फलों के सेवन से बचना चाहिए और हाइड्रेट रहने के अन्य विकल्प खोजने चाहिए।

डायरिया की स्थिति में

डायरिया और दस्त होने की समस्या में भी आपको इस तरह के फलों से दूर रहना चाहिए। साथ ही इस मौसम में घर में काफी तरह के जूस बनते हैं, लेकिन जिन्हें डायरिया और दस्त की समस्या है, उन्हें इन का सेवन नहीं करना चाहिए, क्योंकि इनमें फ्रुक्टोज यानी नेचुरल शुगर होती है। तरबूज जैसे पानी से भरे फलों में विटामिन और मिनरल्स की उच्च मात्रा पाई जाती है, जिसके चलते डायरिया के मरीजों को इससे नुकसान हो सकता है। साथ ही इसमें मौजूद फ्रुक्टोज की मात्रा डायरिया की समस्या को गंभीर कर सकती है। इसके अलावा इन फलों में मौजूद वाटर कंटेंट की अधिकता के चलते बार-बार यूरिन पास करने की समस्या बढ़ने लगती है, जिससे फ्लूइड लॉस का सामना करना पड़ता है।

अति हमेशा नुकसानदायक

प्राकृतिक रोग चिकित्सक डॉ. रमाकांत द्विवेदी कहते हैं, हमें मौसम के अनुसार ही फलों का सेवन करना चाहिए, मगर अति किसी की भी हो, नुकसानदायक ही होती है। इसलिए ज्यादा देर हाइड्रेट रहने की सोच से कभी भी सीजनरी फलों का अधिक मात्रा में सेवन न करें, जो आपको नुकसान पहुंचाए। आप इन फलों का सेवन सही मात्रा में करें। गर्मियों के समय मिलने वाले हाइड्रेट फलों का अधिक सेवन आपकी किडनी पर जोर डालता है, जिससे किडनी को अपना काम करने में परेशानी होती है। इसके साथ ही जिन महिलाओं को डायबिटीज की समस्या है, उनके पेंक्रियाज प्रॉपर काम नहीं करते। ऐसे में फलों से शुगर बढ़ने की आशंका अधिक रहती है। इसके अलावा दस्त से पीड़ित महिलाओं को भी इससे परहेज करना चाहिए।

गर्मियों में बढ़ती है चक्कर-बेहोशी की समस्या, इससे बचने के उपाय

हीट स्ट्रोक के कारण होने वाली समस्या

हीट स्ट्रोक या गर्मी के कारण आने वाले चक्कर-बेहोशी की समस्या आमतौर पर तब होती है जब हमारे शरीर का तापमान कुछ प्रकार के बाहरी कारकों जैसे उच्च तापमान की प्रतिक्रिया में काफी बढ़ जाता है। अत्यधिक गर्मी के मौसम में बाहर रहने वाले, फील्ड में काम करने वाले या गर्मी के मौसम में बाहर खेलने-व्यायाम करने वाले लोगों में ये दिक्कत

क्यों होती है बेहोशी?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, गर्मी के दिनों में अधिक तापमान के संपर्क में आने के अलावा भी कुछ स्थितियां हैं जिनके कारण आपको चक्कर आने-थकान और बेहोशी की समस्या हो सकती है।

निर्जलीकरण यानी कि डिहाइड्रेशन इसका एक प्रमुख कारण है। शरीर से पसीने के रूप में पानी निकल जाने और उस अनुपात में पानी न पीने की स्थिति में डिहाइड्रेशन की समस्या हो सकती है जिसमें बेहोशी होना एक प्रमुख लक्षण है। इसके अलावा अचानक से ठंड से गर्म या गर्म से ठंडी जगहों में जाने से शरीर के तापमान में होने वाले बदलाव के कारण भी बेहोशी-चक्कर आने की दिक्कत हो सकती है।

गर्मियों में चक्कर आने से कैसे बचें?

डॉक्टर द्वारा दिए गए कुछ सुझावों का पालन करके गर्मियों में चक्कर आने-बेहोशी से बचा जा सकता है।

पर्याप्त मात्रा में पानी पीना सुनिश्चित करें। पानी से भरपूर फलों-सब्जियों का भी सेवन जरूर करें।

अत्यधिक चाय या कॉफी पीने से बचें। इनसे निर्जलीकरण का खतरा हो सकता है।

ओआरएस (ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्यूशन) लेते रहें। शरीर के तरल पदार्थों को जल्दी से पूरा करने में इससे मदद मिल सकती है।

गर्मियों में नारियल पानी और नींबू पानी जैसे पेय का सेवन जरूर करते रहें।

जितना संभव हो सके सूरज के संपर्क में आने से बचें, खासकर दोपहर के दौरान।

सूती, ढीले-ढाले और हल्के कपड़े पहनें।

बेहोशी होने पर क्या करें?

डॉक्टर बताते हैं, गर्मी के दिनों में बेहोशी-चक्कर आने का प्रमुख कारण शरीर की तापमान बहुत अधिक बढ़ जाना होता है। यदि कोई बेहोश हो जाए तो सबसे पहले शरीर के तापमान को नियंत्रित करने के लिए आवश्यक उपाय करें। डिहाइड्रेशन के खतरे को कम करने के लिए तरल पदार्थ-पानी पिलाएं। इन उपायों से भी राहत न मिले तो तुरंत किसी डॉक्टर की मदद लें। समय पर उपचार न मिलने की स्थिति में लक्षणों को बिगड़ने और गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा और अधिक हो सकता है।

गर्मियों में जिम से मिलेगी मुक्ति, बस ये फल खाएं

घर बैठे-बैठे घुल जाएगी पेट की जिद्दी चर्बी

गर्मियों में अगर आपको एक्सरसाइज करने का मन नहीं करता है, तो चिंता की कोई बात नहीं है। गर्मियों में वजन कम करने के लिए आप फाइबर से भरपूर फलों का सेवन कर सकते हैं, जो शरीर में पानी, विटामिन और मिनरल्स की कमी भी पूरी करते हैं। गर्मियों में मिलने वाले फल न सिर्फ स्वादिष्ट होते हैं, बल्कि इनमें भरपूर फाइबर होने की वजह से वजन घटाने में भी मदद मिलती है। फाइबर से भरपूर फल आपके पेट को ज्यादा देर तक भरा रखते हैं, जिससे बार-बार खाने की इच्छा कम होती है।

क्या अप जानते हैं कि ज्यादा वजन कम करने वाला फल कौन सा है, पतला होने के लिए कौन सा फल खाना चाहिए? न्यूट्रिशनिस्ट और डाइटीशियन शिखा अग्रवाल शर्मा आपको इसका जवाब दे रही हैं।।

वजन कम करेगा पपीता

पपीता फाइबर, विटामिन सी और पोटेशियम से भरपूर होता है, जो पाचन क्रिया को दुरुस्त रखने में मदद करता है और वजन कम करने में भी सहायक होता है। 100 ग्राम फाइबर में 2.6 ग्राम फाइबर होता है।

आम खाने से तेजी से कम होगा वजन

आम में भी फाइबर और विटामिन सी अच्छी मात्रा में पाए जाते हैं, जो वजन घटाने के लिए इसे एक पौष्टिक और फायदेमंद फल बनाते हैं। 100 ग्राम आम में लगभग 1.06 ग्राम फाइबर होता है।

संतरा कम कर देगा पेट की चर्बी

संतरे विटामिन सी और फाइबर से भरपूर होते हैं, जो पाचन क्रिया को नियमित रखने और पेट भरा हुआ महसूस कराने में मदद करते हैं। 100 ग्राम संतरे में 2.4 ग्राम फाइबर होता है।

मोटापे की काट है अनार

अनार में फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट्स की मात्रा अधिक होती है, जो वजन घटाने और सेहत को अच्छा रखने में मदद कर सकते हैं। 100 ग्राम अनार में 4 ग्राम फाइबर होता है।

एक्स्ट्रा चर्बी का दुश्मन है तरबूज

तरबूज में कैलोरी कम होती है, लेकिन फाइबर और पानी की मात्रा ज़्यादा होती है, इसलिए वजन कम करने के लिए यह बहुत अच्छा फल है। 100 ग्राम तरबूज खाने से आपको 0.4 ग्राम फाइबर मिलता है।

वजन कम करने के लिए खाएं नाशपाती

नाशपाती में फाइबर और विटामिन सी पाए जाते हैं, जो आपको भरा हुआ और संतुष्ट महसूस कराने में मदद करते हैं, साथ ही पाचन क्रिया को भी दुरुस्त रखते हैं। 100 ग्राम नाशपाती से आपको 2.72 ग्राम फाइबर मिल जाता है। इनके अलावा अमरूद, खरबूज, आड़ू और सेब जैसे फल भी फाइबर का बढ़िया स्रोत हैं।

गंगा और ब्रह्मपुत्र के धारीवाले कछुए अब विलुप्तप्राय

पिछले 50 सालों में इनकी आबादी में आई 80 फीसद से अधिक की कमी

कभी गंगा और ब्रह्मपुत्र नदियों में बड़ी संख्या में पाए जाने वाले 'बाटागुर धोंगोका' नामक कछुए अब काफी हद तक लुप्त हो चुके हैं। सरकारी खर्च पर किए गए एक अध्ययन में पता चला है कि आधी सदी में इनकी आबादी में 80 फीसद से अधिक की गिरावट आई है, जिसका मुख्य कारण ठिकानों का कम होना, अवैध व्यापार और प्रदूषण है । राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के समर्थन से किए गए इस अध्ययन से पता चला है कि बचे हुए कछुओं में आनुवंशिक विविधता बहुत कम है, जिससे इनके दीर्घकालिक अस्तित्व को लेकर चिंता उत्पन्न हो गई है।

विज्ञान पर आधारित संरक्षण प्रयासों की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित करते हुए, अध्ययन में दीर्घकालिक आनुवंशिक निगरानी, अवैध शिकार के खिलाफ सख्त

अवैध व्यापार और प्रदूषण रही है वजह

कार्रवाई और विशेष रूप से राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य में इन कछुओं के ठिकानों को बहाल करने का आह्वान किया गया है, जहां ये काफी अधिक संख्या में पाए जाते हैं। यह अभयारण्य राजस्थान, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के बिंदु स्थल के पास चंबल नदी पर स्थित है।

अध्ययन में कहा गया है, 'बाटागुर धोंगोका नामक इन कछुओं की आबादी में मछली पकड़ने के जाल में उलझने, नदी के प्रवाह की गतिशीलता, जल प्रदूषण और अवैध व्यापार के हानिकारक प्रभावों आदि के कारण काफी गिरावट आई है।' राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के समर्थन से इस अध्ययन का पता चला है।

भारतीय वन्यजीव संस्थान के शोधकर्ताओं ने दो कछुआ बचाव एवं पुनर्वास केंद्रों वाराणसी में टीआरआरसी और नरौरा में जीएआरआरसी - में रखे गए कछुओं के आनुवंशिक नमूनों का विश्लेषण किया । 'माइटरोकानड्रियल डीएनए' और 'माइक्रोसैटेलाइट मार्करों' का उपयोग करते हुए पिछले साल किए गए अध्ययन में पता चला कि जनसंख्या में आनुवंशिक विविधता का स्तर कम है और यह खतरे के कगार पर खड़ी किसी भी प्रजाति के लिए एक चेतावनी संकेत है।

इस प्रजाति के कछुओं की प्रभावी सुरक्षा व संरक्षण सुनिश्चित करने के लिए, सरकार ने इसे वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की अनुसूची- प्रथम में शामिल करके एक सक्रिय कदम उठाया। अधिनियम को 2022 में संशोधित किया गया था। इस अनुसूची के अंतर्गत आने वाली प्रजातियों को उच्चतम स्तर की सुरक्षा प्राप्त है।

घर पर बनाएं बाजार जैसी मैंगो आइसक्रीम

गर्मी का मौसम आते ही मौसमी फलों की बहार आ जाती है। इस मौसम में आम बिकना शुरु हो जाते हैं। आम अधिकतर लोगों को पसंद होते हैं, खासकर बच्चों को। गर्मी से राहत पाने के लिए बच्चे आम या आम से बनी डिश का स्वाद लेना पसंद करते हैं। इस मौसम में आइसक्रीम का सेवन भी बढ़ जाता है। गर्मी से राहत पाने के लिए लोग आइसक्रीम खाना पसंद करते हैं। बच्चे तो मैंगो फ्लेवर की आइसक्रीम की डिमांड करते हैं। हालांकि बाजार जैसी आइसक्रीम आप आसानी से घर पर बना सकते हैं और जब बच्चों का आइसक्रीम खाने का मन कर तो उन्हें चखने के लिए भी दे सकते हैं। आइए जानते हैं कि घर पर मैंगो आइसक्रीम कैसे बनाई जा सकती है। मैंगो आइसक्रीम की सामग्री और विधि नोट कर लें।

मैंगो आइसक्रीम की सामग्री

दो बड़े पके हुए मीठे आम

एक कप कंडेंस्ड मिल्क

एक कप फुल क्रीम

दो से तीन चम्मच चीनी

आधा छोटा चम्मच इलायची पाउडर

दो चम्मच कटे हुए सूखे मेवे

नोट- मेवे और इलायची पाउडर वैकल्पिक है। आप चाहें तो इसे आइसक्रीम में डाल सकते हैं।

मैंगो आइसक्रीम बनाने की विधि

पके हुए आमों को छीलकर गूदा निकाल लें। अब मिक्सर में आम के गूदे और चीनी को डालकर स्मूद पेस्ट बना लें। ध्यान रखें कि अगर आम मीठा हो तो चीनी कम मिलाएं।

एक बड़े बाउल में ठंडी फुल क्रीम लेकर हल्का सा फेंट लें ताकि वह थोड़ी फ्लफी हो जाएं। इसे बहुत ज्यादा नहीं फेंटना होता है।

फेंटी हुई क्रीम में आम का गूदा, कंडेंस्ड मिल्क और इलायची पाउडर डालकर धीरे-धीरे मिलाएं। चाहें तो इसमें कटे हुए सूखे मेवे भी मिला सकते हैं।

अगर आपके पास कंडेंस्ड मिल्क नहीं है तो तीन चौथाई कप दूध में आधा कप चीनी डालकर सकते हैं। अब इस मिश्रण को एक एयरटाइट कंटेनर या स्टील के डब्बे में डालकर ढक्कन लगाएं। लगभग सात से आठ घंटे या रात भर फ्रीजर में रखें।

रातभर में आइसक्रीम अच्छी तरह सेट हो जाएगी। बाद में स्कूप से आइसक्रीम निकालकर सर्व करें। ऊपर से कटे आम, सूखे मेवे या चॉकलेट चिप्स से गार्निश कर सकते हैं।

स्कूल के बाद बढ़ गई है जॉब की टेंशन? इन शॉर्ट टर्म कोर्स से मिल सकती है अच्छी नौकरी

12वीं बोर्ड एग्जाम के बाद से छात्रों को रिजल्ट का बेसब्री से इंतजार था। अब, यूपी, बिहार, झारखंड, हरियाणा समेत कई राज्यों के रिजल्ट धीरे-धीरे जारी किए जा रहे हैं। नतीजे के बाद छात्रों के मन में अब आगे की पढ़ाई और करियर से संबंधित चिंताएं होने लगती है। ऐसे में, आप फुल डिग्री कोर्स की जगह शॉर्ट टर्म कोर्स को चुन कर भी आगे बढ़ सकते हैं।

शॉर्ट टर्म कोर्स कई तरह के होते हैं। ये 2 महीने से लेकर 2 साल तक के हो सकते हैं। अमूमन ये कोर्स फुल डिग्री की तुलना में कम खर्चीले होते हैं। इन कोर्स को करके कैंडिडेट प्राइवेट क्षेत्र में अपना अच्छा करियर बना सकते हैं। इन शॉर्ट टर्म कोर्स की खास बात यह है कि आप इसे रेगुलर कोर्स के साथ-साथ भी कर सकते हैं। तो चलिए आज हम आपको इसी के बारे में विस्तार से बताते हैं।

डिजिटल मार्केटिंग का करें कोर्स

आज के समय में डिजिटल मार्केटिंग की डिमांड बढ़ रही है। आप इस फील्ड में करियर बनाने के लिए इससे जुड़े सर्टिफिकेट या डिप्लोमा कोर्स कर सकते हैं। हालांकि, इसके लिए फुल टाइम कोर्स में एमबीए करने का ऑप्शन भी मौजूद है। जानकारी के लिए आपको बता दें कि डिजिटल मार्केटिंग कोर्स ऑनलाइन या ऑफलाइन मोड में 6 महीने से लेकर 1 साल तक का कोर्स कर सकते हैं। इस कोर्स के बाद आप खुद का बिजनेस भी शुरू कर सकते हैं या फिर किसी प्राइवेट कंपनी में अच्छी नौकरी भी कर सकते हैं।

योगा में भी बना सकते हैं करियर

12वीं के बाद योगा इंस्ट्रक्टर बनने का ऑप्शन भी काफी अच्छा है। कई ऐसे इंस्टीट्यूट हैं जो योगा में कोर्सेज कराते हैं। यहां तक कि भारत सरकार का आयुष मंत्रालय भी योग शिक्षकों के प्रशिक्षण और प्रमाणन के लिए कई कार्यक्रम पेश करता है। इन पाठ्यक्रमों को सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त हैं। ये कंप्लीट करने के बाद आपको एक सर्टिफिकेट मिलता है। इस सर्टिफिकेट को पाकर आप स्कूल में योगा टीचर के लिए अप्लाई कर सकते हैं।

1 साल का वेब डिजाइनिंग कोर्स भी है बेस्ट

12वीं के बाद करियर को लेकर अगर मन में कई सारे सवाल आ रहे हैं, तो उन स्टूडेंट्स के लिए वेब डिजाइनिंग का सर्टिफिकेट या डिप्लोमा कोर्स भी अच्छा ऑप्शन है। इस कोर्स की अवधि कुछ महीनों से लेकर 1 साल तक की भी हो सकती है। मार्केट में वेब डिजाइनरों की मांग लगातार बढ़ रही है।

डिजिटल दौर में इसकी डिमांड और आगे बढ़ सकती है। ऐसे में, आप अगर इंटरेस्टेड हैं, तो इस कोर्स का चुनाव कर सकते हैं। जानकारी के लिए बता दें, एक वेब डिजाइनर का काम वेबसाइट को यूजर फ्रेंडली बनाना होता है। यह कोर्स करने के बाद आप प्राइवेट सेक्टर में नौकरी कर सकते हैं या फिर फ्रीलांसिंग करके भी लाखों की कमाई कर सकते हैं।

शिलाजीत छोड़िए देख लीजिए केसर का दाम

5 लाख रुपए किलो के पार पहुंची कीमतें

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव का असर केसर की कीमतों पर पड़ना शुरू हो गया है। बीते कुछ दिनों में ही हाई क्वालिटी की केसर की कीमत 10 प्रतिशत तक बढ़कर 5 लाख रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई है। आपको बता दें भारत के कश्मीर में भी केसर का उत्पादन होता है, लेकिन ये खपत से कई गुना कम है। इसलिए भारत अफगानिस्तान और ईरान से केसर की आपूर्ति करता है जो कि फिलहाल भारत-पाकिस्तान तनाव के चलते वाघा बॉर्डर बंद होने की वजह से भारत नहीं पहुंच पा रही।

सोने से सस्ती, शिलाजीत से महंगी

भारत में केसर की कीमत कुछ दिनों पहले तक 4.25 लाख रुपए से 4.50 लाख रुपए प्रति किलो के आसपास थी, लेकिन अफगानिस्तान और ईरान से केसर की सप्लाई नहीं होने की वजह से केसर की कीमत 5 लाख रुपए प्रति किलो तक पहुंच गई है, जो कि 50 ग्राम सोने की कीमत के बराबर है। आपको बता दें भारत में फिलहाल 10 ग्राम सोने की कीमत 99, 194 रुपए है। दूसरी और शिलाजीत की बात करें तो इसकी कीमत फिलहाल 450 रुपए प्रति 10 ग्राम के आसपास है और 1 किलो शिलाजीत की कीमत 4.50 लाख रुपए के आसपास है जो केसर से सस्ती है।

भारत में केसर की इतनी है खपत

चेन्नई के बेल सैफ्रॉन के को-फाउंडर नीलेश मेहता के अनुसार पहलगाम अटैक के बाद ईरानी केसर की कीमत 5 फीसदी तक बढ़ गई है, जो पहले 4.5 लाख रुपए प्रति किलो मिलती थी, अब 5 लाख रुपए प्रति किलो तक पहुंच गई है। उनके अनुसार ईरानी केसर भारत के कश्मीर में पैदा होने वाली केसर से सस्ती है। साथ ही उन्होंने बताया कि भारत में कुल केसर की खपत 55 टन तक है, लेकिन कश्मीर में केवल 5 से 7 टन ही केसर का उत्पादन होता है। इस वजह से भारत को अफगानिस्तान और ईरान से केसर की पूर्ति करनी पड़ती है।

कहां यूज होती है केसर

आमतौर पर केसर को उपयोग मिठाई और पकवान बनाने में होता है। इस वजह से शादी-ब्याह के सीजन में केसर की डिमांड बढ़ जाती है। जम्मू-कश्मीर के कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक (विस्तार) सरताज अहमद शाह के अनुसार केसर के 160 से 170 फूलों में से केवल 10 ग्राम केसर ही प्राप्त होती है।

डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा, भारत के साथ अच्छी चल रही है बातचीत

ऑटो कंपनियों को मिल सकती है छूट

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने मंगलवार को दावा किया कि भारत के साथ टैरिफ को लेकर बातचीत काफी अच्छी चल रही है और बेहद अच्छी तरह से आगे बढ़ रही है। ट्रंप ने जल्द ही दोनों देशों के बीच समझौते होने की उम्मीद जताई है। ट्रंप ने यह बयान मिशिगन में होने वाली एक रैली से पहले दिया था। वहीं, घरेलू निर्माण पर मंडराते हुए खतरे को देखते हुए ट्रंप ऑटोमोबाइल और इसके कलपुर्जे के निर्माताओं के इंपोर्ट टैक्स में 25 प्रतिशत टैरिफ में से कुछ छूट दे सकते हैं। इसके कारण भारतीय ऑटो कंपनियों को बड़ी राहत मिल गई है। दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ऑटो कंपनी और वाहन कलपुर्जों पर लगाए गए 25 प्रतिशत टैरिफ में कुछ को कम करने के लिए एक कार्यकारी आदेश पर साइन किए हैं।बता दें, ये एक महत्वपूर्ण उलटफेर है, क्योंकि आयात पर टैक्स से भारतीय ऑटो कंपनियों को नुकसान होने का खतरा था।

भारत-अमेरिका ट्रेड-डील

इसपर अमेरिका के ट्रेजरी सेक्रेटरी ने कहा कि भारत के साथ ट्रेड डील को लेकर बातचीत सही दिशा में आगे बढ़ रही है। उन्होंने यह भी संकेत दिया है कि भारत उन पहले देशों में शामिल हो सकती है, जो अमेरिका के साथ ट्रेड डील पर साइन कर सकता है। इसपर ऑटो निर्माताओ का कहना था कि हमने इशारा किया था कि इन टैरिफ से वैश्विक मार्केट की तुलना में अमेरिका में दाम बढ़ सकते हैं, तो बिक्री घट सकती है और अमेरिका का प्रोडक्शन कम हो सकता है।मीडिया रिपोट्र्स के मुताबिक, मार्केट एक्सपर्ट का कहना है कि ट्रंप के इस फैसले से भारतीय ऑटो कंपनियों और ऑटो पाट्र्स बनाने वाली कंपनियों को बड़ी राहत मिली है।

मई में 12 दिनों तक बंद रहेंगे बैंक जल्द से जल्द निपटा लें अपने काम

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। मई के महीने में भले ही कोई बड़ा त्योहार ना हो, लेकिन इस महीने में भी 12 दिनों का बैंक अवकाश होगा। वास्तव में देश में बैंकों का अवकाश राज्य में राज्य में अलग-अलग होते हैं। ये तमाम अवकाश नेशनल, रीजनल और धार्मिक उत्सवों के आधार पर निर्धारित किए जाते हैं। वैसे मई के महीने में अलग-अलग राज्यों में 6 अवकाश हैं, उसी के साथ महीने के 4 रविवार और दूसरे और चौथे शनिवार को भी बैंकों में अवकाश रहेगा। मई के महीने में एक मई को लेबर डे है। जब पूरे देश में बैंकों का अवकाश रहेगा। वहीं 12 मई को बुद्ध पूर्णिमा के मौके पर भी पूरे देश में बैंकों का अवकाश रहने वाला है। यहां बैंक अवकाशों की विस्तृत राज्यवार सूची दी गई है, जो व्यक्तियों और व्यवसायों को अपने फाइनेंशियल ट्रांजेक्शन की प्लानिंग बनाने में मदद करेगी। कस्टमर्स बैंक अवकाश के दिनों में भी बैंकिंग सेवाओं का लाभ उठाने के लिए देश भर में ऑनलाइन बैंकिंग सेवाओं का उपयोग कर सकते हैं। ग्राहक सुविधाजनक वित्तीय लेनदेन के लिए इन सेवाओं का उपयोग कर सकते हैं।

अक्षय तृतीया पर सोने और चांदी के दाम में गिरावट

सोना 322 गिरकर 95,689 पर आया, चांदी 96,050 किलो बिक रही

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। आज यानी 30 अप्रैल को अक्षय तृतीया पर सोने और चांदी में गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 322 गिरकर 95,689 पर आ गया है। इससे पहले 10 ग्राम सोने की कीमत 96,011 थी। वहीं, एक किलो चांदी की कीमत आज 1,340 कम होकर 96,050 प्रति किलो हो गई है। इससे पहले चांदी का भाव 97,390 प्रति किलो था। वहीं सोने ने 21 अप्रैल को 99,100 का और 28 मार्च को चांदी ने 1,00,934 का ऑल टाइम हाई बनाया था।

महानगरों में सोने की कीमत

दिल्लीः 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 89,900 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 98,040 रुपए है।

मुंबईः 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 89,750 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 97,910 रुपए है।

कोलकाताः 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 89,750 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 97,910 रुपए है।

चेन्नईः 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 89,750 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 97,910 रुपए है।

भोपालः 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 89,800 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 97,940 रुपए है।

हैदराबाद : सोने(गोल्ड) का रेट 24 कैरेट के लिए 97,910 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट के लिए 89,750 रुपये है।

अक्षय तृतीया पर सोना खरीदना शुभ

आज अक्षय तृतीया मनाई जा रही है। इस दिन हमारे देश में सोना खरीदना शुभ माना जाता है। ऐसे में लोग इस दिन सोने की खरीदारी करते हैं। कई लोग इस सोच के साथ सोना खरीदते हैं कि बुरे वक्त में वे इसका इस्तेमाल कर सकेंगे।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति

ग्रह	राशि
सूर्य-	मेष मे
चंद्र-	मिथुन मे
मंगल	कर्क मे
बुध-	मीन मे
गुरु-	वृष मे
शुक्र-	मीन मे
शनि-	मीन मे
राहु-	मीन मे
केतु-	कन्या मे

लग्नारंभ समय

लग्न	समय
मेष---	04-56 बजे
वृष---	06-40 बजे
मिथुन..	08-41 बजे
कर्क---	10-53 बजे
सिंह---	13-05 बजे
कन्या--	15-12 बजे
तुला----	17-17 बजे
वृश्चिक--	19-28 बजे
धनु......	21-41 बजे
मकर...	23-47 बजे
कुंभ....	01-37 बजे
मीन....	03-16 बजे

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2082**
शक संवत् **-1947,**सूर्य उत्तरायणे,ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् **-2551**
कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426874**
सूर्योदय - 05-54
सूर्यास्त - 18-32
कलियुग संवत् **-5126** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949126**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885126**
दिशाशूल - दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
तिथि- चतुर्थी **11-24** तक उपरान्त पंचमी
मास - वैशाख शुक्ल , गुरुवार **01 May**
नक्षत्र - मृगशिरा **14-20** तक उपरान्त आर्द्रा
योग - अतिगण्ड **08-34** तक उप सुकर्मा
करण- विष्टी (भद्रा) **11-24** तक उप बव
विशेष:- भद्राकाल - **11-24** तक
व्रत -त्योहार - अगस्त्य अस्त

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 13:49 से 15:24 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	05:54 - 07:27	शुभ	अमृत	18:32 - 19:59	शुभ
रोग	07:27 - 09:02	अशुभ	चंचल	19:59 - 21:24	शुभ
उत्पात	09:02 - 10:38	अशुभ	रोग	21:24 - 22:49	अशुभ
चंचल	10:38 - 12:13	शुभ	काल	22:49 - 00:13	अशुभ
लाभ	12:13 - 13:49	शुभ	लाभ	00:13 - 01:37	शुभ
अमृत	13:49 - 15:24	शुभ	उत्पात	01:37 - 03:02	अशुभ
काल	15:24 - 16:59	अशुभ	शुभ	03:02 - 04:26	शुभ
शुभ	16:59 - 18:32	शुभ	अमृत	04:26 - 05:54	शुभ

1 मई से बदल जाएंगे ये 5 नियम, सीधे आपकी जेब पर होगा असर

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। 1 मई से कई बड़े बदलाव होने जा रहे हैं, जिसका असर सीधे आपकी जेब पर पड़ेगा. इसमें बैंक अकाउंट से लेकर एटीएम ट्रांजेक्शन और रसोई गैस की कीमत जुड़ी है. इसलिए जरूरी है कि आप इन नए नियम के बारे में पहले से जान लें, ताकि बाद में आपको किसी परेशानी का सामना न करना पड़े. ये बदलाव सीधे तौर पर आपके ट्रांजेक्शन और सर्विस पर असर डालेंगे. जैसे एटीएम से पैसे निकालने की सीमा, बैंक चार्ज और गैस सिलेंडर की कीमतों में बदलाव. चलिए आपको इन बदलाव के बारे में विस्तार से बताते हैं.

एटीएम से पैसे निकालना होगा महंगा

1 मई 2025 से एटीएम से पैसे निकालने पर फ्री ट्रांजेक्शन की लिमिट खत्म हो जाएगी. अब हर बार आपको एटीएम से पैसे निकालने के लिए 19 रुपए चुकाने होंगे. वहीं पहले ये फीस 17 रुपए थी. इसके अलावा, अगर आप बैलेंस चेक करते हैं तो इसके लिए भी आपको 7 रुपए फीस चुकानी होगी हालांकि पहले फीस 6 रुपए थी.

रेलवे टिकट बुकिंग में बदलाव

1 मई 2025 से रेलवे टिकट बुकिंग के नियमों में कुछ बदलाव होंगे. यात्रा करने वालों को नई व्यवस्था के हिसाब से तैयारी करनी होगी. अब से वेटिंग टिकट सिर्फ जनरल कोच में ही मान्य होगा. आप स्लीपर कोच में वेटिंग टिकट को लेकर यात्रा नहीं कर सकते हैं.

आरआरबी योजना लागू की जाएगी

1 मई 2025 से देश के 11 राज्यों में एक राज्य एक आरआरबी योजना लागू की जाएगी . इस

मतलब यह हुआ कि हर राज्य में सभी क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों को एक साथ जोड़कर एक बड़ा बैंक बनाया जाएगा. इससे बैंकिंग सेवाएं और भी बेहतर होंगी और ग्राहकों को पहले से और अधिक सुविधा भी मिलेगी. यह बदलाव यूपी, आंध्र प्रदेश,पश्चिम बंगाल, बिहार, गुजरात , जम्मू-कश्मीर, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, राजस्थान में लागू किया जाएगा.

एलपीजी सिलेंडर की कीमत में बदलाव

हर महीने की पहली तारीख को एलपीजी सिलेंडर की कीमतों की समीक्षा की जाती है. इस बार भी 1 मई को गैस सिलेंडर के दाम पर समीक्षा की जाएगी. ये कीमत सीधा आपके जेब पर असर डालेगी.

एफडी और सेविंग अकाउंट की ब्याज दरों में बदलाव

आपको 1 मई के एफडी और सेविंग अकाउंट की ब्याज दरों में भी बदलाव देखने को मिल सकता है. आरबीआई के दो बार रेपो रेट घटाने के बाद से ज्यादातर बैंकों ने सेविंग अकाउंट और एफडी पर ब्याज दरों को घटाया है.

कल से बंद हो जाएंगे ये 15 बैंक! आपके पैसों का क्या होगा?

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। अगर आपका भी बैंक अकाउंट किसी गांव के बैंक में है तो यह खबर आपके काम की है। क्योंकि 1 मई से देश में कई ग्रामीण बैंक बंद हो रहे हैं। बता दें, केंद्र सरकार की एक राज्य, एक ग्रामीण बैंक नीति के तहत इन बैंकों को दूसरे बैंकों में विलय हो जाएगा। इसके कारण देश में ग्रामीण बैंकों की संख्या 43 से घटकर 28 रह जाएगी। सरकार के इस फैसले को लेने के पीछे का कारण यह है कि बैंकिंग सेवाओं में मजबूती मिले और वो अधिक प्रभावी बने।

कल से बंद हो जाएंगे ये 15 बैंक

बता दें, सरकार के इस फैसले का असर आपको 11 राज्यों में देखने को मिलेगा। जिसमें आंध्र प्रदेश, यूपी, पश्चिम बंगाल, बिहार, गुजरात, जम्मू-कश्मीर, कर्नाटक और मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा और राजस्थान शामिल है। इन राज्यों में जितने भी ग्रामीण बैंक हैं उनका विलय करके उस राज्य में एक ग्रामीण बैंक बनाया जाएगा।

क्या कुछ बदलेगा

इस फैसले के बाद से ग्राहकों को पहले से और भी बेहतर सुविधाएं मिलेगी। इससे डिजिटल और कस्टमर सर्विस इंफ्रास्ट्रक्चर भी काफी मजबूत होगा और बैंक ब्रांच की संख्या में भी कमी नहीं आएगी। अगर आपका भी अकाउंट इन बैंक में है तो आपको फर्क नहीं पड़ेगा सिर्फ और सिर्फ बैंक का नाम बदलेगा। अकाउंट, लोन और अन्य तरह की सेवाएं पहले की तरह की जारी रखी जाएगी। वहीं इस बदलाव के बाद बैंक अपने कस्टमर को मैसेज के जरिए बताएगा कि नया अकाउंट नंबर क्या है। इसके अलावा उनका नया चेक बुक और पासबुक भी मिलेगा।

बैंकों की लिस्ट

चैतन्य गोदावरी ग्रामीण बैंक, आंध्र प्रगति ग्रामीण बैंक, सप्तगिरी ग्रामीण बैंक आंध्र प्रदेश ग्रामीण विकास बैंक- आंध्र प्रदेश में है। उत्तर प्रदेश में बड़ौदा यूपी बैंक आर्यावर्त बैंक, प्रथम यूपी ग्रामीण बैंक। पश्चिम बंगाल में बंगिया ग्रामीण विकास बैंक,पश्चिम बंगाल ग्रामीण बैंक, उत्तर बंगाल आरआरबी है। बिहार में दक्षिण बिहार ग्रामीण बैंक, उत्तर बिहार ग्रामीण बैंक है। गुजरात में बड़ौदा गुजरात ग्रामीण बैंक, सौराष्ट्र ग्रामीण बैंक है। जम्मू-कश्मीर में जे एंड के ग्रामीण बैंक, इलाकाई रूरल बैंक है। इसके साथ ही कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, राजस्थान भी इसमें शामिल है।

आयकर विभाग ने वर्ष 2025-26 के लिए फॉर्म 1 और 4 अधिसूचित किया, ये लोग दाखिल कर सकेंगे आईटीआर

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। आयकर विभाग ने आकलन वर्ष 2025-26 के लिए आईटीआर फॉर्म 1 और 4 को अधिसूचित कर दिया है। इसे सालाना 50 लाख रुपये तक की कुल आय वाले व्यक्तियों और संस्थाओं की ओर से दाखिल किया जाना है।एक वित्त वर्ष में 1.25 लाख रुपये तक का दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ अर्जित करने वाले व्यक्ति भी अब आईटीआर-1 दाखिल कर सकेंगे। पहले ऐसे व्यक्तियों को आईटीआर-2 दाखिल करना होता था। सहज फॉर्म को भारत में रहने वाले किसी भी एकल व्यक्ति की ओर से दाखिल किया जा सकता है, जिसकी वार्षिक आय 50 लाख रुपये तक हो। उसकी आय वेतन, एक मकान, अन्य स्रोतों (ब्याज) और कृषि आय से 5,000 रुपये प्रति वर्ष तक की हो सकती है। सुगम को ऐसे व्यक्तियों, हिंदू अविभाजित परिवारों (एचयूएफ) और फर्मों (सीमित देयता भागीदारी (एलएलपी) के अलावा) की दायर किया जा सकता है, जिनकी कुल वार्षिक आय 50 लाख रुपये तक है और व्यवसाय और पेशे से आय होती है। आईटीआर-2 उन व्यक्तियों और एचयूएफ द्वारा दाखिल किया जाता है जिनकी व्यवसाय या पेशे से लाभ या प्राप्ति से कोई आय नहीं होती है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने आकलन वर्ष 2025-26 के लिए आयकर रिटर्न (आईटीआर) फॉर्म में महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं, जिससे विशेष रूप से इक्विटी शेयरों और म्यूचुअल फंडों से दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ (एलटीसीजी) वाले वेतनभोगी करदाताओं को लाभ होगा। कर व परामर्श फर्म एकेएम ग्लोबल के पार्टनर-टैक्स संदीप सहगल ने कहा, नए बदलावों के साथ अब लोग सरल आईटीआर-1 (सहज) या आईटीआर-4 (सुगम) फॉर्म का उपयोग कर सकते हैं, यदि धारा 112ए के तहत उनका एलटीसीजी 1.25 लाख रुपये से अधिक नहीं है और उनके पास कैरी करने या सेट ऑफ करने के लिए कोई पूंजीगत घाटा नहीं है।

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आज आप किसी के अहसान का बदला उतारने की दिशा में पहला कदम उठाएंगे । यह कदम मानसिक ,वित्तीय या आध्यात्मिक हो सकता है लेकिन इसका अर्थ यह नही है कि आप आज अपने सारे अहसान उतार पायेंगे लेकिन आपको कम से कम यह संतुष्टि जरूर होगी कि आप ऐसा करने की दिशा में कदम तो उठा रहे हैं । इससे आपको बहुत अच्छा लगेगा ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आज आपमें कुछ करने और दूसरों को प्रभावित करने की इच्छा बनी रहेगी । आप मजबूत और पक्के फैसले ले पायेंगे और ऐसा करना का आपका समय बिलकुल ठीक होगा । आप अपने पुराने कर्ज और अहसानों से भी मुक्त हो पायेंगे । आप अपनी शीघ्र विचार की क्षमता के कारण किसी की जरुरत के समय मदद कर पायेंगे ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
खुशियाँ मनाने का समय है । आपके किसी करीबी की शादी है । इस जोड़े को आपसे बहुत शुभकामनाएँ मिलेंगी । अगर किसी से प्यार करते हैं तो उससे शादी के बारे में सोच सकते हैं । जो पहले से शादीशुदा हैं,उनके लिए पार्टी में मजे करने का समय है । आज आपके मन में आयेगा कि मैं अपना खाना पूरी तरह बदल दूं ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
अपने प्रति ईमानदार रहें क्योकि इसी से आप हरेक स्थिति में खुश रह पायेंगे । केवल दूसरों की परवाह करने के लिए अपनी इच्छाओं का बलिदान न करें ,जो आपको भी अच्छा लगे,वही करें । आपको यह सोचने में कुछ समस्या हो सकती है कि कहां से शुरू करूं,इसलिए सारे पहलू देखकर अपनी प्राथमिकताएं तय कर लें ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आज आप अपने संपर्क में आने वाले हर व्यक्ति के साथ प्रेमपूर्ण व्यवहार करेंगे। कोई आपकी उदारता से प्रभावित होकर दिन के अंत तक आपसे अपनी भावना का इजहार कर सकता है हालाँकि अभी भी आपके मन में कडवे अनुभव भरे हुए हैं । लेकिन अब समय आ गया है की आप सारी नकारात्मकता को दूर करके एक नयी शुरुआत करें ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आज आप बहुत साहसिक अनुभव कर रहे हैं और अपना रास्ता खुद बनाने के लिए तैयार हैं । आप अपनी इच्छाशक्ति से सब मुश्किलों पर विजय प्राप्त कर लेंगे । आज आपकी तरक्की को कोई नही रोक सकता । इसीलिए अपने सभी मुश्किल काम आज करले।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
भौतिक सुविधाओं की ओर ध्यान देने के लिए यह काफी अच्छा समय है । अपने सामाजिक जीवन का आनंद उठायें और ऐसे दोस्तों और परिचितों से भी बात करें जिनके सम्पर्क में आप लम्बे समय से नही रहे हैं । आज अपने जाग्रति स्तर में भी बदलाव महसूस करेंगे,जो आपको अचानक ही अनुभव होगा । इस समय अपने मन की बात सुनना ही उचित होगा ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आज किसी अनियोजित रोमांचक यात्रा पर जाने की सम्भावना है । हो सकता है कि शहर में ही घूमना चाहें,लेकिन आपका विचार खूब मजे करने का है और ऐसा ही होगा भी । आप किसी करीबी के साथ हुए गिले-शिकवे दूर कर सकते हैं । आपको पहले ही ऐसा करना चाहिए था,परन्तु आज सामने आने पर सब बातें साफ़ हो जायेंगी ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
गृहों की स्थिति आपको आज बहुत अधिक सामाजिक होने को कह रही है । आप दूसरों से बातचीत के माध्यम से अपनी जीवनशैली और करियर में बदलाव लाना चाहते हैं । जो कुछ आपने सोचा है .वो सब करने की कोशिश करें । आप जो भी करना चाहते हैं,उसपर अच्छे से ध्यान केन्द्रित क्र सकते हैं ,बस इतना ध्यान रखें कि अपनी क्षमता से अधिक जिम्मेदारी न लें ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आपको कुछ घटनाओं की तह तक जाना पड़ेगा । वर्तमान की कुछ घटनाओं के लिए वही पुराने कारण जिम्मेदार हैं । इससे आपकी इज्जत को काफी ठेस पहुंची है । आपको काफी आरक्षित और सावधान रहने की जरूरत है क्योकि कुछ लोग आपके रास्ते में बाधा बनने की कोशिश कर सकते हैं ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आज आप एडजस्ट करने के मूड में रहेंगे । आपकी लोगों से मिलकर और बातचीत के जरिये किसी समझौते पर पहुचने की कोशिश से आप सबको बहुत अच्छे लगेंगे । आप तुरंत किसी भी समस्या का समाधान निकाल लेंगे । आप इस बात का भी ध्यान रखते हैं कि किस तरह आपके आसपास और खुद को भी खूबसूरत बनाकर रखा जाए और सारे कार्यक्रम तय योजना के अनुसार अच्छे से पूरा हो जाए ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
इस बात की सम्भावना है कि कोई आपके आसपास आपके विचार चुराकर आने करियर में प्रगति करना चाहता है । इसीलिए किसी से बात करते हुए सावधान रहें । आपको इस समय बड़ी गंभीरता से अपने हित के बारे में सोचना है । अपने लम्बे सहकर्मी रह चुके लोगों के साथ भी अपनी जानकारियां साझी न करें ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

खुदरा महंगाई दर मार्च में घटकर 3.73% पर आ गई क्या कहते हैं आंकड़े

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। कृषि श्रमिकों के लिए खुदरा महंगाई दर मार्च 2025 में घटकर 3.73 प्रतिशत हो गई। फरवरी में यह 4.05 प्रतिशत थी। बुधवार को जारी नवीनतम आंकड़ों में इसकी पुष्टि की गई। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, ग्रामीण श्रमिकों के लिए खुदरा मुद्रास्फीति मार्च 2025 में घटकर 3.86 प्रतिशत हो गई। फरवरी में यह आंकड़ा 4.10 प्रतिशत था। श्रम मंत्रालय के एक बयान में कहा गया है कि कृषि मजदूरों (सीपीआई-एएल) और ग्रामीण मजदूरों (सीपीआई-आरएल) के लिए अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक मार्च 2025 के महीने के लिए 3 अंक और 2 अंक घटकर क्रमशः 1,306 और 1,319 अंक पर पहुंच गया। फरवरी 2025 में सीपीआई-एएल और सीपीआई-आरएल क्रमशः 1,309 अंक और 1,321 अंक पर थे। आंकड़ों के अनुसार, मार्च 2025 के लिए सीपीआई-एएल और सीपीआई-आरएल पर आधारित सालाना मुद्रास्फीति दर क्रमशः 3.73 प्रतिशत और 3.86 प्रतिशत दर्ज की गई।

मार्च 2024 में यह 7.15 प्रतिशत और 7.08 प्रतिशत थी। फरवरी 2025 के लिए इसी आंकड़े सीपीआई-एएल के लिए 4.05 प्रतिशत और सीपीआई-आरएल के लिए 4.10 प्रतिशत थे।

उतार-चढ़ाव के बाद शेयर बाजार में सपाट क्लोजिंग; सेंसेक्स 46 अंक टूटा, निफ्टी स्थिर

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। भू-राजनीतिक तनाव को लेकर बढ़ती चिंता और बजाज समूह की कंपनियों में बिकवाली के बीच दो दिनों की तेजी के बाद बुधवार को शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी सपाट बंद हुए। विदेशी फंड के निरंतर प्रवाह के कारण बाजार बड़ी गिरावट से बच गया। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 46.14 अंक या 0.06 प्रतिशत गिरकर 80,242.24 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 646.46 अंक के उतार-चढ़ाव के साथ 80,525.61 अंक के सर्वोच्च स्तर और 79,879.15 अंक के न्यूनतम स्तर पर पहुंचा। एनएसई निफ्टी 1.75 अंक या 0.01 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 24,334.20 पर बंद हुआ।सेंसेक्स की कंपनियों में बजाज फिनसर्व में 5 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई। बजाज फाइनेंस में भी लगभग 5 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। बजाज फिनसर्व लिमिटेड (बीएफएल) ने मंगलवार को बताया कि मार्च 2025 को समाप्त चौथी तिमाही में अपना समेकित शुद्ध लाभ 14 प्रतिशत बढ़कर 2,417 करोड़ रुपये होने की जानकारी दी है। दूसरी ओर, एनबीएफसी कंपनी बजाज फाइनेंस ने मंगलवार को बताया कि मार्च 2025 तिमाही में उसका एकल शुद्ध लाभ 16 प्रतिशत बढ़कर 3,940 करोड़ रुपये हो गया। 30 शेयरों वाले सेंसेक्स में टाटा मोटर्स, भारतीय स्टेट बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, टाटा स्टील और एशियन पेंट्स के शेयरों में गिरावट दर्ज की गई। वहीं, मारुति, भारती एयरटेल, पावर ग्रिड, हिंदुस्तान यूनिलीवर और एचडीएफसी बैंक बढ़त के साथ बंद हुए। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, अप्रैल में व्यापक बाजार ने बेहतर प्रदर्शन किया। इसकी वजह टैरिफ से जुड़े जोखिम में कमी, अमेरिका से संभावित व्यापार समझौता और मजबूत एफआईआई खरीदारी है। हालांकि, भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव और चौथी तिमाही के नतीजों में नरमी ने बाजार की गति को स्थिर कर दिया। नायर के अनुसार निकट भविष्य में बाजार में नकारात्मक रुझान बरकरार रहने की उम्मीद है। हालांकि, दीर्घकालिक दृष्टिकोण सकारात्मक बना हुआ है। नतीजतन, बाजार में किसी भी तरह की नरमी को निवेश के अवसर के रूप में इस्तेमाल किए जाने की उम्मीद है।एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी सूचकांक और शंघाई एसएसई कम्पोजिट गिरावट के साथ बंद हुए, जबकि टोक्यो का निक्केई 225 और हांगकांग का हैंग सेंग बढ़त के साथ बंद हुए। यूरोप के बाजार बढ़त के साथ कारोबार करते दिखे। मंगलवार को अमेरिकी बाजार सकारात्मक दायरे में बंद हुए। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने मंगलवार को 2,385.61 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर खरीदे। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.92 प्रतिशत घटकर 63.66 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। मंगलवार को बीएसई का सेंसेक्स 70.01 अंक या 0.09 प्रतिशत चढ़कर 80,288.38 अंक पर बंद हुआ था। निफ्टी 7.45 अंक या 0.03 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 24,335.95 अंक पर बंद हुआ था।

नक्सलियों से शांति वार्ता नहीं करेगी सरकार

गृहमंत्री शर्मा बोले- आदिवासी मरे तब दर्द नहीं हुआ

रायपुर,30 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ सरकार नक्सलियों से शांति वार्ता के मूड में नहीं है। डिप्टी सीएम और गृहमंत्री विजय शर्मा ने नक्सलियों की शांति वार्ता पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने इसे देश को खत्म करने वाला प्रोपेगेंडा बताया है। शर्मा बोले कि आखिर यह लोग कौन है, जो शांति वार्ता के लिए अपील कर रहे हैं।

गृहमंत्री ने कहा कि, जब छत्तीसगढ़ के आदिवासी मुठभेड़ों में मारे जा रहे थे, तब किसी संगठन ने दर्द नहीं जताया, लेकिन अब जब तेलंगाना के नक्सली घेरे में हैं, तो वार्ता की बातें शुरू हो गई हैं। दाल में जरूर कुछ काला है। नक्सली बताएं उनकी तरफ से कौन बात करेंगे। उन्होंने तेलंगाना सीमा से लगे कर्रेगुट्टा की पहाड़ियों में जारी एंटी नक्सल ऑपरेशन और शांति वार्ता के प्रस्तावों पर तीखी नाराजगी जाहिर की।

गृहमंत्री ने कहा कि, बस्तर में कई बड़ी घटनाएं हुई तब कहां थे। कई बड़े हमले के बाद वार्ता के लिए क्यों नहीं आए। कई ग्रामीण और कई नेता मारे गए तब क्यों नहीं आए। विजय शर्मा ने कर्रेगुटा पहाड़ी पर 8 दिनों से नक्सल करवाई जारी को लेकर कहा कि, आज तेलंगाना वाले फंस रहे हैं तो पीड़ा हो रही है। छत्तीसगढ़ के आदिवासी मारे तो पीड़ा नहीं हुई। गृहमंत्री शर्मा ने साफ कहा कि पिछले वर्षों में छत्तीसगढ़ में 400 से ज्यादा नक्सली मारे गए हैं, तब किसी ने बातचीत की पेशकश नहीं की। "तब न तो कोई बुद्धिजीवी सामने आया, न ही कोई सा मा जि क संगठन", उन्होंने जोड़ा।

गृहमंत्री ने सवाल उठाया कि, शांति वार्ता की बात करने वाले लोग आखिर हैं कौन? "कौन हैं ये लोग जो वार्ता का एजेंडा सेट कर रहे हैं? दाल में जरूर कुछ काला है। अगर ये वार्ता की पैरवी कर रहे हैं तो इनकी पृष्ठभूमि और मंशा पर भी सवाल उठेंगे।" उन्होंने यह भी कहा कि नक्सलियों को पहले यह स्पष्ट करना चाहिए कि उनकी ओर से बातचीत में कौन प्रतिनिधित्व करेगा।

बता दें कि छत्तीसगढ़ और तेलंगाना सीमा से लगे बीजापुर ज़िले के कर्रेगुट्टा की पहाड़ियों में पिछले 9 दिनों से बड़ा एंटी नक्सल ऑपरेशन चल रहा है। इस ऑपरेशन में सीआरपीएफ, छत्तीसगढ़ डीआरजी, तेलंगाना की ग्रेहाउंड्स समेत पांच राज्यों की फोर्स शामिल हैं। अभी तक 5 नक्सलियों के मारे जाने की पुष्टि हुई है। इनमें से तीन महिला नक्सलियों के शव भी बरामद किए जा चुके हैं। ऑपरेशन का नेतृत्व वरिष्ठ स्तर के अफसर कर रहे हैं और टॉप लीडर्स को टारगेट किया जा रहा है।

गृहमंत्री शर्मा के इस बयान से साफ है कि छत्तीसगढ़ सरकार फिलहाल किसी तरह की वार्ता या नरमी के मूड में नहीं है। सरकार का फोकस ऑपरेशन को अंजाम तक पहुंचाने पर है और नक्सल नेटवर्क को पूरी तरह ध्वस्त करने की कोशिश जारी है। शर्मा ने यह भी इशारा किया कि राज्य सरकार नक्सल समर्थक संगठनों की भूमिका को लेकर भी सख्त कार्रवाई कर सकती है।

अयान, शहजाद, शबनम, फैयाज कब्जे में स्लीपर सेल के कुख्यात

थर्ड डिग्री में उगलेंगे पहलगाम हमले के राज

रांची,30 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू कश्मीर के पहलगाम हमले के बाद देशभर में देशविरोधी ताकतों की तलाश जारी है। इसी बीच झारखंड में स्लीपर सेल के खुलासा होने की बात कही जा रही है। झारखंड पुलिस की एंटी टेररिस्ट स्क्वाड हिज्ब उत तहरीर के आतंकियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई हो रही है। शनिवार को धनबाद में हुई छापेमारी में पति-पत्नी समेत चार आतंकियों को गिरफ्तार किया गया था। एक और संदिग्ध को हिरासत में लेकर एटीएस पूछताछ कर रही है। सूत्र बताते हैं कि संदिग्ध से पाकिस्तान और सीमापार से आने वाले आतंकियों और पहलगाम आतंकी हमले को लेकर भी कुछ सवाल किए जा रहे हैं।

झारखंड पुलिस के DGP अनुराग गुप्ता मानते हैं कि हिज्ब उत तहरीर के आतंकी स्लीपर सेल की तरह काम कर रहे हैं। उनका मानना है कि ये लोग देश की अहम जानकारी और ग्राउंड रिपोर्ट अपने आकाओं तक पहुंचाते हैं। ये आतंकी गोली, बंदूक और हथियार से भी ज्यादा खतरनाक हैं। यह लोगों के दिमाग में जहर घोलते हैं।

उन्होंने कहा कि अगर ये आतंकी सोशल मीडिया पर आ जाएंगे तो हजारों लोगों को गुमराह कर सकते हैं। ऐसे लोगों को हर हाल में जेल में होना चाहिए। एटीएस ने बेहतर काम किया है। एटीएस इन आतंकियों के सारे नेटवर्क को तोड़ने में लगी है। ये आतंकी संगठन एक स्लीपर सेल की तरह काम कर रहा है।

डीजीपी ने कहा कि यह देशद्रोही है। जिस थाली में खाते हैं। उसी में छेद करते हैं। जिस समाज में रहते हैं। उन्हें नुकसान पहुंचाते हैं। इनके के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी।

आतंकी संगठन से जुड़े लोगों को झारखंड पुलिस ने कड़ी चेतावनी दी है। आतंकी चाहे 18 साल के ही क्यों न हो। उनके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

18 वर्ष के युवा अगर टेररिस्ट बनते हैं। हथियार उठाते हैं, गलत रास्ते पर जाते हैं तो उन्हें परिणाम भुगतना होगा। उम्र से कोई मतलब नहीं रखा जाएगा।

धनबाद से एटीएस की गिरफ्त में आए आतंकी अयान जावेद, मोहम्मद शहजाद आलम, शबनम परवीन और फैयाज हुसैन को एटीएस रिमांड पर लेगी। इसके लिए एटीएस की ओर से कोर्ट में आवेदन दे दिया गया है। एटीएस रिमांड पर लेकर इनसे गहन पूछताछ करेगी। जिसमें कई अहम खुलासे भी हो सकते हैं।

एटीएस को छापेमारी से पहले जानकारी मिली थी कि हिज्ब उत तहरीर आतंकी संगठन झारखंड के अलग-अलग इलाकों के युवाओं को इस संगठन में सोशल मीडिया के माध्यम से जोड़कर गुमराह करने का काम करते रहे

धार्मिक कट्टरता को बढ़ावा देकर राष्ट्र विरोधी गतिविधियां चलाते रहे हैं। इसके साथ ही इससे संबंधित आतंकी अवैध हथियार का कारोबार और राष्ट्रीय विरोधी गतिविधियों में शामिल रहे हैं। साथ ही और कई संदिग्ध इस संगठन से जुड़े हुए हैं, जिसे एटीएस ट्रैक करने में लगी है।

दशमेश डेवलपर्स के ऑफिस में दबिश

दस्तावेज खंगाल रहे अफसर, जमीन टुकड़ों में बांटकर 43 करोड़ का किया गया घोटाला

रायपुर,30 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत माला प्रोजेक्ट गड़बड़ी मामले में एसीबी-ईओडब्ल्यू ने बुधवार को तेलीबांधा स्थित दशमेश डेवलपर्स के ऑफिस में दबिश दी। जहां ऑफिस में 5-6 अफसर दस्तावेजों की जांच कर रहे हैं। मुआवजा राशि गड़बड़ी में कई बिल्डर्स की भूमिका रही है। इनमें से दशमेश इन्स्टा वेंचर प्राइवेट लिमिटेड कंपनी का भी नाम है।

इससे पहले, 25 अप्रैल को छत्तीसगढ़ के कई जगहों पर छापेमार कार्रवाई की गई थी। करीब 17 से 20 अधिकारियों में एसडीएम, तहसीलदार, पटवारी और राजस्व निरीक्षक समेत राजस्व विभाग के कई अफसरों के यहां जांच की गई थी। इस दौरान रायपुर में दशमेश इन्स्टा वेंचर के दफ्तर को सील किया था। दशमेश इन्स्टा वेंचर प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में भावना कुर्रे और हरमीत सिंह खनूजा डायरेक्टर है। भावना अभनपुर के तत्कालीन तहसीलदार शशिकांत कुर्रे की पत्नी हैं। 26 अप्रैल से खनूजा ईओडब्ल्यू की गिरफ्त में है।

वहीं, भारत माला प्रोजेक्ट गड़बड़ी मामले में ईओडब्ल्यू की टीम ने 4 लोगों को गिरफ्तार किया है। जिसमें उमा तिवारी, केदार तिवारी, विजय जैन और हरमीत खनूजा शामिल है। 26 अप्रैल को सभी को कोर्ट में पेश किया गया। सुनवाई के बाद कोर्ट ने चारों आरोपियों को 1 मई तक पुलिस रिमांड पर भेज दिया है। ईओडब्ल्यू के अधिकारी उनसे पैसे गबन मामले में पूछताछ कर रहे हैं।

बता दें कि, 25 अप्रैल को ईओडब्ल्यू ने छत्तीसगढ़ के 17 से 20 अधिकारियों के ठिकाने पर छापेमार कार्रवाई की थी। इनमें SDM, तहसीलदार, पटवारी और राजस्व निरीक्षक समेत राजस्व विभाग के कई अधिकारी शामिल हैं। इनके ठिकानों पर जांच कर दस्तावेजों को जब्त किया गया था।

ईओडब्ल्यू ने रायपुर, महासमुंद, दुर्ग और बिलासपुर में रेड मारी थी। जिसमें निर्भय कुमार साहू, जितेन्द्र कुमार साहू, दिनेश पटेल, योगेश कुमार देवांगन, शशिकांत कुर्रे, लेखराम देवांगन, लखेश्वर प्रसाद किरण, बसंती धृतलहरे, रोशन लाल वर्मा, हरमीत सिंह खनूजा, उमा तिवारी, विजय जैन, दशमेश इन्ट्रावेंचर प्रा. लि., हृदय लाल गिलहरे और विनय कुमार गांधी के ठिकाने शामिल हैं।

आरोपी–उमा तिवारी | आरोपी–केदार तिवारी | आरोपी–हरमीत सिंह खनूजा | आरोपी–विजय जैन

भारतमाला परियोजना एक राष्ट्रीय राजमार्ग विकास परियोजना हैं, जो भारत सरकार की है। इसके तहत नए राजमार्ग के अलावा उन परियोजनाओं को भी पूरा किया जाएगा जो अब तक अधूरे हैं। इसी के तहत रायपुर से विशाखापट्टनम तक करीब 463 किमी लंबी नई फोरलेन सड़क बनाई जा रही है।

भारत-माला प्रोजेक्ट में जमीन अधिग्रहण मामले में 43 करोड़ का घोटाला हुआ है। जमीन को टुकड़ों में बांटकर एनएचएआई को 78 करोड़ का भुगतान दिखाया गया। एसडीएम, पटवारी और भू-माफिया के सिंडिकेट ने बैक डेट पर दस्तावेज बनाकर घोटाले को अंजाम दिया। कुछ दिनों पहले इस केस में दैनिक भास्कर डिजिटल में खबर छपने के बाद कोरबा डिप्टी कलेक्टर शशिकांत कुर्रे को सस्पेंड किया गया था। इसके पहले जगदलपुर निगम कमिश्नर निर्भय साहू को सस्पेंड किया गया था। शशिकांत और निर्भय पर जांच रिपोर्ट तैयार होने के 6 महीने बाद कार्रवाई हुई थी। निर्भय कुमार साहू सहित 5 अधिकारी-कर्मचारियों पर 43 करोड़ 18 लाख रुपए से अधिक राशि की गड़बड़ी का आरोप है।

राजस्व विभाग के मुताबिक, मुआवजा करीब 29.5 करोड़ का होता है। अभनपुर के ग्राम नायकबांधा और उरला में भू-माफिया ने राजस्व अधिकारियों के साथ मिलकर जमीन को छोटे टुकड़ों में काटकर 159 खसरे में बांट दिया। मुआवजा के लिए 80 नए नाम रिकॉर्ड में चढ़ा दिए गए। इससे 559 मीटर जमीन की कीमत करीब 29.5 करोड़ से बढ़कर 78 करोड़ रुपए पहुंच गई।

अभनपुर बेल्ट में 9.38 किलोमीटर के लिए 324 करोड़ मुआवजा राशि निर्धारित की गई। जिसमें से 246 करोड़ रुपए मुआवजा दिया जा चुका है। वहीं 78 करोड़ रुपए का भुगतान अभी रोक दिया गया है। अवर सचिव के निर्देश पर बनी जांच रिपोर्ट में इस बात का जिक्र है, कि अभनपुर इलाके में पदस्थ अधिकारियों ने बैक डेट में जाकर दस्तावेजों में गड़बड़ी की और जमीन मालिक को नुकसान पहुंचाया। इसका खुलासा इस बात से अफसरों ने किया, कि अभनपुर के ग्राम नायक बांधा और उरला में 4 एकड़ जमीन एक परिवार के पास थी।

वही जमीन सर्वे होने के ठीक कुछ दिन पहले एक ही परिवार के 14 लोगों के नाम पर बांट दी गई। इसके बाद एक ही परिवार के सदस्यों को 70 करोड़ रुपए मुआवजा भुगतान कर दिया गया। जांच अधिकारियों ने तत्कालीन अफसरों की इस कार्यप्रणाली का सीधा जिक्र अपनी जांच रिपोर्ट में किया है।

रायपुर विशाखापट्नम इकोनॉमिक कॉरिडोर में हुई आर्थिक गड़बड़ी पर एनएचएआई के अधिकारियों ने भी आपत्ति जताई थी। एनएचएआई की आपत्ति के बाद जांच रिपोर्ट को सचिव राजस्व विभाग को भेजा गया था और मुआवजा वितरण रोका गया था।

अरपा नदी में अवैध उत्खनन पर हाईकोर्ट सख्त

नदी को प्रदूषित होने से बचाने क्या किया शपथपत्र के साथ दे जवाब सरकार

बिलासपुर,30 अप्रैल (एजेंसियां)। बिलासपुर की जीवनदायिनी अरपा नदी में अवैध उत्खनन को लेकर हाईकोर्ट ने सख्ती दिखाई है। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा की डिवीजन बेंच ने राज्य सरकार से पूछा है कि नदी के संरक्षण और अवैध खनन को रोकने अब तक क्या कदम उठाए गए हैं। इस पर उन्होंने नगरीय प्रशासन विभाग के सचिव को शपथपत्र के साथ जवाब देने कहा है। अरपा नदी में लगातार हो रहे अवैध उत्खनन सहित उसके संरक्षण को लेकर हाईकोर्ट में अलग-अलग जनहित याचिकाएं दायर की गई है। मंगलवार को इस मामले की सुनवाई के दौरान बिलासपुर नगर निगम ने कोर्ट को जानकारी दी कि अरपा को साफ-सुथरा रखने के लिए जो प्रोजेक्ट तैयार किया गया है, उसे एमआईसी और सामान्य सभा में मंजूरी दे दी गई है। अब प्रस्ताव वित्तीय स्वीकृति के लिए राज्य शासन को भेजा गया है। कोर्ट ने महाधिवक्ता को निर्देश दिए कि शासन जल्द इस पर अमल सुनिश्चित करे। हाईकोर्ट ने स्पष्ट कहा कि नदी को प्रदूषित होने से बचाने के लिए शासन ने अब तक क्या कदम उठाए हैं, यह जानकारी शपथपूर्वक दी जाए।

सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट को बताया गया कि कि पिछले साल बारिश में खनन से बने गहरे गड्ढे में 3 बालिकाओं की डूबकर मौत हो चुकी है। इस घटना को लेकर हाईकोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया है और इस मामले की भी सुनवाई चल रही है।

अरपा अर्पण महाअभियान समिति की ओर से एडवोकेट अंकित पांडेय ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने एक आदेश जारी कर मिसाल पेश की है, जिसमें कहा गया कि स्थानीय पुलिस अवैध खनन करने वालों पर बिना अनुमति के सीधे FIR दर्ज कर सकती है। इस पर हाईकोर्ट ने राज्य शासन से कानून के इस प्रावधान की जांच कर उसे लागू करने पर विचार करने को कहा है।

राज्य सरकार की तरफ से हाईकोर्ट को बताया गया कि प्रमुख प्रशासनिक अधिकारियों की 6 सदस्यीय कमेटी खनिज नीति पर काम कर रही है। लेकिन, उसकी रिपोर्ट अब तक नहीं आई है। हाईकोर्ट ने रिपोर्ट पेश करने की जिम्मेदारी तय करने को भी कहा है। डिवीजन बेंच ने सभी बिंदुओं पर 8 मई से पहले विस्तृत जवाब प्रस्तुत करने कहा है। केस की अगली सुनवाई अब 8 मई को होगी।

भूमि की पूजा कर जैविक खेती का लिया संकल्प

बहरागोड़ा, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। बहरागोड़ा मौदा गांव के काली मंडप परिसर में भूमि सुपोषण कार्यक्रम हुआ। उद्देश्य था पर्यावरण संरक्षण और जैविक खेती को बढ़ावा देना। बड़ी संख्या में गांव की महिलाएं और ग्रामीण शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत भूमि पूजन से हुई। मिट्टी पर कलश स्थापित कर श्रद्धा से भूमि माता की आराधना की गई। देशभक्ति गीतों की धुनों से माहौल प्रेरणादायक बन गया। सभी ने पुष्प अर्पित कर प्रकृति के प्रति आस्था जताई। ग्राम विकास जिला संयोजक पुलिन मन्ना ने बताया, यह आयोजन ग्रामीणों को धरती और प्रकृति के प्रति जागरूक करने का प्रयास है। उन्होंने कहा, ऐसे कार्यक्रम समाज में सकारात्मक बदलाव लाते हैं। मुख्य वक्ता आरएसएस, जमशेदपुर विभाग कार्यवाह मनोज कुमार गिरी ने कहा, भूमि हमारी माता है। हम उसकी संतान हैं। आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित धरती देनी है तो अभी से प्रकृति संरक्षण जरूरी है। उन्होंने रासायनिक खाद के दुष्प्रभाव बताए। जैविक खेती और घरेलू बाड़ी में बिना रसायन के फल-सब्जियां उगाने की सलाह दी। प्लास्टिक और थर्मोकोल से बचने की अपील की। गोपालन, जैविक खाद निर्माण और प्राकृतिक संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग को जरूरी बताया। उन्होंने कोरोना जैसी महामारी का जिक्र करते हुए कहा, यदि प्रकृति का शोषण जारी रहा तो ऐसी आपदाएं बार-बार आएंगी।

सभी से आग्रह किया कि प्रतिदिन धरती माता को नमन करें। जल, वायु और मिट्टी को स्वच्छ रखने का संकल्प लें। कार्यक्रम में पूर्व मुखिया सुलोता मुंडा, निहारिका कर, मंदिर मुंडा, बबीता पाल, आईठु मुंडा, अमूल्य माईती और दीकी सीट विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभी ने इस पहल की सराहना की।

छत्तीसगढ़ में महिलाओं ने नकली सोना देकर असली लिया

रायपुर-बिलासपुर में ज्वेलर्स को लगाया चूना, दादाजी बोलकर इमोशनल भी किए

रायपुर, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में शातिर महिलाओं का एक ठग गिरोह पकड़ाया है। इन महिलाओं ने रायपुर और बिलासपुर में ज्वेलर्स को नकली सोना देकर बदले में असली सोना ले लिया। महिलाएं इतनी शातिर थी कि सौदे के दौरान इन्होंने रायपुर के बुजुर्ग ज्वेलर्स को दादाजी बोलकर इमोशनल भी किया। फिर वारदात के बाद महिलाएं भाग गई। हालांकि बिलासपुर पुलिस ने महिलाओं को दबोच लिया है।

बताया जा रहा है कि, महिलाओं ने पहली वारदात 28 अप्रैल को बिलासपुर के कोतवाली थाना क्षेत्र में एक ज्वेलरी दुकान में की। इस वारदात के बाद शाम को महिलाएं रायपुर के उरला आ गई। उरला पुलिस ने बताया कि उरला मेन रोड में शांतिलाल जैन नाम के बुजुर्ग ज्वेलरी दुकान चलाते हैं। शाम करीब 5:30 बजे उनके दुकान पर दो महिलाएं आई। अपने साथ सोने के नेकलेस चेन और पुरानी ज्वेलरी लेकर आई थी।

महिलाएं जो ज्वेलरी लेकर आई थी उसका वजन करीब 70 ग्राम था। उन्होंने शांतिलाल को कहा कि इसे एक्सचेंज करवाकर वह नई ज्वेलरी लेना चाहती हैं। शंकर लाल और उसके स्टाफ ने उन्हें गोल्ड ज्वेलरी दिखाया। महिलाओं में सोने का एक हार, एक चेन, दो मंगलसूत्र, तीन जोडी आईरिंग, कुल वजन करीब 47 ग्राम पसंद किया। इसकी कीमत करीब साढ़े 4 लाख रुपए थी। इसके अलावा उन्होंने ज्वेलर्स से वजन के अंतर का करीब 80 हजार रुपए कैश भी ले लिए।

इस सौदे के दौरान महिलाओं ने शांतिलाल को दादाजी कहकर संबोधित किया। जिससे उन्हें इमोशनल कर सके। फिर उन्होंने अपनी एक चांदी की पायल भी दुकान पर छोड़ दी और कहा कि इसे कल तौलवाकर बेच देंगे। फिर महिलाओं ने अपना मोबाइल नंबर भी दिया। जो फर्जी था। फिर दोनों महिलाएं दुकान से निकल गई। महिलाओं के जाने के बाद जब शांतिलाल ने ज्वेलरी की केमिकल से जांच की तो वह नकली निकली। हालांकि इसमें केवल दो प्रतिशत ही सोना था। इसके बाद ज्वेलर्स को ठगी का एहसास हुआ। आसपास महिलाओं की तलाश की गई लेकिन वह कहीं नहीं मिली।

इसके बाद पूरा मामला पुलिस थाने पहुंचा। फिलहाल रायपुर पुलिस बिलासपुर पुलिस के साथ संपर्क में है। महिलाओं ने बिलासपुर में भी हूबहू इसी पैटर्न में ठगी की है। बिलासपुर पुलिस इस मामले में आज शाम खुलासा करेगी।

बालोद में हाथियों की वापसी

दस्तक देते ही मचाई तबाही

बालोद,30 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में एक बार फिर हाथियों ने दस्तक दे दी है। धमतरी की तरफ से आए दो दंतैल हाथियों ने क्षेत्र में पहुंचते ही फसलों को नुकसान पहुंचाया है।

वन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, वर्तमान में हाथी आरएफ 220 परिसर चूल्हापथरा गुरुर के आसपास है। विभाग हाथियों की लगातार ट्रैकिंग कर रहा है। हाथियों की मौजूदगी को देखते हुए पेट्रोलिंग बढ़ा दी गई है। पिछले तीन वर्षों से बालोद जिले का वन परिक्षेत्र हाथियों के विचरण के लिए उपयुक्त स्थान बन गया है। इसी कारण हाथियों का आना-जाना लगा रहता है। वन विभाग फसलों के नुकसान का आकलन कर रहा है। साथ ही दर्जन भर गांवों में मुनादी कर लोगों को सतर्क किया जा रहा है।

वन विभाग द्वारा बिच्छिबहरा, खैरडिगी धानापूरी, ओडेनाडीही, चूल्हापथरा, करियाटोला, हितेकसा, नगझर, मगचूवा, कोसमी, नाहंदा गोटाटोला, नागबेल, मरकाटोला नारागांव सहित दर्जनों गांव को वन विभाग द्वारा अलर्ट मोड पर रखा गया है। लेकिन इन सभी गांव के लोग दहशत में रात गुजारने को मजबूर हैं, क्योंकि हाथी कब कहां नुकसान पहुंचा दे कुछ कहा नहीं जा सकता है। हाथी को गुस्सा आने पर वह आक्रामक हो सकता है। बालोद जिले में बीते तीन वर्षों में छह लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। इसलिए लोगों को समझाइश दी जा रही है। अभी का जो समय है वह धान कटाई का समय है। यहां पर फसल लगभग पककर तैयार हो गई है और खड़ी फसलों पर हाथियों का आतंक देखने को मिल रहा है।

बर्खास्त 2,621 बीएड शिक्षक बहाल

सहायक शिक्षक विज्ञान प्रयोगशाला के पद पर एडजस्ट होंगे

रायपुर,30 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में बर्खास्त 2621 बीएड शिक्षकों को बहाल कर दिया गया है। ये सभी सहायक शिक्षक विज्ञान (प्रयोगशाला) के पद पर एडजस्ट किए जाएंगे। साय कैबिनेट की बैठक में ये अहम फैसला लिया गया है। इसके साथ ही ग्रामीण बस सेवा योजना शुरू करने का भी फैसला लिया गया है। नवा रायपुर के तूता धरना स्थल में 126 दिनों तक चले बर्खास्त बी.ईडी सहायक शिक्षकों का आंदोलन 18 अप्रैल को खत्म हुआ था। सीएम विष्णुदेव साय से मुलाकात के बाद प्रदर्शनकारियों ने यह आंदोलन समाप्त किया था। इससे पहले शिक्षकों ने सामूहिक मुंडन भी कराया था। अंगारों पर चलकर प्रदर्शन भी किया था।

जमशेदपुर में महिला को बेहोश कर लूटा कंगन

गहने पॉलिश करने के बहाने घर में घुसे बाइक से आए थे दो बदमाश

जमशेदपुर (पूर्वी सिंहभूम),30 अप्रैल (एजेंसियां)। जमशेदपुर के बागबेड़ा थाना क्षेत्र में अपराधियों ने एक नई तरकीब से लूट की वारदात को अंजाम दिया। हरहरगुट्टू मेन रोड पर बाइक सवार दो युवक एक महिला के घर पहुंचे। उन्होंने खुद को सोने के गहने पॉलिश करने वाला बताया।

महिला के भरोसा करने पर दोनों घर में घुस गए। एक युवक ने महिला को गहने चमकाने के लिए केमिकल लगाने की बात कही। महिला के मान जाने पर उसने जबरन उनके हाथ में केमिकल रगड़ दिया। कुछ ही मिनटों में महिला बेहोश हो गई। इसके बाद दोनों बदमाश महिला के हाथ से करीब 4 लाख रुपए कीमत के सोने के कंगन लेकर फरार हो गए।

घटना घर के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। फुटेज में दोनों युवकों की पूरी करतूत साफ दिख रही है। बागबेड़ा पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर बदमाशों की पहचान की जा रही है।

इस घटना से पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। खासकर अकेली रहने वाली बुजुर्ग महिलाएं डरी हुई हैं। स्थानीय लोग अब अनजान व्यक्तियों से मिलने से कतरा रहे हैं। पुलिस जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार करने का दावा कर रही है।

बॉयफ्रेंड से तंग आकर नाबालिग ने लगाई फांसी

घर में लटकता मिला शव, सुसाइड नोट में लिखा- बदनाम करने की धमकी देता था

बलरामपुर, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। बलरामपुर जिले में प्रेमी से तंग आकर एक नाबालिग ने फांसी लगा ली। आत्महत्या से पहले किशोरी ने सुसाइड नोट भी लिखा है जिसके मुताबिक, उसने अपनी मौत के लिए प्रेमी पवन कुमार सिंह (22) को जिम्मेदार बताया है। रामचंद्रपुर थाना क्षेत्र का मामला है।

जानकारी के मुताबिक, 26 अप्रैल 2025 को घर में 17 वर्षीय नाबालिग की लटकती लाश मिली। घटना के दौरान परिजन महुआ बिनने गए हुए थे। नाबालिग ने सुसाइड नोट में लिखा कि उसका पवन से अफेयर था वह उससे शादी करना चाहती थी, लेकिन पवन उससे शादी करने से इनकार करता था।

पवन ने उसे धमकी दी थी कि वह किसी अन्य युवक के साथ भी शादी नहीं करने देगा। पवन ने उसे बदनाम करने की धमकी दी थी। प्रेमी से लगातार प्रेमी से मिल रही धमकी से किशोरी डरी हुई थी और मानसिक रूप से परेशान थी।

एसडीओपी रामानुजगंज बाजी लाल सिंह ने बताया कि रामचंद्रपुर पुलिस ने जांच के बाद आरोपी पवन कुमार सिंह के खिलाफ धारा 108 के तहत अपराध दर्ज किया। पुलिस ने आरोपी पवन कुमार सिंह को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। आरोपी को कोर्ट में पेश कर दिया गया है।

वेस्टर्न डिस्टरबेंस से अगले 5 दिन आंधी-बारिश, ओले गिरेंगे

रायपुर, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में अगले 4 से 5 दिन अंधड़ और बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। इस दौरान 40 से 60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल सकती है। वहीं मौसम विभाग ने आज रायपुर, बिलासपुर, सरगुजा और बस्तर संभाग के लिए यलो अलर्ट जारी किया है। यहां तेज हवा चलेगी, गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ सकती हैं। मंगलवार को रायगढ़, बस्तर में तेज हवाओं के साथ बारिश हुई, वहीं अंबिकापुर में बारिश के साथ ओले भी गिरे। मौसम वैज्ञानिक सुनील गुप्ता के मुताबिक बंगाल की खाड़ी से नमी आने और वेस्टर्न डिस्टरबेंस, ट्रफ के कारण मौसम बदला हुआ है। जिसके कारण गर्मी से राहत है।

पाकिस्तानी सांसद बोलीं- बाबरी की पहली ईंट पाक सिपाही लगाएगा

असीम मुनीर देंगे अजान, खालिस्तानी आतंकी पन्नू की तारीफ की

इस्लामाबाद, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान में बिलावल भुट्टो की पार्टी की नेता पलवाशा खान ने संसद में भारत विरोधी बातें कही हैं। भारत-पाक में तनाव के बीच पलवाशा ने कहा कि अयोध्या में बाबरी मस्जिद बनाएंगे और पिंडी (रावलपिंडी) का एक-एक सिपाही बाबरी मस्जिद की बुनियाद में पहली ईंट रखेगा। पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर पहली अजान देंगे।

पलवाशा खान ने कहा कि पाकिस्तान सिर्फ अपनी 7 लाख सैनिकों के भरोसे नहीं है, बल्कि उसके पास 25 करोड़ लोग हैं जो मुश्किल वक्त में फौज के साथ होंगे और सिपाही बनेंगे। यदि भारत ने पाकिस्तान पर कोई हमला करने की कोशिश करता है, तो दिल्ली के लाल किले के मैदान खून से रंगे जाएंगे।

पीपीपी की महिला सांसद ने अपने संबोधन में कहा कि भारत को यह पता होना चाहिए उनकी सेना का कोई भी सिख सिपाही पाकिस्तान से जंग नहीं करेगा, क्योंकि ये गुरुनानक की धरती है। उन्होंने खालिस्तानी नेता गुरुपतवंत सिंह पन्नू को शुक्रिया कहा जिसने जंग में पाकिस्तान का साथ देने की बात कही थी।

पलवाशा खान पाकिस्तान की सांसद हैं और बिलावल भुट्टो जरदारी की पाकिस्तान पीपल्स पार्टी की नेता हैं। पलवाशा पाकिस्तान के उच्च सदन, यानि सीनेट की सदस्य हैं। वह पहली बार 2008 में महिलाओं के लिए रिजर्व सीट पर सांसद चुनी गई थीं।

पलवाशा ने साल 2016 में आईएसआई के पूर्व डायरेक्टर 2016 में जहीर उल इस्लाम से शादी की थी। उनका एक बच्चा भी है। दोनों की शादी 3 साल तक छुपी रही। 2019 में एक पत्रकार ने इनकी शादी का खुलासा किया था, जिसकी काफी चर्चा हुई थी। पत्रकार जाहिद गिशको ने दावा किया था कि उन्हें इस शादी का पता चल गया था जिसके बाद खुद जहीर इस्लाम ने इसे गुप्त रखने की धमकी दी थी। हालांकि, दोनों के बीच 2020 में विवाद की खबरें आई थीं जब पलवाशा ने पति के खिलाफ मुकदमा दायर कर खुद की और अपने बच्चे की सुरक्षा मांगी थी। पाकिस्तान की सेना के पूर्व अधिकारी आदिल रजा ने आरोप लगाया था कि पलवाशा खान गर्भवती हो गई थीं, जिसकी वजह से लेफ्टिनेंट जनरल (रिटायर्ड) जहीर उल इस्लाम को उनसे जबरदस्ती शादी करनी पड़ी थी।

पाकिस्तान ने यूएनएससी के बयान से टीआरएफ का नाम हटाया

विदेश मंत्री ने संसद में माना, इस आतंकी संगठन ने पहलगाम हमले की जिम्मेदारी ली थी

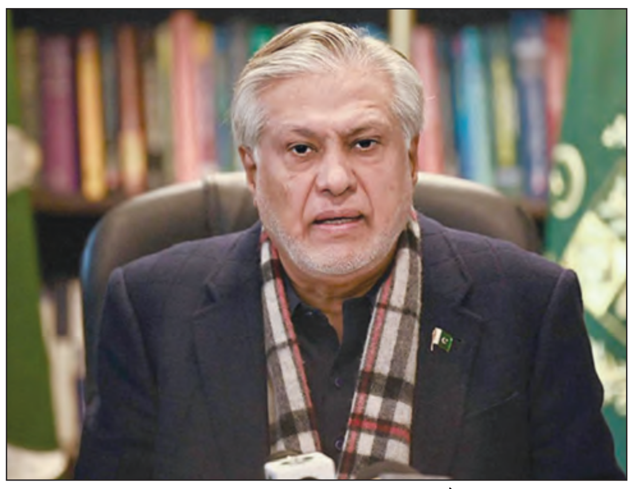

इस्लामाबाद, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान ने पहलगाम आतंकी हमले को अंजाम देने वाले संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट का नाम संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के बयान से हटाने के लिए दबाव बनाया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने बुधवार को सीनेट में दिए गए एक बयान में यह कबूल किया है।

पाकिस्तान इस समय संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का अस्थायी सदस्य है। सुरक्षा परिषद के निंदा बयान के लिए सभी सदस्यों की सहमति जरूरी है।

इशाक डार ने बताया कि अमेरिका ने हमले की निंदा करने के लिए एक प्रस्ताव रखा था। उन्होंने कहा कि जब मुझे प्रस्ताव की कॉपी मिली तो उस पर केवल पहलगाम लिखा था और हमले के लिए द रेजिस्टेंस फोरम (TRF) का नाम लिया गया था।

डार ने आगे कहा कि हमने इस पर विरोध जताया और कहा कि पाकिस्तान तब तक इस पर हस्ताक्षर नहीं करेगा जब तक पहलगाम के साथ जम्मू और कश्मीर का भी जिक्र नहीं किया जाता और TRF का नाम हटाया नहीं जाता। डार ने कहा कि उन्होंने 2 दिन तक इस प्रस्ताव पर साइन नहीं किया। इस दौरान कई देशों से उन्हें फोन आते रहे।

इशाक डार ने कहा कि उन्हें दुनियाभर के नेता यह कहते रहे कि निंदा प्रस्ताव न आने से पाकिस्तान के ऊपर आरोप आएगा। इसके बावजूद वे अपने दावे पर अड़े रहे। आखिरकार पाकिस्तान के दबाव में प्रस्ताव में बदलाव किया गया ।

यूनाइटेड नेशन सिक्योरिटी काउंसिल ने 25 अप्रैल, 2025 को पहलगाम आतंकी हमले की निंदा की थी। इसमें 26 लोग मारे गए थे। इसमें भारत और नेपाल के लिए संवेदना जताई गई थी। UNSC ने कहा कि आतंकवाद हर रूप में अंतरराष्ट्रीय शांति के लिए बड़ा खतरा है और हमले के दोषियों व उनके समर्थकों को सजा मिलनी चाहिए। हालांकि इस बयान में द रेसिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ), जिसने हमले की जिम्मेदारी ली थी उसका जिक्र नहीं किया गया था। पहलगाम हमले का मकसद गैर-मुस्लिमों को निशाना बनाकर सांप्रदायिक तनाव भड़काना था, लेकिन बयान में इसका भी जिक्र नहीं था।

22 अप्रैल को पहलगाम हमला हुआ था। इस हमले के कुछ ही देर बाद TRF ने इसकी जिम्मेदारी ली थी और बयान जारी कर कहा था कि भारत सरकार कश्मीर में मुस्लिमों को बहुसंख्यक से अल्पसंख्यक बना रही है। हालांकि 26 अप्रैल को TRF इससे मुकर गया था। संगठन के प्रवक्ता अहमद खालिद ने कहा था कि पहलगाम हमले के लिए TRF को जिम्मेदार ठहराना गलत है। खालिद ने कहा कि उनकी वेबसाइट को हैक कर लिया गया था। ये संगठन 2019 में अस्तित्व में आया। सरकार का मानना है कि ये लश्कर-ए-तैयबा का प्रॉक्सी आतंकी संगठन है। ये आतंकी संगठन जवानों और आम नागरिकों की हत्या के अलावा सीमा पार से ड्रग्स और हथियार की तस्करी में शामिल रहा है।

हार्वर्ड में पाकिस्तान कॉन्फ्रेंस पर विवाद

भारतीय स्टूडेंट्स की अमेरिकी विदेश मंत्री को चिट्ठी यूनिवर्सिटी बोली- हम पीड़ितों के साथ

वॉशिंगटन, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका की हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के साउथ एशिया इंस्टीट्यूट में हाल ही में पाकिस्तान कॉन्फ्रेंस हुई। इसमें पाकिस्तान वित्त मंत्री मुहम्मद औरंगजेब और अमेरिका में पाकिस्तान के राजदूत रिजवान सईद शेख ने हिस्सा लिया। यह कार्यक्रम 27 अप्रैल को हुआ था, जिसका आयोजन पाकिस्तानी छात्रों ने किया था। इस इवेंट के 4 दिन पहले यानी 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमला हुआ था।

इस कॉन्फ्रेंस को लेकर भारतीय स्टूडेंट्स ने हार्वर्ड के सामने अपना विरोध और आपत्ति दर्ज कराई। इसके बाद हार्वर्ड ने खुद को इस मुद्दे से अलग कर लिया और अपनी वेबसाइट से कार्यक्रम की जानकारी हटा दी।

दो भारतीय स्टूडेंट सुरभि तोमर और रश्मिनी कोपरकर ने हार्वर्ड एडमिनिस्ट्रेशन और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो को लेटर लिखा। लेटर में उन्होंने लिखा कि यूनिवर्सिटी को पाकिस्तानी सरकार के अधिकारियों को बुलाना गलत था। स्टूडेंट्स ने लिखा- आतंकवाद को बढ़ावा देने या उसे उचित ठहराने वाली सरकार के अधिकारियों को बुलाना गलत है। लोग हार्वर्ड पर भी ये सवाल उठाएंगे कि आतंकवादी हमले में यूनिवर्सिटी भी शामिल है। स्टूडेंट्स ने यह भी मांग की कि हार्वर्ड पहलगाम हमले की सार्वजनिक रूप से निंदा करे।

मार्क कार्नी चुनाव जीतने के बाद बोले

यूएस के साथ रिश्ते खत्म, उनके विश्वासघात से चोट पहुंची, ये सबक नहीं भूलेंगे

ओटावा, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। कनाडा में लिबरल पार्टी के मार्क कार्नी प्रधानमंत्री बन रहेंगे। आम चुनाव में उनकी पार्टी ने 343 में से 169 सीटें जीती हैं। ये 172 सीटों के बहुमत के आंकड़े से सिर्फ 3 सीटें कम है। उनकी मुख्य प्रतिद्वंद्वी कंजर्वेटिव पार्टी सिर्फ 144 सीटें जीत सकी। पार्टी का नेतृत्व कर रहे पियरे पॉलिवर अपनी सीट भी नहीं बचा सके। वे लिबरल पार्टी के उम्मीदवार से हार गए।

लिबरल पार्टी की जीत के बाद उसे चौथी बार सत्ता में बने रहने का मौका मिला है। ये पार्टी के लिए बहुत बड़ा जनादेश है, क्योंकि दो महीने पहले तक पार्टी के जीतने की उम्मीदें बहुत कम थीं। पॉपुलैरिटी रेटिंग में पार्टी को सिर्फ 25% पॉइंट मिले थे। जीत के बाद कार्नी ने पहले संबोधन में अमेरिका के साथ कनाडा के रिश्तों के अंत का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने विश्वासघात किया है और ये बात कनाडा कभी नहीं भूलेगा।

अमेरिका के साथ हमारा पुराना संबंध, जो लगातार बढ़ती एकजुटता पर टिका हुआ था, अब खत्म हो चुका है। अमेरिका की ग्लोबल ट्रेड पॉलिसी, जिस पर कनाडा ने दूसरे विश्व युद्ध के बाद से भरोसा किया और जिसकी वजह से कई साल तक हमारे देश में समृद्धि रही, अब खत्म हो चुकी है। और यह हमारी भी नई सच्चाई है। हम अमेरिका के विश्वासघात के झटके से उबर चुके हैं, लेकिन हमें इस सबक को कभी नहीं भूलना चाहिए। अब हमें खुद का ध्यान रखना होगा।

कर्नाटक मूल के सीईओ ने पत्नी-बेटे की हत्या की

पीएम मोदी से बॉर्डर पर रोबोट की तैनाती का दिया था सुझाव

वाशिंगटन, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय मूल के टेक आंत्रप्रेन्योर हर्षवर्धन किकेरी (47 साल) उनकी पत्नी श्वेता पन्यम (44 साल) और उनके बेटे ध्रुव (14 साल) की मौत हो गई है। इन सभी की मौत गोली लगने से हुई है। ऐसा माना जा रहा है कि हर्षवर्धन ने अपनी पत्नी और बेटे की हत्या करने के बाद आत्महत्या कर ली। यह घटना 24 अप्रैल को वॉशिंगटन के न्यूकैसल में हुई। इस दौरान हर्षवर्धन के छोटे बेटे की जान बच गई क्योंकि वह घर से बाहर था। जांच में अभी तक हत्या के मकसद का पता नहीं चला है।

हर्षवर्धन, कर्नाटक के मांड्या जिले के थे। उन्होंने माइक्रोसॉफ्ट में रोबोटिक्स के क्षेत्र में काम किया और 2017 में अपनी पत्नी श्वेता के साथ भारत लौटकर होलोवर्ल्ड नामक रोबोटिक्स कंपनी शुरू की थी। हालांकि, कोविड-19 महामारी के कारण 2022 में यह कंपनी बंद हो गई थी, जिसके बाद उनका परिवार वापस अमेरिका चला गया। हर्षवर्धन ने अमेरिका में माइक्रोसॉफ्ट जैसी दिग्गज कंपनी के लिए भी काम किया था।

आतंकी पन्नू का दावा-पाकिस्तान खालिस्तान जिंदाबाद के नारे लिखवाए

पंजाब के आर्मी स्कूल के स्टूडेंट्स को उकसाया, बोला- अपने परिवार को बचा लो

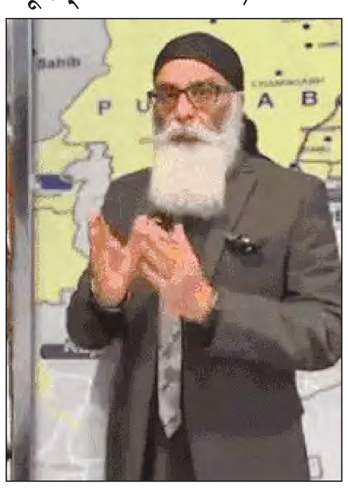

पटियाला, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। खालिस्तानी आतंकी संगठन सिख फॉर जस्टिस के चीफ गुरपतवंत सिंह पन्नू ने दावा किया है कि पटियाला के कैंट इलाके में आर्मी स्कूल की दीवारों पर खालिस्तान और पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लिखे गए हैं। पन्नू ने वीडियो में दीवार पर नारे लिखे दिखाए।

आतंकी पन्नू ने वीडियो में आर्मी स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों को भी उकसाया। उसने कहा कि पाकिस्तान से युद्ध में तुम्हारे परिवार के लोग मारे जा सकते हैं। 1971 की लड़ाई की तरह मारे जाएंगे। ये आर्मी स्कूल के बच्चों की जिम्मेदारी है कि अपने परिवार को बचा लो। 31 मार्च को भी पन्नू ने पंजाब में माहौल बिगाड़ने की कोशिश की थी। उसने वीडियो जारी कर दावा किया था कि फिल्लौर के नंगल क्षेत्र में डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर खालिस्तानी नारे लिखवाए हैं। जालंधर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए इस मामले में 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया था। उनकी पहचान नकोदर के सुखबीर सिंह उर्फ राजन और अवतार सिंह उर्फ तारी के रूप में हुई।

पुलिस जांच में सामने आया था कि दोनों किसी तीसरे व्यक्ति के जरिए आतंकी पन्नू के लिंक में थे। उसके कहने पर ही इन्होंने खालिस्तानी नारे लिखे थे। पन्नू की हत्या की साजिश रचने के आरोप में भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता को 30 जून 2023 को चेक रिपब्लिक पुलिस ने गिरफ्तार किया था।

इसके बाद 14 जून 2024 को निखिल को अमेरिका प्रत्यर्पित कर दिया गया। निखिल पर अमेरिका में केस चलाया गया, जहां उसने खुद को निर्दोष बताया था।

कनाडा में मोगा के दो युवा सांसद बने

अमनप्रीत केलगरी से और सुखमन एब्बॉट्सफोर्ड से जीते

मोगा, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। कनाडा की संसदीय चुनावों में पंजाब के मोगा के दो युवाओं ने इतिहास रच दिया है। अमनप्रीत सिंह गिल ने केलगरी स्काईव्यू से जीत हासिल की है। सुखमन गिल एब्बॉट्सफोर्ड साउथ लेगली से सांसद चुने गए हैं। दोनों युवा लंबे समय से कनाडा में रह रहे थे।

उन्होंने अपनी मेहनत और समर्पण से भारत का नाम रोशन किया है। इस जीत से मोगा जिले में खुशी की लहर है। दोनों के रिश्तेदारों ने बताया कि दोनों के सांसद बनने से जिले में खुशी की लहर है। दोनों ने राज्य के साथ-साथ देश का भी नाम रोशन किया है। रिश्तेदारों ने कहा कि यह जीत उनके लिए गर्व का क्षण है। मोगा के गांवों में लोग लड्डू बांटकर जीत का जश्न मना रहे हैं। यह सफलता विदेशों में अपनी पहचान बनाने के लिए युवाओं को प्रेरित कर रही है।

युद्ध की आशंका के बीच पाकिस्तान पहुंचे तुर्की एयर फोर्स के कमांडर और खुफिया एजेंसी के चीफ

इस्लामाबाद, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत के साथ जंग की आशंका के बीच तुर्की का मिलिट्री डेलिगेशन लेफ्टिनेंट जनरल यासर कादिओग्लू के नेतृत्व में इस्लामाबाद पहुंचा है। तुर्की के सैन्य अधिकारियों का पाकिस्तान दौरा ऐसे वक्त में हुआ है, जब पाकिस्तान दावे कर रहा है कि अगले 24 से 36 घंटों के अंदर भारत हमला करने वाला है। तुर्की डिफेंस एजेंसी ने एक एक्स पोस्ट में कहा है कि ₹तुर्की जनरल स्टाफ के खुफिया प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल यासर कादियोग्लू के नेतृत्व में एक तुर्की सैन्य प्रतिनिधिमंडल ने पाकिस्तान वायु सेना मुख्यालय (इस्लामाबाद) का दौरा किया।₹ रिपोर्ट्स के मुताबिक भारत के आक्रमण के आशंका के बीच तुर्की ने इस्लामाबाद के साथ अपनी सैन्य भागीदारी बढ़ा दी है। लेफ्टिनेंट जनरल यासर कादिओग्लू की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय तुर्की सैन्य और खुफिया प्रतिनिधिमंडल ने रणनीतिक स्तर की वार्ता के लिए इस्लामाबाद में पाकिस्तान वायु सेना मुख्यालय का दौरा किया है। पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई के विकल्पों पर तेजी से विचार कर राह है। लिहाजा माना जा रहा है कि तुर्की, पाकिस्तान के साथ सैन्य सहयोग को गहरा करने की कोशिश कर सकता है। सूत्रों का कहना है कि इस यात्रा के एजेंडे में क्षेत्रीय सुरक्षा, सैन्य प्रशिक्षण सहयोग और खुफिया जानकारी साझा करना शामिल है। इससे पहले रिपोर्ट आई थी कि तुर्की ने कम से कम 6 सैन्य विमानों में पाकिस्तान को हथियार पहुंचाए हैं। हालांकि तुर्की की सरकार ने दावे को खारिज किया है, लेकिन फिर भी संभावनाओं से इनकार नहीं किया जा सकता है। पाकिस्तान को हथियार भेजने की रिपोर्ट का खंडन करते हुए तुर्की ने बयान जारी करते हुए कहा था कि हथियारों की डिलीवरी की रिपोर्ट झूठी है। उसने कहा था कि तुर्की का विमान सिर्फ कराची में ईंधन भरने उतरा था, इसके अलावा मिलिट्री ट्रांसफर की सारी रिपोर्ट्स झूठी है। तुर्की का ये दावा इसलिए भी सच मालूम होता है, क्योंकि कराची से उड़ान भरने के बाद तुर्की का विमान भारत के एयरस्पेस का इस्तेमाल करते हुए मलेशिया पहुंचा था।

ट्रम्प को 52% अमेरिकन ने खतरनाक तानाशाह बताया

सर्वे में लोगों ने कहा- उनकी पावर कम हो, वरना वे लोकतंत्र खत्म कर देंगे

वाशिंगटन, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के दूसरे कार्यकाल के आज 100 दिन पूरे हो गए हैं। इस बीच पब्लिक ओपिनियन सर्वे करने वाली अमेरिकी कंपनी पीआआरआई ने ट्रम्प को लेकर एक रिपोर्ट जारी की है। सर्वे के मुताबिक- 52% अमेरिकी नागरिक ट्रम्प को खतरनाक तानाशाह मानते हैं। उनका मानना है कि ट्रम्प की पावर को सीमित किया जाना चाहिए, वरना वे अमेरिकी लोकतंत्र को नष्ट कर देंगे।

87% डेमोक्रेट्स, 56% इंडिपेंडेंट्स और 17% रिपब्लिकन भी ट्रम्प को तानाशाह के मान रहे हैं। सर्वे में शामिल अमेरिकियों ने कहा- ट्रम्प पर लगाम नहीं लगाई तो वे आने वाले दिनों में अमेरिका के लिए खतरनाक साबित होंगे।

डोनाल्ड ट्रम्प जब सत्ता में आए थे तो उन्होंने पॉपुलैरिटी के रिकॉर्ड तोड़े थे। अब यूगॉव के एक सर्वे में बताया गया है कि उनकी पॉपुलैरिटी तेजी से कम हो रही है। सर्वे के मुताबिक- 100 दिनों में ट्रम्प की पॉपुलैरिटी रेटिंग में रिकॉर्ड 14% की गिरावट आई है। उनकी अप्रूवल रेटिंग 55% से घटकर 41% हो गई है। यह पिछले 70 सालों में किसी भी नए राष्ट्रपति के पहले 100 दिनों की रेटिंग का सबसे निचला स्तर है। हाल में एक इंटरव्यू में ट्रम्प ने कहा- मैं बहुत ही शानदार काम कर रहा हूं। अमेरिका की जनता मुझे फिर से राष्ट्रपति चुनाव लड़ने की मांग कर रही है। लोग मुझे तीसरी बार भी अमेरिका का राष्ट्रपति बनाने को बेताब हैं।

ट्रम्प ने बताया कि राष्ट्रपति के रूप में मेरे 100 दिन अमेरिकी इतिहास में सबसे महान दिन रहे। हमने कई कानून बदले। टैरिफ से होने वाले नुकसान को रोका। छंटनी की। टैरिफ से एक साल में 170 लाख करोड़ रुपए की कमाई होगी। इससे मध्यवर्ग को राहत होगी।

इजरायल के बाद एक और शक्तिशाली देश ने किया भारत के समर्थन का ऐलान

संसद में की कई पहलगाम आतंकी हमले की निंदा

लंदन, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। इजरायल के बाद अब यूनाइटेड किंगडम ने पहलगाम आतंकी हमले में भारत का साथ देने का ऐलान कर दिया है। जो पाकिस्तान के लिए बहुत बड़ा झटका है। ब्रिटेन की सरकार ने देश की संसद में पहलगाम आतंकी हमले की निंदा करते हुए कहा है कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई में हम भारत के साथ हैं। ब्रिटिश सरकार ने देश की संसद में बताया है कि पहलगाम आतंकी हमले के अपराधियों को पकड़ने में भारत को हमारा पूरा समर्थन है। उसने यह भी कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव को कम करने के लिए ब्रिटेन अपनी पूरी राजनयिक भूमिका निभाना चाहता है₹। आपको बता दें कि भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव का असर लंदन की सड़कों पर भी दिख रहा है, जहां भारत और पाकिस्तान मूल के नागरिक बार बार सड़कों पर आ रहे है।

हाउस ऑफ कॉमन्स में विदेश कार्यालय के मंत्री हैमिश फाल्कनर ने कहा कि ₹यह जरूरी है कि कानून प्रवर्तन एजेंसियां इस मामले की ठीक से जांच करें और अपराधियों पर फोकस करें। ब्रिटिश सरकार ने कहा कि ₹यह बहुत जरूरी है कि ब्रिटेन में हम सभी, जो समुदाय के स्तर पर प्रभावशाली पदों पर हैं, यह सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करें कि यह तनाव ब्रिटिश सड़कों पर न फैले। एक भयानक आतंकवादी हमला हुआ है... हम पाकिस्तानियों से आग्रह करते हैं कि वे जांच में भारतीय सरकार का पूरा सहयोग करें।

फाल्कनर, पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले पर एक बहस के दौरान बोल रहे थे। यह बहस लेबर पार्टी के सांसद गुरिंदर सिंह जोसन के एक सवाल के बाद शुरू हुई थी। जिसमें उन्होंने पूछा था कि इस आतंकी हमले को लेकर ब्रिटिश सरकार का स्टैंड क्या है? इस पर फाल्कनर ने कहा कि ₹दोनों देश आपस में बात कर रहे हैं, जो अच्छी बात है। भारत को अपनी सुरक्षा की चिंता होना स्वाभाविक है, क्योंकि यह एक भयानक घटना है।

पूर्व सीएम गहलोत ने पंचायतों के परिसीमन में लगाया धांधली का आरोप

बोले- 10-10 किमी दूर के गांवों में मिलाया जा रहा

जयपुर, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान में पंचायतीराज संस्थाओं और नगरीय निकायों के पुनर्गठन और परिसीमन को लेकर सियासी घमासान मचा हुआ है। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भजनलाल सरकार पर इस प्रक्रिया में मनमानी और संवैधानिक नियमों के उल्लंघन का गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि मैं ऐसा पहली बार देख रहा हूं कि सारे नियम-कानून तोड़े जा रहे हैं।

नियम-कानून तोड़े जा रहे हैं- गहलोत

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने आज एक्स पर एक पोस्ट लिखते हुए कहा कि राजस्थान की भाजपा सरकार मनमाने तरीके से पंचायतीराज एवं नगरीय निकायों के पुनर्गठन कर रही है। मैं ऐसा पहली बार देख रहा हूं कि सारे नियम-कानून तोड़े जा रहे हैं। जिला कलेक्टरों ने जनता की आपत्तियां दर्ज कर आगे कार्रवाई करने की बजाय हाथ खड़े कर दिए हैं और कलेक्टर कह रहे हैं कि हम कुछ नहीं कर पाएंगे, सारा काम राज्य सरकार के स्तर से हो रहा है।

उन्होंने कहा कि भाजपा और आरएसएस मिलकर येन-केन-प्रकरेण पंचायतीराज और नगरीय निकाय के चुनाव जीतना चाहती है। इसके लिए पहले भरतपुर जिला प्रमुख समेत कई जगह इनके उपचुनाव तक नहीं करवाए। फिर वन स्टेट-वन इलेक्शन के नाम पर कार्यकाल पूरा होने के बाद भी चुनाव नहीं करवाए एवं अब ये वोटबैंक को साधकर जीतने के लिए नियमों एवं जनता की सहूलियत को भी अनदेखा कर रहे हैं।

अशोक गहलोत ने कहा कि न तो न्यूनतम एवं अधिकतम जनसंख्या के पैमाने को माना जा रहा है और न ही मुख्यालय से उचित दूरी का ध्यान रखा जा रहा है। कहीं शहर से 10-10 किलोमीटर दूर के गांवों को नगरीय निकायों में मिलाया जा रहा है तो कहीं गांवों को इस तरह पंचायतों से जोड़ा जा रहा है कि पंचायत मुख्यालय ही 5 से 10 किलोमीटर दूर हो गया है।

जनता में आक्रोश, कलेक्टरों पर दबाव

गहलोत ने कहा कि मैं राज्य सरकार से कहना चाहता हूं कि इस तरह की गतिविधियां उचित नहीं है। जनता में इसको लेकर आक्रोश पनप रहा है। जिला कलेक्टरों को भी यह सुनिश्चित करना चाहिए कि राजनीतिक दबाव में न आकर नियमानुसार सुसंगत तरीके से पूरी पुनर्गठन प्रक्रिया हो।

राजनीतिक लाभ की कोशिश- विपक्ष

बताते चलें कि विपक्षी नेताओं का शुरू से ही इस प्रक्रिया पर आरोप है कि परिसीमन और पुनर्गठन की प्रक्रिया को भाजपा अपने राजनीतिक लाभ के लिए हथियार बना रही है। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि यह कवायद वोटबैंक को मजबूत करने और चुनावी जीत सुनिश्चित करने की साजिश है।

विपक्ष ने यह भी आरोप लगाया कि परिसीमन समिति के सदस्यों पर सत्तारूढ़ दल का दबाव है, जिसके चलते जनता की आपत्तियों को नजरअंदाज किया जा रहा है। देखा जा रहा है कि परिसीमन की प्रक्रिया के बाद ग्रामीण क्षेत्रों में कई जगह ग्राम पंचायतों के पुनर्गठन और मुख्यालय बदलने को लेकर विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं।

आर्मी एरिया में ड्रोन उड़ाने और फोटो खींचने के आरोप में 6 गिरफ्तार

सुरक्षा एजेंसियां कर रही पूछताछ

बाड़मेर, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद से राजस्थान के सरहदी जिले बाड़मेर में पुलिस प्रशासन अलर्ट मोड पर है। बाड़मेर पुलिस ने आर्मी स्टेशन के पास ड्रोन उड़ाते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इसके अलावा एयरफोर्स के पास फोटोग्राफी करते हुए भी तीन अन्य युवकों को गिरफ्तार किया गया है।

जिले के ग्रामीण थाना इलाके में सोमवार शाम को आर्मी स्टेशन के पास ड्रोन उड़ने की सूचना पुलिस को मिली थी। उसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर ड्रोन उड़ा रहे तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार कर लिया। ग्रामीण थानाधिकारी विक्रम दान चारण के मुताबिक, पूछताछ में युवकों ने बताया कि करणी विहार कॉलोनी का प्रमोशन करने के लिए ड्रोन उड़ाया था। फिलहाल तीनों युवकों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

बाड़मेर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जस्साराम बॉस ने बताया कि ग्रामीण थाना इलाके में सोमवार शाम को आर्मी स्टेशन के पास ड्रोन उड़ने की सूचना पुलिस को मिली थी। जिस पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर ड्रोन उड़ा रहे तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार कर लिया। इनमें शुभम (26) पुत्र विनोद और उसका साथी किरतेश पुत्र रामनिवास गुप्ता दोनों उत्तम नगर नई दिल्ली के रहने वाले हैं। दोनों ने खुद को डिजिटल प्रमोटर बताया है। वहीं, तीसरा युवक रफ्तार (30) पुत्र मोहम्मद तैयब बालोतरा का रहने वाला है। पुलिस ने ड्रोन को जब्त कर लिया है। इसकी जांच की जा रही है। पुलिस के अनुसार ड्रोन उड़ाने के लिए इजाजत की जरूरत होती है। लेकिन इन्होंने प्रशासन से ड्रोन उड़ाने की इजाजत नहीं ली थी। साथ संवेदनशील इलाके में ड्रोन उड़ाना अपराध की श्रेणी में आता है।

इसी तरह बाड़मेर पुलिस ने एयरफोर्स एरिया में स्थित म्यूजियम पर फोटोग्राफी करते रेखाराम और प्रकाश निवासी हुडो की ढाणी बाड़मेर को गिरफ्तार किया है। साथ ही एक संदिग्ध युवक महिदुल खान निवासी बतकुसी जिला बोरपेटा असम को भी गिरफ्तार किया है। इनसे भी विभिन्न सुरक्षा एजेंसियां संयुक्त पूछताछ कर रही हैं।

नकली नोटों की फैक्ट्री का भंडाफोड़

7.50 लाख के जाली नोट जब्त, आरोपी गिरफ्तार

जोधपुर, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। शहर की मंडोर मंडी स्थित एक मकान में नकली नोट छापने की फैक्ट्री का भंडाफोड़ हुआ है। डीएसटी ईस्ट टीम ने कार्रवाई करते हुए 7 लाख 50 हजार रुपये के जाली नोट बरामद किए हैं। साथ ही मौके से नोट छापने की मशीनें, कलर प्रिंटर, सॉफ्टवेयर, विशेष प्रकार का कागज, स्टीकर, रंग और रसायन भी जब्त किए गए हैं।

इस मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी श्रवण आचार्य को गिरफ्तार किया है। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी लंबे समय से इस गैरकानूनी गतिविधि में लिप्त था और मंडी क्षेत्र सहित आसपास के इलाकों में नकली नोट खपाने का प्रयास करता था। सूचना मिलने पर डीसीपी ईस्ट आलोक श्रीवास्तव स्वयं मौके पर पहुंचे और कार्रवाई की निगरानी की। छापेमारी महामंदिर थाना क्षेत्र में की गई, जहां आरोपी के मकान से नकली नोट बनाने से जुड़ा पूरा सेटअप बरामद हुआ।

पुलिस की प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया है कि नकली नोटों का यह नेटवर्क जोधपुर के अलावा अन्य जिलों में भी फैला हो सकता है। डीसीपी श्रीवास्तव ने बताया कि आरोपी से पूछताछ जारी है और उसके बयान के आधार पर गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश की जा रही है। जब्त सामग्री को फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है।

सूत्रों के अनुसार यह गिरोह मंडी में आने वाले ग्रामीणों को निशाना बनाकर 500 रुपये के नकली नोट खपाने की फिराक में था। ये ग्रामीण अपने उत्पाद बेचने या किराने का सामान खरीदने आते हैं और अक्सर नकली नोटों की पहचान नहीं कर पाते। हालांकि इससे पहले ही डीएसटी टीम ने कार्रवाई कर पूरे मामले का पर्दाफाश कर दिया।

तीन लोगों पर एक साथ चार भालुओं का हमला

नाक, मुंह और जबड़ा बुरी तरह नोंचा; दहशत में आए लोग

सिरोही, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। माउंट आबू। पर्यटन स्थल माउंट आबू में वन्यजीवों का आबादी क्षेत्र में मूवमेंट जारी है। सोमवार देर रात शहर के नीलकंठ महादेव मंदिर के समीप तीन श्रमिक सोए हुए थे। इसी दौरान सड़क पर चार भालुओं ने एक साथ उन पर आक्रमण कर तीनों युवकों को गंभीर रूप से घायल कर दिया। इधर, माउंट आबू में भालुओं के आबादी क्षेत्र में मूवमेंट से लोगों में डर बना हुआ है। भालुओं के हमले में घायल मोरडू आबूरोड निवासी दिनेश पुत्र वजाराम के अनुसार वह स्वयं, उसका पुत्र किशन व एक अन्य परिजन रेशमा राम काम के सिलसिले में माउंट आबू आए थे। नीलकंठ मंदिर के समीप सो गए।

इसी बीच भालुओं के हमले से खुद को बचाने की जद्दोजहद में तीनों युवक जोर-जोर से चिल्लाने लगे। जिस पर पालिका पूर्व अध्यक्ष सुरेश थिंगर, अभिषेक थिंगर सहित अन्य लोग मौके पर पहुंचे। जिन्होंने शोर मचाकर भालुओं को बड़ी मुश्किल से खदेड़ा।

भालुओं के हमले में मोरडू गांव के किशन गरासिया, दिनेश गरासिया व रेशमा गरासिया घायल हो गए। भालुओं ने उनके मुंह, नाक, कंधे, आंखों के पास, जबड़ा व शरीर के अन्य हिस्सों को जख्मी कर दिया। तीनों घायल युवकों को ग्लोबल अस्पताल पहुंचाया गया।

भालुओं के हमले की सूचना वन विभाग को दी गई। जिस पर वनपाल राजेश विश्नोई मौके पर पहुंचे। जिन्होंने उपवन संरक्षक शुभम जैन के निर्देशन में घटना की जानकारी लेकर उपचाराधीन युवकों का हाल जाना।

पुलिस को देखते ही गोलियां बरसाने लगे बदमाश

जवाबी फायरिंग में हिस्ट्रीशीटर 'लॉटरी' घायल

भीलवाड़ा, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के भीलवाड़ा में आज सुबह पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। जिसमें एक हिस्ट्रीशीटर गोली लगने से घायल हो गया। उसे इलाज के लिए भीलवाड़ा के महात्मा गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं, पुलिस ने हिस्ट्रीशीटर के तीन साथियों को गिरफ्तार कर लिया है।

भीलवाड़ा शहर में आज सुबह बदमाश जगदीश कुमावत, सिकंदर पठान, अजीत खान और प्रहलाद कुमावत के हथियार लेकर आने की सूचना मिली। जिस पर एसपी धर्मेंद्र सिंह यादव ने पूरे पुलिस प्रशासन को अलर्ट करते हुए जिलेभर नाकाबंदी करवाई।

हमीरगढ़ थाना क्षेत्र में बदमाशों और पुलिस का आमना—सामना हो गया। प्रोबेशनरी आईपीएस जतिन जैन और हमीरगढ़ थानाधिकारी संजय गुर्जर ने बदमाशों को रोकने का किया प्रयास। लेकिन, बदमाशों ने पुलिस पर फायर कर दिया। जिस पर पुलिस ने भी की जवाबी फायरिंग की। जिसमें हिस्ट्रीशीटर सिकंदर पठान उर्फ लॉटरी घायल हो गया। जिसका महात्मा गांधी अस्पताल में उपचार जारी है।

बदमाशों ने जैसे ही पुलिसकर्मी को देखा तो फायरिंग शुरू कर दी। हिस्ट्रीशीट सिकंदर पठान ने पुलिस पर 3 राउंड फायर किए। हालांकि, गनीमत रही कि कोई पुलिसकर्मी घायल नही हुआ। वहीं, जब पुलिस ने जब जवाबी फायरिंग की तो गोली सीधे सिकंदर के पैर में लगी। घायल होते ही पुलिस ने उसे दबोच लिया।

हिस्ट्रीशीटर सिकंदर पठान उर्फ लॉटरी के अलावा पुलिस ने बदमाश जगदीश कुमावत, अजीत खान और प्रहलाद कुमावत को भी गिरफ्तार किया है।

फैक्ट्री में धधकी भयंकर आग, क्रेन की मदद से निकाले तेल से भरे नीले ड्रम

6 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद 15 दमकलों ने पाया काबू

अजमेर, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। पालरा स्थित रीको औद्योगिक क्षेत्र में पेपर – गत्ता फैक्टरी में आग लग गई। पेपर रोल सहित फैक्टरी में रखे उपकरण, फर्नीचर सहित अन्य सामान जलकर राख हो गया। मौके पर रखे नीले रंग के तेल के ड्रमों को क्रेन के जरिए बाहर निकाला गया अन्यथा आग और विकराल रूप ले लेती।

अग्रोदिया प्रोड्क्टस प्राइवेट लिमिटेड में देर रात अज्ञात कारणों से आग लगी। आग के कारण यहां रखे सैंकड़ों पेपर रोल आग की चपेट में आ गए। 15 दमकल ने मिलकर 6 घंटे की कड़ी मशक्क्त के बाद आग पर काबू पाया।

आसपास लोगों ने भी टैंकरों से अपने स्तर पर पानी लाकर आग बुझाने का प्रयास किया लेकिन आग नहीं बुझी। क्षेत्र में हवा तेज चलने से जले हुए कागज उड़ कर दूर तक जा रहे थे। ऐसे में आसपास की केमिकल की फैक्ट्री आदि में भी आग लगने की आशंका बढ़ गई। क्षेत्र में केमिकल सहित अन्य कई फैक्ट्री व बॉयलर हैं। गत वर्ष 12 अप्रेल को विमला मार्केट में भी एक होजरी के शोरूम में आग लगी थी। जिसे दो दिन बाद बुझाया जा सका। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि एक श्रमिक परिवार अंदर रहता था लेकिन वह समय रहते बाहर आ गया। खबर लिखे जाने तक कोई जनहानि की सूचना नहीं है। घटना की जानकारी मिलने पर दक्षिण वृत्त अधिकारी ओमप्रकाश, आदर्श नगर एसएचओ छोटे मीणा, दरगाह एसएचओ दिनेश जीवनानी मय बल मौके पर पहुंचे। क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति बंद होने से आसपास के लोग अपने ट्रैक्टर में पानी नहीं ला पा रहे थे। इस कारण दमकल आने का इंतजार करना पड़ गया।

जहरीली शराब से तीन दिन में आठ लोगों की मौत

प्रशासन की मदद से अवैध कारोबार चलाने का आरोप

अलवर, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। स्थानीय लोगों का दावा है कि इस अवैध कारोबार की जानकारी पुलिस और संबंधित विभागों को पहले से थी, लेकिन किसी ने कार्रवाई नहीं की। ग्रामीणों का आरोप है कि यह सब मिलीभगत से हो रहा था, जिससे शराब माफियाओं को खुली छूट मिल गई।

अलवर जिले के अकबरपुर थाना क्षेत्र के दो गांव पैंतपुर और किशनपुर इन दिनों जहरीली शराब से हुई मौतों के कारण गहरे शोक में डूबे हुए हैं। बीते तीन दिनों में आठ लोगों की जान चली गई, जबकि कई अन्य ग्रामीणों की हालत गंभीर बनी हुई है। जहरीली शराब के कारण लगातार हो रही लोगों की मौत ने पूरे क्षेत्र में हड़कंप मचा दिया है।

जानकारी के मुताबिक, मौत का सिलसिला 26 अप्रैल से शुरू हुआ, जब पैंतपुर निवासी सुरेश वाल्मीकि (45) की जान गई। इसके अगले दिन 27 अप्रैल को किशनपुर के रामकिशोर (47) और पैंतपुर के रामुकुमार (39) की भी मौत हो गई। हालात तब और बिगड़ गए जब 28 अप्रैल को एक ही दिन में पांच लोगों की जान चली गई। इन मृतकों में किशनपुर के लालाराम (60) और भारत (40) और पैंतपुर के ओमी (65) शामिल हैं।

सबसे ज्यादा लोगों की मौत 28 अप्रैल को हुई, लेकिन प्रशासनिक अधिकारी उसी दिन देर शाम गांव पहुंचे। उससे पहले हुई मौत को लेकर किसी प्रकार की कोई गंभीरता नहीं दिखाई गई। प्रशासन की इस लापरवाही से ग्रामीणों में गहरा रोष है। गांववासियों का आरोप है कि इलाके में लंबे समय से अवैध शराब का कारोबार बेधड़क जारी था। ग्रामीणों ने बताया कि एक ठेकेदार को एक शराब दुकान की अनुमति मिली थी, लेकिन उसने कई अवैध दुकानें खोल रखी थीं, जहां कच्ची और जहरीली शराब खुलेआम बेची जा रही थी।

स्थानीय लोगों का दावा है कि इस अवैध कारोबार की जानकारी पुलिस और संबंधित विभागों को पहले से थी, लेकिन किसी ने कार्रवाई नहीं की। ग्रामीणों का आरोप है कि यह सब मिलीभगत से हो रहा था, जिससे शराब माफियाओं को खुली छूट मिल गई। तीन दिन तक लगातार होती रही मौतों के बाद भी जब प्रशासन ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया, तो गुरुवार को ग्रामीणों ने महापंचायत बुलाई। महापंचायत में तय किया गया कि वे दोषी अधिकारियों और शराब माफियाओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग करेंगे। अभी भी कई ग्रामीण अस्पतालों में जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहे हैं। गांव में हर गली-कूचे में शोक और भय का माहौल है।

शादी में नाचने को लेकर हुआ झगड़ा

युवक की चाकू मारने से मौत

बूंदी, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। थाना क्षेत्र के लक्ष्मीपुरा गांव में सोमवार रात को शादी में नाचने को लेकर हुआ विवाद झगड़े में बदल गया। झगड़े में चाकू लगने से अरण्या गांव निवासी 27 वर्षीय युवक खुशीराम की मौत हो गई। मृतक ट्रक चालक था, जो लक्ष्मीपुरा में अपनी बहन के यहां आया था। गांव में एक शादी समारोह चल रहा था। रात दस बजे शादी में नाचने को लेकर हुआ विवाद झगड़े में बदल गया। झगड़े के दौरान खुशीराम को चाकू मार दिया, जिससे अचेत होकर सडक़ पर गिर गया। गांव में झगड़े की सूचना पर पुलिस उपाधीक्षक राजूलाल मीणा, थानाधिकारी कमलङ्कषसह बंजारा पुलिस जाप्ते के साथ लक्ष्मीपुरा गांव पहुंचे तो घायल खुशीराम अचेत अवस्था में गांव में सडक़ पर पड़ा था। सडक़ पर खून हो रहा था, जिसको पुलिस अपनी जीप में डालकर उपचार के लिए नैनवां उपजिला चिकित्सालय में लेकर आई। अचेत होने से प्राथमिक उपचार के बाद रात को ही बूंदी रेफर कर दिया था। साथ में पुलिस भी गई थी। खुशीराम की बूंदी पहुंचने से पहले ही मौत हो गई तो पुलिस शव को वापस नैनवां उपजिला चिकित्सालय लेकर आए। शव मोर्चरी में रखवाया।

मामले में पुलिस ने रात को ही मृतक के बहनोई की रिपोर्ट पर आठ लोगों के खिलाफ जानलेवा हमले का मुकदमा दर्ज कर लिया था। मामला दर्ज होने के बाद युवक की मौत हो जाने पर मामले में हत्या की धारा जोड़ी गई है। थानाधिकारी ने चिकित्सालय पहुंचकर शव का पंचनामा बनाकर पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया। कोटा से एफएसएल व बूंदी से एमओबी टीम बुलाई है। दोनों टीमों ने घटना स्थल पर साक्ष्य जुटाए।

ट्रक और पिकअप की भीषण टक्कर

एक युवक की मौत, नौ लोग घायल

सिरोही, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। सिरोही जिले में सोमवार देर रात आबूरोड-पालनपुर फोरलेन पर मावल के पास एक भीषण सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि नौ अन्य घायल हो गए। हादसा उस वक्त हुआ जब गुजरात के मेहसाणा से एक पिकअप वाहन शादी समारोह के लिए ढोल बजाने उदयपुर जा रहा था और ओवरटेक के प्रयास में ट्रक से उसकी टक्कर हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही मावल पुलिस चौकी और रीको थाना पुलिस मौके पर पहुंची। घायलों को तुरंत 108 एंबुलेंस की मदद से आकराभट्टा के सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया। जहां चार गंभीर रूप से घायल व्यक्तियों को प्राथमिक इलाज के बाद रेफर कर दिया गया। रीको थानाधिकारी लक्ष्मणसिंह चंपावत ने बताया कि पिकअप में सवार युवक गुजरात के मेहसाणा जिले के मातासुर गांव से थे और शादी में ढोल बजाने के लिए उदयपुर जा रहे थे। मावल के पास पिकअप चालक ओवरटेक करने की कोशिश कर रहा था, तभी सामने से आ रहे ट्रक से जोरदार टक्कर हो गई।

नाबालिग से बलात्कार के मामले में 20 साल का कारावास

अलवर, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। अलवर में एक नाबालिक से बलत्कार करने वाले व्यक्ति को 20 साल की सजा सुनाई गई है। जानकारी के अनुसार विशिष्ट न्यायालय पोक्सो संख्या -एक के न्यायाधीश जगेन्द्र अग्रवाल ने नाबालिग से बलात्कार के मामले में आरोपी के खिलाफ दोषसिद्ध होने पर उसे 20 साल का कारावास और अर्थदंड से दंडित किया है। विशिष्ट लोक अभियोजक विनोद कुमार शर्मा ने बताया कि पीड़िता और उसकी बहन सामान लेने के लिए बाजार गई थी। वहां से बाजार का काम खत्म होने पर पीड़िता अपने घर आ गई और पीड़िता की बहन रिक्शा में बैठ गई थी, वो घर आ नहीं पाई। इस बीच आरोपी सोनू पीड़िता को बहला-फुसलाकर ले गया और उसके साथ बलात्कार किया। इस संबंध में पीड़िता के पिता की ओर से 10 अक्टूबर 2024 को थाने में मामला दर्ज कराया गया था। पुलिस ने न्यायालय में चालान पेश किया। विशिष्ट लोक अभियोजक शर्मा ने बताया कि प्रकरण में 23 गवाह और 43 दस्तावेजों को परीक्षित कराया गया।

सीसीटीवी कैमरे बेचने के लिए उदयपुर को बताया सबसे खतरनाक

पुलिस ने दो लोगों को हिरासत में लिया

उदयपुर, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान की सांस्कृतिक राजधानी उदयपुर की छवि को सोशल मीडिया पर जान-बूझकर खराब करने के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई, जिसके तहत इंस्टाग्राम पर भ्रामक वीडियो प्रसारित करने वाले दो व्यक्तियों को हिरासत में लिया गया है।

दरअसल शक्तिनगर स्थित गैलेक्सी ट्रेडर्स के संचालक ने अपने सीसीटीवी कैमरे बेचने के उद्देश्य से एक एडवर्टाइजिंग वीडियो तैयार करवाया था। इस वीडियो में उदयपुर को एक अपराधग्रस्त शहर के रूप में प्रस्तुत किया गया। वीडियो में हत्या, डकैती, रेप और छेड़छाड़ जैसी घटनाओं को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाया गया और उदयपुर को भारत ही नहीं बल्कि विदेशों में भी सबसे खतरनाक शहर के रूप में प्रचारित किया गया। यहां तक कि प्रमुख पर्यटक स्थलों को खून के धब्बों से चिन्हित करके दिखाया गया, जिससे शहर की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंची और पर्यटन व व्यापार पर नकारात्मक असर डालने का प्रयास हुआ।

इस भ्रामक वीडियो के लिए जिम्मेदार गायत्री नगर निवासी जीवेश भाटिया और झाड़ोल निवासी एंकर हुसैन को भूपालपुरा थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी आदर्श परिहार ने बताया कि दोनों आरोपियों को पाबंद करते हुए भविष्य में इस प्रकार के किसी भी गैर जिम्मेदाराना कृत्य से दूर रहने की सख्त चेतावनी दी गई है। पुलिस का कहना है कि इस प्रकार के कृत्य न केवल शहर की छवि को खराब करते हैं, बल्कि सामाजिक सौहार्द्र और पर्यटन आधारित अर्थव्यवस्था को भी नुकसान पहुंचाते हैं।

तेलंगाना नागरिक आपूर्ति निगम को अंतर्राष्ट्रीय मान्यता

हैदराबाद, 30 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य नागरिक आपूर्ति निगम को सार्वजनिक वितरण प्रणाली में बेहतर सेवाएं प्रदान करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय मान्यता मिली है। अंतर्राष्ट्रीय संगठन एचवाईएम ने विभागीय प्रमुख सचिव डी.एस. चौहान द्वारा गुणवत्ता मानकों का पालन करके जनता को सेवाएं प्रदान करने के लिए लिए गए निर्णयों को मान्यता देते हुए राज्य नागरिक आपूर्ति विभाग को अंतर्राष्ट्रीय मानकों को पूरा करने के लिए प्रमाणित किया है और इसे आईएसओ प्रमाण पत्र प्रदान किया है। भारत भर में अभूतपूर्व क्रांतिकारी बढ़िया चावल वितरण कार्यक्रम तेलंगाना सरकार द्वारा शुरू किया गया और सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से लाभार्थियों तक पहुंचाया गया। संगठन ने निगम द्वारा लाए गए कई सुधारों और गुणवत्ता मानकों के पालन का अध्ययन करने के बाद इसे मान्यता दी और राज्य निगम को पांच सितारा रेटिंग के साथ आईएसओ 9001 प्रमाण पत्र प्रदान किया।तद्नुसार, बुधवार को एर्रामंजिल कॉलोनी स्थित नागरिक आपूर्ति केंद्रीय कार्यालय में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में सिंचाई एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी ने विभागीय प्रमुख सचिव डी.एस. चौहान को प्रमाण पत्र सौंपा। राज्य नागरिक आपूर्ति निगम ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली में यह दुर्लभ प्रमाण पत्र हासिल किया है, जो भारत में किसी अन्य राज्य को प्राप्त नहीं हुआ है। मंत्री ने नागरिक आपूर्ति निगम को दुनिया में कहीं भी मान्य और स्वीकार्य तरीके से काम करने के लिए आकार देने के लिए चौहान को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह नागरिक आपूर्ति विभाग के कर्मचारियों के सामूहिक प्रयासों की मान्यता है। आईएसओ (9001:2015) प्रमाण पत्र के साथ, निगम को पांच सितारा रेटिंग प्राप्त करना अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विभाग के प्रदर्शन को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि निगम द्वारा प्रतिबद्धता के साथ क्रियान्वित की गई नीतियों को आज अंतर्राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त हुई है।

अधिकारियों ने तेलंगाना में प्रवासी श्रमिकों का सर्वेक्षण शुरू किया

कोत्तागुडेम, 30 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। छत्तीसगढ़ के अधिकारियों ने आजीविका की तलाश में अपने राज्य से तेलंगाना और अन्य पड़ोसी राज्यों में पलायन करने वाले आदिवासी श्रमिकों की गणना के लिए एक सर्वेक्षण शुरू किया है। बस्तर जिले के सहायक आयुक्त कल्याण सिंह के नेतृत्व में अधिकारियों की एक टीम ने सर्वेक्षण के तहत भद्राचलम का दौरा किया और आईटीडीए परियोजना अधिकारी बी राहुल से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि सर्वेक्षण का उद्देश्य यह पता लगाना था कि प्रवासी कहां रह रहे हैं, अपने परिवारों के साथ शहरी और ग्रामीण इलाकों में दिहाड़ी मजदूर के रूप में काम कर रहे हैं।

राहुल ने टीम के सदस्यों को बताया कि कोया और गुथिकोया प्रवासी श्रमिक ज्यादातर पूर्ववर्ती खम्मम जिले के कई स्थानों पर ग्रामीण क्षेत्रों में बसे हुए हैं और अपनी आजीविका कमाते हैं, जबकि उनमें से कुछ शहरी क्षेत्रों में भी रह रहे हैं। आईटीडीए ने कोत्तागुडेम और खम्मम जिलों में प्रवासी श्रमिकों का विवरण एकत्र करने के लिए छत्तीसगढ़ टीम के साथ काम करने के लिए एक कनिष्ठ सहायक को नियुक्त किया है।

कल्याण सिंह ने बताया कि यह सर्वेक्षण बस्तर जिला कलेक्टर के निर्देश पर किया गया है। टीम प्रवासी मजदूरों के घरों का दौरा कर उनके शहरों या गांवों में बसने के बारे में जानकारी एकत्र करेगी और यह भी पता लगाएगी कि वे अपने घर वापस लौटेंगे या नहीं। उन्होंने बताया कि सर्वेक्षण पूरा होने के बाद एक विस्तृत रिपोर्ट बस्तर कलेक्टर को सौंपी जाएगी।

सेंटर में कर्मचारियों की संख्या पहुंची 1,000 के पार

हैदराबाद, 30 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। प्रमुख खेल मनोरंजन ऑपरेटर फ़्लटर एंटरटेनमेंट ने भारत में अपने कारोबार के विकास में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। कंपनी का ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी)-फ़्लटर एंटरटेनमेंट इंडिया एलएलपी (एफईआई) क्षमताओं की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है और आरएमजेड स्पायर, नॉलेज सिटी, हैदराबाद में स्थित है, जिसने अब 1,000 कर्मचारियों का आंकड़ा पार कर लिया है। फ़्लटर की वैश्विक स्थिरता रणनीति, सकारात्मक प्रभाव योजना के एक भाग के रूप में, फ़्लटर ने 2024 में हैदराबाद में स्थानीय पहलों के लिए 30,000 जीबीपी आवंटित किया है, ताकि 550 महिलाओं के लिए कैंसर स्क्रीनिंग और 76 छात्रों के लिए डेटा विज्ञान और मशीन लर्निंग में शिक्षा का समर्थन किया जा सके। पहल के प्रभाव और फ़्लटर की 'डू मोर' के प्रति प्रतिबद्धता को मान्यता देते हुए, फ़्लटर ने 2025 के लिए स्थानीय पहलों में अपने निवेश को दोगुना कर दिया है। भारत की अपनी यात्रा के दौरान, फ़्लटर के सीईओ पीटर जैक्सन ने कहा कि भारत फ़्लटर के लिए एक प्रमुख विकास बाजार है, और हैदराबाद जीसीसी इस क्षेत्र में हमारे निरंतर विस्तार के लिए अभिन्न अंग है।

एनएमडीसी के ईडी सतेन्द्र राय डिजिटल चैम्पियंस अवार्ड से सम्मानित

यूपी बलिया के श्रीनगर गांव के निवासी हैं सत्येन्द्र राय

हैदराबाद, 25 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। डिजिटल परिवर्तन की दिशा में निरंतर प्रयासों के लिए एनएमडीसी लिमिटेड को इंडिया पीएसई समिट 2025 के दौरान प्रतिष्ठित डिजिटल चैम्पियंस अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह आयोजन एक्सप्रेस कंप्यूटर द्वारा प्रौद्योगिकी के माध्यम से भारत के विकास इंजन को सशक्त बनाना थीम के अंतर्गत हैदराबाद में आयोजित किया गया। एनएमडीसी लिमिटेड के अधिशासी निदेशक सत्येन्द्र राय (डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन) ने संगठन की ओर से यह पुरस्कार प्राप्त किया। यह सम्मान एनएमडीसी द्वारा नवाचार और डिजिटल तकनीकों के माध्यम से परिचालन उत्कृष्टता हासिल करने और भारत को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने की दिशा में किए गए कार्यों को रेखांकित करता है। इस अवसर पर श्री राय ने कहा, यह पुरस्कार एनएमडीसी की दूरदर्शिता और तकनीकी नवाचार की दिशा में किए गए निरंतर प्रयासों का प्रमाण है। हम भारत की डिजिटल यात्रा में अपना योगदान देने पर गर्व महसूस करते हैं और खनन क्षेत्र में तकनीकी नवाचार के लिए प्रतिबद्ध हैं। बताते चलें कि पिछले फरवरी माह में भी एनएमडीसी के ईडी सतेन्द्र राय को हैदराबाद में आयोजित टेक्नोलॉजी एक्सीलेंस समिट में बेस्ट डिजिटल ट्रॉसफॉर्मेशन इनिशिएटिव अवॉर्ड मिला था। श्रीराय मूलतः उत्तरप्रदेश के बलिया जिले के श्रीनगर गांव के निवासी हैं और उन्होंने बीआईटी मेसरा से इंजीनियरिंग में स्नातक की शिक्षा ली है। इंडिया पीएसई समिट देश की सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों (पीएसई), नीति-निर्माताओं और तकनीकी विशेषज्ञों को एक मंच पर लाकर यह दिखाने का प्रयास करता है कि किस प्रकार डिजिटल नवाचार राष्ट्र निर्माण में अहम भूमिका निभा सकते हैं। डिजिटल चैम्पियंस श्रेणी में एनएमडीसी को मिला यह सम्मान सार्वजनिक क्षेत्र में डिजिटल परिवर्तन के क्षेत्र में उसके नेतृत्व को दर्शाता है। भारत की सबसे बड़ी लौह अयस्क उत्पादक कंपनी एनएमडीसी द्वारा किए गए डिजिटल प्रयासों में एआई और डेटा एनालिटिक्स का उपयोग, प्रक्रियाओं का स्वचालन, और उन्नत आईटी अवसंरचना की तैनाती शामिल है, जिससे यह कंपनी भारी उद्योगों में डिजिटल परिवर्तन का मानक बन गई है।

प्रशिक्षण में त्रुटियों से बचने के तरीकों पर चर्चा होगी: ज्ञानेश कुमार

ईआरओ और बीएलओ पर्यवेक्षकों के दो दिवसीय क्षमता-निर्माण प्रशिक्षण का उद्घाटन

नई दिल्ली/ हैदराबाद 30 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने आज नई दिल्ली स्थित भारत अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र एवं निर्वाचन प्रबंधन संस्थान (आईआईआईडीईएम) में बिहार के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों (ईआरओ) और बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) तथा हरियाणा, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली और उत्तर प्रदेश के ईआरओ और बीएलओ पर्यवेक्षकों के लिए दो दिवसीय क्षमता-निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम आगामी विधान सभा के आम चुनावों के लिए भारत निर्वाचन आयोग की चल रही तैयारियों का हिस्सा है। इस मिश्रित-बैच वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 369 जमीनी स्तर के चुनाव पदधारी भाग ले रहे हैं। अपने उद्घाटन अभिभाषण में मुख्य निर्वाचन

आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा कि बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) के साथ-साथ बीएलओ और ईआरओ सही और अद्यतन निर्वाचक नामावली सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार हैं और उन्हें लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण नियम, 1960 और निर्वाचन आयोग द्वारा समय-समय पर जारी अनुदेशों के अनुसार कड़ाई से काम करना है। इसी महीने के प्रारंभ में, 10 मान्यताप्राप्त राजनीतिक दलों से संबंधित बिहार के लगभग 280 बीएलए को भी आईआईआईडीईएम में प्रशिक्षित किया गया था। उन्होंने कहा कि यह प्रशिक्षण विशेषकर मतदाता पंजीकरण, फॉर्मों के प्रबंधन और चुनावी प्रक्रियाओं के क्षेत्र-स्तर पर कार्यान्वयन के क्षेत्रों में प्रतिभागियों की व्यावहारिक समझ को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। पदधारियों के समक्ष ईवीएम और वीवीपैट के तकनीकी प्रदर्शन किए जाएंगे और इनका प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। प्रतिभागियों को प्रकाशित अंतिम निर्वाचक नामावली के संबंध में लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 24 (क) के तहत क्रमशः डीएम/जिला कलेक्टर/कार्यपालक मजिस्ट्रेट और राज्य/संघ राज्य-क्षेत्र के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के समक्ष, प्रथम और द्वितीय अपील किए जाने से संबंधित प्रावधानों से परिचित कराया जाएगा।

ट्रेडर्स ज्वाइंट एक्शन कमेटी द्वारा कैंडल मार्च

हैदराबाद, 30 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। ट्रेडर्स ज्वाइंट एक्शन कमेटी के चेयरमैन गोविंद नारायण राठी अध्यक्ष वी किशन यादव ने बताया कि मंगलवार की रात्रि विशाल कैंडल मार्च का आयोजन किया गया। यह मार्च पहलगाम में 28 पर्यटकों का नरसंहार किए जाने के विरोध में किया गया था। इसके उपलक्ष्य में सुल्तान बाजार चौरस्ता से निकलकर वीर सावरकर प्रतिमा तक ज्वाइंट एक्शन कमेटी सुल्तान बाजार ट्रेडर्स एसोसिएशन भाग्यनगर पटरी ठेला हॉकर बड़ी संघ ट्रेडर्स एसोसिएशन बड़ी चौड़ी ट्रेडर्स एसोसिएशन द्वारा कैंडल मार्च निकाला गया।

28 लोगों का जो नरसंहार किया गया उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। सुल्तान बाजार से शांतिपूर्वक कैंडल मार्च में सिर्फ एक ही नारा लगाया गया पाकिस्तान मुर्दाबाद और भारत माता की जय ।यह मार्च शहर के प्रमुख व्यापारिक क्षेत्रों से होकर गुजरा जिसमें सैकड़ो व्यापारी स्थानीय नागरिकों और युवाओं ने हिस्सा लिया। सभी के हाथों में मोमबत्तियां तथा मशाले थी। इस मौके पर गोविंद राठी ने कहा कि जिस तरह से हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंदर मोदी ने पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई करने का ऐलान किया और पानी रोका गया और यहां पर जिस तरह से पाकिस्तानी यहां पर रह रहे हैं उनका वीजा कैंसल किया, वह स्वागतयोग्य है।

इस अवसर पर मनोहर सूर्यवंशी वी किशन यादव, संतोष गुप्ता, ममता गुप्ता, वाई कृष्ण, शंकर यादव, पवन कुमार, गिरधारी लाल दागा ,मनोज जायसवाल, सुमित राठी, वासु श्रीकांत, अनिल कुमार, मारुति राव, संगीता, शशि खलील, श्रीनिवास लोया, अरुण दर्शन, शक्ति सिंह, अरूण, वासु, सोनी, नवल सांखला, जुगल सांखला, आशीष, पुरुषोत्तम शर्मा, जयशंकर तथा ट्रेडर्स ज्वाइंट एक्शन कमेटी के सदस्य गण ठेला पत्ता के सदस्यों ने इस कैंडल रैली में भाग लिया और पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगाए।

अक्षय तृतीया पर ग्राहकों की अभूतपूर्व भीड़, शिवराज लक्ष्मीचंद जैन ज्वेलर्स, सोमाजिगुड़ा बना आकर्षण का केंद्र

हैदराबाद, 30 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। अक्षय तृतीया के शुभ पर्व पर शिवराज लक्ष्मीचंद जैन ज्वेलर्स, सोमाजिगुड़ा (हैदराबाद) में ग्राहकों का सैलाब उमड़ पड़ा। सात दिवसीय विशेष ऑफर के दौरान स्टोर में असाधारण उत्साह और विश्वास देखने को मिला, जिसने इस पर्व को एक अविस्मरणीय उत्सव में परिवर्तित कर दिया।

इस अवसर पर प्रस्तुत डिज़ाइनर ज्वेलरी कलेक्शन्स - राजवाड़ी कलेक्शन, पोल्की कलेक्शन और जूनागढ़ कलेक्शन - ने अपनी शाही भव्यता और पारंपरिक वैभव से ग्राहकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। हर पीस में रचाई गई उत्कृष्ट कारीगरी और विरासत से जुड़ी कलात्मकता ने शौकीनों का मन जीत लिया। इन डिज़ाइनों की प्रशंसा न केवल ग्राहकों ने की, बल्कि उन्होंने अपने अनुभव को विशेष बताते हुए स्टोर को बार-बार विज़िट किया।

डायमंड कलेक्शन में भी विशेष रूप से नेकलेस और बंगल्स ने महिलाओं के बीच विशेष आकर्षण बनाया। फैशन और फाइन ज्वेलरी के इस संगम ने हर आयु वर्ग की महिलाओं को उत्साहित किया।

सिर्फ आभूषण ही नहीं, बल्कि चांदी के बर्तनों - जैसे नाश्ता प्लेट सेट, जग सेट और डिनर सेट - की आधुनिक डिज़ाइनों और सुरुचिपूर्ण फिनिशिंग ने ग्राहकों को खूब लुभाया। गृह उपयोग के साथ-साथ उपहार में देने योग्य इन वस्तुओं की भी ज़ोरदार बिक्री हुई।

शिवराज लक्ष्मीचंद जैन ज्वेलर्स ने हमेशा ग्राहकों को उचित दरों, पारदर्शी लेन-देन और भरोसेमंद क्वालिटी का वचन दिया है - और इस अक्षय तृतीया पर भी ब्रांड ने अपनी इसी परंपरा को पूरी निष्ठा से निभाया।

श्री गौतम सेहलोत ने इस अवसर पर कहा, हमारे लिए यह सिर्फ व्यापार नहीं, बल्कि एक पारिवारिक रिश्ता है जो हर ग्राहक से जुड़ता है। इस वर्ष के अक्षय तृतीया पर हमें जो अपार स्नेह और समर्थन मिला है, वह हमारे लिए गर्व की बात है। हम अपने सभी ग्राहकों के प्रति हृदय से आभार प्रकट करते हैं।

शिवराज लक्ष्मीचंद जैन ज्वेलर्स, सोमाजिगुड़ा की यह अद्वितीय सफलता ग्राहकों के विश्वास, उत्कृष्ट डिज़ाइनों और समर्पित सेवा का प्रतीक बनकर उभरी है।

आज केबीआर पार्क में इच्छापूर्ति गणेशजी की पूजा और आरती में राजेन्द्र कुमार अग्रवाल ने आरती व प्रसाद वितरण किया। जिसमें सुरेन्द्र कुमार अग्रवाल, गोपाल बल्दवा, संध्या रानी अग्रवाल, पुष्पलता, विजय, विजय शांति टीचर, नम्रता, बाबूलाल केडिया, सुधाकर पंपाटी, प्रवीण अग्रवाल, संतोष बाई, राजकुमार सेसैया गरु, सरोज रेड्डी, विजय कुमार थुम्बी, विठ्ठलदास अग्रवाल विजय कुमार अग्रवाल, दिनेश पंचोल ने भाग लिया।

आईआईसीटी की पूर्व वैज्ञानिक डॉ. शैलजा पहली महिला विशिष्ट वैज्ञानिक के रूप में हुई नियुक्त

हैदराबाद, 30 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। आईआईसीटी की पूर्व वैज्ञानिक डॉ. शैलजा, पहली महिला विशिष्ट वैज्ञानिक के रूप में नियुक्त हुई।

इस संदर्भ में, सीएसआईआर के तत्संबंधित आधिकारिक सूत्रों नुसार, सीएसआईआर ने आईआईसीटी की पूर्व वैज्ञानिक डॉ. शैलजा को पहली महिला विशिष्ट वैज्ञानिक नियुक्त किया है। सीएसआईआर-भारतीय रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान (सीएसआईआर-आईआईसीटी), हैदराबाद की पूर्व वैज्ञानिक डॉ. शैलजा डोनमपुडी को सीएसआईआर मुख्यालय, नई दिल्ली में बिजनेस डेवलपमेंट ग्रुप (बीडीजी) का नेतृत्व करने के लिए विशिष्ट वैज्ञानिक (डीएस) के रूप में नियुक्त किया गया है। उन्होंने सोमवार, 28 अप्रैल को आधिकारिक रूप से अपना महत्त्वपूर्ण कार्यभार संभाला।

अधिकारियों ने आगे बताया कि, उपरोक्त नियुक्ति एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है, क्योंकि डॉ. शैलजा सीएसआईआर के आठ दशक के इतिहास में विशिष्ट वैज्ञानिक के रूप में नामित होने वाली पहली महिला बन चुकी हैं। डॉ. शैलजा का सीएसआईआर-आईआईसीटी के साथ जुड़ाव 1993 में उस्मानिया विश्वविद्यालय से पॉलिमर रसायन विज्ञान में पीएचडी और हैदराबाद विश्वविद्यालय से एमएससी, एम.फिल. की शिक्षा पूरा करने के पश्चात् शुरू हुआ। डॉ. शैलजा ने अपने 28 वर्ष से ज़्यादा के करियर में पॉलीमर संश्लेषण, अभिलक्षण और प्रौद्योगिकी एवं विकास में अभूतपूर्व योगदान दिया है। उनकी वैज्ञानिक योग्यता के सम्मान में, उन्हें वर्ष 1996 में सीएसआईआर -डीएएडी फ़ेलोशिप से सम्मानित किया गया। फलस्वरूप उन्हें जर्मनी के कील विश्वविद्यालय में उन्नत शोध करने का सुअवसर प्राप्त हुवा। पॉलीमर रसायन विज्ञान में उनके कार्य ने उन्हें निजी उद्योगों को प्रौद्योगिकियों के सफल हस्तांतरण के लिए 3 प्रौद्योगिकी टीम पुरस्कार दिलाए। परिणामस्वरूप विज्ञान और उद्योग के बीच सेतु बनाने की उनकी कार्य क्षमता का प्रदर्शन हुआ। वर्ष 2017 से, डॉ. शैलजा ने सीएसआईआर -आईआईसीटी में व्यवसाय विकास और अनुसंधान प्रबंधन के अध्यक्ष के रूप में भी कार्य किया है। उनके कुशल नेतृत्व में, संस्थान ने सहयोगी प्लेटफ़ॉर्म और उद्योग-अनुकूल व्यवसाय मॉडल विकसित किए, जिससे प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, पेटेंट आउट-लाइसेंसिंग और औद्योगिक राजस्व में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। फलस्वरूप सीएसआईआर -आईआईसीटी व्यवसाय प्रदर्शन के मामले में शीर्ष पाँच सीएसआईआर प्रयोगशालाओं में शामिल हो गया।

पूर्व विधायक प्रभाकर ने चेरलापल्ली में धरना दिया

हैदराबाद, 30 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष और उप्पल के पूर्व विधायक एनवीएसएस प्रभाकर ने सैकड़ों पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ 3 घंटे तक चेरलापल्ली में धरना दिया। धरने को संबोधित करते हुए चेरलापल्ली रेलवे टर्मिनल का निर्माण केंद्र सरकार के 450 करोड़ के फंड से किया गया है, जिसका उद्घाटन जनवरी महीने में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअली किया था। इस टर्मिनल से लगभग 26 ट्रेनें संचालित होती हैं और विशेष ट्रेनें भी यहीं से शुरू, समाप्त और रुकती हैं। रोजाना हजारों रेल यात्री यहां से यात्रा करते हैं और उतरते हैं। राज्य सरकार मार्ग में स्ट्रीट लाइट उपलब्ध कराने में पूरी तरह विफल रही है, आरटीसी भी पीक टाइमिंग में आवश्यक बसें नहीं चला रही है, जिससे यात्रियों को बहुत परेशानी हो रही है। यहां तक कि जीएचएमसी ने रेलवे स्टेशन की दिशा के लिए साइन बोर्ड भी नहीं लगाए हैं, उद्योग विभाग भी असहयोग कर रहा है, पार्किंग क्षेत्र आवंटित नहीं किया गया, जीएचएमसी द्वारा पहुंच सड़कें भी नहीं बनाई गईं है। सरकार यात्रा और सुरक्षा के लिए सुविधाएं और बुनियादी जरूरतें प्रदान करने में विफल रही। प्रभाकर ने राज्य से इन सभी को प्रदान करने के लिए युद्धस्तर पर काम करने की मांग की, अन्यथा स्थानीय समर्थन के साथ आंदोलन तेज किया जाएगा। केंद्र तेलंगाना के विकास के लिए करोड़ों खर्च कर रहा है लेकिन राज्य समग्र विकास के लिए सहयोग नहीं कर रहा है। यह रवैया होना चाहिए अन्यथा कांग्रेस सरकार को जनता के गुस्से का सामना करना पड़ेगा।

सड़कों पर टिंटेड विंडो और बिना नंबर प्लेट वाली कारें आम बात

नहीं हो रहा नियम कानून का पालन

हैदराबाद, 30 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। जब तेलंगाना परिवहन विभाग इस बात पर जोर दे रहा है कि सभी वाहन मालिकों को अपने वाहनों में अनिवार्य रूप से उच्च सुरक्षा पंजीकरण प्लेट (एचएसआरपी) लगानी चाहिए, शहर की सड़कों पर बिना नंबर प्लेट के चलने वाले वाहनों की संख्या बढ़ रही है। यह अनियंत्रित उल्लंघन न केवल अनिवार्य एचएसआरपी नियम को सख्ती से लागू करने की अधिकारियों की योजना को चुनौती देता है, बल्कि कई अन्य खतरे भी पैदा करता है। दुर्घटनाओं या अपराधों के मामलों में ऐसे वाहनों का पता लगाना कठिन हो जाता है, वहीं यातायात उल्लंघन के लिए उन्हें दंडित करना भी एक चुनौती है।

इस बीच, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म और मंचों पर काले शीशे वाली और बिना नंबर प्लेट वाली कारों की बढ़ती संख्या के बारे में शिकायतों की संख्या में भी वृद्धि हुई है। उल्लंघनों के बारे में पोस्ट करने वालों ने पाया है कि पिछले 6-12 महीनों में ऐसे मामलों में वृद्धि हुई है, जिससे यातायात पुलिस की निष्क्रियता पर सवाल उठ रहे हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

दीवार गिरने ...

उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि प्रत्येक शोक संतप्त परिवार के एक सदस्य को बंदोबस्ती विभाग के तहत आउटसोर्सिंग नौकरी दी जाए। उन्होंने प्रत्येक घायल को 3 लाख रुपये की वित्तीय सहायता भी स्वीकृत की। उन्होंने अधिकारियों को श्रद्धालुओं को असुविधा से बचाने के लिए घटनास्थल पर मलबा तुरंत हटाने के निर्देश भी दिए। यह देखते हुए कि हजारों श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद है, उन्होंने सुरक्षा सुनिश्चित करने और लोगों में दहशत को रोकने के लिए एहतियाती कदम उठाने के आदेश दिए।

हादसे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शोक व्यक्त किया है। पीएम ने कहा, 'लोगों की मौत की खबर से बहुत दुखी हूं। यही कामना है, घायल जल्द ठीक हों।' प्रधानमंत्री राहत कोष से मृतकों के परिजनों को 2 लाख और घायलों को 50,000 की सहायता राशि दी जाएगी।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

बीसीसीआई ने रोहित शर्मा पर जताया भरोसा

इंग्लैंड दौरे पर जाना पक्का, दो और खिलाड़ियों की भी होगी एंट्री

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टीम इंडिया को करारी हार का सामना करना पड़ा था। रोहित शर्मा की कप्तानी में भारत ने 3-1 से बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी गंवा दिया था। उससे पहले टीम इंडिया अपने घर पर न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में क्लीन स्वीप हो गई थी। इस दौरान भारतीय कप्तान ने ना सिर्फ सीरीज गंवाई बल्कि उनके खुद का प्रदर्शन भी निराशाजनक रहा था। इसलिए उनकी खूब आलोचना हुई थी। खासतौर पर ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद उनके टेस्ट करियर का अंत माना जा रहा था। लेकिन बीसीसीआई ने उन पर कआपना भरोसा कायम रखा है। रिपोर्ट के मुताबिक, रोहित जून में होने वाले इंग्लैंड टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम का हिस्सा होंगे।

रोहित का इंग्लैंड जाना तय

टाइम्स ऑफ इंडिया के रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय क्रिकेट टीम के सेलेक्टर्स ने 35 खिलाड़ियों को शॉर्टलिस्ट किया है. ये सभी खिलाड़ी 5 मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले भारत ए के इंग्लैंड दौरे का हिस्सा हो सकते हैं. यह दौरा आईपीएल 2025 के खत्म होने के एक सप्ताह बाद शुरू होगा. इसी के साथ वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के नए साइकल के अभियान की भी शुरुआत होगी.

रोहित इस दौरान इंडिया ए की टीम के साथ ट्रेवल कर सकते हैं. बोर्ड का मानना है कि इंग्लैंड का दौरा चुनौती से भरा होगा और इसके लिए एक मजबूत कप्तान की जरूरत होगी. बता दें बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद बदलाव की अटकलें लगाई जा रही थीं. लेकिन चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद बीसीसीआई से रोहित को समर्थन मिली और उनकी टेस्ट कप्तानी बच गई.

दो खिलाड़ियों की एंट्री

रोहित के अलावा काफी समय से टीम से बाहर चल रहे करुण नायर की एंट्री हो सकती है. उनके अलावा रजत पाटीदार को भी इंग्लैंड दौरे पर मौका मिल सकता है. पिछले कुछ समय से भारत की टेस्ट टीम में मिडिल ऑर्डर की समस्या रही है. इसके लिए सेलेक्टर्स नंबर 5 या 6 पोजिशन के लिए पाटीदार और नायर पर विचार कर रहे हैं. इन दोनों को भारत 'ए' की सीरीज में आजमाया जा सकता है.

बीसीसीआई इसके लिए सरफराज खान पर बहुत ज्यादा भरोसा नहीं जता रही है. वहीं साई सुदर्शन को तीसरे ओपनर के तौर पर चुने जाने पर भी विचार किया जा रहा है.

दिलचस्प बात यह है कि श्रेयस अय्यर को सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में शामिल करने बावजूद उन्हें शॉर्टलिस्ट नहीं किया गया है. उनके अलावा रवींद्र जडेजा की रिप्लेसमेंट माने जा रहे अक्षर पटेल के नाम पर भी अभी तक मुहर नहीं लगी है.

आईपीएल के बीच पृथ्वी शॉ को मिला टी20 मुंबई लीग में मौका

मुंबई, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। पृथ्वी शॉ को सूर्यकुमार यादव और श्रेयस अय्यर के साथ टी20 मुंबई लीग 2025 के लिए 8 आइकन खिलाड़ियों में शामिल किया गया है। यह लीग 26 मई से 8 जून तक खेली जाएगी। हालांकि शॉ को आईपीएल 2025 की नीलामी में किसी टीम ने नहीं खरीदा, लेकिन अब वह इस लीग में एक अहम खिलाड़ी के रूप में नजर आएंगे। उनके साथ-साथ अजिंक्य रहाणे, शिवम दूबे, तुषार देशपांडे, शार्दुल ठाकुर और सरफराज खान को भी आइकन खिलाड़ी चुना गया है।

शॉ के करियर में कई उतार-चढ़ाव आए हैं। दिल्ली कैपिटल्स ने उन्हें नीलामी से पहले रिलीज कर दिया था और आईपीएल की किसी टीम ने उन्हें नहीं खरीदा। कुछ लोगों को लगा कि वो चेन्नई सुपर किंग्स में रुतुराज गायकवाड़ का अच्छा विकल्प हो सकते थे, लेकिन सीएसके ने उनकी जगह युवा खिलाड़ी आयुष म्हात्रे को चुन लिया।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में थे मुंबई टीम का हिस्सा

पृथ्वी शॉ पिछले सीजन सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी जीतने वाली मुंबई टीम का हिस्सा थे। उन्होंने 9 मैचों में 197 रन बनाए थे। हालांकि वे इस बार आईपीएल से दूर रहे, लेकिन सूर्यकुमार यादव, श्रेयस अय्यर और अजिंक्य रहाणे जैसे खिलाड़ी अपनी-अपनी टीमों के लिए अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। मुंबई इंडियंस के लिए खेलते हुए सूर्यकुमार यादव ने अब तक 10 मैचों में 427 रन बनाए हैं और शानदार फॉर्म में हैं।

एमसीए अध्यक्ष ने कही बड़ी बात

श्रेयस अय्यर इस समय पंजाब किंग्स की कप्तानी कर रहे हैं और उन्होंने 9 मैचों में 288 रन बनाए हैं। वहीं अजिंक्य रहाणे इस सीजन केकेआर के लिए सबसे अच्छे बल्लेबाज साबित हुए हैं। उन्होंने अब तक 9 मैचों में 271 रन बनाए हैं।

मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष अजिंक्य नाइक ने कहा, "हमें बहुत खुशी है कि हम 8 ऐसे शानदार खिलाड़ियों को पेश कर रहे हैं, जिन्होंने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में मुंबई को गर्व महसूस कराया है। ये खिलाड़ी मुंबई क्रिकेट की परंपरा, मेहनत और सफलता के प्रतीक हैं।

इनकी मौजूदगी से युवा खिलाड़ियों को सीखने और प्रेरणा लेने का मौका मिलेगा। हम भारत के भविष्य के सितारों को पहचानने और आगे बढ़ाने के लिए पूरी तरह से समर्पित हैं। लीग में इन स्टार खिलाड़ियों की मौजूदगी से इसका स्तर और भी ऊंचा होगा और दर्शकों को एक यादगार अनुभव मिलेगा।"

अलीरेजा को हराकर रैपिड वर्ग में चिदंबरम संयुक्त रूप से शीर्ष पर

प्रज्ञानंद संयुक्त चौथे स्थान पर

खेल डेस्क, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय ग्रैंडमास्टर अरविंद चिदंबरम ने दबाव में अच्छा प्रदर्शन करते हुए, ग्रैंड शतरंज टूर के तहत आयोजित सुपरबेट रैपिड एंड ब्लिट्ज टूर्नामेंट के रैपिड दौर के आखिरी गेम में फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा को हरा कर 11 अंकों के साथ संयुक्त रूप से पहला स्थान हासिल कर लिया।

वाइल्ड कार्ड से टूर्नामेंट का टिकट हासिल करने वाले चिदंबरम को फिरोजा और स्लोवेनिया के व्लादिमीर फेडोसेव की बराबरी करने के लिए इस मुकाबले में जीत की जरूरत थी। उन्हें भाग्य का भी साथ मिला क्योंकि फ्रांस के खिलाड़ी ने थोड़ी जल्दी हार मान ली। फिरोजा के पास इस मुकाबले को बराबरी पर रोकने का मौका था। आर प्रज्ञानंदा ने अंतिम दो राउंड में रोमानिया के डेविड गैवरिलस्कू और डूडा पर जीत के साथ शानदार वापसी की और 10 अंक के साथ संयुक्त रूप से चौथे पायदान पर पहुंच गए। फ्रांस के मैक्सिम वचियर-लाग्रेव नौ अंकों के साथ उनसे बहुत पीछे नहीं हैं, जो रोमानिया के डेक बोगदान डैनियल और डूडा से एक अंक आगे हैं। गवरिलस्कू दस खिलाड़ियों के टूर्नामेंट में सात अंकों के साथ नौवें स्थान पर हैं, जो पूर्व विश्व चैंपियन वेसेलिन टोपालोव से दो अंक अधिक हैं।

केकेआर का 'फ्लॉप' स्टार!

23.75 करोड़ का लगाया चूना अब टीम मैनेजमेंट ने पकड़ा माथा

कोलकाता, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। डिफेंडिंग चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स का प्रदर्शन इस सीजन निराशाजनक रहा है। 10 मैचों में टीम के हाथ सिर्फ 4 जीत लगी है। वहीं 5 मैचों में टीम को हार का मुंह देखना पड़ा है। मेगा ऑक्शन में केकेआर ने एक खिलाड़ी के लिए 23.75 करोड़ रुपये लुटा डाले थे। यही वही प्लेयर था, जिसने साल 2024 के फाइनल में कोलकाता को चैंपियन बनाने में अहम किरदार निभाया था। उम्मीद थी वैसा ही प्रदर्शन इस पूरे सीजन यह बल्लेबाज दोहराएगा।

हालांकि, कहानी तो एकदम ठीक उल्टी रही है। वेंकटेश अय्यर के लिए, आईपीएल 2025 किसी बुरे सपने से कम नहीं रहा है। वेंकटेश बल्ले से इस कदर फ्लॉप होंगे यह तो केकेआर के टीम मैनेजमेंट ने भी नहीं सोचा था।

10 मैच खेलने के बाद वेंकटेश के खाते में सिर्फ 142 रन हैं। वेंकटेश सिर्फ एक बार ही इस साल पचास का आंकड़ा पार कर सके हैं। अब अगर 60 रन की उस पारी को छोड़ दें, तो बाकी 9 इनिंग्स में उन्होंने सिर्फ 82 रन ही बनाए हैं।

इंग्लैंड की महिला क्रिकेट टीम को मिली नयी कप्तान नैट साइवर ब्रंट

तीनों फॉर्मेट में संभालेंगी टीम की कमान

लंदन, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। इंग्लैंड क्रिकेट से जुड़ी एक बड़ी खबर सामने आई है। इंग्लैंड की महिला क्रिकेट टीम को नया कप्तान मिल गया है। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने ऑलराउंडर नैट साइवर ब्रंट को टीम का नया कप्तान बनाया है। नैट साइवर-ब्रंट ने हीथर नाइट की जगह ली है, जिन्होंने करीब 9 साल तक कप्तानी करने के बाद 2025 महिला एशेज सीरीज के बाद पद छोड़ दिया था। अब नैट साइवर नई मुख्य कोच चार्लोट एडवर्ड्स के साथ मिलकर तीनों फॉर्मेट में टीम का नेतृत्व करेंगी।

नैट साइवर-ब्रंट ने कही ये बात

इंग्लैंड की महिला क्रिकेट टीम की कप्तान बनने पर नैट साइवर-ब्रंट ने खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि उन्हें यह जिम्मेदारी मिलना गर्व की बात है, और कोच चार्लोट एडवर्ड्स द्वारा यह भूमिका सौंपे जाना उनके लिए बहुत सम्मान की बात है।

नैट ने बताया कि वो हमेशा से चार्लोट को अपना आदर्श मानती रही हैं। जब से उन्होंने इंग्लैंड के लिए खेलना शुरू किया, तब से ही वो टीम की हर तरह से मदद करना चाहती थीं। अब कप्तान बनकर वो पूरी कोशिश करेंगी कि टीम को सफलता की राह पर ले जाएं।

इंग्लैंड टीम की मजबूत खिलाड़ी

नैट साइवर-ब्रंट 32 साल की हैं और उन्होंने 2013 में इंग्लैंड के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट की शुरुआत की थी। तब से वह लगातार टीम का हिस्सा रही हैं और आज उन्हें दुनिया की सबसे प्रतिभाशाली क्रिकेटरों में गिना जाता है। आईसीसी की वनडे बल्लेबाजों की रैंकिंग में वह तीसरे नंबर पर हैं। पिछले 3 सालों से वह इंग्लैंड महिला टीम की उपकप्तान के तौर पर भी खेल रही थीं।

तीनों फॉर्मेट में 7000 से ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी

नैट साइवर-ब्रंट ने पहली बार साल 2021 में न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टी20 मैच में इंग्लैंड की कप्तानी की थी। इसके अलावा, वह कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में उपकप्तान भी रही थीं। साइवर-ब्रंट ने 2017 में इंग्लैंड को वर्ल्ड कप जिताने में अहम भूमिका निभाई थी। अब तक उन्होंने इंग्लैंड के लिए तीनों फॉर्मेट मिलाकर 259 इंटरनेशनल मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 7483 रन बनाए हैं। टेस्ट क्रिकेट में उनका औसत 46.47 और वनडे में 45.91 है। बल्लेबाजी के साथ-साथ वह गेंदबाजी में भी शानदार हैं और उन्होंने 181 इंटरनेशनल विकेट भी लिए हैं। इसके अलावा, वो WPL में मुंबई इंडियंस की ओर से भी खेलती हैं।

निशानेबाजी विश्व कप : भारतीय टीम में शामिल मनु भाकर और कुसाले, म्यूनिख में बिखेरेंगे चमक

ननई दिल्ली, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। पेरिस ओलंपिक के सितारे मनु भाकर और स्वप्निल कुसाले को एशियाई खेलों की मौजूदा चैंपियन पलक के साथ आठ जून से शुरू होने वाले आईएसएसएफ राइफल/पिस्टल विश्व कप के म्यूनिख चरण के लिए 23 सदस्यीय भारतीय टीम में शामिल किया गया। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने टीम की घोषणा की, जिसमें भाकर दो व्यक्तिगत स्पर्धाओं (महिलाओं की 10 मीटर और 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा) में जगह बनाने वाली एकमात्र सदस्य हैं। मालूम हो कि कुसाले और मनु ने पिछले साल ओलंपिक में पदक जीते थे।

संदीप सिंह की हुई वापसी

राष्ट्रीय टीम में पुरुष एयर राइफल में संदीप सिंह की वापसी हुई है। कुसाले और संदीप पेरिस खेलों में भाग लेने के बाद पहली बार प्रतिस्पर्धा करते दिखेंगे। भारतीय राइफल और पिस्टल टीम हाल ही में अर्जेंटीना और पेरू में आयोजित दो-चरण वाले संयुक्त आईएसएसएफ विश्व कप से लौटी है। टीम ने इसमें कुल छह स्वर्ण सहित 15 पदक जीते थे। भारतीय टीम अर्जेंटीना में दूसरे जबकि पेरू में तीसरे स्थान पर थी। उस टीम के कुल 13 सदस्य म्यूनिख जाने वाली टीम में भी हैं। इसमें महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन (3पी) और 25 मीटर पिस्टल प्रतियोगिताओं में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

तीन नए खिलाड़ियों को मिला मौका

म्यूनिख के लिए चुनी गई टीम में तीन नए खिलाड़ी भी होंगे। महाराष्ट्र की राष्ट्रीय चैंपियन अनन्या नायडू को घरेलू सर्किट में अपने शानदार प्रदर्शन को अंतराष्ट्रीय स्तर पर जारी रखने का मौका दिया गया है। पुरुष वर्ग में एयर पिस्टल में दो नए निशानेबाजों को मौका दिया गया है। इसमें हाल ही में कुमार सुरेंद्र सिंह स्मारक टूर्नामेंट में मिश्रित टीम का खिताब जीतने वाली जोड़ी का हिस्सा रहे हरियाणा के आदित्य मालरा और सेना के निशानेबाज निशांत रावत का नाम शामिल है। रुद्राक्ष पाटिल और ऐश्वर्या तोमर ने स्वेच्छा से टीम से नाम वापस ले लिया है।

सुदीरमन कप में समाप्त हुआ सफर; सिंधू और प्रणय ने किया निराश

भारत को इंडोनेशिया से मिली हार

ज़ियामेन, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय बैडमिंटन टीम को इंडोनेशिया के खिलाफ ग्रुप डी मुकाबले में 1-3 से हार का सामना करना पड़ा जिससे सुदीरमन कप में उसका सफर समाप्त हो गया। भारत के लिए स्टार खिलाड़ी पीवी सिंधू और एचएस प्रणय ने निराश किया। भारत को इससे पहले रविवार को डेनमार्क के खिलाफ 1-4 से हार का सामना करना पड़ा था। भारत को इस टूर्नामेंट के नॉकआउट दौड़ में बने रहने के लिए इंडोनेशिया के खिलाफ हर हाल में जीत दर्ज करनी जरूरी थी।

इस हार के बाद इंग्लैंड के खिलाफ भारत का आखिरी ग्रुप मुकाबले का महत्व कम हो गया है। इंग्लैंड भी इस टूर्नामेंट से बाहर है। अपने शुरुआती मैच में इंग्लैंड को 5-0 से हराने वाले इंडोनेशिया और डेनमार्क ने ग्रुप डी से नॉकआउट चरण में अपनी जगह पक्की की। डेनमार्क ने भी इंग्लैंड को 5-0 से शिकस्त दी। डेनमार्क के खिलाफ महिला और पुरुष एकल मैच में हार का सामना करने वाले क्रमशः सिंधू और प्रणय इंडोनेशिया के अपने प्रतिद्वंद्वियों की चुनौती से पार नहीं पा सके।

भारत ने मिश्रित युगल में ध्रुव कपिला और तनिषा क्रास्टो की जोड़ी के साथ विजयी शुरुआत की। इस जोड़ी ने एक घंटे और 10 मिनट तक चले कड़े मुकाबले में रेहान नौफल कुशारजंतो और ग्लोरिया इमानुएल विडजाजा को 10-21, 21-18, 21-19 से हराया। टीम की बढ़त को बनाये रखने की जिम्मेदारी इसके बाद अनुभवी सिंधू पर थी लेकिन विश्व रैंकिंग में 18वें स्थान पर खिसकीं इस खिलाड़ी को मात्र 38 मिनट में 11वें नंबर की खिलाड़ी पुत्री कुसुमा वर्दानी से ने आसानी से 21-12, 21-13 से हराया।

प्रणय के सामने जोनाथन क्रिस्टी की चुनौती थी। भारतीय खिलाड़ी ने शुरुआती गेम को 21-19 से जीतकर मजबूत शुरुआत की लेकिन विश्व रैंकिंग में छठे स्थान पर काबिज खिलाड़ी के खिलाफ दूसरा और तीसरा गेम 14-21, 12-21 से गंवा बैठे। महिला युगल में प्रिया कोनजेंगबाम और श्रुति मिश्रा की भारतीय जोड़ी लैनी त्रिया मायासरी और सिती फादिया सिल्वा रामधंती के सामने कोई मुकाबला नहीं कर सकी। भारतीय जोड़ी को 10-21, 9-21 से हार का सामना करना पड़ा।इस हार के साथ ही भारत टूर्नामेंट से बाहर हो गया।

लगातार तीन मैच हारने के बाद नोवाक जोकोविच ने लिया बड़ा फैसला

इटालियन ओपन से नाम वापस लिया

रोम, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने लगातार तीन मैच हारने के बाद बड़ा फैसला लिया है। अपने 100वें खिताब की तलाश में जुटे जोकोविच ने इटालियन ओपन टेनिस टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया है। जोकोविच का यह फैसला वर्ष के दूसरे ग्रैंडस्लैम फ्रेंच ओपन की तैयारी को देखते हुए महत्वपूर्ण माना जा रहा है जहां वह रिकॉर्ड 25वीं ग्रैंडस्लैम ट्रॉफी जीतने की कोशिश करेंगे।

रोम में अगले महीने क्ले कोर्ट पर यह टूर्नामेंट खेला जाना है। इटालियन ओपन टूर्नामेंट के आयोजकों ने सोशल मीडिया पर यह जानकारी दी कि जोकोविच इस साल प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। उन्होंने लिखा, 'अगले साल मिलते हैं, नोल।' मालूम हो कि जोकोविच को नोल नाम से भी बुलाया जाता है।

सर्बिया का 37 वर्षीय यह स्टार टेनिस खिलाड़ी इस सीजन संघर्ष कर रहा है। जोकोविच का इस सत्र में प्रदर्शन बहुत अच्छा नहीं रहा है। उन्हें पिछले तीन टूर्नामेंट मियामी ओपन, मोंटे कार्लो मास्टर्स और मैड्रिड ओपन में हार का सामना करना पड़ा था। इस सीजन उनके जीत-हार का रिकॉर्ड 12-6 है। स्पेन में मातेओ आर्नाल्डी से हारने के बाद जोकोविच ने कहा था, यह 20 से ज्यादा वर्षों के पेशेवर टेनिस के अनुभव से बिलकुल अलग है। कोर्ट पर इस तरह की संवेदनाओं का सामना करना मेरे लिए मानसिक रूप से एक चुनौती है, अब नियमित रूप से टूर्नामेंट से जल्दी बाहर हो रहा हूं।

जोकोविच लंबे समय तक एटीपी रैंकिंग में शीर्ष पर रहे हैं, लेकिन वह फिलहाल पांचवें स्थान पर हैं। उन्होंने पिछले साल पेरिस ओलंपिक में कार्लोस अल्कारेज को हराकर स्वर्ण पदक जीता था। जोकोविच लगातार यह कहते आए हैं कि वह बड़े टूर्नामेंटों में जीत दर्ज करना चाहते हैं और अगला बड़ा टूर्नामेंट पेरिस में 25 मई से शुरू होगा। जोकोविच घुटने में चोट के कारण पिछले साल रोलां गैरों में हिस्सा नहीं ले सके थे क्योंकि उन्हें सर्जरी करानी पड़ी थी। जोकोविच इस साल जनवरी में ऑस्ट्रेलियन ओपन में भी अपना अभियान चोट के कारण जारी नहीं रख सके थे।

महात्मा बसवेश्वर ने समाज में कई बदलाव लाने की नींव रखी : रेवंत रेड्डी

सत्ता खोने के बाद केसीआर परिवार बर्बाद हो गया है, तेलंगाना नहीं * मुख्यमंत्री ने महात्मा बसवेश्वर की जयंती समारोह में भाग लिया

ए. रेवंत रेड्डी ने बुधवार को रवीन्द्र भारती में श्री महात्मा बसवेश्वर की जयंती में भाग लिया

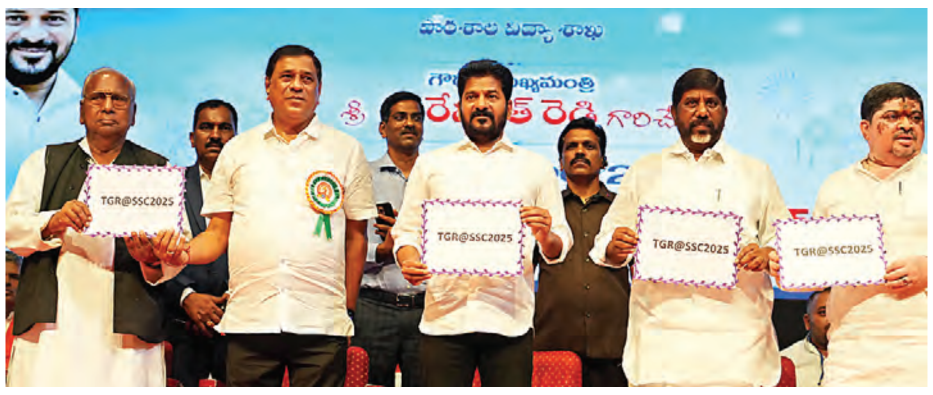

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने रवींद्र भारती में 10वीं कक्षा के परिणाम जारी किए।

हैदराबाद, 25 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने बुधवार को रवीन्द्र भारती , हैदराबाद में श्री महात्मा बसवेश्वर की जयंती में भाग लिया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि बसवेश्वर एक क्रांतिकारी थे जिन्होंने 12वीं शताब्दी में समाज में कई बदलाव लाने की नींव रखी।

उनकी जयंती पर 10वीं कक्षा के परिणाम जारी करना बहुत खुशी की बात है। जनता की सरकार बसवन्ना की भावना से काम कर रही है। बसवेश्वर एक प्रगतिशील नेता थे जिन्होंने जाति, धर्म और लिंग भेदभाव के खिलाफ लड़ाई लड़ी। बसवन्ना की भावना से प्रेरित होकर कांग्रेस ने पंचायत राज संसदीय प्रणाली की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि सरकारों को ऐसी योजनाएँ बनानी चाहिए जिससे हर व्यक्ति सम्मान के साथ जी सके। विपक्ष की व्यवस्था तभी प्रभावी रूप से काम करती है जब वे सत्ताधारी दल द्वारा लिए गए निर्णयों में कमियों को इंगित करते हैं। पार्टी के एक नेता ने वारंगल में एक बैठक की और कांग्रेस की आलोचना की। जब उन्होंने रजत जयंती और विजय समारोह आयोजित किए तो राज्य सरकार ने आरटीसी बसें उपलब्ध कराकर मदद की। अगर नेता सरकार द्वारा किए गए अच्छे कामों की प्रशंसा करते और सार्वजनिक बैठक में जनता के मुद्दे उठाते तो लोग इसकी सराहना करते। तथाकथित नेता घर से बाहर निकले बिना ही वेतन और भत्ते ले रहे हैं। कौन सा कानून इसकी इजाजत देता है? विपक्ष के नेता के तौर पर उन्होंने 65 लाख रुपये, वाहन और पुलिस सुरक्षा ली।

लोग सवाल कर रहे हैं कि विपक्ष के नेता के तौर पर काम करने के बजाय वे फार्महाउस में क्यों सोए। फार्महाउस में सोकर वे लोगों को क्या संदेश देना चाहते थे? विपक्ष के नेता ने कहा कि कल्याणकारी योजनाएं बंद कर दी गई हैं। इनमें से कौन सी बंद की गई हैं, रैतु बंधु, आरोग्यश्री, मुफ्त बिजली, शादी मुबारक, कल्याण लक्ष्मी? हमने आरटीसी में महिलाओं को मुफ्त बस यात्रा की सुविधा दी, बेरोजगारों को नौकरी दी.. क्या आपको यह सब दिखाई नहीं देता? विपक्ष के नेता को पता होना चाहिए कि वे नशे में हैं या नहीं। विपक्षी नेता नफरत भरे भाषण देकर और जहर भरे पेट में लोगों को भड़काकर क्या करना चाहते हैं? लोग समझदार हैं और उन्हें पता है कि उन्होंने क्या किया है। हम लोगों की सराहना के साथ 10 साल तक शासन करेंगे। आइए विकास और कल्याणकारी योजनाओं पर चर्चा करें। कालेश्वरम, मुफ्त बसें, कर्जमाफी, रायथु बंधु, 60,000 नौकरियां, एससी वर्गीकरण और जाति जनगणना पर बहस के लिए तैयार हूं। इनमें से किस पर चर्चा करनी चाहिए? केसीआर को बताना चाहिए। बहस के लिए तैयार हूं। केसीआर अपनी आंखों और शब्दों से जहर उगल रहे हैं।

क्या तेलंगाना देने के लिए कांग्रेस खलनायक बन गई है? केसीआर ने 10 साल तक तेलंगाना को लूटा और कांग्रेस की आलोचना करने का उन्हें कोई अधिकार नहीं है। सत्ता खोने के बाद केसीआर परिवार बर्बाद हो गया है, तेलंगाना नहीं। केसीआर वारंगल गए जैसे "100 चूहे खाने के बाद बिल्ली तीर्थ यात्रा पर जाती है"।

केसीआर सोच रहे हैं कि वे वारंगल अपने पाप धोने गए थे, लेकिन उन्होंने वहां जाकर झूठ बोला और एक और गलती की। केसीआर वारंगल विधानसभा में मेरा नाम भी नहीं ले पाए। हमारी सरकार बसवेश्वर की भावना से राज्य की आय बढ़ाने और उसे गरीबों में बांटने की नीति पर आगे बढ़ रही है। हमारा काम लोगों का भला करना है। आपको ही प्रचार करना चाहिए। आप हमारे ब्रांड एम्बेसडर हैं। इसी क्रम में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने रवींद्र भारती में 10वीं कक्षा के परिणाम जारी किए।

मुख्यमंत्री रेवंत ने जाति जनगणना कराने के केंद्र सरकार के फैसले का स्वागत किया

हैदराबाद, 30 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने आगामी राष्ट्रीय जनगणना में जाति जनगणना को शामिल करने के केंद्र सरकार के फैसले का स्वागत किया है, इसे एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताते हुए कहा है कि यह कांग्रेस के नेतृत्व में राज्य की अभिनव पहलों को मान्यता देता है। बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा किए गए एक बयान में, मुख्यमंत्री ने भारत जोड़ो यात्रा के दौरान देश भर में जाति जनगणना की वकालत करने के लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी को धन्यवाद दिया।

उन्होंने कहा कि इस दृष्टिकोण से प्रेरित होकर, तेलंगाना स्वतंत्र भारत का पहला राज्य बन गया है जिसने 2023 में एक व्यापक सामाजिक, आर्थिक और जाति सर्वेक्षण को लागू किया है, जो 1931 की ब्रिटिश नेतृत्व वाली जनगणना के बाद से इस तरह का पहला प्रयास है। उन्होंने कहा कि सरकार ने राज्यव्यापी व्यापक सामाजिक, आर्थिक, जाति सर्वेक्षण कराया है और पाया है कि तेलंगाना में 56.32 प्रतिशत आबादी पिछड़ी जातियों की है। इन निष्कर्षों के आधार पर, राज्य सरकार ने शिक्षा, रोजगार और राजनीतिक प्रतिनिधित्व में ओबीसी के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण का प्रस्ताव रखा, एक प्रस्ताव जिसे तेलंगाना विधानसभा में पेश किया गया था, रेवंत रेड्डी ने याद दिलाया।

"आज, आखिरकार, हमने साबित कर दिया कि तेलंगाना आज जो करता है, भारत कल उसका अनुसरण करेगा। यह गर्व का क्षण है कि राहुल गांधी ने दिखाया है कि कैसे विपक्ष में रहते हुए भी उनकी दृष्टि एक नीति बन गई है। हमें गर्व है कि ओबीसी सशक्तीकरण के लिए तेलंगाना सरकार के कार्यों ने देश को प्रेरित किया है और भारत ने भी हमारे राज्य के कार्यों का अनुसरण करने पर सहमति व्यक्त की है।" रेवंत रेड्डी ने अगली राष्ट्रीय जनगणना के हिस्से के रूप में जाति जनगणना कराने का निर्णय लेने के लिए केंद्र सरकार को बधाई दी और इस संबंध में निर्णय लेने के लिए प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और उनके मंत्रिमंडल को धन्यवाद दिया।

सीआईडी, टीजी ने मल्टी-लेवल मार्केटिंग धोखाधड़ी में आरोपी को पकड़ा

हैदराबाद, 30 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। जेएस भूपलपल्ली के चिटयाल (वी) और (एम) निवासी कोडेला भद्रैया की शिकायत पर कि उत्तर प्रदेश के माया केयर वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक ललित मोहन वर्मा ने बाइनरी सिस्टम के तहत माया केयर वेलफेयर सोसाइटी के नाम से ऑनलाइन वेब मल्टी-लेवल मार्केटिंग व्यवसाय शुरू किया और लगभग 400 निर्दोष लोगों और बेरोजगार युवाओं को बहकाया और उच्च रिटर्न का वादा करके लगभग पांच करोड़ रुपये एकत्र किए और उन्हें धोखा दिया। शिकायत के आधार पर, पीएस सीआईडी, तेलंगाना राज्य, हैदराबाद के तहत धारा 420, आईपीसी, धारा 3 आर/डब्ल्यू 4 और 5 के तहत एक मामला दर्ज किया गया और जांच की गई। शिखा गोयल, महानिदेशक, सीआईडी, तेलंगाना के निर्देश पर, जांच अधिकारी के. श्रीधर, पुलिस निरीक्षक, आरओ वारंगल और उनकी टीम ने यूपी के कानपुर जाकर आरोपी आनंद वर्मा पुत्र ओमांशु कुमार वर्मा, मायाकेयर वेलफेयर सोसाइटी के महासचिव, कानपुर, उत्तर प्रदेश राज्य को 24 अप्रैल, 2025 को यूपी से गिरफ्तार कर वारंगल लाया गया और उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया और शेष आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं।

जयेश रंजन ने तेलंगाना उद्योग एवं निवेश संवर्धन प्रकोष्ठ के सीईओ का पदभार संभाला

हैदराबाद, 30 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। टीकंसल्ट के चेयरमैन संदीप कुमार मकथला ने गहरी सराहना और दीर्घकालिक सम्मान के भाव से जयेश रंजन, से मुलाकात की और उन्हें तेलंगाना के मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) में उद्योग एवं निवेश संवर्धन प्रकोष्ठ के सीईओ के रूप में उनकी नियुक्ति पर बधाई दी।

भारत के सबसे सम्मानित नौकरशाहों में से एक जयेश रंजन अब इस नई स्थापित भूमिका का नेतृत्व करेंगे, जहां वे बड़े पैमाने पर निवेश रणनीतियों को आगे बढ़ाएंगे और स्पीड (स्मार्ट प्रोएक्टिव एफिशिएंट एंड इफेक्टिव डिलीवरी) पहल की देखरेख करेंगे - जो तेलंगाना के निवेशक सुविधा ढांचे को बदलने और इसके आर्थिक प्रक्षेपवक्र को तेज करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। अपनी पत्नी भाग्य मक्तला के साथ, संदीप ने आईटी और उद्योग के प्रधान सचिव के रूप में अपने प्रभावशाली कार्यकाल के दौरान रंजन के परिवर्तनकारी नेतृत्व के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया, जिसके तहत तेलंगाना नवाचार, स्टार्टअप और उभरती प्रौद्योगिकियों के लिए एक अग्रणी केंद्र के रूप में उभरा। बातचीत के दौरान, रंजन ने तेलंगाना की निवेश यात्रा में प्रवासी नेटवर्क और सक्षम प्लेटफार्मों द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार किया।

संदीप मक्तला के नेतृत्व में टीकंसल्ट, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, कौशल विकास और सीमा पार निवेश को बढ़ावा देने के लिए भारतीय नवप्रवर्तकों, वैश्विक संस्थानों और निवेशक नेटवर्क के साथ काम करना जारी रखता है। इस बैठक ने न केवल एक सम्मानित मार्गदर्शक के प्रति व्यक्तिगत श्रद्धांजलि व्यक्त की, बल्कि वैश्विक निवेश और औद्योगिक विकास में तेलंगाना की अगली छलांग को सक्षम करने की दिशा में एक नई प्रतिबद्धता भी दिखाई।

रामकृष्ण राव ने तेलंगाना के मुख्य सचिव का पदभार संभाला

हैदराबाद, 30 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। के. रामकृष्ण राव ने बुधवार को सचिवालय में आधिकारिक तौर पर तेलंगाना के मुख्य सचिव का पदभार संभाला। कार्यभार संभालने के दौरान निवर्तमान मुख्य सचिव शांति कुमारी भी उनके साथ थीं।

1991 बैच के कैडर के रामकृष्ण राव इससे पहले वित्त विभाग के प्रधान सचिव के पद पर कार्यरत थे। बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने वित्त विभाग में उनके लंबे अनुभव को देखते हुए रामकृष्ण राव को मुख्य सचिव नियुक्त किया है। हालांकि, रामकृष्ण राव अगले अगस्त में सेवानिवृत्त होंगे। इस बीच, शांति कुमारी 30 अप्रैल को सेवानिवृत्ति की आयु पूरी होने पर सेवा से सेवानिवृत्त हो गईं। राज्य सरकार ने शांति कुमारी को एक और महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। उन्हें डॉ.एमसीआर एचआरडी का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

एआईएमपीएलबी-एआईएमआईएम का लाइट बंद करो विरोध एक राजनीतिक नौटंकी : भाजपा

हैदराबाद, 30 अप्रैल - भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तेलंगाना इकाई ने अखिल भारतीय मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) और एआईएमआईएम द्वारा लाइट बंद करो विरोध के संयुक्त आह्वान को मुस्लिम समुदाय को गुमराह करने के उद्देश्य से एक खोखला राजनीतिक स्टंट करार दिया है। राज्य भाजपा के मुख्य प्रवक्ता और मीडिया प्रभारी एन.वी. सुभाष ने विरोध की आलोचना की, जो हाल ही में संशोधित वक्फ बोर्ड अधिनियम के विरोध में किया जा रहा है - एक ऐसा कानून जो मुस्लिम समुदाय के भीतर सभी संप्रदायों के लिए अधिक पारदर्शिता और समान प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए उचित लोकतांत्रिक प्रक्रिया के माध्यम से पारित किया गया है, जिसमें पसमांदा और अहमदी जैसे हाशिए के समूह भी शामिल हैं। सुभाष ने कहा, " असदुद्दीन ओवैसी संविधान और लोकतांत्रिक संस्थाओं में आस्था रखने का दावा करते हैं, फिर भी वे विशुद्ध रूप से राजनीतिक नौटंकी के लिए संवैधानिक रूप से वैध कानून का विरोध करते हैं।" "एक तरफ, वे वक्फ बोर्ड पर धन का दुरुपयोग करने और गरीबों को निराश करने का आरोप लगाते हैं। दूसरी तरफ, अब वे इसका बचाव कर रहे हैं क्योंकि उनकी पार्टी को इसमें आकर्षक पद दिए गए हैं।" सुभाष ने जोर देकर कहा कि वक्फ अधिनियम में संशोधन का उद्देश्य मुस्लिम समुदाय के कम प्रतिनिधित्व वाले और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को सशक्त बनाना है। "यह विडंबना है कि जो लोग कभी वक्फ बोर्ड की अस्पष्टता के लिए आलोचना करते थे, वे अब इसे साफ करने के लिए किए गए सुधारों का विरोध करते हैं। एआईएमआईएम के दोहरे मानदंडों पर अब उन्हीं समुदायों द्वारा तेजी से सवाल उठाए जा रहे हैं, जिन्हें उन्होंने लंबे समय से नजरअंदाज किया है।" उन्होंने नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) के इर्द-गिर्द गलत सूचना अभियान के साथ समानताएं जोड़ते हुए कहा कि वैध विधायी प्रगति को पटरी से उतारने के लिए इसी तरह का भय फैलाने का प्रयास चल रहा है। सुभाष ने सुप्रीम कोर्ट में वक्फ बोर्ड संशोधन का बचाव करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा, "एक व्यापक जवाबी हलफनामा दायर किया जाएगा, जिसमें यह स्पष्ट किया जाएगा कि न्यायपालिका को लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकार की विधायी इच्छा का सम्मान करना चाहिए।" मामले की सुनवाई 5 मई को होनी है। भाजपा ने आर्थिक रूप से वंचित और उपेक्षित मुस्लिम समूहों से अपील की कि वे एआईएमपीएलबी और एआईएमआईएम द्वारा किए जा रहे दुष्प्रचार को समझें, जो कि सुभाष

पुलिस आयुक्त ने सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों को सम्मानित किया

हैदराबाद, 30 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के पुलिस आयुक्त, महानिदेशक, सी.वी. आनंद ने आज हैदराबाद सिटी पुलिस आयुक्तालय के (34) सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारियों (एसआई-11, एएसआई-15, एचसी-1, पीसी-1, एलजीई-6) को सम्मानित किया और विदाई दी।इस अवसर पर आयोजित विदाई सभा में बोलते हुए हैदराबाद के पुलिस महानिदेशक सी.वी. आनंद ने सभी को उनकी सेवानिवृत्ति पर शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा, "मैं प्रत्येक सेवानिवृत्ति विदाई समारोह में शामिल होने का प्रयास करता हूं, क्योंकि एक आयुक्त के रूप में मैं इतने लंबे समय (लगभग 35-43 वर्ष) तक पुलिस विभाग में आपकी सेवा के लिए आपको धन्यवाद देने आता हूं।" उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि किसी को भी सेवानिवृत्ति के बाद दुख न सहना पड़े, यही कारण है कि हम यह सुनिश्चित करने का प्रयास कर रहे हैं कि आपको सेवानिवृत्ति के दिन सभी प्रकार के लाभ प्राप्त हों। उन सभी परिवार के सदस्यों को भी धन्यवाद जिन्होंने उनकी सेवानिवृत्ति के बाद भी उनका समर्थन किया। उन्होंने कहा कि आपको हर दिन अपने परिवार के लिए कुछ न कुछ करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हम प्रतिदिन कुछ न कुछ करते रहने से स्वस्थ रहते हैं। सेवानिवृत्ति के बाद, ईश्वर आपको दीर्घायु एवं उत्तम स्वास्थ्य प्रदान करें तथा आप अपना शेष जीवन अपने परिवार के साथ खुशी से बिताएं। उन्होंने पुलिस विभाग को दी गई सेवाओं की सराहना करते हुए उन्हें अविस्मरणीय बताया। इस कार्यक्रम में परिमला हाना नूतन संयुक्त पुलिस आयुक्त, प्रशासन, हैदराबाद, श्रीनिवास, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, मुख्य लेखा अधिकारी श्रीनिवास, पुलिस अधिकारी संघ के अध्यक्ष वाई. शंकर रेड्डी और समुदाय के सदस्यों ने भाग लिया।

हैदराबाद रेलवे स्टेशन पर व्यापक निवारक जांच की गई

हैदराबाद, 30 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। नियमित जांच के तहत रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने बुधवार को हैदराबाद (नामपल्ली) रेलवे स्टेशन पर व्यापक निवारक सुरक्षा जांच की। आरपीएफ और जीआरपी ने स्टेशन के विभिन्न प्रमुख क्षेत्रों में व्यापक तलाशी और तोड़फोड़ विरोधी अभियान चलाया। इनमें वेटिंग हॉल, सर्कुलेटिंग एरिया, ट्रेनें और प्लेटफॉर्म शामिल थे। टीमों ने संदिग्ध व्यक्तियों की जांच के लिए उन्नत उपकरणों का इस्तेमाल किया। इसके अलावा, आरपीएफ कर्मियों ने मार्च-पास्ट और डॉग ब्लेज़ (विस्फोटक पहचान करने वाला कुत्ता) का आयोजन किया और प्रतीक्षालय, प्लेटफ़ॉर्म और ट्रेनों में विस्फोटक वस्तुओं की जांच की। जांच के दौरान कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। रेलवे पुलिस ने बताया कि यात्रियों की सुरक्षा और रेलवे परिचालन के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए निवारक उपाय किए गए हैं। उन्होंने कहा कि स्टेशन सुरक्षित है और यात्री निश्चिंत होकर यात्रा कर सकते हैं।

सिंहाचलम मंदिर में श्रद्धालुओं की मौत पर वाईएस जगन दुखी

ताडेपल्ली, 30 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मुख्यमंत्री और वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने चंदनोत्सव समारोह के दौरान सिंहाचलम श्री लक्ष्मी नरसिंह स्वामी मंदिर में श्रद्धालुओं की दुखद मौत पर गहरा सदमा और दुख व्यक्त किया। उन्हें यह जानकर बहुत दुख हुआ कि भारी बारिश के कारण 300 रुपये के टिकट की कतार में दीवार गिरने से कई श्रद्धालुओं की जान चली गई। इसे हृदय विदारक घटना बताते हुए उन्होंने कहा कि यह बेहद दुखद है कि भगवान के दिव्य रूप के दर्शन करने आए श्रद्धालुओं को इस दुखद तरीके से अपनी जान गंवानी पड़ी। वाईएस जगन ने सरकार से दुर्घटना में घायल हुए लोगों के लिए सर्वोत्तम संभव चिकित्सा उपचार सुनिश्चित करने का आग्रह किया। उन्होंने अधिकारियों से मृतकों के परिवारों को सभी आवश्यक सहायता और सहयोग देने की भी अपील की।

मंदिर त्रासदी में श्रद्धालुओं की मौत पर बीआरएस ने जताया शोक

हैदराबाद, 30 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव और पूर्व मंत्री टी हरीश राव ने चंदनोत्सवम उत्सव के दौरान सिंहाचलम मंदिर में दीवार गिरने की दुखद घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया। कम से कम सात श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। रामा राव ने इसे अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण घटना बताते हुए मृतकों के परिवारों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त की तथा घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। हरीश राव ने भी शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की तथा प्रभावित परिवारों को शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। यह घटना उस समय घटी जब श्रद्धालु वार्षिक 'चंदनोत्सव' के अवसर पर श्री वराह लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी के 'निजरूप दर्शन' के लिए कतार में खड़े होकर इंतजार कर रहे थे। अधिकारियों को संदेह है कि यह दीवार भारी बारिश और तेज आंधी के कारण क्षतिग्रस्त हुई है, जो तड़के शहर में आई।

नवोदय विद्यालय के स्थान को लेकर कांग्रेस मंत्री और भाजपा सांसद में नोकझोंक

संगारेड्डी, 30 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजनरसिम्हा और मेडक के सांसद एम. रघुनंदन राव अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्र में केंद्र द्वारा हाल ही में संगारेड्डी जिले के लिए स्वीकृत नवोदय विद्यालय को स्थापित करने के लिए आपस में संघर्ष कर रहे हैं। केंद्र ने प्रत्येक जिले में एक संस्थान स्थापित करने की सरकार की नीति के तहत तेलंगाना को सात नए जवाहर नवोदय विद्यालय प्रदान किए हैं, जिनमें से एक संगारेड्डी को भी दिया गया है, इसलिए मंत्री और सांसद अपने निर्वाचन क्षेत्रों में संस्थान स्थापित करने का प्रयास कर रहे हैं, जो दोनों ही संगारेड्डी जिले में हैं।

दामोदर राजनरसिम्हा ने जिला अधिकारियों को अंडोले निर्वाचन क्षेत्र में नवोदय परिसर की स्थापना के लिए उपयुक्त भूमि की पहचान करने का निर्देश दिया है, जबकि रघुनंदन राव ने अधिकारियों से पाटनचेरु विधानसभा क्षेत्र के अमीनपुर में उपयुक्त भूमि की पहचान करने को कहा है, जो मेडक लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आता है। अधिकारी दुविधा में हैं क्योंकि दोनों नेता नरमी बरतने को तैयार नहीं हैं। अधिकारियों की एक टीम ने जहां अंडोले निर्वाचन क्षेत्र में एक स्थान की पहचान की, वहीं अधिकारियों की एक अन्य टीम ने अमीनपुर नगर पालिका में एक अन्य स्थान की पहचान की।

केंद्र ने 2025-26 शैक्षणिक वर्ष से नवोदय विद्यालय शुरू करने का फैसला किया है, इसलिए अधिकारी जोगीपेट में जिला परिषद हाई स्कूल के परिसर में एक अस्थायी भवन में स्कूल शुरू करने की तैयारी कर रहे थे, जो अंडोल निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत आता है। रघुनंदन राव अपने निर्वाचन क्षेत्र में स्कूल स्थापित करने के लिए नई दिल्ली में पैरवी कर रहे थे, जिला प्रशासन के सूत्रों ने कहा कि राज्य सरकार को यह तय करने का अंतिम अधिकार होगा कि संस्थान कहां स्थापित किया जाए। जैसे-जैसे शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत के दिन नजदीक आ रहे हैं, दोनों नेता अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्र में संस्थान स्थापित करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं।

एपी साइबर पुलिस को 50 लैपटॉप दान में मिले

हैदराबाद, 30 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। साइबर सुरक्षा बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम में, तेलंगाना सुविधा प्रबंधन परिषद ने सुरक्षा पहल के तहत आंध्र प्रदेश साइबर पुलिस को 50 लैपटॉप दान किए हैं।

इन लैपटॉप का उपयोग कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने और साइबर अपराध के खिलाफ चल रही लड़ाई में संचालन का समर्थन करने के लिए किया जाएगा। लैपटॉप औपचारिक रूप से हरीश कुमार गुप्ता, पुलिस महानिदेशक, आंध्र प्रदेश को सौंपे गए। इस अवसर पर विजयवाड़ा के पुलिस आयुक्त, आईपीएस राजा शेखर बाबू भी मौजूद थे। हैदराबाद स्थित सीटीआरएलएस डेटासेंटर्स लिमिटेड के निदेशक राजीव त्रिवेदी, आईपीएस (सेवानिवृत्त) और टीएफएमसी के अध्यक्ष सत्यनारायण मकथला के नेतृत्व में यह हस्तांतरण किया गया। सीटीआरएलएस के कंपनी सचिव गोपाल अग्रवाल भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए। टीएफएमसी और सीटीआरएलएस दोनों ने हैदराबाद में जून 2025 के पहले सप्ताह में साइबर सुरक्षा क्षेत्र में काम कर रहे तेलंगाना पुलिस को 50 और लैपटॉप दान करने की योजना की घोषणा की है। एक लैपटॉप किसी अधिकारी को घोटालों को ट्रैक करने, डिजिटल फुटप्रिंट का विश्लेषण करने और अनगिनत नागरिकों की सुरक्षा करने में सक्षम बना सकता है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.